वार्षिक प्रतिवेदन
2017-18

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
वेबसाइट : www.hindivishwa.org
नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

ज्ञान शांति मैत्री

हिंदी प्रति

संरक्षक
गिरीश्वर मिश्र, कुलपति

संपादक मंडल
आनंद वर्धन शर्मा, प्रतिकुलपति
अखिलेश कुमार दुबे
शंभू जोशी
चित्रा माली
राजीव रंजन राय
अशोक मिश्र
अमित कुमार विश्वास

सहयोग
मैत्रेयी
बी.एस. मिरगे
विरेंद्र प्रताप यादव
सुरेश चंद्र मौर्य
राजदीप राठौर

संकल्पना
राजेश आगरकर

प्रकाशन प्रभारी
राजेश कुमार यादव

प्रकाशक
कृष्ण कुमार सिंह, कार्यकारी कुलसचिव
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

मुद्रक
क्विक ऑफसेट, नवीन शाहदरा, दिल्ली–110032

कुलगीत

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
चेतना का दीप है यह, ज्ञान का हिमालय
हिंदी विश्वविद्यालय...

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
नस्ल, धर्म और देशों की सीमाएँ टूट रहीं
एक पाँव रखकर देखो सौ राहें फूट रहीं
सत्य, अहिंसा और शोध के सपनों का महालय
हिंदी विश्वविद्यालय...

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
मटमैली चट्टानों का वर्धा का यही पठार
बंजर पर हरियाली की जय प्रतीक साकार
दुर्लभ पांडुलिपियों का यह अनुपम संग्रहालय
हिंदी विश्वविद्यालय...

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
विद्या, बुद्धि, मनीषा की इस तपोभूमि का ताप बनें
चिंतन का आलाप बनें, अपने दीपक आप बनें
अंधकार के विरुद्ध है यह, महाज्योति प्रज्ञालय
हिंदी विश्वविद्यालय...

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
गांधी हिल्स, वर्धा – 442 001 (महाराष्ट्र) भारत
फोन / Phone : 07152–230901 / 230905 फैक्स / Fax : 07152–230903
वेबसाइट / Website : www.hindivishwa.org

वार्षिक प्रतिवेदन : एक झलक

स्थापना : भारत की संसद द्वारा 1996 में पारित अधिनियम के
अंतर्गत 1997 में महात्मा गांधी की कर्मभूमि वर्धा में
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) की स्थापना की गई।
क्षेत्रफल : लगभग 212 एकड़

विद्यापीठ / केंद्र

विद्यापीठ : 08 विभाग : 16 केंद्र : 05
क्षेत्रीय केंद्र : 02 (इलाहाबाद, कोलकाता)

अनुदान

(धनराशि लाख रुपयों में)

संस्कृति मंत्रालय (अमृतलाल नागर चेयर)	:	200.00
मानव संसाधन विकास मंत्रालय	:	259.65
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग :		
आवर्ती	:	1100.38
गैर–आवर्ती	:	745.72
वेतन :	:	5046.00
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा शोध परियोजना हेतु	:	16.24
अन्य (आईसीपीआर, जीएसडीएस, एनसीआरआई, सहायक ट्रस्ट)	:	27.89
योग	:	**7395.88**

संचालित पाठ्यक्रम

मुख्य परिसर (वर्धा) : 105 (एम.ए., एम.फिल., पी–एच.डी., सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, एडवांस्ड डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा)
क्षेत्रीय केंद्र (इलाहाबाद) : 12 (एम.ए., एम.फिल., पी–एच.डी., डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा)
क्षेत्रीय केंद्र (कोलकाता) : 05 (एम.ए., एम.फिल., पी–एच.डी., डिप्लोमा)
दूर शिक्षा निदेशालय : 12 (स्नातक, स्नातकोत्तर, पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा)
कुल : 134

विद्यार्थियों की संख्या

मुख्य परिसर (वर्धा) : 867 क्षेत्रीय केंद्र (इलाहाबाद) : 126
क्षेत्रीय केंद्र (कोलकाता) : 16 दूर शिक्षा निदेशालय : 1613
कुल : 2622

उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या

डिप्लोमा / पीजी डिप्लोमा / एडवांस्ड डिप्लोमा : 291
स्नातक : 43 एम.ए. : 106 एम.फिल. : 06 पी–एच.डी. : 29
कुल : 475

नियमित कर्मियों की संख्या

शैक्षणिक : 82+4* गैर–शैक्षणिक : 94
कुल : 180 (* अन्य अकादमिक सदस्य)

प्रकाशन

पत्रिकाएँ : बहुवचन, पुस्तक–वार्ता
पुस्तकें : 5, ई–पत्रिकाएँ : 5, भित्ति पत्रिकाएँ : 7

- अनुक्रमणिका -

कुलपति संदेश ...	001
प्रख्यात आगंतुक	002
सांविधिक अधिकारी	002
सांविधिक निकाय	003
• कार्य परिषद	003
• विद्या परिषद	004
• वित्त समिति	006
• भवन निर्माण समिति	006
• अध्ययन मंडल	007
• स्कूल बोर्ड	008
विश्वविद्यालय के अधिकारी	008
विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष / केंद्र निदेशक / प्रभारी	009
विभिन्न समितियों के संयोजक / समन्वयक / अधिकारी	010
परिसर में विद्यार्थियों को उपलब्ध सुविधाएँ	011
विदेशियों के लिए हिंदी पाठ्यक्रम	011
आवासीय लेखक	012
विश्वविद्यालय के विद्यापीठ, विभाग एवं केंद्र	013
1. भाषा विद्यापीठ	014
2. साहित्य विद्यापीठ	024
3. संस्कृति विद्यापीठ	036
4. अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ	047
5. मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	053
6. शिक्षा विद्यापीठ	064
7. प्रबंधन विद्यापीठ	072
क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद	073
क्षेत्रीय केंद, कोलकाता	075
दूर शिक्षा निदेशालय	077

लैबोरेट्री इन इन्फॉरमेटिक्स फॉर द लिबरल आर्ट्स (लीला)	081
प्रकाशन विभाग	082
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ	083
स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय	083
राजभाषा विभाग	084
महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय	085
खेल समिति	086
शोध सहायता प्रकोष्ठ	089
हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र (टीएलसीएच)	090
परिसर विकास विभाग	093
जनसंपर्क कार्यालय	093
पर्यावरण क्लब	094
अस्पताल	095
शिशु विहार	095
डिबेटिंग सोसायटी	095
केंद्रीय विद्यालय वर्धा	095
राष्ट्रीय सेवा योजना	096
हिंदी समय डॉट कॉम	097
गैर–शैक्षणिक कर्मियों के प्रकाशन	098
नेट / जेआरएफ / आरजीएनएफ / अन्य शोधवृत्ति	099
नियोजन प्रकोष्ठ (प्लेसमेंट सेल)	100
विश्वविद्यालय के गैर–शैक्षणिक कर्मियों की सूची	101
जन सूचना कार्यालय	104
प्रवेश प्रकोष्ठ	105
परीक्षा विभाग	114
एम.फिल. तथा पी–एच.डी. उत्तीर्ण विद्यार्थियों की सूची	119
मुख्य परिसर में आयोजित गतिविधियों का विवरण	121
छायाचित्र झलकियाँ	135

कुलाध्यक्ष

श्री प्रणब मुखर्जी
राष्ट्रपति, भारत (25.07.2017 तक)

कुलाध्यक्ष

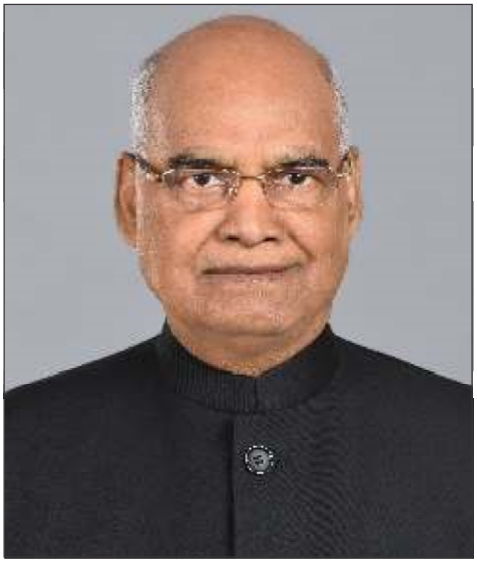

श्री राम नाथ कोविन्द
राष्ट्रपति, भारत (25.07.2017 से)

कुलाधिपति

प्रो. कपिल कपूर

कुलपति

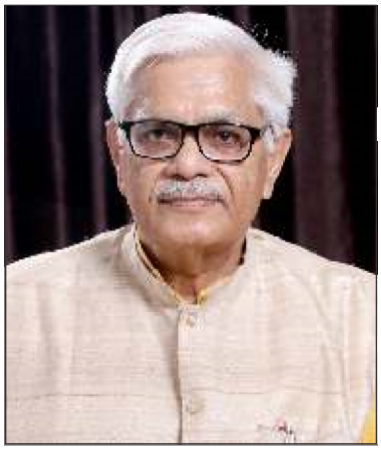

प्रो. गिरीश्वर मिश्र

प्रतिकुलपति

प्रो. आनंद वर्धन शर्मा

कार्यकारी कुलसचिव

श्री क़ादर नवाज़ ख़ान

कुलपति संदेश...

आज से दो दशक पहले हिंदी के इस उच्च शिक्षा केंद्र की नींव डाली गई थी। यह वस्तुतः आधुनिक भारत में हिंदी के उन्नायक बाबू भारतेंदु हरिश्चन्द्र के स्वप्न और आगे चल कर 'राष्ट्रपिता' महात्मा गांधी द्वारा आरंभ की गई 'राष्ट्र भाषा प्रचार परिषद' और 1975 में नागपुर में आयोजित प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन के संकल्प की फलश्रुति है। इसकी मूल संकल्पना थी कि हिंदी को वैश्विक स्तर पर भाषा के रूप में प्रतिष्ठा मिले तथा वह देश के लोक को ज्ञान–विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में समर्थ बना सके। यह कहने की आवश्यकता नहीं कि राष्ट्र के निर्माण के लिए समाज को उसकी भाषा के सार्थक और समर्थ उपयोग का अवसर मिलना एक स्वाभाविक और अनिवार्य शर्त होती है। जैसा कि हम सब भलीभाँति जानते हैं कि औपनिवेशिक काल में अंग्रेजी को प्रशासन, ज्ञान, कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य आदि सभी क्षेत्रों में स्थापित कर बढ़ावा दिया गया। इस पूरी प्रक्रिया में लगभग समूची भारतीय ज्ञान परम्परा को विस्थापित और बहिष्कृत कर दिया गया। इसी परिप्रेक्ष्य में हिंदी उपेक्षित होती गई। तथापि इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि हिंदी भारत की जन–भाषा है और भारतीय संस्कृति की एक प्रमुख संवाहिका है।

लगभग हजार बारह सौ साल के अपने अस्तित्व काल में इस भाषा ने माध्यम के रूप में भारतीय समाज के एक बड़े हिस्से को अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान किया है। एक अर्थ में भारतीय मानस हिंदी के साथ ओतप्रोत हो चुका है क्योंकि सोचने–विचारने की श्रेणियाँ और दुनिया को देखने–समझने के तौर तरीके भी बहुत हद तक भाषा द्वारा ही तय हुआ करते हैं। हमारी रचनात्मकता और सर्जन–शक्ति भाषा के सहारे ही उड़ान भरती है। भाषा हमारे अनुभव को संभव करती है और उसे अर्थवान भी बनाती है। दुनिया से परिचित कराती हुई भाषा कल्पना और यथार्थ के बीच संवाद का मार्ग भी प्रशस्त करती चलती है। भाषा अनुभव को संचित करने का भी काम करती है। भारत के संदर्भ में देश के अतीत, वर्तमान और भविष्य को समेटे हुए हिंदी, साहित्य, संगीत, कला आदि में हमारी उपलब्धियों को अर्थात संस्कृति के प्रमुख अंशों को संजोए हुए है। आज भारत के व्यापक क्षेत्र के लोगों की सामाजिक–सांस्कृतिक भागीदारी और जीवन शैली को गति दे रही हिंदी जीवंत संवाद की भाषा बन रही है। व्यापार, बाजार और मनोरंजन की दुनिया में हिंदी के बिना आज कोई गति नहीं है साथ ही हिंदी ज्ञान–विज्ञान के क्षेत्र में भी धीरे–धीरे अपने पाँव जमा रही है।

वस्तुतः भाषा का एक मुख्य प्रयोजन संस्कृति की चरितार्थता से सिद्ध होता है और हिंदी बखूबी इस भूमिका को निभाती चली आ रही है। लोक जीवन में वाचिक परंपरा में पीढ़ी–दर–पीढ़ी चले आ रहे हिंदी लोक गीतों के संस्कार उनके मिथक, बिंब और कथानक अनुभव में घुलते रहे हैं। हिंदी के इस लोक रूप का एक उल्लेखनीय पक्ष यह भी है कि वह हमारे पूर्वजों की उस टोली के साथ देश के बाहर भी पहुँची, जो डेढ़ सदी पहले दूर देशों में कुछ सपने लेकर गए थे। मॉरीशस, त्रिनिदाद, दक्षिण अफ्रीका, फिजी, सूरीनाम आदि देशों में ये भारतीय अधिकांशतः मजदूर के रूप में पहुँचे थे और अच्छी कमाई की लालसा उन्हें वहाँ खींच ले गई थी। जिन भारतीयों ने भारत से बाहर कदम रखा, उन्होंने इतिहास बना कर हिंदी का एक नया भूगोल रच दिया। हिंदी आज विश्व में अनेक देशों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है। वह भिन्न–भिन्न स्थानों पर अपने परिवेश की भाषाओं से भी प्रभावित हो रही है। इस प्रकार हिंदी आज अंतरराष्ट्रीय फलक पर प्रतिष्ठित हो रही है और उसके साथ कई नए आयाम भी जुड़ गए हैं ।

आज हिंदी की कार्य–परिधि बदलते तकनीकी परिवेश में नए आयाम पा रही है। हिंदी को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समृद्ध और सक्षम बनाने की दिशा में यह विश्वविद्यालय कृतसंकल्प है। जैसा कि वर्ष 2017–18 के इस वार्षिक प्रतिवेदन और लेखा से स्पष्ट है अध्ययन, अध्यापन और शोध की दृष्टि से यह विश्वविद्यालय प्रगति पथ पर अग्रसर हो रहा है। यहाँ पर भाषिक तकनीकी का विकास, कोश–निर्माण, महत्वपूर्ण ग्रंथों का प्रकाशन, विदेशी छात्रों के लिए हिंदी का अध्यापन, हिंदी हेतु प्रशिक्षण तथा परिचर्चा आदि का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा रहा है। इन सभी कार्यों का विस्तृत विवरण इसमें सम्मिलित किया गया है। मैं इसके संपादक मंडल को हृदय से बधाई देता हूँ। मुझे विश्वास है कि यह विवरण विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए आगे चलने के लिए मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

प्रो. गिरीश्वर मिश्र
कुलपति

प्रख्यात आगंतुक

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्राथमिक सरोकारों में से महत्वपूर्ण यह है कि पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या और पाठ्यसामग्री को नई शताब्दी की चुनौतियों और प्रश्नाकुलता के अनुरूप अद्यतन करते हुए इस क्षेत्र में नए विकल्पों को ज्ञात कर विकसित और विन्यस्त किया जाए। यह विश्वविद्यालय युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं के अनुरूप पारंपरिक पाठ्यक्रमों से इतर ज्ञान के विविध अनुशासनों में शोध एवं मूल्यपरक शिक्षा को वरीयता देता है, इसलिए यहां अध्ययन–अध्यापन और अनुसंधान के क्षेत्रों में नई प्रविधि विकसित करने के उद्देश्य से विद्यार्थियों को विषय विशेषज्ञों से रू–ब–रू भी कराया जाता है। अपनी अवधारणा के मुताबिक विश्वविद्यालय ने अपने–अपने क्षेत्र के अनेक विद्वानों और जीवंत प्रतिभाओं से खुद को जोड़ा है। वर्ष 2017–18 में अध्ययन–अध्यापन के लिए विभिन्न अनुशासनों के शैक्षिक आयोजनों में अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने विश्वविद्यालय में उपस्थित हो कर यहाँ के अकादमिक परिवेश को समृद्ध किया।

1. श्री केशरीनाथ त्रिपाठी, राज्यपाल, पश्चिम बंगाल
2. सुश्री तात्याना ओरांसकाइया, जर्मनी
3. डॉ. एस.एन. सुब्बाराव, समाजसेवी
4. डॉ. मिलेना ब्रातोएवा, बल्गारिया
5. श्री सुमना सिरी, बौद्ध चिंतक, थाईलैंड
6. डॉ. गिरिराज किशोर, लेखक
7. श्री मधुर भंडारकर, फिल्म निर्देशक, मुंबई
8. प्रो. अशोक चक्रधर, कवि
9. श्री हरिराम द्विवेदी, कवि, वाराणसी
10. डॉ. अशोक गजानन मोदक, चिंतक
11. प्रो. एस.पी. बंसल, कुलपति, इं.गां. हरियाणा राज्य विश्वविद्यालय, रेवाड़ी
12. प्रो. रामदेव भारद्वाज, कुलपति, अ.बि.बा.हिं. वि.वि, भोपाल
13. प्रो. ईश्वर सरन विश्वकर्मा, अध्यक्ष, उ.प्र. उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग
14. डॉ. रामबहादुर राय, अध्यक्ष, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली
15. डॉ. सच्चिदानंद जोशी, सदस्य, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली
16. डॉ. अच्युतानंद मिश्र, मीडिया चिंतक
17. प्रो. केदारनाथ सिंह, कवि
18. सुश्री ऊषा गांगुली, नाट्य लेखिका एवं शोधकर्ता, दिल्ली
19. श्री शाहिर संभाजी भगत, मुंबई
20. श्री असाई गुरूजी (जापान–भारत सकॉम मैत्री संघ), जापान
21. प्रो. अपूर्वानंद, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
22. प्रो. अरुण प्रकाश, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
23. पद्मश्री निरंजन गोस्वामी, दिल्ली
24. डॉ. बाल मुकुंद, इतिहासविद्, दिल्ली
25. श्री विनोद कु. मिश्र, विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरिशस
26. श्री बलदेव भाई शर्मा, अध्यक्ष, एनबीटी, नई दिल्ली
27. श्री अजीत अंजुम, ब्राडकास्ट एडिटर्स असोसिएशन, दिल्ली
28. श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी, सदस्य, राज्य सभा
29. श्रीमती संतोष अहलावत, सांसद, झुंझनू राजस्थान
30. श्री सुधीर पाठक, वरिष्ठ पत्रकार, नागपुर
31. प्रो. गोपेश्वर सिंह, साहित्यकार, दिल्ली
32. श्री पोपटराव पवार, सरपंच, हिवरे बाजार, महाराष्ट्र
33. एड. अरविंद जैन, जेंडर कार्यकर्ता
34. श्री अतुल कोठारी, शिक्षा–संस्कृति अध्येता, उत्थान न्यास, नई दिल्ली
35. प्रो. विजय बहादुर सिंह, साहित्यकार, भोपाल
36. डॉ. रानी बंग, समाजसेवी, महाराष्ट्र
37. प्रो. सुधीर चंद्रा, गांधीवादी चिंतक, दिल्ली
38. प्रो. तंकमणि अम्मा, साहित्यकार, त्रिवेंद्रम
39. सुश्री लक्ष्मी देसाई, नाट्य रंगकर्मी, अमेरिका
40. श्री श्री जे. नंदकुमार, प्रज्ञा प्रवाह, दिल्ली

सांविधिक अधिकारी

श्री प्रणब मुखर्जी (25.07.2017 तक)	:	कुलाध्यक्ष
श्री राम नाथ कोविन्द (25.07.2017 से ...)	:	कुलाध्यक्ष
प्रो. कपिल कपूर	:	कुलाधिपति
प्रो. गिरीश्वर मिश्र	:	कुलपति
प्रो. आनंद वर्धन शर्मा	:	प्रतिकुलपति
प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल	:	संकायाध्यक्ष (भाषा विद्यापीठ)
प्रो. प्रीति सागर	:	संकायाध्यक्ष (साहित्य विद्यापीठ)
प्रो. लेला कारूण्यकरा	:	संकायाध्यक्ष (संस्कृति विद्यापीठ)
प्रो. देवराज	:	संकायाध्यक्ष (अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ)
प्रो. मनोज कुमार	:	संकायाध्यक्ष (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ)
प्रो. अरबिंद कुमार झा (13.12.17 तक)	:	संकायाध्यक्ष (शिक्षा विद्यापीठ)
प्रो. आनंद वर्धन शर्मा (13.12.17 से ...)	:	संकायाध्यक्ष (शिक्षा विद्यापीठ)
प्रो. अरबिंद कुमार झा (13.12.17 तक)	:	संकायाध्यक्ष (प्रबंधन विद्यापीठ)
प्रो. आनंद वर्धन शर्मा (13.12.17 से ...)	:	संकायाध्यक्ष (प्रबंधन विद्यापीठ)
डॉ. मैत्रेयी घोष	:	पुस्तकालयाध्यक्ष
डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर	:	कुलानुशासक
श्री क़ादर नवाज़ ख़ान	:	वित्ताधिकारी
श्री क़ादर नवाज़ ख़ान	:	कुलसचिव (कार्यकारी)

सांविधिक निकाय

कार्य परिषद

कार्य परिषद विश्वविद्यालय के प्रबंध एवं प्रशासन का सर्वोच्च निकाय है, जिसे कुलाध्यक्ष की अनुमति से परिनियम बनाने की शक्ति प्राप्त है। विनियम विश्वविद्यालय की प्राधिकृत संस्था द्वारा परिनियम एवं अध्यादेश को ध्यान में रखकर बनाए जाते हैं। प्रत्येक परिनियम, अध्यादेश एवं विनियम संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत किए जाते हैं और भारत के राजपत्र में प्रकाशित होते हैं।

कार्य परिषद के सदस्य –

क्र.	नाम एवं सदस्य विवरण	पता
1	प्रो. गिरीश्वर मिश्र कुलपति एवं अध्यक्ष	म.गां.अं.हिं.वि., गांधी हिल्स, वर्धा–442001 (महाराष्ट्र)
2	प्रो. आनंद वर्धन शर्मा प्रतिकुलपति एवं सदस्य	म.गां.अं.हिं.वि., गांधी हिल्स, वर्धा–442001 (महाराष्ट्र)
3	प्रो. लेला कारूण्यकरा सदस्य	संकायाध्यक्ष, संस्कृति विद्यापीठ म.गां.अं.हिं.वि., गांधी हिल्स, वर्धा–442001 (महाराष्ट्र)
4	प्रो. मनोज कुमार अधिष्ठाता,साहित्य विद्यापीठ सदस्य	संकायाध्यक्ष, मानविकी एवं सामाजिक. वि. म.गां.अं.हिं.वि., गांधी हिल्स, वर्धा–442001 (महाराष्ट्र)
5	प्रो. अनिल कुमार राय प्रोफेसर सदस्य	जनसंचार विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., गांधी हिल्स, वर्धा–442001 (महाराष्ट्र)
6	श्री जगदीप सिंह दांगी एसोशिएट प्रोफेसर सदस्य	भाषा विद्यापीठ म.गां.अं.हिं.वि., गांधी हिल्स, वर्धा–442001 (महाराष्ट्र)
7	डॉ. रामानुज अस्थाना सहायक प्रोफेसर सदस्य	साहित्य विद्यापीठ म.गां.अं.हिं.वि., गांधी हिल्स, वर्धा–442001 (महाराष्ट्र)
8	प्रो. सुधीर पाठक सदस्य	10, शिवसुंदर अपार्टमेंट, खरे टाउन, लेन नं.–3, धरमपेठ, नागपुर 440010
9	श्री वंदना खुशालानी सदस्य	प्राचार्य, दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय 129 कुकरेजा नगर, नागपुर 440014
10	प्रो. प्रेम सी. पतंजलि सदस्य	डी.डब्ल्यू–97 डी, शालीमार बाग दिल्ली–110088
11	डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी सदस्य	ए–107, मधुर जीवन अपार्टमेंटस ब्लॉक–34, सेक्टर 10, द्वारका, दिल्ली 110 075
12	डॉ. अरुण कुमार भगत सदस्य	माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (नोएडा कैम्पस),सी 56/4, सेक्टर–62, नोएडा
13	प्रो. आर. एस. सर्राजू सदस्य	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय प्रो. सी.आर. राँव रोड गाँचीबावली, हैदराबाद–500046
14	डॉ. कविता श्रीधर शनवारे सदस्य	एस.एफ.एस. कॉलेज से निवृत्त नागपुर
15	डॉ. दिनेश सी. राय सदस्य	प्रोफेसर एवं पूर्व विभागाध्यक्ष डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी 221 005
16	प्रो. चंद्रकांत रागिट सदस्य	कमिन्स महिला इंजीनियरिंग कॉलेज राम रक्षा, 4– सीता नगर, वर्धा रोड, नागपुर 440025
17	श्री क़ादर नवाज़ ख़ान सदस्य सचिव	म.गां.अं.हिं.वि., गांधी हिल्स, वर्धा–442001 (महाराष्ट्र)

कार्य परिषद की 58 वीं बैठक 02 मई, 2017 को तथा 59 वीं बैठक 23 जून, 2017 को संपन्न हुई।

विद्या परिषद

विश्वविद्यालय के अधिसूचना क्रमांक 005/वि.प.ग./59 (3)/443 के आलोक में विद्या परिषद का गठन निम्नानुसार किया गया है।

01	कुलपति		अध्यक्ष
02	प्रतिकुलपति		सदस्य
03	सभी संकायाध्यक्ष	संकायाध्यक्ष, भाषा विद्यापीठ	सदस्य
		संकायाध्यक्ष, साहित्य विद्यापीठ	सदस्य
		संकायाध्यक्ष, संस्कृति विद्यापीठ	सदस्य
		संकायाध्यक्ष, अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ	सदस्य
		संकायाध्यक्ष, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	सदस्य
		संकायाध्यक्ष, शिक्षा विद्यापीठ	सदस्य
		संकायाध्यक्ष, प्रबंधन विद्यापीठ	सदस्य
		संकायाध्यक्ष, विधि विद्यापीठ	सदस्य
04	सभी विभाग प्रमुख	विभागाध्यक्ष, भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग	सदस्य
		निदेशक, सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र	सदस्य
		निदेशक, विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद	सदस्य
		विभागाध्यक्ष, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग	सदस्य
		विभागाध्यक्ष, प्रदर्शनकारी कला विभाग	सदस्य
		विभागाध्यक्ष, गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग	सदस्य
		विभागाध्यक्ष, स्त्री अध्ययन विभाग	सदस्य
		निदेशक, डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर–सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र	सदस्य
		विभागाध्यक्ष, जनसंचार विभाग	सदस्य
		निदेशक, म.गां.फ्यू. गुरुजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र	सदस्य
		विभागाध्यक्ष, मानवविज्ञान विभाग	सदस्य
		विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग	सदस्य
		आमंत्रित सदस्य :	
		प्रभारी विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी साहित्य विभाग	सदस्य
		प्रभारी विभागाध्यक्ष, उर्दू साहित्य विभाग	सदस्य
		प्रभारी विभागाध्यक्ष, संस्कृत साहित्य विभाग	सदस्य
		प्रभारी विभागाध्यक्ष, मराठी साहित्य विभाग	सदस्य
		प्रभारी निदेशक, डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र	सदस्य
		प्रभारी विभागाध्यक्ष, अनुवाद अध्ययन विभाग	सदस्य
		प्रभारी विभागाध्यक्ष, प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग	सदस्य
		प्रभारी विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग	सदस्य
		प्रभारी विभागाध्यक्ष, प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग	सदस्य

05	सभी प्रोफेसर	प्रो. वृषभ प्रसाद जैन	सदस्य
		प्रो. मनोज कुमार	सदस्य
		प्रो. लेला कारूण्यकरा	सदस्य
		प्रो. अनिल कुमार राय	सदस्य
		प्रो. संतोष कुमार भदौरिया	सदस्य
		प्रो. कृष्ण कुमार सिंह	सदस्य
		प्रो. शंभू कुमार गुप्त	सदस्य
		प्रो. विजय कुमार कौल	सदस्य
		प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल	सदस्य
		प्रो. देवराज	सदस्य
		प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी	सदस्य
		प्रो. अरबिंद कुमार झा (13.12.2017 से धारणाधिकार पर)	सदस्य
		प्रो. कृपाशंकर चौबे	सदस्य
		प्रो. प्रीति सागर	सदस्य
		प्रो. अनिल कुमार पांडेय	सदस्य
		प्रो. फरहद मलिक	सदस्य
		प्रो. अवधेश कुमार	सदस्य
		प्रो. अखिलेश कुमार दुबे	सदस्य
06	चार एसोशिएट प्रोफेसर एवं चार सहायक प्रोफेसर वरिष्ठता क्रम में चक्रानुक्रम के अंतर्गत कुलपति द्वारा नामित	डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर, एसोशिएट प्रोफेसर	सदस्य
		डॉ. शिरीष पाल सिंह, एसोशिएट प्रोफेसर	सदस्य
		श्री जगदीप सिंह दांगी, एसोशिएट प्रोफेसर	सदस्य
		डॉ. रवीन्द्र टी. बोरकर, एसोशिएट प्रोफेसर	सदस्य
		डॉ. अमरेन्द्र कुमार शर्मा, सहायक प्रोफेसर	सदस्य
		डॉ. अमित राय, सहायक प्रोफेसर	सदस्य
		श्री संदीप मधुकर सपकाले, सहायक प्रोफेसर	सदस्य
		डॉ. शैलेश मरजी कदम, सहायक प्रोफेसर	सदस्य
07	अधिष्ठाता, छात्र कल्याण	प्रो. अनिल कुमार राय	सदस्य
08	पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. मैत्रेयी घोष	सदस्य
09	कुलानुशासक	डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर	सदस्य
10	विद्या परिषद द्वारा सहयोजित (Co-opted) विश्वविद्यालय सेवा से बाहर के चार विशेषज्ञ	प्रो. रीतेश कुमार सिंह, वाणिज्य विभाग, देल्ही स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	सदस्य
		प्रो. गोविंद शर्मा, भूतपूर्व निदेशक, मध्य प्रदेश, हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 81, हेलीपैड कॉलोनी, जयविलास परिसर, ग्वालियर–09	सदस्य
		प्रो. सदानंद गुप्त, उपाध्यक्ष, उ.प्र. हिंदी संस्थान, लखनऊ	सदस्य
		प्रो. कुमुद शर्मा, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	सदस्य
11	दो भूतपूर्व विद्यार्थी	डॉ. गोविंद प्रसाद (साहित्य विभाग)	सदस्य
		डॉ. माधुरी इखार (स्त्री अध्ययन विभाग)	सदस्य
12	दो छात्र प्रतिनिधि	श्री कृष्ण कुमार मिश्र, पीएच .डी. हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग	सदस्य
		सुश्री सुरभि चेतिया, एम .ए. तृतीय सेमेस्टर, भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग	सदस्य
13	कुलसचिव		पदेन सचिव

विद्या परिषद की 26 वीं बैठक 29 अप्रैल, 2017 तथा 27 वीं बैठक 29 जनवरी, 2018 को संपन्न हुई।

वित्त समिति

1. प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति एवं अध्यक्ष
   म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

सदस्य

2. प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, प्रतिकुलपति
   म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
3. संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली
4. संयुक्त सचिव (के.वि. एवं भाषा)
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली
5. संयुक्त सचिव (के.वि.)
   विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
   बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली
6. डॉ. अब्दुल बारी अब्दुल अज़ीज़
   प्रधानाचार्य
   जी.एस. कॉलेज ऑफ कॉमर्स
   जमनालाल बजाज मार्ग, वर्धा
7. डॉ. अनंतराम त्रिपाठी
   सखु भाई मंदिर के निकट, साई नगर, वर्धा
8. प्रो. अरबिंद कुमार झा
   अधिष्ठाता : शिक्षा विद्यापीठ / प्रबंधन विद्यापीठ
   म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा (13.12.2017 से लिएन पर)
9. श्री क़ादर नवाज़ ख़ान
   कार्यकारी कुलसचिव, वित्ताधिकारी एवं पदेन सचिव
   म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

वित्त समिति की 29 वीं बैठक 22 जून, 2017 को संपन्न हुई।

भवन निर्माण समिति

1. प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति एवं अध्यक्ष, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

सदस्य

2. प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, प्रतिकुलपति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
3. प्रो. अरबिंद कुमार झा, अधिष्ठाता (योजना)
4. उपयोगकर्ता विभाग का प्रतिनिधि (आवश्यकतानुसार)
5. प्रो. के. के. सिंह, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
6. प्रो. अनिल कुमार पांडेय, म.गां. अं.हिं.वि., वर्धा
7. वित्ताधिकारी, म.गां. अं.हिं.वि., वर्धा
8. प्रो. आर. के. इंगले, डिपार्टमेंट ऑफ एप्लाइड मेकेनिक्स, वी.एन.आईटी., नागपुर
9. मुख्य अभियंता, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सिविल)
   (या नामित सदस्य)
10. श्री वी.बी. ठाकरे, 1028 / 10–बी / जुहू गृहा स्वप्न,
    4 जे.वी.पी.डी., क्रॉस लेन, गुलमोहर रोड, जूहू, मुंबई–40049
11. कार्यपालक अभियंता (विद्युत), केंद्रीय विद्युत मंडल, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, केंद्रीय सरकार कार्यालय परिसर,
    सी.जी.ओ. बिल्डिंग, ब्लॉक बी., 3 रा माला, सेमिनरी हिल्स, नागपुर–440006
12. श्री एम.बी. मैदम्वार, एफ–01, एन.आई.आर.ए. अपार्टमेंट, पातुरकर राम मंदिर के पास, झंडा चौक, महल नागपुर
13. श्री तुषार वानखडे, कनिष्ठ अभियंता, म.गां. अं.हिं.वि., वर्धा
14. प्रो. विजय कापसे, वी.एन.आई.टी., नागपुर
15. मुख्य वास्तुविद् (या नामित सदस्य), केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, सी.जी.ओ. बिल्डिंग, ब्लॉक बी., 3 रा माला, सेमिनरी हिल्स, नागपुर–440006
16. डॉ. विनोद राऊत, एसोशिएट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ हॉर्टिकल्चर, एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, पंजाब रोड, महाराजा बाग के पास, नागपुर

विशेष आमंत्रित सदस्य

17. अधिशासी अभियंता (यूपीएससीआईडीसीएल), यू.पी. स्टेट कंस्ट्रक्शन एंड इन्फ्रास्टकचर डेवलपमेंट कारपोरेशन लि.,
    टी.सी. 46, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ–226010 (उ.प्र.)
18. सहायक कुलसचिव, परिसर विकास, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
19. निदेशक, मेसर्स वी.वी. इंजीनियरिंग कंसल्टेंट, आरती अपार्टमेंट, प्लाट नं.44–45, नागपुर–440036
20. श्री क़ादर नवाज़ ख़ान, कुलसचिव एवं वित्ताधिकारी, सदस्य सचिव, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

भवन निर्माण समिति की 32 वीं बैठक 30 अप्रैल, 2017, 33 वीं बैठक 06 अक्टूबर, 2017 तथा 34 वीं बैठक 27 मार्च, 2018 को संपन्न हुई।

अध्ययन मंडल (बोर्ड ऑफ स्टडीज़)

क्र.	विभाग	गठन की तिथि	बैठक की तिथि	बाह्य विशेषज्ञ
1.	भाषा विज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग	05.05.2015	15–16 सितंबर 2017	प्रो. के. एल. वर्मा डॉ. राम भावसार
2.	सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र	14.07.2017	04.08.2017 21.02.2018	प्रो. दिनेश जोशी, प्रो. आर.सी.शर्मा, डॉ. सौरभ कुमार
3	विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र	07.03.2016	24 अगस्त, 2017 05 मार्च, 2018	प्रो. ठाकुर दास (स्पेनिश भाषा के लिए), डॉ. कमलशील (चीनी भाषा के लिए), डॉ. उनिता सच्चिदानंद (जापानी भाषा के लिए), प्रो. डी.के.सिंह (फ्रेंच भाषा के लिए), प्रो. बीना शर्मा (अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी)
4.	हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग	15.02.2017	25.04.2017 10.11.2017	प्रो. गजेन्द्र पाठक प्रो. भारती गोरे
5.	संस्कृत साहित्य विभाग	28.04.2016		डॉ. स्मिता होटे, डॉ. बलराम शुक्ल
6.	उर्दू साहित्य विभाग	19.08.2016	08.03.2018	प्रो. बेग एहसास प्रो. इर्तेजा करीम
7.	अंग्रेजी साहित्य विभाग	21.04.2016		डॉ. शोमा सेन, डॉ. सुपांथ भट्टाचार्या
8.	मराठी साहित्य विभाग	16.05.2016		डॉ. पी.एम. कालभुत, डॉ. शैलेन्द्र लेंडे
9.	गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग	22.11.2016	28.07.2017	प्रो. पुष्पा मोतियानी डॉ. एम.एल. कासारे डॉ. आशुतोष मिश्र
10.	स्त्री अध्ययन विभाग	11.03.2016	28.02.2018	डॉ. अनघा तांबे, प्रो. यू. विंध्या सुश्री माधुरी इखार,
11.	डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर–सिदो–कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र	13.12.2016	30.08.2017 28.02.2018	प्रो. प्रदीप आगलावे डॉ. के. वाई. रत्नम
12.	डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र	24.01.2018	25.01.2018	प्रो. एम. एल. कासारे, प्रो. भाऊ लोखंडे, श्री शत्रुघ्न मून
13.	अनुवाद अध्ययन विभाग	16.06.2017	16.09.2007 13.04.2018	डॉ. जगदीश शर्मा प्रो. के. एल. वर्मा, प्रो. रामजी तिवारी
14	प्रवासन एवं डायस्पोरा विभाग	12.06.2015 08.06.2015	09.11.2017 24.04.2018	डॉ. अतनु महापात्र डॉ. सदानंद साहू
15.	जनसंचार विभाग			
16.	महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र	26.10.2016	18.01.2018	डॉ. जॉन मेनाचेरी, डॉ. शाहिद अली
17.	मानवविज्ञान विभाग	21.12.2016	03.11.2017	प्रो. मिताश्री मित्रा, डॉ. राम गंभीर
18.	प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक) विभाग	01.07.2014	11.05.2017	श्री. योगेश्वर गंधे, डॉ. जयंत शेवतेकर श्री. जैनेन्द्र कुमार दोस्त
19.	शिक्षा विभाग	09.06.2017	21.09.2017 19.01.2018	प्रो. विद्याशंकर शुक्ल प्रो. राजश्री वैष्णव
14.	मनोविज्ञान विभाग	11.07.2014	19.09.2017 08.04.2017	प्रो. के.एन. त्रिपाठी प्रो. आनंद प्रकाश
15.	प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग	01.07.2016	19.01.2018	प्रो. पी. के. मिश्रा, प्रो. रेखा सिंघल

स्कूल बोर्ड			
क्र.	विद्यापीठ	गठन	बाह्य विशेषज्ञ
1.	भाषा विद्यापीठ	14.07.2017	प्रो. दिनेश जोशी, प्रो. आर.सी.शर्मा, डॉ. सौरभ कुमार
2.	साहित्य विद्यापीठ	15.07.2017	प्रो. आर. एस. सर्राजु, हैदराबाद प्रो. गोपेश्वर सिंह, दिल्ली
3.	संस्कृति विद्यापीठ	11.03.2016	डॉ. अनघा तांबे, पुणे प्रो. यू. विंध्या, हैदराबाद
4.	अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ	08.11.2017	प्रो. चंद्रशेखर भट्ट प्रो. अवधेश कुमार सिंह
5.	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	28.10.2014	प्रो. एस.बी.एस. चौहान, केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर प्रो. प्रदीप देशमुख, एमजीआईएमएस, सेवाग्राम
6.	शिक्षा विद्यापीठ	12.12.2017 24.01.2018	प्रो. नमिता रंगनाथन प्रो. गौरीशंकर पराशर
7.	प्रबंधन विद्यापीठ	01.06.2016	प्रो. रेखा सिंघल, आईआईएफएम, भोपाल (म.प्र.)

विश्वविद्यालय के अधिकारी	
कुलाध्यक्ष	माननीय श्री प्रणब मुखर्जी (25.07.2017 तक)
कुलाध्यक्ष	माननीय श्री राम नाथ कोविन्द (25.07.2017 से...)
कुलाधिपति	प्रो. कपिल कपूर
कुलपति	प्रो. गिरीश्वर मिश्र
प्रतिकुलपति	प्रो. आनंद वर्धन शर्मा
संकायाध्यक्ष : भाषा विद्यापीठ	प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल
संकायाध्यक्ष : साहित्य विद्यापीठ	प्रो. प्रीति सागर
संकायाध्यक्ष : संस्कृति विद्यापीठ	प्रो. लेला कारूण्यकरा
संकायाध्यक्ष : अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ	प्रो. देवराज
संकायाध्यक्ष : मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	प्रो. मनोज कुमार
संकायाध्यक्ष : शिक्षा विद्यापीठ	प्रो. अरबिंद कुमार झा (13.12.2017 तक)
संकायाध्यक्ष : शिक्षा विद्यापीठ	प्रो. आनंद वर्धन शर्मा (13.12.2017 से ...)
संकायाध्यक्ष : प्रबंधन विद्यापीठ	प्रो. अरबिंद कुमार झा (13.12.2017 तक)
संकायाध्यक्ष : प्रबंधन विद्यापीठ	प्रो. आनंद वर्धन शर्मा (13.12.2017 से ...)
अधिष्ठाता : छात्र–कल्याण	प्रो. अनिल कुमार राय
कुलानुशासक	डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर
कुलसचिव (कार्यकारी) एवं परीक्षा नियंत्रक	श्री क़ादर नवाज़ ख़ान
पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. मैत्रेयी घोष
अकादमिक संयोजक	डॉ. शोभा पालीवाल
संपादक	श्री अशोक मिश्र
क्षेत्रीय निदेशक (दूर शिक्षा निदेशालय) : कोलकाता केंद्र में पदस्थ	डॉ. पी.के. पातंजलि
सहायक संपादक : कोलकाता केंद्र में पदस्थ	श्री राकेश श्रीमाल
सहायक संपादक	डॉ. अमित कुमार विश्वास
जनसंपर्क अधिकारी	श्री बी.एस. मिरगे
हिंदी अधिकारी एवं प्रकाशन प्रभारी	श्री राजेश कुमार यादव
सहायक क्षेत्रीय निदेशक	श्री यशराज सिंह पाल
सहायक क्षेत्रीय निदेशक	डॉ. प्रकाश नारायण त्रिपाठी
सहायक कुलसचिव (कुलपति कार्यालय, भंडार एवं क्रय, परिषद)	श्री राजेश अरोड़ा
सहायक कुलसचिव (परिसर)	डॉ. राजेश्वर सिंह
सहायक कुलसचिव (अकादमिक)	डॉ. ज्योतिष पायेंग

विष्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष/केंद्र निदेषक/प्रभारी	
विभागाध्यक्ष : भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग	डॉ. अनिल कुमार पांडेय
निदेशक : सूचना तथा भाषा अभियांत्रिकी केंद्र	प्रो. विजय कौल
निदेशक : विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र	प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल
विभागाध्यक्ष : हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग	प्रो. के.के. सिंह
विभागाध्यक्ष : गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग	प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी
विभागाध्यक्ष : जनसंचार विभाग	प्रो. अनिल कुमार राय
विभागाध्यक्ष : स्त्री अध्ययन विभाग	प्रो. शंभू गुप्त
निदेशक : डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर–सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र	प्रो. लेला कारूण्यकरा
निदेशक : महात्मा गांधी फ्यूजी–गुरुजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र	प्रो. मनोज कुमार
प्रभारी निदेशक : डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र	डॉ. सुरजीत कुमार सिंह
विभागाध्यक्ष : अनुवाद अध्ययन विभाग	डॉ. राम प्रकाश यादव
प्रभारी विभागाध्यक्ष : प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग	डॉ. राजीव रंजन राय
विभागाध्यक्ष : मानवविज्ञान विभाग	प्रो. फरहद मलिक
विभागाध्यक्ष : प्रदर्शनकारी कला विभाग	डॉ. ओमप्रकाश भारती
विभागाध्यक्ष : शिक्षा विभाग	डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर
प्रभारी विभागाध्यक्ष : मनोविज्ञान विभाग	डॉ. शिरीष पाल सिंह
विभागाध्यक्ष : प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग	डॉ. शिरीष पाल सिंह
प्रभारी विभागाध्यक्ष : अंग्रेज़ी विभाग	सुश्री मैत्रेयी
प्रभारी विभागाध्यक्ष : उर्दू विभाग	डॉ. हिमांशु शेखर
प्रभारी विभागाध्यक्ष : संस्कृत विभाग	श्री लेखराम दन्नाना
प्रभारी विभागाध्यक्ष : मराठी विभाग	डॉ. धर्मेंद्र शंभरकर
निदेशक : दूर शिक्षा निदेशालय	प्रो. अरबिंद कुमार झा
प्रभारी, क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद	प्रो. संतोष कुमा भदौरिया
प्रभारी, क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता	डॉ. कृपाशंकर चौबे
प्रभारी, लीला	श्री गिरीश चंद्र पांडेय
प्रभारी, परीक्षा	श्री कौशल किशोर त्रिपाठी

विभिन्न समितियों के संयोजक/समन्वयक/अधिकारी	
प्रभारी/संयोजक	समितियाँ
प्रो. गिरीश्वर मिश्र	कुलपति एवं अध्यक्ष : नवाचार क्लब /आंतरिक गुणव त्ता आ श्वासन प्रको ष्ठ/पुस्तकालय सलाहकार समिति/रैगिंग विरोधी समिति
प्रो. मनोज कुमार	समन्वयक, सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ/शिकायत निवारण प्रकोष्ठ/विश्वविद्यालय उद्योग प्रकोष्ठ/लायज़न ऑफिसर, अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ/नोडल अधिकारी, उन्नत भारत/सुगम्य भारत अभियान, मुख्य सतर्कता अधिकारी
प्रो. के.के. सिंह	भेदभाव विरोधी अधिकारी
प्रो. अनिल कुमार राय	समन्वयक, सूचना प्रौद्योगिकी नीति मसौदा समिति
डॉ. शोभा पालीवाल	समन्वयक, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
डॉ. रूपेश कुमार सिंह	संयोजक, आखर अद्यतन
डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी	प्रभारी, खेल समिति
डॉ. रवि कुमार	समन्वयक, ज्ञान प्रबंधन पॉलिसी निर्माण समिति
श्री ऋषभ कुमार मिश्र	समन्वयक, व्यवसाय परामर्श, रोज़गार सूचना एवं नियोजन प्रकोष्ठ/पर्यावरण क्लब
डॉ. सुप्रिया पाठक	समन्वयक, जेंडर संवेदनशीलता समिति
डॉ. अवंतिका शुक्ला	प्रभारी, वाद–विवाद प्रकोष्ठ
डॉ. शंभू जोशी	पूर्व विद्यार्थी संघ एवं पालक संचार प्रकोष्ठ
डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी	प्रतियोगी परीक्षाओं एवं नेट/सेट के लिए अनुशिक्षण कक्षाएँ तथा व्यवसायोन्नति प्रकोष्ठ
श्री राजेश कुमार यादव	राजभाषा समिति/न.रा.का.स.
डॉ. मनोज कुमार राय	जनसूचना अधिकारी
श्री गिरीश चन्द्र पांडेय	समन्वयक, डिजिटल इंडिया वीक
श्री संदीप मधुकर सपकाले	परामर्शदाता, समान अवसर प्रकोष्ठ
श्री क़ादर नवाज़ ख़ान	नोडल अधिकारी, वेब पोर्टल तथा ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन
श्री राजेश लेहकपुरे	संयोजक, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा पर्यावरण क्लब

परिसर में विद्यार्थियों को उपलब्ध सुविधाएँ

विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को निम्नलिखित सुविधाएँ प्रदान करता है–

1. संपूर्ण परिसर में इंटरनेट की सुविधा।
2. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/विकलांग श्रेणी के विद्यार्थियों को शिक्षण शुल्क में छूट।
3. विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के आधुनिकतम संसाधनों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में एक कंप्यूटर प्रयोगशाला स्थापित की गई है। यहाँ न सिर्फ इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है, बल्कि कंप्यूटर के अनिवार्य–शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को शोध और ज्ञान की अधुनातन प्रविधियों से भी अवगत कराया जाता है। विभिन्न विभागों में भी आवश्यकतानुसार कंप्यूटर की व्यवस्था है।
4. विश्वविद्यालय के कंद्रीय पुस्तकालय में न सिर्फ वर्तमान में चल रहे पाठ्यक्रमों को केंद्रित करते हुए बल्कि भविष्य में करणीय अधुनातन शोध की दिशाओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों, पत्रिकाओं का एक व्यवस्थित और विशाल संग्रह किया जा रहा है। जहाँ एक ओर सभी विषयों से संबंधित नवीनतम पुस्तकों का एक अच्छा संग्रह यहाँ उपलब्ध है, वहीं दूसरी ओर हिंदी की पुरानी छपी दुर्लभ पुस्तकों और पांडुलिपियों को 'स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय' एवं 'अभिलेखागार' में संरक्षित किया जा रहा है।
5. संवाद कार्यक्रम।
6. कमजोर विद्यार्थियों के लिए उपचारात्मक कोचिंग।
7. राष्ट्रीय सेवा योजना।
8. नेट कोचिंग, आई.ए.एस. एवं अन्य सिविल सेवाओं की प्रतियोगी परीक्षा हेतु प्रशिक्षण।
9. क्रीड़ा और खेलकूदः विश्वविद्यालय स्तर का छात्र शारीरिक गतिविधियों तथा संगठित खेलकूद और खेल कार्यक्रमों के महत्त्व से अवगत होता है जिन्हें उसके शैक्षणिक लक्ष्यों के साथ जोड़ना आवश्यक है। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय खेलकूद मैदानों / स्थानों तथा क्रीड़ा उपकरणों के रूप में आधारभूत सुविधाएँ प्रदान करता है।
10. विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र : विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आधारभूत स्वास्थ सुविधाएँ प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य केंद्र संचालित किया जा रहा है।
11. छात्रावास : विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेशोपरांत (नियमित पाठ्यक्रम) विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा उपलब्धता के आधार पर प्रदान की जाती है। छात्रावास से संबंधित विश्वविद्यालय में लागू अध्यादेश/नियम के अनुसार छात्रावास में प्रवेश हेतु चयनित विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है।
12. यू.जी.सी. द्वारा लागू नियम के अनुसार अनु.जाति/अनु.जनजाति वर्ग के छात्र/छात्राओं को छात्रावास में निःशुल्क प्रवेश दिया जाता हैं। (अंशकालिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने वाले अभ्यर्थी छात्रावास में स्थान के पात्र नहीं हैं।
13. दिव्यांगों के लिए यथोचित सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती है।

विदेशियों के लिए हिंदी पाठ्यक्रम

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के प्रमुख दायित्वों में से एक हिंदी को विश्वभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करना भी है। अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी के विकास के लिए केंद्रीय और समन्वयक अभिकरण के रूप में कार्य करने के लिए भी विश्वविद्यालय निरंतर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय ने सौंपे गए और अपेक्षित दायित्वों को पूरा करने के लिए विदेशी शिक्षण प्रकोष्ठ की स्थापना की है। यह प्रकोष्ठ विदेशी विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों का संचालन, प्रबंधन, नियमन और शिक्षण करता है। अब तक इन पाठ्यक्रमों में यूरोप, अमेरिका और एशिया के विभिन्न देशों– जर्मनी, पोलैंड, बेल्जियम, क्रोएशिया, हंगरी, श्रीलंका, थाईलैंड, मॉरीशस, चीन, मलेशिया, जापान, सिंगापुर, नेपाल, कोरिया, यू.एस.ए. आदि के विद्यार्थी विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर चुके हैं। विश्वविद्यालय ने विभिन्न महाद्वीपों के 11 देशों के विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षणिक अनुबंध किया है। ये देश हैं –श्रीलंका, हंगरी, मॉरिशस, जापान, बेल्जियम, इटली, जर्मनी, रूस, चीन।

संचालित पाठ्यक्रम :–

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	लक्ष्य/पात्रता
1	आधार पाठ्यक्रम	4 सप्ताह	ऐसे विदेशी विद्यार्थी जिनका हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि से कोई परिचय नहीं है।
2	अल्पावधि गहन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	4 सप्ताह	ऐसे विदेशी विद्यार्थी जिन्होंने कम–से–कम 1 सेमेस्टर का हिंदी पाठ्यक्रम से पूरा किया है।
3	प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	12 सप्ताह (3 माह)	उन विदेशी विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम का शिक्षण जिनके साथ विश्वविद्यालय का अनुबंध है।
4	डिप्लोमा पाठ्यक्रम	2 सेमेस्टर (कोई विद्यार्थी 1 सेमेस्टर की पढ़ाई के बाद प्रमाणपत्र लेकर पाठ्यक्रम छोड़ सकता है।)	हिंदी भाषा से सामान्य परिचय अथवा 4 सप्ताह का आधार पाठ्यक्रम
5	बी.ए. हिंदी : भाषा, साहित्य और संस्कृति	6 सेमेस्टर	10+2 और/डिप्लोमा पाठ्यक्रम
6	एम.ए. हिंदी	4 सेमेस्टर	बी. ए. हिंदी : भाषा, साहित्य और संस्कृति
7	पीएच.डी.	4–10 सेमेस्टर	संबद्ध विषय में 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर उपाधि अथवा समतुल्य

शुल्क : $ US : 238 प्रतिमाह (शिक्षण शुल्क, छात्रावास, भोजन, बिजली, इंटरनेट और व्यायामशाला, जिम की सुविधाएँ सम्मिलित)

सुविधाएँ : फ़ादर कामिल बुल्के अंतरराष्ट्रीय छात्रावास (वातानुकूलित) में आवासीय सुविधा, वातानुकूलित व्याख्यान कक्ष, कंप्यूटर प्रयोगशाला, आइसीटी कक्ष एवं भाषा प्रयोगशाला, इंटरनेट (वाई–फाई), व्यायामशाला एवं क्रीड़ा–स्थल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, छात्र–मित्र आदि।

आवासीय लेखक (राइटर-इन-रेजीडेंस)

विश्वविद्यालय में एक अनूठी संकल्पना के तहत 'राइटर–इन–रेजीडेंस' का पद सृजित किया गया है, जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय परिसर में अकादमिक और सांस्कृतिक वातावरण को विकसित करना है। अकादमिक उन्नयन की दृष्टि से एम.ए. स्तर के पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए अतिथि लेखकों को विश्वविद्यालय ने जोड़ा। एम.ए. अहिंसा एवं शांति अध्ययन पाठ्यक्रम के लिए प्रो. नंद किशोर आचार्य और एम.ए. हिंदी साहित्य पाठ्यक्रम के लिए डॉ. प्रभात त्रिपाठी को अतिथि लेखक के रूप में नियुक्त किया गया। अब अतिथि लेखक का नाम आवासीय लेखक (राइटर–इन–रेजीडेंस) हो गया। प्रख्यात रंगकर्मी श्री हबीब तनवीर, श्री आलोक धन्वा, श्री राजकिशोर, श्री से.रा. यात्री, डॉ. सुरेश शर्मा, डॉ. विजय मोहन सिंह, श्री संजीव, श्री विनोद कुमार शुक्ल, प्रो. दूधनाथ सिंह, श्री ऋतुराज, प्रो. वागीश शुक्ल, श्री मदन सोनी, डॉ. अरुणेश नीरन, प्रो. अजित कुमार दलाल, सुश्री चित्रा मुद्गल, प्रो. रमेश दवे, डॉ. दामोदर खड़से, डॉ. प्रतिभा राय, डॉ. सूर्यबाला और श्री महेश कटारे आवासीय लेखक के रूप में और डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र, श्री अरविंद मोहन, श्री नारायण कुमार और डॉ. शंकर लाल पुरोहित अतिथि अध्येता के रूप में परिसर में रहते हुए सृजन और अध्ययन करते रहे हैं। विश्वविद्यालय ने श्री नवनीत मिश्र, श्री मारुति चितमपल्ली को राइटर–इन–रेजीडेंस के रूप में आमंत्रित किया है। आवासीय लेखक तथा अतिथि अध्येता का पद इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि विभिन्न अनुशासनों के विद्यार्थी आवासीय लेखकों/अतिथि अध्येताओं से मिलकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान करते हैं, जिससे उन्हें अपने शोध कार्य में मदद मिलती है। आवासीय लेखकों/अतिथि अध्येताओं की उपस्थिति से परिसर में संवाद और शैक्षिक वातावरण जीवंत होता है। वर्तमान में आवासीय लेखकों/अतिथि अध्येताओं का विवरण निम्नानुसार है :

श्री मारूति चित्तम्पल्ली

पर्यावरण विशेषज्ञ एवं सेवानिवृत्त उपवनसंरक्षक (01.07.2017 से 30.04.2018)

जन्म : 05 नवंबर 1932

शिक्षा : दयानंद कॉलेज, सोलापुर से स्नातक, कोयम्बटूर फारेस्ट कालेज, बेंगलुरू, दिल्ली, कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, देहरादून के वानिकी एवं वन्यप्राणी आदि संस्थानों से व्यवसायिक प्रशिक्षण, नांदेड, पुणे, पनवेल में विख्यात संस्कृत पंडितों से परंपरागत पद्धति से संस्कृत का अध्ययन एवं वन्य जीव प्रबंधन, वानिकी, वन्यप्राणियों एवं पक्षियों के व्यवहार संबंधी विशेष अध्ययन एवं शोध कार्य।

कृतियाँ : आनंददायी बगळे (संस्कृत साहित्यातील काही पक्षी), आपल्या भारतातील साप, केशराचा पाउस चित्रग्रीव–एक कबुतराची कथा, जंगलाचं देणं, जंगलाची दुनीया, पक्षिकोष, मृगपखिशास्त्र आदि

सम्मान : नागभूषण पुरस्कार (2008), एस.डी.पाटील समाजसेवा पुरस्कार (2012), उत्कृष्ट साहित्य निर्माता राज्य पुरस्कार(1991–92), महाराष्ट्र राज्य के मराठी विभाग द्वारा विंदा करंदीकर जीवनगौरव पुरस्कार (2017),

संपर्क : आर–1, अविरिका अर्पाटमेंट, आठ रास्ता चौक, लक्ष्मीनगर, नागपुर – 440 022

मो. : 7774897059

श्री नवनीत मिश्र

कथाकार (23.03.2018 से 22.06.2018)

जन्म : 14 सितंबर 1947

शिक्षा : लखनऊ विश्वविद्यालय से कला स्नातक

कृतियाँ : मणियाँ और जख्म, मैंने कुछ नहीं देखा, किया जाता है सबको बाइज्जत बरी, जो नहीं किया गया, प्रेम संबंधों की कहानियाँ

सम्मान : अखिल भारतीय सर्व–भाषा कहानी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार (1982), कथा संग्रह मैंने कुछ नहीं देखा हेतु उत्तर प्रदेश हिंदी संस्था से पुरस्कृत (1992), कथा संग्रह किया जाता है सबको बाइज्जत बरी हेतु उत्तर प्रदेश हिंदी संस्था से पुरस्कृत (2004)

संपर्क : ई–4, सौभाग्य अपार्टमेंट 8, गोपाल नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

फोन : 9450000094, 9140656659

ई–मेल : mishranavneet35@gmail.com

विश्वविद्यालय के विद्यापीठ : विभाग एवं केंद्र

भाषा विद्यापीठ
भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग
सूचना तथा भाषा अभियांत्रिकी केंद्र
विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र

साहित्य विद्यापीठ
हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग
संस्कृत विभाग
उर्दू विभाग
अंग्रेजी विभाग
मराठी विभाग
प्रदर्शनकारी कला विभाग

संस्कृति विद्यापीठ
गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग
स्त्री अध्ययन विभाग
डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर–सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजाति अध्ययन केंद्र
डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र

अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ
अनुवाद अध्ययन विभाग
प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
जनसंचार विभाग
मानवविज्ञान विभाग
महात्मा गांधी फ्यूजी–गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र

शिक्षा विद्यापीठ
शिक्षा विभाग
मनोविज्ञान विभाग

प्रबंधन विद्यापीठ
वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग

विधि विद्यापीठ (पाठ्यक्रम आरंभ करने की प्रक्रिया जारी है।)

क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद

क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता

1. भाषा विद्यापीठ

यह विद्यापीठ हिंदी भाषा की प्रभावी कार्यात्मक क्षमता के विकास के प्रति समर्पित है। इस हेतु यह विद्यापीठ हिंदी भाषा के वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी अध्ययन में संलग्न है। यहाँ पर भारतीय भाषाओं के परिप्रेक्ष्य में विशेषतः देश और दुनिया की भाषाओं के साथ तुलनात्मक अध्ययन और शोध पर विशेष कार्य किया जा रहा है। यह विद्यापीठ शोध, शिक्षण और प्रशिक्षण के विविध पाठ्यक्रमों द्वारा जीवन के विविध क्षेत्रों में हिंदी की प्रभावी भूमिका को रेखांकित करने के साथ विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयत्नशील है। इस विद्यापीठ के अंतर्गत निम्नलिखित विभाग और केंद्र संचालित हैं :

1.1 भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग
1.2 सूचना तथा भाषा अभियांत्रिकी केंद्र
1.3 विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र

1.1 भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग

इस विभाग के उद्देश्य हैं : भाषा प्रौद्योगिकी के नए उभरते अनुशासन में विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्तायुक्त रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करना। हिंदी भाषा का सम्यक विकास तथा अन्य भारतीय एवं विदेशी भाषाओं के साथ संवाद स्थापित करना। उपलब्ध भाषा वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय ज्ञान को हिंदी में प्रस्तुत कर विश्व क्षितिज पर उपस्थित भाषाओं के साथ समकक्षता अर्जित करना। भाषा वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय अनुसंधानों के द्वारा विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर और अग्रणी भूमिका के लिए तैयार करना। अद्यतन भाषा प्रौद्यौगिकी से परिचय और हिंदी हेतु उसके अनुप्रयोग का प्रशिक्षण प्रदान करना।

पाठ्यक्रम : • भाषाविज्ञान में बी.ए. (ऑनर्स) • भाषा प्रौद्योगिकी में एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. • भाषा शिक्षण, भाषाविज्ञान, भाषा प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. का शोध	विशेषज्ञता का क्षेत्र
वृषभ प्रसाद जैन	प्रोफेसर एवं निदेशक : व्याकरण	30.06.1999	पीएच.डी. भाषाविज्ञान	ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ फिलमोर्स केस ग्रामर एंड पाणिनियन कारक सिस्टम	भाषाविज्ञान, भारतीय विद्या, प्रतीक विज्ञान, व्याकरण औश्र कोश विज्ञान,
हनुमानप्रसाद शुक्ल	प्रोफेसर	03.01.2013	पीएच.डी. हिंदी	महात्मा सर्वेश : जीवन और साहित्य	भाषाविज्ञान, हिंदी भाषा शिक्षण, भारतीय काव्यशास्त्र, तुलनात्मक साहित्य
अनिल कुमार पांडेय	प्रोफेसर	15.06.2010	पीएच.डी. भाषाविज्ञान	हिंदी और बांगला के विधेय पदबंधों का व्यतिरेकी अध्ययन	ध्वनिविज्ञान, रूपविज्ञान, वाक्यविज्ञान, कोशविज्ञान
एच.ए. हुनगुंद	सहायक प्रोफेसर	22.12.2006	पीएच.डी. हिंदी	डॉ. बालशौर रेड्डीः व्यक्तित्व एवं कृतित्व	भाषा एवं भाषाविज्ञान और अनुवाद
अनिल कुमार दुबे	सहायक प्रोफेसर	27.12.2006	पीएच.डी. हिंदी	श्रीलाल शुक्ल के उपन्यास साहित्य का अनुशीलन	रूपविज्ञान, भाषाशिक्षण
धनजी प्रसाद	सहायक प्रोफेसर	13.08.2012	पीएच.डी. भाषा प्रौद्योगिकी	हिंदी संबंधवाची रचनाओं का आर्थी विश्लेषण : एक संगणकीय मॉडल	प्राकृतिक भाषा संसाधन, रूपविज्ञान, वाक्यविज्ञान, अर्थविज्ञान

गतिविधियाँ

संगोष्ठी / कार्यशाला

- (04–09 सितंबर, 2017). 'शब्द कोश निर्माण' पर प्रशिक्षण कार्यशाला।
- (20–29 सितंबर, 2017). 'भाषाविज्ञान में नेट / जे.आर.एफ. परीक्षा के लिए प्रश्नोत्तर अभ्यास कार्यक्रम'।
- (27–28 जनवरी, 2018). SCONLI-12 का आयोजन।
- (12–17 फरवरी, 2018). 'हिंदी मिश्र वाक्यों के लिए टैग्ड डेटाबेस निर्माण' विषय पर हाम्बुर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी और म.गां.अं. हिं.वि., वर्धा (सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र और भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग) के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला।

विशेष व्याख्यान

- डॉ. राम भावसार : 'प्राकृतिक भाषा संसाधन : एक अनुशीलन', 15 सितंबर, 2017
- प्रो. उमाशंकर उपाध्याय : 'स्वनिमविज्ञान और स्वनिमिक विश्लेषण', 19 नवंबर, 2017
  : 'आधारभूत शोध प्रविधि', 'विषय आधारित शोध प्रविधि', 20 नवंबर, 2017
  : 'प्रोक्ति विश्लेषण और उसके उपागम', 'पाठ विश्लेषण', 21 नवंबर, 2017
  : 'प्रोक्ति और संदर्भ', 'संसक्ति', 22 नवंबर, 2017
  : 'रुपिमों की पहचान तथा उनका विश्लेषण और वर्गीकरण', 'व्युत्पादक और रूपसाधक रूपविज्ञान', 24 जनवरी, 2018
  : 'रूपस्वनिमिक परिवर्तन', 'स्वनिमिक व्यवस्था', 25 जनवरी, 2018
  : 'स्वनिमिक विश्लेषण', 'कारक व्याकरण : प्राचीन भारतीय एवं आधुनिक संदर्भ', 29 जनवरी, 2018
  : 'कोशविज्ञान और शब्दार्थ विज्ञान में संबंध', 'संज्ञानात्मक अर्थविज्ञान', 30 जनवरी, 2018
  : 'व्यतिरेकी विश्लेषण और त्रुटि विश्लेषण', 'पाठ बिंदु चयन, स्तरीकरण और प्रस्तुतीकरण', 31 जनवरी, 2018
  : 'सांस्कृतिक विविधताएँ और भाषा–प्रयोग', 'वाक् कृत्य एवं प्रोक्ति विश्लेषण', 01 फरवरी, 2018
  : 'आधुनिक प्रजनक व्याकरण', 'वार्तालापगत निहितार्थ', 02 फरवरी, 2018
  : 'भारतीय भाषा चिंतक', 'पाश्चात्य भाषा चिंतक', 23 फरवरी, 2018
  : 'चॉम्स्की का मनोवादी सिद्धांत', 'चॉम्स्की का मानक सिद्धांत', 24 फरवरी, 2018
  : 'अनुशासन अनुबंध व्याकरण (Government & Binding Theory)', 'न्यूनतमवादी कार्यक्रम (Minimalist Program)', 25 फरवरी, 2018
  : 'वृक्ष संघटन व्याकरण (Tree Adjoining Grammar)', 'संबंधपरक व्याकरण (Relational Grammar)', 26 फरवरी, 2018
  : 'भाषा का सामाजिक पक्ष', 'आधारभूत शोध प्रविधि', 27 फरवरी, 2018
  : 'भाषाविज्ञान : संरचनात्मक शोध', 'व्यतिरेकी विश्लेषण की प्रक्रिया', 28 फरवरी, 2018
- प्रो. ठाकुर दास : 'भाषा वैज्ञानिक शोध प्रविधि', 05 मार्च, 2018
- प्रो. उमाशंकर उपाध्याय : 'अनुसंधान : अर्थ एवं प्रकार', 'संबंधित साहित्य का अवलोकन (रिव्यू)', 20 मार्च, 2018
  : 'भाषावैज्ञानिक अनुसंधान की पद्धतियाँ–1', 'भाषावैज्ञानिक अनुसंधान की पद्धतियाँ–2', 21 मार्च, 2018
  : 'अनुसंधान में आचार (Ethics)', 'भाषा और मन', 22 मार्च, 2018
  : 'भाषा और संज्ञान', 'शब्द संरचना शिक्षण : शब्द शिक्षण विधि', 23 मार्च, 2018
  : 'भाषा शिक्षण में मूल्यांकन', 'प्रोक्ति विश्लेषण– सामाजिक अंतर्क्रिया उपागम एवं मानसिक प्रतिदर्श उपागम', 26 मार्च, 2018
  : 'रूप, रूपिम, उपरूप, शून्य', 'हिंदी के विभिन्न रूपिमों का वर्गीकरण', 27 मार्च, 2018
  : 'रूपिम, रिक्त रूपिम, शब्द–साधन और व्युत्पादन की प्रक्रियाएँ', 'हिंदी के पाश्चात्य वैयाकरण', 28 मार्च, 2018

शोध परियोजनाएँ

प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल : 'सामयिक अवधी का समाजभाषा वैज्ञानिक अध्ययन', विषय पर भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा स्वीकृत बृहद् शोध परियोजना (2017–18), अवधि : 2 वर्ष।

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

शुक्ल, हनुमानप्रसाद

- (14 सितंबर, 2017). भारतीय कोयला प्रबंधन संस्थान, राँची द्वारा 'राजभाषा का प्रयोग' विषय पर आयोजित कार्यशाला में मुख्य व्याख्यान और प्रशिक्षण।
- (16 नवंबर, 2017). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'पं. दीनदयाल उपाध्याय की विचार दृष्टि : संकल्प से सिद्धि' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संविमर्श में 'पं. दीनदयाल उपाध्याय के सपनों का भारत' शीर्षक सत्र में अध्यक्षीय वक्तव्य प्रस्तुत।
- (29 जनवरी–01 फरवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा पं. मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत 'शिक्षण एवं अधिगम का निर्माणवादी उपागम' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में एक सत्र की अध्यक्षता एवं व्याख्यान।

पाण्डेय, अनिल कुमार

- (04–09 सितंबर, 2017). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित 'शब्दकोश निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला' में 'शब्दकोश निर्माण प्रक्रिया' विषय पर व्याख्यान।

• (12–17 फरवरी, 2018). हाम्बुर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी और म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा (सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र तथा भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग) के संयुक्त तत्वावधान में 'हिंदी वाक्यों के लिए टैग्ड डाटाबेस निर्माण' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में 'हिंदी में मिश्रवाक्य संरचना' पर व्याख्यान।

हुनगुंद, एच.ए.

• (02–04 अगस्त, 2017). ''क्या भारत में हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में प्रयोग करते हैं?'' विषय पर अन्नदानेश्वर कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, नरगेल, गदग, कर्नाटक द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में वक्तव्य।

• (04–09 सितंबर, 2017). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित 'शब्दकोश निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला' में दो सत्रों में अध्यक्षता।

• (18 दिसंबर, 2017). 'चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास' विषय पर म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।

• (12–17 फरवरी, 2018). हाम्बुर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी और म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा (सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र तथा भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग) के संयुक्त तत्वावधान में 'हिंदी वाक्यों के लिए टैग्ड डाटाबेस निर्माण' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।

दुबे, अनिल कुमार

• (04–09 सितंबर, 2017). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित 'शब्दकोश निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला' में दो सत्रों में अध्यक्षीय वक्तव्य।

• (18 दिसंबर, 2017). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।

• (12–17 फरवरी, 2018). हाम्बुर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी और म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा (सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र तथा भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग) के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी वाक्यों के लिए टैग्ड डाटाबेस निर्माण' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।

प्रसाद, धनजी

• (04–09 सितंबर, 2017). भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित 'शब्दकोश निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला' का संयोजन और 'शब्दकोश : परिचय' एवं 'शब्दकोश के प्रकार' विषयों पर विशेष व्याख्यान।

• (20–29 सितंबर, 2017). 'भाषाविज्ञान में नेट / जे.आर.एफ. परीक्षा के लिए दस दिवसीय प्रश्नोत्तर अभ्यास कार्यक्रम' का संयोजन, भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।

• (27–28 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित 12वें भारतीय भाषाविज्ञान विद्यार्थी सम्मलेन' (12th Students Conference of Linguistics in India SCONLI-12) में अकादमिक संयोजक।

• (12–17 फरवरी, 2018). हाम्बुर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी और म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा (सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र तथा भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग) के संयुक्त तत्वावधान में 'हिंदी मिश्र वाक्यों के लिए टैग्ड डेटाबेस निर्माण' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में संयोजक और 'हिंदी वाक्य विश्लेषण एवं टैगिंग' विषय पर व्याख्यान।

गुप्ता, अमित कुमार

• (27–28 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 12वें भारतीय भाषाविज्ञान विद्यार्थी सम्मलेन' में "भोजपुरी भाषा में संज्ञा पदबंध का आर्थी विश्लेषण" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।

• (10–11 फरवरी, 2018). राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बाँदा (उ.प्र.) द्वारा "भूमंडलीय और तकनीकी समय में हिंदी : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "हिंदी और भोजपुरी भाषा के रूपों का व्यतिरेकी अध्ययन" विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

प्रसाद, अभिजीत

• (27–28 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 12वें भारतीय भाषाविज्ञान विद्यार्थी सम्मलेन' में 'हिंदी मानववाची नामपदों का संरचनात्मक विश्लेषण (नामपद अभिज्ञानक के विशेष संदर्भ में)' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत और एक सत्र में अध्यक्षीय वक्तव्य।

पांडेय, इंद्र कुमार
- (27–28 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 12वें भारतीय भाषाविज्ञान विद्यार्थी सम्मलेन' में "भोजपुरी में सहायक क्रिया का रुपवैज्ञानिक अध्ययन" विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

कुमार, सुरेंद्र
- (27–28 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 12वें भारतीय भाषाविज्ञान विद्यार्थी सम्मलेन' में "भोजपुरी में सहायक क्रिया का रुपवैज्ञानिक अध्ययन" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।

पांडेय, अरुण कुमार
- (27–28 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 12वें भारतीय भाषाविज्ञान विद्यार्थी सम्मलेन' में "भोजपुरी में सहायक क्रिया का रुपवैज्ञानिक अध्ययन" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।

सुपारे, नेहा कुमार
- (03–04 दिसंबर, 2017). 'आदिवासी जीवन और साहित्य' विषय पर हिंदी विभाग, बी.एच.यू., वाराणसी और साहित्यिक पत्रिका 'अनिश' द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "आदिवासी समाज में भाषाई कोड–मिश्रण" विषयक आलेख प्रस्तुत।

गुप्ता, जयप्रकाश
- (27–28 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 12वें भारतीय भाषाविज्ञान विद्यार्थी सम्मलेन' में "भोजपुरी में विशेषण पदबंध की आर्थी संरचना" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।

मिश्र, पंकज कुमार
- (27–28 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 12वें भारतीय भाषाविज्ञान विद्यार्थी सम्मलेन' में "हिंदी में आश्रित उपवाक्यों का प्रकार्यात्मक विश्लेषण" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत।

मिश्र, आलोक कुमार
- (27–28 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 12वें भारतीय भाषाविज्ञान विद्यार्थी सम्मलेन' में "हिंदी विशेषण–संज्ञा समूहक" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।

सिंह, रेनू
- (27–28 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 12वें भारतीय भाषाविज्ञान विद्यार्थी सम्मलेन' में "राग दरबारी उपन्यास की भाषा शैली" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत ।

सिंह, धनंजय
- (27–28 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 12वें भारतीय भाषाविज्ञान विद्यार्थी सम्मलेन' में 'भोजपुरी में विशेषण पदबंध की आर्थी संरचना' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।

कुमार, उपेंद्र
- (27–28 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 12वें भारतीय भाषाविज्ञान विद्यार्थी सम्मलेन' में "भोजपुरी में सहायक क्रिया का रूपवैज्ञानिक अध्ययन" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।

प्रकाशन

हुनगुंद, एच. ए.
- (अक्टूबर, 2017). 'हिंदी और कन्नड़ के समानरूपी एवं समानार्थी शब्द', शोध प्रेरक,
- (24 जनवरी, 2018). 'डॉ. बालशौरि रेड्डी जी का बाल–साहित्य एवं उसकी भाषा', 'बालशौरि रेड्डी समग्र चिंतन (सं. डॉ.सी. कामेश्वरी एवं डॉ. संध्या दास), हैदराबाद : मिलिंद प्रकाशन।

प्रसाद, धनजी

- (अक्टूबर, 2017). 'भाषा द्वारा व्यक्तित्व पहचान', शोध प्रवाह, 4, 118–120, वाराणसी : बी.एच.यू.।
- (2017–18). म.गा.अं.हि.वि., वर्धा के दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा संचालित एम.ए. पाठ्यक्रम हेतु तीन इकाईयों का लेखन–1. हिंदी ब्लॉग लेखन–प्रकाशन, इंटरनेट पर सामग्री सृजन, एन कोडिंग, फाइल शेयरिंग, फाइल कन्वर्जन, अपलोडिंग, डाउनलोडिंग, यू–ट्यूब, 2. हिंदी भाषा शिक्षण और ई–लर्निंग, ई–पाठशाला, 3. रूपिम विज्ञान, 4. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण, 5. लिपि का विकास, 6. भाषाविज्ञान की शाखाएँ : वर्णनात्मक भाषाविज्ञान, ऐतिहासिक भाषाविज्ञान, तुलनात्मक भाषाविज्ञान, 7. वाग्यंत्र, वाग्यंत्र का वर्गीकरण, 8. पद और वाक्य, पद और शब्द, पद और संबंध तत्व, अर्थ तत्व और संबंध तत्व का संयोग, पद विभाग।
- (जनवरी–मार्च, 2018). 'मॉडेलिंग ए कंप्यूटेशनल ग्रामर ऑफ हिंदी', आभ्यंतर, 6, 11–15, जहाँगीरपुरी, दिल्ली।

प्रसाद, अभिजीत

- (जनवरी–मार्च, 2018). 'भोजपुरी में विशेषण पदबंध की आर्थी संरचना', आभ्यंतर, 218–222, वाराणसी : बी.एच.यू.।

पाण्डेय, इंद्र कुमार

- (27–28 जनवरी 2018). 'भोजपुरी में सहायक क्रिया का रुपवैज्ञानिक अध्ययन', आभ्यंतर, 6, 196–200, वाराणसी : बी.एच.यू.।

गुप्ता, जयप्रकाश

- (जनवरी–मार्च, 2018). 'भोजपुरी में विशेषण पदबंध की आर्थी संरचना', आभ्यंतर, 218–222, वाराणसी : बी.एच.यू.।

मिश्र, पंकज कुमार

- (2018). 'हिंदी में आश्रित उपवाक्यों का प्रकार्यात्मक विश्लेषण', आभ्यंतर, SCONLI–12 विशेषांक।

मिश्र, आलोक कुमार

- (2018). 'हिंदी विशेषण–संज्ञा समूह', आभ्यंतर, SCONLI–12 विशेषांक।

सिंह, रेनू

- (2018). 'राग दरबारी उपन्यास की भाषा शैली', आभ्यंतर, SCONLI–12 विशेषांक।

सिंह, धनंजय

- (जनवरी–मार्च, 2018). 'भोजपुरी में विशेषण पदबंध की आर्थी संरचना', आभ्यंतर, 218–222, वाराणसी : बी.एच.यू.।

कुमार, उपेंद्र

- (2018). 'भोजपुरी में सहायक क्रिया का रुपवैज्ञानिक अध्ययन', आभ्यंतर, 6, 196–200, वाराणसी : बी.एच.यू.।

उपलब्धियाँ

डॉ. एच.ए. हुनगुंद, सहायक प्रोफेसर

मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली के सहयोग से अभ्युदय बहु–उद्देशीय संस्था, वर्धा की ओर से हिंदी के प्रचार प्रसार में उत्कृष्ट कार्य हेतु 29 मार्च 2018 को हिंदी सेवी प्रचारक सम्मान प्राप्त।

श्री संदीप राय, सहायक

- राजभाषा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता, टिप्पण/प्रारूपण प्रतियोगिता, वाद–विवाद प्रतियोगिता तथा स्वरचित कविता–पाठ/गीत गायन प्रतियोगिता में क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा द्वितीय स्थान प्राप्त।
- पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान, विषय : "एक पत्रकार के रूप में पंडित दीनदयाल उपाध्याय"।

1.2 सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र

भाषा विद्यापीठ के अंतर्गत स्थापित सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र (जो पूर्व में कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग था) देश का एक अनूठा केंद्र है जो कि कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स तथा प्रौद्योगिकी के विभिन्न पाठ्यक्रमों को पूर्णतः हिंदी माध्यम से सन् 2008 से निरंतर संचालित कर रहा है। प्राकृतिक भाषा का कंप्यूटर टेक्नोलॉजी माध्यम द्वारा मानवहित में नवीन एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर निर्माण एवं अध्ययन कार्य संगणकीय भाषाविज्ञान अर्थात् कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स है। संगणकीय भाषाविज्ञान, भाषा प्रौद्योगिकी का एक विशिष्ट एवं अनिवार्य अंग होते हुए प्रौद्योगिकी के अन्य आयामों जैसे कि स्पीच टेक्नॉलॉजी, डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग, इमेज प्रोसेसिंग इत्यादि से परिपूर्ण है। इस विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का उद्देश्य अंतरानुशासिक विषयों जैसे भाषाविज्ञान, संगणक विज्ञान और संबंधित क्षेत्रों में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना है। ये कार्यक्रम विद्यार्थियों पर केंद्रित हैं और नवाचारों को बढ़ावा देने वाले हैं। कार्यक्रमों का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य विद्यार्थियों में समीक्षात्मक सोच का निर्माण करना है। विभाग में प्रयुक्त की जाने वाली शिक्षण पद्धति है– सैद्धांतिक चर्चा, हैंड्स ऑन सेशन, विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति पर चर्चा शोध क्षेत्र, प्राकृतिक भाषा संसाधन, मशीनी अनुवाद, भाषा संश्लेषण, वाक् कॉर्पस, हिंदी : ओ.सी.आर., संगणक विज्ञान, कृत्रिम बुद्धि, संज्ञान विज्ञान, फॉरेंसिक भाषाविज्ञान। विभाग का उद्देश्य वर्तमान परिदृश्य में प्रौद्योगिकी की आवश्यकताओं के अनुरूप हिंदी के लिए प्रौद्योगिकी का विकास करना है। विभाग भाषा तकनीकी और कंप्यूटर के प्रायोगिक ज्ञान हेतु आधुनिक प्रयोगशाला और आईसीटी कक्षाओं से परिपूर्ण है।

पाठ्यक्रम : • मास्टर ऑफ इन्फॉर्मेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग
• मास्टर ऑफ कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स • एम.फिल. कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स
• पीएच.डी. इन्फॉर्मेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग • पीएच.डी. कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स
• पी.जी.डी.सी.ए. • डी.सी.ए.।

गतिविधियाँ

• (12–17 फरवरी, 2018). 'हिंदी मिश्र वाक्यों के लिए टैग्ड डेटाबेस निर्माण' विषय पर कार्यशाला।

शोध परियोजनाएँ

डॉ. हर्षलता पेटकर : 'साहित्यिक चोरी का पता लगाने के लिए प्राकृतिक भाषा संसाधन के दृष्टिकोण', म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा लघु शोध परियोजना प्रदत्त। अनुमोदित राशि : रु. 50,000/–

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
विजय कुमार कौल	प्रोफेसर एवं निदेशक	13.08.2012	पीएच.डी. भाषाविज्ञान	कश्मीरी संयुक्त क्रियाओं का अर्थ विन्यासात्मक अध्ययन	सैद्धांतिक भाषाविज्ञान, कंप्यूटेशनल/अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान
जगदीप सिंह दांगी	सह प्रोफेसर	18.05.2012	बी.ई. (सी.एस.ई.)	...	सूचना प्रौद्योगिकी (आई.टी.) स्थानीयकरण एवं सॉफ्टवेयर विकास (हिंदी)
पीयूष प्रताप सिंह	सहायक प्रोफेसर	21.03.2007	पीएच.डी. कम्प्यूटर एप्लिकेशन	प्राकृतिक भाषा के वातावरण में कुशल निरूपण और सूचना पुनर्प्राप्ति प्रणाली	कृत्रिम बुद्धि
हर्षलता पेटकर	सहायक प्रोफेसर	16.05.2016	पीएच.डी. इंफॉमेटिक्स एण्ड लैंग्वेज इंजिनीयरिंग	ज्ञान आधारित हिंदी वाक् से पाठ प्रणाली	प्राकृतिक भाषा संसाधन, वाक् प्रौद्योगिकी
शमीम फ़ातमा	सहायक प्रोफेसर*	25.08.2014	पीएच.डी. भाषाविज्ञान	थीटा थेयरी का उर्दू और अंग्रेज़ी भाषा में अनुप्रयोग का तुलनात्मक अध्ययन	वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान, मशीन अनुवाद

(* अस्थाई)

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

कौल, विजय कुमार

• (जुलाई, 2017). दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित डी. एल. ए. के अंतरराट्रीय सेमिनार में दो सत्रों में अध्यक्षीय वक्तव्य।

पेटकर, हर्षलता

• (12–14 जुलाई, 2017). 'रिसेंट ट्रेंड्स इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सस्टेनेबल डेवलपमेंट : साइंटिफिक एप्रोच' विषय पर शिवाजी साइंस कॉलेज, नागपुर, में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'इमोशन रिकग्निशन इन इ–लर्निंग एनवायरनमेंट' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

फ़ातमा, शमीम

• (12–17 फरवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र और भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 'हिंदी मिश्र वाक्यों के लिए टैग्ड डेटाबेस निर्माण' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 'वाक्य और उसकी संरचना' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत।

• (19–21 मार्च, 2018). राष्ट्रपति भवन में आयोजित 'फेस्टिवल ऑफ इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योर प्रोग्राम' में 'हिंदी–उर्दू प्राकृतिक भाषा संसाधन प्रणालियाँ' विषय पर पोस्टर प्रस्तुति।

• (22 मार्च, 2018). जहांगिराबाद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित 'नॉलेज एक्सचेंज प्रोग्राम' में 'भाषा, भाषाविज्ञान और मीडिया' विषय पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत।

प्रकाशन

कौल, विजय कुमार

• (नवंबर, 2017). 'फ्रेज बेस्ड टी2 मॉडल : अ रिव्यू ऑफ़ गूगल ट्रांसलेट, बिंग ट्रांसलेटर, एंड अनुसारका', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड इन्नोवेटिव टेक्नोलॉजी, 6, 407–411

• (जनवरी, 2018). 'वी.इ.ए. मॉडल इन वर्ड फॉर्मेशन प्रोसेस ऑफ मैथिली एम.टी.', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड इन्नोवेटिव टेक्नोलॉजी, 7, 42–45

• (2018). 'भारत में भाषाविज्ञान की पारंपरिक व वैज्ञानिक धाराएं : साहित्य, संगणक और तंत्रिका–विज्ञान' (सं. पुस्तक)।

सिंह, पीयूष प्रताप

• (नवंबर, 2017). 'वेरिएशन ऑफ़ मैथिली अ वाइटल इश्यू इन स्क्रिप्ट यूनिफ़िकेशन', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ अकेडमिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 6, 809–811.

• (नवंबर, 2017). 'फ्रेज बेस्ड टी2 मॉडल : अ रिव्यू ऑफ़ गूगल ट्रांसलेट, बिंग ट्रांसलेटर, एंड अनुसारका', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड इन्नोवेटिव टेक्नोलॉजी, 6, 407–411

• (दिसंबर, 2017). 'भारतीय भाषाओं के लिए रूप विश्लेषकों पर सर्वेक्षण', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस इंजीनियरिंग एंड रिसर्च डेवलपमेंट, 12, 578–58, अहमदाबाद http://www.ijaerd.com/

• (जनवरी, 2018). 'वी.इ.ए. मॉडल इन वर्ड फ़ॉर्मेशन प्रोसेस ऑफ़ मैथिली एम.टी.', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड इन्नोवेटिव टेक्नोलॉजी, 7, 42–45

फ़ातमा, शमीम

• (मई, 2017). "प्रेडीकेट एंड आर्गुमेंट स्ट्रक्चर". पेपर 13. मोडूल 21, epgp.inflibnet.ac.in

पेटकर, हर्षलता

• (मई–जून, 2017). 'स्पीच कम्प्रेशन यूजिंग वेवलेट ट्रांसफॉर्म', आई.ओ.एस.आर.–जे.सी.ई.ई.–आई.एस.एस.एन.(ओ), 3, 33–41

• (जुलाई, 2017). 'रिव्यू ऑफ डेवलपमेंट ऑफ स्पीच कॉर्पोरा एंड स्पीच रिकग्निशन रिसर्च इन हिंदी', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग रिसर्च एंड एप्लीकेशन, 7, 12–19

उपलब्धियाँ

डॉ. हर्षलता पेटकर : 1. डॉ. नांदुरकर विद्यालय कोड 8CC312407, अटकल टिंकरिंग लैब, एन.आई.टी.आई. आयोग, भारत सरकार में मुख्य सलाहकार और 20,00,000 / – रुपये पारित हो चुके हैं, जिसमें से 12,00,000 / – रुपये वर्ष 2017–18 फ़ेज़ 1 के लिए प्राप्त हुए हैं। 2. मार्च, 2018 में पर्यटन एवं संस्कृति कार्य विभाग, महाराष्ट्र सरकार द्वारा कोल्हापुर जिला एवं संस्कृति कला महोत्सव में 'तांत्रिक ताध्न्या शिक्षण गौरव पुरस्कार' से सम्मानित।

1.3 विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र

भारत में विदेशी भाषाओं के जानकारों की मांग अधिकाधिक बढ़ने की संभावना और महत्ता को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय में विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र (वि.भा.अं.अ.के.) की स्थापना की गई है। इसके अंतर्गत भाषाओं की समझ विकसित करने हेतु बोलने, पढ़ने और लिखने पर समान रूप से बल दिया जाता है साथ ही इन भाषाओं से संबंधित साहित्य और संस्कृति की समझ को विकसित करने हेतु सीबीसीएस के आधार पर पाठ्यक्रम संचालित हैं। चीनी एवं स्पेनिश में भी शोध पाठ्यक्रम संचालित हैं।

पाठ्यक्रम : • स्पेनिश, चीनी, जापानी, फ्रेंच में प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और एडवांस्ड डिप्लोमा। • स्पेनिश में एम.फिल. और पीएच.डी.।
• अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए हिंदी में आधार, गहन, सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, बी.ए., और एम.ए.।

गतिविधियाँ

• (23–24 अगस्त, 2017). 'चीनी भाषा वार्तालाप प्रशिक्षण कार्यशाला'।

व्याख्यान

• असाई गुरूजी (जापान) : 'विश्व शांति एवं जापान', 16 फरवरी, 2018
• श्री कार्लोस वारोना (निदेशक, इंस्तितूतो सेर्वांतेस, नई दिल्ली) और प्रो. अपराजित चट्टोपाध्याय (भूतपूर्व प्रोफेसर, जे.एन.यू.) : 'वर्तमान विश्व में स्पेनिश शिक्षण का महत्व', 23 मार्च, 2018

शोध परियोजनाएँ

कुमार, रवि
भारत–लैटिन अमेरिकी संबंध : साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अंतरसंबंधों का अन्वेषण
हिंदी–स्पेनिश–अंग्रेजी विषय आधारित शिक्षार्थी शब्दकोश
स्पेनिश–हिंदी–अंग्रेजी शब्दकोश

घोष, अनिर्बाण
हिंदी–चीनी–अंग्रेजी विषय आधारित शिक्षार्थी शब्दकोश
चीनी–हिंदी–अंग्रेजी शब्दकोश

जैन, सन्मति
हिंदी–जापानी–अंग्रेजी विषय आधारित शिक्षार्थी शब्दकोश
जापानी–हिंदी–अंग्रेजी शब्दकोश

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. का शोध	विशेषज्ञता का क्षेत्र
रवि कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	21.03.2007	पीएच.डी. स्पेनिश	क्यूबा में 1986 से राजनैतिक और आर्थिक सुधार प्रक्रिया	स्पेनिश भाषा, साहित्य, संस्कृति / लैटिन अमेरिकन अध्ययन
अनिर्बाण घोष	सहायक प्रोफ़ेसर	09.07.2007	पीएच.डी. चीनी	चीन–भारतीय द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक संबंध (1979–1999)	चीनी भाषा और संस्कृति
सन्मति जैन	सहायक प्रोफ़ेसर	24.07.2013	एम.ए. जापानी	...	जापानी भाषा और संस्कृति
संदीप कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	03.05.2017	पीएच.डी. फ्रेंच	केबेक और भारतीय उपन्यासों में कुंठा	फ्रेंच भाषा और साहित्य
राजीव रंजन	सहायक प्रोफ़ेसर*	19.09.2016	पीएच.डी. हिंदी	छायावादोत्तर काव्य में राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना का अध्ययन	हिंदी भाषा और साहित्य
रश्मि रानी	सहायक प्रोफ़ेसर**	15.09.2017	एम.ए. हिंदी		हिंदी भाषा और साहित्य

(* अस्थाई, ** अंशकालिक)

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

कुमार, रवि

- (08–09 जून, 2017). नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में आयोजित 'ग्लोबल स्टडीज कॉन्फ्रेंस' में ''रैडिकल डेमोक्रेसी रिएक्जामिन्ड : रोल ऑफ मीडिया इन प्रोमोशन एंड रिवल्सन ऑफ 'पिंक टाइड' इन लैटिन अमेरिका'' विषय पर सह–लेखक के रूप में शोध पत्र प्रस्तुत।
- (04–07 जुलाई, 2017). मास्टर्स इंटरनेशनल रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट सेंटर (मिरडेक) मैड्रिड, स्पेन (यूरोप) में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में ''बियॉण्ड रिएलिज्म : व्हाट नेक्स्ट द वाइसेज ऑफ डिसेन्ट ऑर सर्च फॉर द अल्टरनेटिव पैराडाइम पेरिफेरल रिएलिज्म एंड सबाल्टर्न रिएलिज्म'' विषय पर सह–लेखक के रूप में शोध पत्र प्रस्तुत।
- (02–04 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित कार्यशाला में 'भाषा की परीक्षा तैयारी कैसे करें' विषय पर व्याख्यान।
- (27–28 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर द्वारा आयोजित 12 वाँ भारतीय भाषाविज्ञान विद्यार्थी सम्मेलन (SCONLI– 12) में एक सत्र की अध्यक्षता।
- (08–09 मार्च, 2018). 'हिस्पानिज्म' विषय पर आयोजित छठवें अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एबसोलूटिज्म् वर्सेस लिमिटेड गवर्नमेंट : ए जेनियोलोजिकल ओवरव्यू स्ट्रग्लर सिंस 1598' पर शोध पत्र प्रस्तुत तथा 'लैटिन अमेरिकी साहित्य' पर एक सत्र की अध्यक्षता एवं विदेशी भाषा शिक्षण पर समानांतर सत्र में व्याख्यान।
- (24 मार्च, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं न्यू आर्टस, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, वर्धा द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रिविजिटिंग द प्रायोरी विलिफ्स ऑफ लैटिन अमेरिकन डिपेंडेंसी थ्योरी फ्रॉम गांधीयन लेंस : खादी एज बेसिस ऑफ एनआईइओ (न्यू इंटरनेशनल इकोनोमिक ऑर्डर) विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।

घोष, अनिर्बाण

- (09–29 जून, 2017). नॉर्थ–वेस्ट नॉर्मल विश्वविद्यालय, छाङछुन, चीन में आयोजित '2017 बेल्ट एवं रोड पहल के तहत विभिन्न देशों एवं अंचल के विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए आयोजित संगोष्ठी' में प्रशिक्षण लिया तथा "भारतीय शिक्षा पद्धति का विकास : एक संक्षिप्त अवधारणा" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- (09 अगस्त, 2017). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'भारत छोड़ो आंदोलन में मध्य भारत का योगदान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारत छोड़ो आंदोलन के समय भारतीय पत्रकारिता का स्थिति एवं चीनी संचार माध्यम की भूमिका : एक आलोचनात्मक अध्ययन' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (27–28 अक्टूबर, 2017). पीकिङ विश्वविद्यालय के दक्षिण–पूर्वी एशिया अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित 'एशिया में हिंदी : पूर्वी एशियाई देशों के परिप्रेक्ष्य में भारत का अध्ययन' शीर्षक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में "चीन में हिंदी अध्ययन : चीन – भारत द्विपक्षीय शैक्षणिक सहयोग का संभावित क्षेत्र" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।
- (31 अक्टूबर–02 नवंबर, 2017). भारतीय गांधी अध्ययन समिति एवं गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'भारतीय गांधी अध्ययन समिति के 40वें वार्षिक अधिवेशन' शीर्षक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "महात्मा गांधी, च्याङ च्येषृ एवं कोलकाता : सन 1942 में हुई ऐतिहासिक साक्षात्कार की महत्ता" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत ।
- (03–04 नवंबर, 2017). विश्वभारती चीन भवन एवं चीन अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'भारत–चीन सांस्कृतिक संपर्क' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "रवींद्रनाथ टैगोर, विश्वभारती एवं च्याङ च्येषृ : सन 1942 में चीनी राष्ट्रपति का शांति निकेतन में ऐतिहासिक सफर की महत्ता" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।
- (24 मार्च, 2018). गांधी अध्ययन केंद्र, न्यू आर्ट्स, वाणिज्य और विज्ञान कॉलेज, वर्धा द्वारा 'वैश्वीकरण के दौर में गांधीवादी दृष्टि : सीमा से परे' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'महात्मा गांधी और चीन : एक संक्षिप्त समीक्षा' पर पत्र वाचन।

जैन, सन्मति

- (12–17 फरवरी, 2018) भाषा विद्यापीठ, म.गां.अं.हि.वि., वर्धा द्वारा आयोजित 'हिंदी कॉम्प्लेक्स वाक्य के लिए टैग की गई डाटाबेस का निर्माण' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (16 फरवरी, 2018). विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र, भाषा विद्यापीठ के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का विश्व शांति स्तूप, फ्यूजी गुरूजी ट्रस्ट, वर्धा के आसाई गुरूजी (जापान) के साथ 'विश्व शांति एवं जापान' विषय पर आयोजित संवाद एवं विशेष व्याख्यान समारोह में संयोजक के रूप में सहभागिता।
- (24 मार्च, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'सीमाओं से परे : वैश्वीकरण के दौर में गांधी की परिकल्पना / दृष्टि' विषय पर आयोजित अंतरानुशासनिक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'महात्मा गांधी और जापान' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

कुमार, संदीप

- (18–28 जनवरी, 2018). संस्कृत विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'संस्कृत नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला' में सहभागिता।
- (11 फरवरी, 2018). संस्कृत विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं संस्कृत भारती, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'संस्कृत की प्रासंगिकता एवं संभावनाएं' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिचर्चा में सहभागिता।
- (19–21 फरवरी, 2018). हिंदी विभाग, म. म. वि., मालवीय मूल्य अनुशीलन केंद्र, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ के तत्वावधान में 'आचार्य शिवपूजन सहाय और राहुल सांकृत्यायन : हिंदी नवजागरण के परिप्रेक्ष्य में' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'राहुल सांकृत्यायन एवं समकालीन फ्रांसीसी यात्रावृत्तांत साहित्य' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (24 मार्च, 2018). 'भारतीय विचारकों का रोमेन रोल्लंद पर प्रभाव' विषय पर म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एवं साइंस कॉलेज, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'सीमाओं से परे : वैश्वीकरण के दौर में गांधी की परिकल्पना/दृष्टि' पर आयोजित अंतरानुशासनिक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत।

प्रकाशन

कुमार, रवि

- (12–14 सितंबर, 2017) 'अल्टर्नेटिव टू स्टेट सेंट्रिज्म : वाइसेस फ्रॉम मार्जिन्स (पेरिफेरल रिएलिज्म : एंड सबाल्टर्न रिएलिज्म', **मिरडेक –5**, 141–145, विएना, ऑस्ट्रिया। (सह–लेखक)
- (24 मार्च, 2018) 'रिविजिटिंग द प्रायोरी विलिफ्स ऑफ लैटिन अमेरिकन डिपेंडेंसी थ्योरी फ्रॉम गांधीयन लेंस : खादी एज बेसिस ऑफ एन आई इ ओ (न्यू इंटरनेशनल इकोनोमिक ऑर्डर)', वियॉन्ड् बाउन्डरीज : गांधीयन विजन इन द एज ऑफ ग्लोबलाइजेशन, 234–239, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि. एवं न्यू आर्टस, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज (सह–लेखक)।
- (24 मार्च, 2018) वियॉन्ड् बाउंडरीज : गांधियन विजन इन द एज ऑफ ग्लोबलाइजेशन, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि. एवं न्यू आर्टस, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज। (सदस्य : संपादक मंडल, हिंदी एवं अंग्रेजी संस्करण)

घोष, अनिर्बाण

- (2018). 'महात्मा गांधी एवं चीन : एक संक्षिप्त अवधारणा', वियॉन्ड् बाउन्डरीज : गांधियन विजन इन द एज ऑफ ग्लोबलाइजेशन, 175–180, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि. एवं न्यू आर्टस, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज।

उपलब्धियाँ

डॉ. अनिर्बाण घोष (चीन शैक्षणिक यात्रा) :

- हिंदी विभाग, अंतरराष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, संचार विश्वविद्यालय, बीजिंग (चीन) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 29 अक्टूबर, 2017 को 'हिंदी और संचार : भारत में अध्ययन के अवसर' विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।
- बीजिंग विदेश अध्ययन विश्वविद्यालय (बीएफएसयू) में 10 दिसंबर, 2017 को 'स्कूल ऑफ हिस्ट्री' के उद्घाटन समारोह के अवसर पर बधाई पत्र।

2. साहित्य विद्यापीठ

यह विद्यापीठ भारतीय तथा विश्वसाहित्य के साथ संवाद स्थापित करने और तुलनात्मक अध्ययन एवं शोध कार्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य के प्रति समर्पित है। विद्यापीठ की मूल संकल्पना देश–दुनिया के भाषायी एवं साहित्यिक वैविध्य के पीछे सक्रिय समान मानवीय चेतना और उसकी सृजनशीलता में साम्य की धारणा पर अवलम्बित है। वैश्विक दृष्टिकोण से भाषा और साहित्य बहुविधागत है, किन्तु उनके सर्जक मानस और आस्वादक चिह्न, अपने संस्कारों के भेद के बावजूद, बुनियादी प्रकृति में एक से है। इस कारण विभिन्न भाषाओं के साहित्य के बीच संवाद की अपार संभावनाएँ हैं। इन संभावनाओं का सन्धान और शोध, विद्यापीठ की वरीयताएं हैं। साहित्य विद्यापीठ के अंतर्गत निम्नलिखित विभाग हैं –

2.1 हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग
2.2 संस्कृत विभाग
2.3 उर्दू विभाग
2.4 अंग्रेजी विभाग
2.5 मराठी विभाग
2.6 प्रदर्शनकारी कला विभाग

2.1 हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग

हिंदी साहित्य का भारतीय तथा विश्व भाषाओं के साहित्य के साथ संवाद और तुलनात्मक अध्ययन एवं शोध इस विभाग की मुख्य गतिविधियाँ हैं। विभिन्न भाषाओं के साहित्य से संवाद की संभावनाओं का संधान एवं शोध विभाग की उच्च प्राथमिकता है। विभाग में ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों और कलाओं के साथ साहित्य के घनिष्ठ संबंध को दृष्टिगत रखते हुए अंतरानुशासनिक अध्ययन एवं शोध पर विशेष बल दिया जाता है। विभाग में तुलनात्मक साहित्य अध्ययन को वरीयता दी जाती है। इसमें हिंदी साहित्य को आधार बनाकर हिंदीतर भारतीय साहित्य एवं विश्व साहित्य के अध्ययन में तुलनात्मक साहित्य अध्ययन–पद्धति का प्रमुखता से उपयोग किया जाता है। हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग समग्रता में साहित्य के अध्ययन–अध्यापन एवं शोध के लिए प्रतिबद्ध है।

पाठ्यक्रम : • बी.ए. हिंदी (ऑनर्स) • एम.ए. हिंदी साहित्य • एम.ए. हिंदी तुलनात्मक साहित्य • एम.फिल. हिंदी साहित्य • एम.फिल. तुलनात्मक साहित्य • पीएच.डी. हिंदी साहित्य • पीएच.डी. तुलनात्मक साहित्य।

गतिविधियाँ
कार्यशाला / संगोष्ठी

• (04 अप्रैल, 2017). 'स्मरण : अज्ञेय' कार्यक्रम।
• (07–09 दिसंबर, 2017). 'सांस्कृतिक संवेदना और सर्जनात्मकता : भारतीय साहित्य की उभरती प्रवृत्तियाँ' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

विशेष व्याख्यान

• प्रो. ए. अच्युतन : 'नाटक और रंगमंच : केरल का संदर्भ', 04 अगस्त, 2017
• प्रो. अनिल राय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली : 'आज के समय में कबीर', 05 अक्टूबर, 2017
• प्रो. गोपेश्वर सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली : 'भक्ति काव्य और महात्मा गांधी', 17 नवंबर, 2017
• प्रो. श्रीप्रकाश शुक्ल, बी.एच.यू., वाराणसी, 'त्रिलोचन का काव्य', 22 नवंबर, 2017
• प्रो. वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, बी.एच.यू., वाराणसी : 'वक्रोक्ति सिद्धांत', 19 जनवरी, 2018
• प्रो. रतन कुमार पांडेय (मुंबई) : 'वर्तमान दौर और समकालीन कविता', 12 फरवरी, 2018
• प्रो. अशोक गजानन मोडक (मुंबई) : 'डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर : सामाजिक–सांस्कृतिक चेतना', 23 फरवरी, 2018
• श्री नवनीत मिश्र (लखनऊ) : 'रेडियो नाटक', 12 मार्च, 2018

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
कृष्ण कुमार सिंह	प्रोफ़ेसर	01.07.2010	पीएच.डी. हिंदी	अवतारवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि : भक्तिकालीन हिंदी साहित्य के संदर्भ में	भक्तिकालीन साहित्य
प्रीति सागर	प्रोफ़ेसर	20.07.2009	पीएच.डी. हिंदी	मैथिलीशरण गुप्त के काव्य पर महाभारत का प्रभाव	आधुनिक हिंदी कविता
अवधेश कुमार	प्रोफ़ेसर	06.06.2017	पीएच.डी. हिंदी	विजयदेव नारायण साही और उनका साहित्य	हिंदी काव्य और समीक्षा
अखिलेश कुमार दुबे	प्रोफ़ेसर	12.05.2017	पीएच.डी. हिंदी	सतरहवीं शताब्दी के पूर्वाद्ध में बनारसी दास जैन के अर्द्धकथानक का सामाजिक–सांस्कृतिक परिदृश्य	मध्यकालीन हिंदी भक्ति कविता, आधुनिक हिंदी कविता, दलित आत्मकथा
रामानुज अस्थाना	सहायक प्रोफ़ेसर	21.12.2006	पीएच.डी. हिंदी	जयशंकर प्रसाद (हिंदी) और भारतीदासन (तमिल) के नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन	भक्ति साहित्य तुलनात्मक साहित्य
अशोक नाथ त्रिपाठी	सहायक प्रोफ़ेसर	21.12.2006	पीएच.डी. हिंदी	निराला के कथा साहित्य का उत्तर आधुनिक अध्ययन	हिंदी आलोचना
उमेश कुमार सिंह*	सहायक प्रोफ़ेसर	04.01.2007	पीएच.डी. हिंदी	गुरु नानक देव और संत रविदास की कविता का तुलनात्मक अध्ययन	हिंदी तुलनात्मक अध्ययन
बीर पाल सिंह यादव	सहायक प्रोफ़ेसर	10.07.2009	पीएच.डी. हिंदी	प्रगतिवादी साहित्य चिंतन और रामविलास शर्मा	हिंदी आलोचना
सुनील कुमार**	सहायक प्रोफ़ेसर	21.07.2009	पीएच.डी. हिंदी	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यासों में बाल मनोविज्ञान	कथा साहित्य
रूपेश कुमार सिंह	सहायक प्रोफ़ेसर	17.06.2010	डी.फिल. हिंदी	रामविलास की साहित्येतिहास संबंधी मान्यताएँ और इतिहास दृष्टि	हिंदी आलोचना नव सामाजिक विमर्श

* महात्मा गांधी संस्थान, मॉरिशस में अध्यापनरत, ** क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता में कर्तव्यस्थ।

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

सिंह, कृष्ण कुमार

- (07–09 दिसंबर, 2017). साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली एवं म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'सांस्कृतिक संवेदना और सर्जनात्मकता : भारतीय साहित्य की उभरती प्रवृत्तियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजन एवं वक्तव्य।
- (12 दिसंबर, 2017). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित 'महाभारत में जाति' विषयक संगोष्ठी में अध्यक्षीय वक्तव्य।
- (23 जनवरी, 2018). हिंदी विभाग, यशवंत महाविद्यालय, वर्धा में 'साहित्य की प्रासंगिकता' विषय पर व्याख्यान।
- (02 फरवरी, 2018). हिंदी विभाग, इंदिरा गंधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय, अमरकंटक में 'वर्तमान समय में संत साहित्य का प्रासंगिकता' विषय पर व्याख्यान।
- (19–21 फरवरी, 2018). हिंदी विभाग, महिला महाविद्यालय, मालवीय मूल्य अनुशीलन केंद्र, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ के तत्वावधान में 'आचार्य शिवपूजन सहाय और राहुल सांकृत्याायन : हिंदी नवजागरण के परिप्रेक्ष्य में' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजन एवं उद्घाटन सत्र में वक्तव्य।
- (23–24 मार्च, 2018). हिंदी विभाग, विश्व भारती, शांति निकेतन द्वारा आयोजित 'छायावाद : संस्मृति एवं पुनर्मूल्यांकन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'महादेवी के काव्य का पुनर्मूल्यांकन' पर व्याख्यान।

सागर, प्रीति

- (13–14 दिसंबर, 2017). हिंदी विभाग, पैनमपिल्ली मेमोरियल गवर्मेंट कॉलेज, चालकुडी, त्रिशूर, केरल द्वारा 'हिंदी साहित्य में प्रतिरोध की संस्कृति' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बीज वक्तव्य एवं एक सत्र की अध्यक्षता।
- (08 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के बीसवें स्थापना दिवस समारोह के मुख्य कार्यक्रम का संचालन।
- (15–19 जनवरी, 2018). भाषा शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'सेकेण्डरी एवं सीनियर सेकेण्डरी स्तर पर हिंदी ई–कंटेट विकसित करने की कार्यशाला' में विषय विशेषज्ञ के रूप में सहभागिता।
- (29–31 जनवरी, 2018). क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूर और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान

में 'बहुभाषिक संदर्भ में पाठ्यचर्या में भाषा : संभावनाएँ और चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता।

- (31 जनवरी, 2018). हिंदी विभाग, स्कूल ऑफ साइन्सेज़, जैन विश्वविद्यालय, बंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 'हिंदी कहानी' विषय पर विशेष व्याख्यान।
- (19–21 फरवरी, 2018). हिंदी विभाग, महिला महाविद्यालय, मालवीय मूल्य अनुशीलन केंद्र, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, म.गां.अं.हिं. वि., वर्धा एवं उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ के तत्वावधान में 'आचार्य शिवपूजन सहाय और राहुल सांकृत्यायन : हिंदी नवजागरण के परिप्रेक्ष्य में' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का सहसंयोजन एवं उद्घाटन सत्र का संचालन।

कुमार, अवधेश

- (01 जुलाई, 2017). केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा एवं भारतीय हिंदी परिषद, इलाहाबाद के संयुक्त तत्वावधान में 'भाषा कौशल' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भाषा कौशल के विविध रूप' विषय पर व्याख्यान।
- (31 जुलाई–02 अगस्त, 2017). हिंदी विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल द्वारा 'प्रेमचन्द के कथा साहित्य में गाँव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बीज वक्तव्य तथा ''प्रेमचन्द के कथा साहित्य में चरित्र निरुपण'' पर विशेषज्ञ के रूप में शोध पत्र प्रस्तुत।
- (07–09 सितंबर, 2017). स्नातकोत्तर हिंदी विभाग, राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज, नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, भारतीय हिंदी परिषद, इलाहाबाद एवं हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला के संयुक्त तत्वावधान में 'साहित्य और मीडिया : वर्तमान संदर्भ' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञ के रूप में बीज वक्तव्य तथा 'साहित्य और सिनेमा : वर्तमान चुनौतियाँ' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।
- (26 सितंबर, 2017). पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, देवली, वर्धा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 'हिंदी के प्रगामी प्रयोग एवं कार्यान्वयन' तथा 'हिंदी में टिप्पण और प्रारूप लेखन' विषय पर व्याख्यान।
- (27 नवंबर, 2017). लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग एवं जयशंकर प्रसाद न्यास, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'राष्ट्रीयता के स्वर और जयशंकर प्रसाद' विषय पर व्याख्यान।
- (16–17 दिसंबर, 2017). केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा एवं माधव महाविद्यालय, ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रवाद की संकल्पना और उसके विविध परिदृश्य' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में 'राष्ट्रवाद का स्वरूप तथा हिंदी की राष्ट्रीय–सांस्कृतिक काव्यधारा' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (13–14 जनवरी, 2018). उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली एवं विद्याश्री न्यास के संयुक्त तत्वावधान में 'हिंदी भाषा की परंपराएँ : प्रयोग एवं संभावनाएँ' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी एवं भारतीय लेखक शिविर में 'हिंदीतर क्षेत्र में हिंदी' विषयक शोध आलेख प्रस्तुत।
- (11 फरवरी, 2018). संस्कृत विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा तथा संस्कृत भारती, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'संस्कृत की प्रासंगिकता एवं संभावनाएँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिचर्चा में सहभागिता।
- (02 फरवरी, 2018). हिंदी विभाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी में 'निराला का काव्य वैविध्य' विषय पर विशेष व्याख्यान।
- (03–04 फरवरी, 2018). हिंदी विभाग, पी.पी.एन. पी.जी. कॉलेज, कानपुर एवं उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान, लखनऊ के तत्वावधान में 'स्वतंत्रता आंदोलन राष्ट्रभावना और हिंदी साहित्य' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी के राष्ट्रीय एवं स्वछन्दतावादी कवियों का अवदान' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (19–21, फरवरी, 2018). हिंदी विभाग, महिला महाविद्यालय, मालवीय मूल्य अनुशीलन केंद्र, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, म.गां.अं.हिं. वि., वर्धा एवं उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में 'आचार्य शिवपूजन सहाय और राहुल सांकृत्यायन : हिंदी नवजागरण के परिप्रेक्ष्य में' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'राहुल सांकृत्यायन : भविष्य दृष्टि और साहित्य' विषय पर व्याख्यान एवं एक सत्र की अध्यक्षता।
- (23 फरवरी, 2018). बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय, विद्या विहार, लखनऊ के हिंदी विभाग में 'हिंदी साहित्य का इतिहास, काल विभाजन और नामकरण की समस्याएँ' विषय पर व्याख्यान।
- (24 फरवरी, 2018). हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में 'पीताम्बर दत्त बडवाल स्मृति व्याख्यान माला' के अंतर्गत 'शोध की प्रविधियाँ' विषय पर व्याख्यान।
- (25 फरवरी, 2018). जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बाराबंकी (उ.प्र.) एवं उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रीय चेतना के उन्नायक कवि : मैथिलीशरण गुप्त' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में राष्ट्रीय चेतना' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत।
- (06–07 मार्च, 2018). केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा हिंदी साहित्य के प्रतिनिधि रचनाकारों पर पुस्तक निर्माण हेतु आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (24–25 मार्च, 2018). जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश भाषा

संस्थान, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में 'स्वाधीनता संग्राम में राष्ट्रीय काव्यधारा के कवियों का अवदान' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में 'हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना का उत्सव' विषय पर शोध पत्र तथा बीज वक्तव्य प्रस्तुत।

- (27 मार्च, 2018). पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के.बी. वर्धा उपकेंद्र देवली, वर्धा में 'संघ की राजभाषा नीति' एवं 'हिंदी में टिप्पण एवं प्रारूप लेखन' विषय पर व्याख्यान।

दुबे, अखिलेश कुमार

- (21–26 अगस्त, 2017). हिंदी विभाग, महिला महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा 'हिंदी साहित्य का इतिहास : पाठ और पुर्नपाठ' विषय पर आयोजित कार्यशाला में एक सत्र की अध्यक्षता।
- (07–09 सितंबर, 2017). स्नातकोत्तर हिंदी विभाग, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, भारतीय हिंदी परिषद, इलाहाबाद एवं हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला के संयुक्त तत्वावधान में 'साहित्य और मीडिया : वर्तमान संदर्भ' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सोशल मीडिया के साहित्यिक सरोकार' शीर्षक सत्र में विषय प्रवर्तन।
- (13–14 जनवरी, 2018). उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली एवं विद्याश्री न्यास के संयुक्त तत्वावधान में 'हिंदी भाषा की परंपरा : प्रयोग एवं संभावनाएँ' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी एवं भारतीय लेखक शिविर में 'हिंदी के विविध रूप' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (18 जनवरी, 2018). संस्कृत विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा, संस्कृत भारती, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'संस्कृत्स्य प्रासंगिकता संभावनाश्च' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिचर्चा में सहभागिता।
- (27–28 जनवरी, 2018). केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा द्वारा 'भक्ति साहित्य और संत कवि' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भक्ति आंदोलन में मराठी संतों की भूमिका' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (19–21 फरवरी, 2018). हिंदी विभाग, महिला महाविद्यालय, मालवीय मूल्य अनुशीलन केंद्र, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा तथा उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ के तत्वावधान में 'आचार्य शिवपूजन सहाय और राहुल सांकृत्यायन : हिंदी नवजागरण के परिप्रेक्ष्य में' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'शिवपूजन सहाय का कथा साहित्य' शीर्षक सत्र में वक्तव्य।

त्रिपाठी, अशोकनाथ

- (24–25 जून, 2017). डॉ. आंबेडकर कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, वर्धा द्वारा 'रिविजिटिंग ईश्यूज ऑफ द ह्यूमन राइट्स ऑफ शेड्यूल्ड कास्ट्स एण्ड शेड्यूल्ड ट्राइब्स' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'साहित्य और मानवाधिकार का अंतर्संबंध' विषयक शोधपत्र प्रस्तुत।
- (13 सितंबर, 2017). राजभाषा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़ा के वाद–विवाद प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में सहभागिता।
- (07–09 दिसंबर, 2017). साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली एवं म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'सांस्कृतिक संवेदना और सर्जनात्मकता : भारतीय साहित्य की उभरती प्रवृत्तियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का सह–संयोजन एवं समापन सत्र का संचालन।
- (13–14 जनवरी, 2018). उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ एवं साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के सहयोग से विद्याश्री न्यास द्वारा आयोजित 'हिंदी भाषा की परंपराएँ : प्रयोग एवं संभावनाएँ' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी भाषा : परंपरा, प्रयोग और संभावनाएँ' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत।
- (15–17 जनवरी, 2018). प्रदर्शनकारी कला विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा तथा इंडियन सोसायटी फॉर थियेटर रिसर्च, हैदराबाद (इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ थियेटर रिसर्च की भारतीय इकाई) के संयुक्त तत्वावधान में 'प्रदर्शन हेतु प्रतिरोध या प्रतिरोध का प्रदर्शन' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय थियेटर कॉन्फ्रेंरेंस में संयोजक समिति सदस्य के रूप में सहभागिता।
- (27–29 जनवरी, 2018). प्रदर्शनकारी कला विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'दृश्य और कथ्य : संदर्भ सिनेमा' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'साहित्य सिनेमा और सेंसर' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (11 फरवरी, 2018). संस्कृत विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा तथा संस्कृत भारती, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'संस्कृत की प्रासंगिकता एवं संभावनाएँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिचर्चा में सहभागिता।
- (24–25 फरवरी, 2018). भारतीय अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित तथा अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली तथा म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय संस्कृति एवं विरासत' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता।
- (24 मार्च, 2018). न्यू आर्टस, कॉमर्स एवं साइंस कॉलेज, वर्धा तथा म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'ग्लोबलाइज़ेशन के समय में गांधीवादी दृष्टि का विस्तार' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी साहित्य में गांधी का अभिग्रहण' विषय पर आलेख प्रस्तुत।

यादव, बीर पाल सिंह

- (24–25 जून, 2017). डॉ. अंबेडकर कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, वर्धा द्वारा 'रिविजिटिंग ईश्यूज ऑफ द ह्यूमन राइट्स ऑफ शेड्यूल्ड कास्ट्स एण्ड शेड्यूल्ड ट्राइब्स' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'साहित्य और मानवाधिकार' विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत।
- (03–05 अक्टूबर, 2017). हिंदी विभाग, श्री शंकराचार्य यूनिवर्सिटी ऑफ संस्कृत कालडी रीजनल सेंटर, एट्टमनूर द्वारा 'हिंदी भाषा की संरचना : विविध आयाम' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'हिंदी भाषा की शब्द संरचना' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत।
- (15–19 जनवरी, 2018). भाषा शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'सेकेण्डरी एवं सीनियर सेकेण्डरी स्तर पर हिंदी ई–कंटेट विकसित करने की कार्यशाला' में विषय विशेषज्ञ के रूप में सहभागिता।
- (29–31 जनवरी, 2018). क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूर तथा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में 'बहुभाषिक संदर्भ में पाठ्यचर्या में भाषा : संभावनाएँ और चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पाठ्यचर्या में वैश्विक संदर्भ' पर वक्तव्य एवं एक सत्र की अध्यक्षता।
- (31 जनवरी, 2018). हिंदी विभाग, स्कूल ऑफ साइन्सेज़, जैन विश्वविद्यालय, बंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 'हिंदी कहानी' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत।
- (12–15 फरवरी, 2018). भाषा शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'सेकेण्डरी एवं सीनियर सेकेण्डरी स्तर पर हिंदी ई–कंटेट विकसित करने की कार्यशाला' में विषय विशेषज्ञ के रूप में सहभागिता।
- (19–21 फरवरी, 2018). हिंदी विभाग, महिला महाविद्यालय, मालवीय मूल्य अनुशीलन केंद्र, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ द्वारा 'आचार्य शिवपूजन सहाय और राहुल सांकृत्यायन : हिंदी नवजागरण के परिप्रेक्ष्य में' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'शिवपूजन सहाय का कथा साहित्य' पर वक्तव्य।
- (24 फरवरी, 2018). जुहारी देवी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, कानपुर द्वारा 'पं.दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववादी दर्शन की प्रासंगिकता' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एकात्म मानववाद : एक यूटोपिया' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (21–22 मार्च, 2018). भाषा शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् नई दिल्ली द्वारा 'भाषा, समाज और संस्कृति' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भाषा, समाज और नया मीडिया' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

सिंह, रूपेश कुमार

- (20 अप्रैल, 2017). हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित 'बी.ए. हिंदी एवं बी.ए. हिंदी (आनर्स) पाठ्यक्रम के निर्माण हेतु कार्यशाला' में सहभागिता।
- (16–17 दिसंबर, 2017). इटावा हिंदी सेवा निधि द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंटरनेट पर हिंदी' विषय पर व्याख्यान।

प्रकाशन

सिंह, कृष्ण कुमार

- (सितंबर–अक्टूबर, 2017) 'ठोकरों से उपजा सूरज', समकालीन भारतीय साहित्य, 214–218, नई दिल्ली : साहित्य अकादमी।

सागर, प्रीति

- (जून, 2017). 'परिधि पर लड़कियाँ', जन विकल्प, 07, 118–122,
- (जुलाई, 2017). 'दलित समाज का यथार्थ : घुसपैठिये', नमन, 17, 44–49,
- (2017) 'परकटे परिदों की दास्तान', 167–178, इलाहाबाद : लोक भारती प्रकाशन
- (दिसंबर, 2017) 'दलित स्त्री के मनुष्य बनने की छटपटाहट', 177, 52–55, युवा संवाद

कुमार, अवधेश

- (दिसंबर, 2017). 'निराला परंपरा एवं प्रगति के कवि', हिंदी अनुशीलन, प्रयाग–इलाहाबाद : भारतीय हिंदी परिषद्।

दुबे, अखिलेश कुमार

- (जनवरी, 2017). 'गद्यकार महादेवी वर्मा की सामाजिक प्रतिबद्धता', प्रज्ञा, 63, वाराणसी : काशी हिंदू विश्वविद्यालय।
- (2017). 'गणेश शंकर विद्यार्थी और उनके आरंभिक निबंध', हिंदी समय डॉट कॉम, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
- (2017). 'अर्द्धकथानक : हिंदी की पहली आत्मकथा', हिंदी समय डॉट कॉम, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
- (15 मार्च, 2018). 'किर्तनिया संस्कृति का प्रतिरोधी स्वर', उत्तर उजाला, हल्द्वानी संस्करण।

अस्थाना, रामानुज

- (मई, 2017). 'तमिल साहित्य चिंतन और तोलकाप्पियम', ई.पी.जी. पाठशाला, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि एवं नई दिल्ली : यू.जी.सी. व एमएचआरडी।
- (सितंबर–दिसंबर, 2017). 'आंडाल के साहित्य में नवधा भक्ति', शोध, 3, 366–373
- (मार्च, 2018). 'तमिल साहित्य की अद्वितीय कृति 'तिरुक्कुरल', पदचिन्ह, 1, 03–09, वाराणसी।

त्रिपाठी, अशोक नाथ

- (जनवरी–अप्रैल, 2017). 'परंपरा बनाम आधुनिकता का प्रत्यय', पुस्तक–वार्ता, 68–69, 64–69, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
- (मई, 2017). 'देव का काव्य', 'निराला की कविता का वैविध्य', 'आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंध', ई.पी.जी. पाठशाला, वर्धा : म.गां.अं. हिं.वि एवं नई दिल्ली : यू.जी.सी. व एमएचआरडी।
- (मई–जून 2017). 'सत्ता, साहित्य और संस्कृति के डायनामिक्स', पुस्तक–वार्ता, 70, 48–53, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
- (जुलाई–अक्टूबर, 2017). 'कल जो व्यक्ति कुछ और था, आज वह कुछ और है', पुस्तक–वार्ता, 71–72, 64–68, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।

यादव, बीर पाल सिंह

- (जून, 2017). 'स्त्री चिंतन का नया स्वर : हरप्रीत कौर की कविताएं', जन विकल्प, 07, 81–84, कालाडी (केरल) : संस्कृत विश्वविद्यालय।

सिंह, रूपेश कुमार

- (दिसंबर, 2017). 'इंटरनेट पर हिंदी', इटावा हिंदी सेवा निधि : रजत जयंती वर्ष विशेषांक, 46– 49, इटावा : इटावा हिंदी सेवा निधि।
- (जनवरी–मार्च, 2018). 'विध्वंस और निर्माण का लेखक : दूधनाथ सिंह', बहुवचन, 56, 32–36, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (2018). 'मृत्यु किनारे कलकल छलछल', साहित्य विकल्प, इलाहाबाद : साहित्य भंडार।

2.2 संस्कृत साहित्य विभाग

विश्वविद्यालय के साहित्य विद्यापीठ के अंर्तगत संस्कृत विभाग की स्थापना मार्च 2016 में हुई। विभाग का मुख्य उद्देश्य संस्कृत भाषा और साहित्य को व्यापक जन तक सुगम बनाना है। आधुनिक वैज्ञानिक युग में संस्कृत भाषा की वैज्ञानिकता को वैश्विक पटल पर प्रसारित कर इसकी उपादेयता को स्थापित करना है। संस्कृत भाषा में अंतर्निहित सभी वैज्ञानिक तत्वों को व्यावहारिक रूप प्रदान करना है और साथ ही अंतरानुशासनात्मक अध्ययन पर बल देना भी है।

पाठ्यक्रम : • एम.ए. (संस्कृत) • बी.ए.(संस्कृत) • संस्कृत भाषा में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, एडवांस्ड डिप्लोमा।

गतिविधियाँ

कार्यशाला / परिचर्चा

- (08–18 अगस्त, 2017). संस्कृत संभाषण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. भरत कुमार पण्डा एवं लेखराम दन्नाना ने प्रशिक्षण दिया।
- (18–28 जनवरी, 2018). आयोजित संस्कृत नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला में श्री आलोक चन्द्र पाण्डेय ने प्रशिक्षण दिया।
- (11 फरवरी, 2018). 'संस्कृत की प्रासंगिकता एवं संभावनाएँ' विषय पर राष्ट्रीय परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, प्रो. रमेश चन्द्र पण्डा एवं प्रो. मधुसूदन पेन्ना ने वक्तव्य दिए।

व्याख्यान

- प्रो. मधुसूदन पेन्ना : संस्कृत दिवस समारोह में 'संस्कृतस्य आधुनिकी प्रांसगिकता', 07 अगस्त, 2017

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
लेखराम दन्नाना	सहायक प्रोफेसर	28.12.2015	एम.फिल.		संस्कृत व्याकरण एवं दर्शन
श्रीनारायण सिंह	सहायक प्रोफेसर*	08.08.2017	पीएच.डी.	उल्लाघराघवम् : एक समीक्षात्मक अध्ययन	संस्कृत साहित्य
वागीश राज शुक्ल	सहायक प्रोफेसर*	10.08.2017	पीएच.डी.	बालभारत का समीक्षात्मक अध्ययन	संस्कृत साहित्य
सुधा त्रिपाठी	सहायक प्रोफेसर*	08.08.2017	पीएच.डी.	साहित्य मीमांसा का समीक्षात्मक अध्ययन	संस्कृत साहित्य
एल. सविता आर्या	सहायक प्रोफेसर*	08.08.2017	एम.फिल.		संस्कृत व्याकरण एवं दर्शन

*अंशकालिक

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

दन्नाना लेखराम

- (07 अगस्त, 2017). म.गां.अं.हिं.वि. के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित संस्कृत दिवस समारोह में संयोजक के रूप में सहभागिता की।
- (08–18 अगस्त, 2017). म.गां.अं.हिं.वि. के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित संस्कृत संभाषण प्रशिक्षण कार्यशाला के संयोजक के रूप में सहभागिता एवं दो सत्रों में 16 अगस्त को 'कर्मकारकं व्दितीयाविभक्तिप्रयोगश्च' तथा 17 अगस्त को 'संप्रदानकारकं चतुर्थीविभक्तिप्रयोगश्च' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किए।
- (31 अक्टूबर–06 नवंबर, 2017). कालिदास समिति, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कालिदास समारोह के अंतर्गत राष्ट्रीय विचार संगोष्ठी में 'कुमारसम्भवे कालिदासीयाः अपाणिनीयविशिष्टप्रयोगाः' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।
- (18–28 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि. के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित संस्कृत नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला के संयोजक के रूप में सहभागिता की।
- (11 फरवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि. संस्कृत विभाग द्वारा 'संस्कृतस्य प्रासंगिकता संभावनाश्च' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिचर्चा के संयोजक के रूप में सहभागिता की।
- (24–25 फरवरी, 2018). भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित एवं अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली तथा म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय संस्कृति एवं विरासत' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारतीय संस्कृति की विरासत : पुरुषार्थ चतुष्टय' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (24 मार्च, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एवं साइंस कॉलेज के तत्वावधान में 'सीमाओं से परे : वैश्वीकरण के दौर में गांधी की परिकल्पना / दृष्टि' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'सार्वभौमिक महाव्रत सत्य एवं अहिंसा : गांधी जी के परिप्रेक्ष्य में' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

सिंह, श्रीनारायण

- (18–28 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि. के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित संस्कृत नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला में सहभागिता की।
- (11 फरवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि. के संस्कृत विभाग द्वारा 'संस्कृतस्य प्रासंगिकता संभावनाश्च' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिचर्चा में सहभागिता की।
- (25–26 फरवरी, 2018). वीकेसीओएनएफ, नई दिल्ली, द्वारा 'वसुधैव कुटुम्बकम्:' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वसुधैव कुटुम्बकम्: परंपरा से प्रक्रिया की ओर' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

शुक्ल, वागीश राज

- (18–28 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि. के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित संस्कृत नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला में सहभागिता की।
- (11 फरवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि. के संस्कृत विभाग द्वारा 'संस्कृतस्य प्रासंगिकता संभावनाश्च' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिचर्चा में सहभागिता की।

त्रिपाठी, सुधा

- (18–28 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि. के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित संस्कृत नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला में सहभागिता की।
- (11 फरवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि. के संस्कृत विभाग द्वारा 'संस्कृतस्य प्रासंगिकता संभावनाश्च' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिचर्चा में सहभागिता की।
- (24–25 फरवरी, 2018). भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित एवं अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली तथा म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के तत्वावधान में 'दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय संस्कृति एवं विरासत' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता की।

आर्या, एल. सविता

- (18–28 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि. के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित संस्कृत नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला में सहभागिता की।
- (11 फरवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि. के संस्कृत विभाग द्वारा 'संस्कृतस्य प्रासंगिकता संभावनाश्च' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिचर्चा में सहभागिता की।

प्रकाशन

दन्नाना, लेखराम

• (मार्च–अप्रैल, 2017). 'पूर्वत्रासिद्धम् इत्यत्रासिद्धत्वविचारः', हरिप्रभा

• (2017) 'समासवृत्तिविमर्शः', 'वृत्तिविचारः'

सिंह श्रीनारायण

• (जनवरी–अप्रैल, 2017). 'धर्म का स्वरूप एवं भारतीय', 'शोध'

• (मई–अगस्त, 2017). 'नारी और साहित्य शास्त्र', 'शोध'

शुक्ल, वागीश राज

• (2017). 'भारतीय भाषाओं में राष्ट्रबोध की अवधारणाः', 'Hindi Tech:'

आर्या, एल. सविता

• (2017). 'अपभ्रंशेषु शक्तिविचारः', 'वृत्तिविचारः'

उपलब्धियाँ

• (26 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि. द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता के शिक्षक वर्ग में डॉ. श्रीनारायण सिंह को प्रथम पुरस्कार प्राप्त।

• (31 अक्टूबर–06 नवंबर, 2017). कालिदास समिति, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कालिदास समारोह के अंतर्गत वाद–विवाद प्रतियोगिता में एम.ए.संस्कृत प्रथम वर्ष के छात्र श्री अभिषेक शाण्डिल्य को पंचम स्थान (सांत्वना पुरस्कार) प्राप्त।

• (31 जनवरी–03 फरवरी, 2018). राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठम्, तिरुपति द्वारा आयोजित– 12 वें अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा समारोह के अंतर्गत प्राप्त पुरस्कारों का विवरण – अभिषेक शाण्डिल्य एम.ए.संस्कृत प्रथम वर्ष को ज्योतिष भाषण स्पर्धा में सांत्वना पुरस्कार (रु. 500)। भारतीय जनपद नृत्य स्पर्धा में मूलचंद शर्मा, प्रवीण पांडेय, प्रताप रॉय, देवदास सरकार, सुब्रत सरकार, जयदेव सरकार, जयंत कुमार सरकार, रमेश मालाकार– एम.ए.संस्कृत प्रथम वर्ष के छात्रों को तृतीय स्थान (कांस्य पदक, रु. 1000) प्राप्त। प्रवीण पांडेय को एक पात्र अभिनय स्पर्धा में तृतीय स्थान (कांस्य पदक, रु. 1000) प्राप्त।

• (26–28 फरवरी, 2018). अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् विदर्भ प्रांत द्वारा आयोजित 29 वें महाकवि कालिदास संगीत समारोह के अंतर्गत मूलचन्द शर्मा, प्रवीण पांडेय, प्रताप रॉय, देवदास सरकार, सुब्रत सरकार, जयदेव सरकार, जयंत कुमार सरकार, रमेश मालाकार– एम.ए. संस्कृत प्रथम वर्ष के छात्रों को लोक नृत्य स्पर्धा में प्रथम पुरस्कार के रूप में राशि रु. 11000 प्राप्त।

2.3 उर्दू साहित्य विभाग

विश्वविद्यालय के साहित्य विद्यापीठ के अंतर्गत उर्दू साहित्य विभाग वर्ष 2016 में स्थापित हुआ। विभाग का उद्देश्य मुख्यतः संस्कृति और साहित्य के महत्व एवं प्रासंगिकता से अवगत कराना है। उर्दू संस्कृति, भाषा और साहित्य के प्रति विद्यार्थियों में जागरुकता पैदा करना और साथ ही देश तथा देश के बाहर इसके विकास के प्रति कार्यरत रहना भी विभाग का प्रमुख उद्देश्य है। दूसरी भाषाओं की तुलना में उर्दू भाषा और साहित्य की विशेष खूबियों की तरफ भी उर्दू में दिलचस्पी रखनेवालों का ध्यान आकृष्ट करना भी हमारा उद्देश्य है। उर्दू साहित्य विभाग द्वारा मेमोरियल लेक्चर, सेमिनार, सिम्पोजियम सक्रिय रूप में आयोजित किया जाता रहा है।

पाठ्यक्रम : • एम.ए.उर्दू • उर्दू भाषा में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, एडवांस्ड डिप्लोमा।

गतिविधियाँ

व्याख्यान

• प्रो. बेग एहसास (हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद) और प्रो. इर्तेजा करीम (राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली) : 'उर्दू अदब में स्त्री विमर्श', 08 मार्च, 2018

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
हिमांशु शेखर	सहायक प्रोफेसर	22.12.2015	पीएच.डी. उर्दू	ज़फर पयामी की अदबी तखलीक का फिक्री व फन्नी जायेजा	उर्दू फिक्शन

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

शेखर, हिमांशु

- (11 फरवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि. के संस्कृत विभाग द्वारा 'संस्कृतस्य प्रासंगिकता संभावनाश्च' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिचर्चा में सहभागिता की।
- (08 मार्च, 2018). उर्दू साहित्य विभाग द्वारा 'उर्दू अदब में स्त्री विमर्श' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान समारोह का संचालन किया।

2.4 अंग्रेजी विभाग

विश्वविद्यालय के मूल उद्देश्यों की प्राप्ति में अंग्रेजी की महत्वपूर्ण, सकारात्मक एवं सहयोगी भूमिका को पहचानते हुए 'इंग्लिश फॉर हिंदी' की संकल्पना के साथ मार्च 2016 में साहित्य विद्यापीठ के अंतर्गत अंग्रेजी साहित्य विभाग की स्थापना की गई। यह विभाग अपने नाम के अनुरूप विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा और साहित्य की समझ विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग न सिर्फ विद्यार्थियों को भाषायी और साहित्यिक निपुणता प्रदान कर, रोजगार के अच्छे अवसरों के रूप में उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने की सोच रखता है, बल्कि उन्हें वर्तमान प्रगतिशील समाज में सार्थक भूमिका निभाने के लिए भी तैयार करता है।

इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए विभाग द्वारा एम.ए. (अंग्रेजी साहित्य) एवं अंग्रेजी भाषा में सर्टिफिकेट / डिप्लोमा / एडवांस्ड डिप्लोमा जैसे सुसंगत और प्रासंगिक पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए गए हैं। ये पाठ्यक्रम भावों और विचारों की रटंत अभिव्यक्ति के बजाय मौलिक रूप से सोचने–समझने का सामर्थ्य विकसित करते हैं। अंग्रेजी साहित्य विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की विशिष्टता है इनका स्वरूप जिसकी वजह से ये कॉरपोरेट सेक्टर, अनुवाद, इंटरप्रिटेशन, शिक्षण, मीडिया आदि विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार पाने के लिहाज से तो बेहतर है ही, दूसरों को रोजगार मुहैय्या कराने की संभावनाओं से भी युक्त है।

पाठ्यक्रम : • बी.ए. अंग्रेजी ऑनर्स • एम.ए. अंग्रेजी • अंग्रेजी भाषा में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और एडवांस्ड डिप्लोमा।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
मैत्रेयी	सहायक प्रोफेसर	22.12.2015	एम.ए.	—	अंग्रेजी में भारतीय साहित्य
विरेंद्र कुमार यादव	सहायक प्रोफेसर*	14.08.2017	एम.ए.		लिंग अध्ययन, समकालीन साहित्यिक सिद्धांत और आलोचना
सुरेश चंद्र मौर्य	सहायक प्रोफेसर**	16.11.2017	एम.ए.		इनडेन्चर और डायस्पोरा
ज़ेबा खान	सहायक प्रोफेसर**	29.11.2017	एम.ए.		नया साहित्य

(*अस्थाई **अंशकालिक)

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

मैत्रेयी

- (15–17 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के प्रदर्शनकारी कला विभाग द्वारा 'प्रदर्शन के लिए प्रतिरोध या प्रतिरोध का प्रदर्शन' विषय पर आयोजित 14 वें सोसायटी फॉर थियेटर रिसर्च के अंतरराष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में आयोजन समिति के सदस्य के रूप में सहभागिता की।
- (11 फरवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संस्कृत विभाग द्वारा 'संस्कृत की प्रासंगिकता एंव संभावनाएँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिचर्चा में सहभागिता की।
- (24 मार्च, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एवं साइंस कॉलेज, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'बियोंड बाउंडरीज : गांधीयन विजन इन दि एज ऑफ ग्लोबलाइजेशन' विषय पर आयोजित अंतरानुशासनिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में आयोजन समिति के सदस्य तथा सम्मेलन स्मारिका प्रकाशन (अंग्रेजी संस्करण) के संपादकीय बोर्ड सदस्य के रूप में सहभागिता की।

यादव, विरेंद्र कुमार

- (18 जनवरी, 2018). राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली एवं स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'मानवाधिकार' विषय पर आयोजित कार्यशाला में सहभागिता की।
- (11 फरवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संस्कृत विभाग द्वारा 'संस्कृतस्य प्रासंगिकता संभावनाश्च' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिचर्चा में सहभागिता की।

मौर्य, सुरेश चंद्र

– (07–27 सितंबर, 2017). नेशनल ट्रांसलेशन मिशन, मैसूर द्वारा आयोजित 'इंट्रोडक्शन टू ट्रान्सलेशन' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता की।

2.5 मराठी विभाग

मराठी भाषा सभी प्रादेशिक भाषाओं में एक महत्वपूर्ण भाषा है। मराठी भाषा में प्राचीन काल से भरपूर मात्रा में साहित्य लेखन किया जा रहा है। मराठी भाषा का साहित्य सभी भारतीय भाषाओं में अनुवाद के माध्यम से प्रसारित हुआ है। मराठी साहित्य की सभी विधाओं का हिंदी और अंग्रेजी में विपुल मात्रा में अनुवाद हुआ है और मराठी भाषा का साहित्य विश्व के कोने–कोने में पहुँच गया है। महाराष्ट्र में राजकाज की भाषा मराठी है। मराठी भाषा में उच्च शिक्षा और अनुसंधान की स्थिति अन्य भाषाओं की तुलना में बेहतर है। तकनीकी रूप भी मराठी भाषा अन्य भाषाओं से काफी आगे है। मराठी भाषा में ई–गवर्नेंस का प्रयोग सफल हो रहा है। उपर्युक्त बिंदुओं को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय में मराठी भाषा और साहित्य के अध्ययन हेतु प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाने हेतु मराठी विभाग की स्थापना सत्र 2015–16 में की गई है।

पाठ्यक्रम : • एम.ए. मराठी।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	विशेषज्ञता का क्षेत्र
धर्मेंद्र ना. शंभरकर	सहायक प्रोफेसर*	04.08.2017	एम. फिल.	मराठी साहित्य, दलित एवं संत साहित्य
सुषमा लोखंडे	सहायक प्रोफेसर**	अक्टूबर, 2010	एम.ए. मराठी	मराठी साहित्य, मराठी भाषा, मराठी संत साहित्य
नरेंद्र डेबे	सहायक प्रोफेसर**	26 सितंबर, 2017	एम.ए. मराठी	मराठी साहित्य, मराठी भाषा, मराठी संत साहित्य

* शिक्षा विभाग में पदस्थ, मराठी विभाग के प्रभारी अध्यक्ष ** अंशकालिक

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

डेबे, नरेंद्र

- (28–29 दिसंबर, 2017). गांधी अध्ययन केंद्र, न्यू आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, वर्धा द्वारा आयोजित अंतरविद्याशाखीय राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ग्रामगीता से पुरस्कृत लोकशाही मूल्य' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।
- (2 मार्च, 2018). अभिनव धुलीवंदन समिति, वर्धा द्वारा आयोजित उत्सव में 'मानवीय जीवन और ग्रामगीता' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत।
- (24 मार्च, 2018). गांधी अध्ययन केंद्र, न्यू आर्ट्स् एंड साइंस कॉलेज, वर्धा तथा म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अंतरविद्याशाखीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'महात्मा गांधीजी के सत्याग्रह विषयक विचार' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।

2.6 प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म एवं नाटक) विभाग

इस विभाग के अंतर्गत फ़िल्म एवं नाट्यकला के उन पक्षों के अध्ययन को प्रमुखता दी जाती है जिन्हें प्रायः अध्ययन की मुख्यधारा में सम्मिलित नहीं किया गया है, जैसे फ़िल्म एवं नाट्य समालोचना तथा समीक्षा, कला प्रशासन, मंच व्यवस्था, नाट्य एवं फ़िल्म लेखन प्रविधियाँ आदि। इसके अतिरिक्त मंच प्रस्तुतियाँ एवं फ़िल्म निर्माण भी इस पाठ्यक्रम के अभिन्न अंग के रूप में नियमित रूप से संचालित होते हैं। यह विभाग एम.ए., एम. फिल. तथा पीएच.डी. स्तर पर नाट्यकला और फिल्म अध्ययन के विशिष्ट क्षेत्रों में शोध अध्ययन का अवसर प्रदान करता है और यहां अंतरानुशासनिक अध्ययन एवं शोध को भी प्रोत्साहित किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों से विभाग द्वारा रोजगारोन्मुखी फिल्म निर्माण में बी.वोक. तथा अभिनय एवं मंच विन्यास में बी.वोक. पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय अतिथि विशेषज्ञों के निर्देशन में आयोजित व्याख्यान एवं कार्यशालाएँ विद्यार्थियों को विशद अनुभव एवं अधुनातन ज्ञान प्रदान करती हैं।

पाठ्यक्रम : • बी.वोक. (फिल्म निर्माण) • बी.वोक. (अभिनय एवं मंच विन्यास) • प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म एवं नाटक) में एम.ए., एम.फिल. और पीएच.डी.।

गतिविधियाँ

संगोष्ठी / कार्यशाला / अन्य

- (07 सितंबर, 2017). मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम 'ये इंडिया का टाइम है' का आयोजन किया गया।
- (25 सितंबर, 2017). 'अमेरिकन थिएटर एवं फिल्म' विषय पर आयोजित कार्यशाला में बोस्टन, अमेरिका की सुश्री लक्ष्मी देसाई ने मार्गदर्शन किया।
- (05–11 अक्टूबर, 2017). 'छऊ, मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण' विषय पर आयोजित कार्यशाला में सरायकेला, झारखंड के श्री गणेश चंद्र महतो और श्री शिवचरण साहू ने मार्गदर्शन किया।
- (01–5 नवंबर, 2017). 'छाया चित्रकला' विषय पर आयोजित कार्यशाला में मुंबई के प्रसिद्ध छायाकार श्री रवि शेखर ने संबोधित किया।
- (15–17 जनवरी, 2018). आय.एस.टी.आर. और म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'प्रतिरोध का रंगमंच' विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

- (27–29 जनवरी, 2018). 'दृश्य और कथ्य' : संदर्भ सिनेमा विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें देशभर से कई फिल्मी हस्तियों सहित प्रख्यात फिल्म निर्देशक मधुर भंडारकर ने भी व्याख्यान दिए।
- (05–11 मार्च, 2018). 'फिल्म छायांकन' विषय पर आयोजित कार्यशाला में मुंबई के फिल्म उद्योग के प्रख्यात सिनेमेटोग्राफर श्री अखिलेश दास (एफ.टी.आई.आई., पुणे) ने मार्गदर्शन किया।
- (21–24 मार्च, 2018). 'रूप सज्जा' विषय पर आयोजित कार्यशाला में मुंबई के श्री राजेश अंबुलकर ने मार्गदर्शन किया।
- (26 मार्च–01 अप्रैल, 2018). 'फिल्म संपादन' विषय पर आयोजित कार्यशाला में फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, पुणे के एसोशिएट प्रोफेसर श्री नीलांजन दत्ता ने मार्गदर्शन किया।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
सुरेश शर्मा	प्रोफेसर*	06.03.2012	पीएच.डी. हिंदी	साठोत्तरी हिंदी कविता : लोक नाटक	फिल्म, नाटक तथा पत्रकारिता
ओमप्रकाश भारती	सह प्रोफेसर	04.04.2012	पीएच.डी. नाट्य कला		नाटक, फिल्म
सतीश पावड़े	सहायक प्रोफेसर	15.07.2010	पीएच.डी. नाटक (रंगमंच)	मराठी नाटकों पर एब्सर्ड नाटक का प्रभाव	नाटक, फिल्म, जनसंचार एवं प्राचीन कला इतिहास
विधु खरे दास	सहायक प्रोफेसर**	12.03.2012	पीएच.डी. थियेटर	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटकों के कथ्य व शिल्प का अध्ययन : प्रमुख आधुनिक पश्चिमी रंग सिद्धातों के संदर्भ में।	नाटक

(*30.04.2017 को सेवानिवृत्त **इलाहाबाद केंद्र में कार्यरत)

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

भारती, ओम प्रकाश

- (29 अक्तूबर, 2017). प्रदर्शन सह व्याख्यान – भारतीय समकालीन पुतुल नाट्य : प्रदर्शन, विषय वस्तु तथा संचालन प्रविधि, थिएटर एम फदेन, स्टुटगार्ट, जर्मनी।
- (05 नवंबर, 2017). प्रदर्शन सह व्याख्यान– भारतीय पारंपरिक पुतुल नाट्य : प्रदर्शन, विषय वस्तु तथा संचालन प्रविधि, थिएटर फिगरून, ल्यूबेक, जर्मनी।
- (14–16 जनवरी, 2018). पूर्वी हिमालय के लोकनाट्य, उत्तरबङ्ग हेरिटेज फाउंडेशन तथा जिला सूचना एवं संस्कृति विभाग, कोचविहार, प. बंगाल द्वारा पुसना उत्सव के अवसर पर आयोजित।
- (24–25 मार्च, 2018). दक्षिण पूर्व एसियाई देशों के कलारूपों में राम कथा, भारतीय अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली तथा म.गां. अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित।
- (27 मार्च, 2018). थिएटर एज द एडूकेशनल टूल्स, हिमालय विश्व संग्रहालय, सिक्किम द्वारा आयोजित, अन्तरराष्ट्रीय कला महोत्सव, विश्व रंगमंच दिवस के उपलक्ष्य में।
- (29–31 मार्च, 2018). रोल ऑफ द आर्ट्स एंड आर्टिस्ट्स इन डेहव्लपिंग इंटरनेशनल रिलेशन, बटोही सहरसा द्वारा भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से आयोजित कौशिकी अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव के अवसर पर।

राष्ट्रीय–

- (19 अगस्त, 2017). बिहार में कला और कलाकारों की स्थिति तथा भविष्य की योजनाएं, संस्कृति भारती, बेगुसराय द्वारा आयोजित।
- (17 सितंबर, 2017). बिहार में कला और कलाकारों की स्थिति तथा भविष्य की योजनाएं, संस्कृति भारती, भागलपुर द्वारा आयोजित।
- (19 अक्तूबर, 2017). बिहार में कला और कलाकारों की स्थिति तथा भविष्य की योजनाएं, संस्कृति भारती, आरा द्वारा आयोजित।
- (10 फरवरी, 2018). भारतीय शास्त्रीय तथा लोक संगीत को कुमार गंधर्व का योगदान, कुमार गंधर्व फाउनडेशन, मुंबई द्वारा संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से आयोजित।
- (13 फरवरी, 2018). पूर्वोत्तर भारत का जनजातीय मौखिक साहित्य,साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित।

पावड़े सतीश

- (9 अगस्त, 2017). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'भारत छोड़ो आंदोलन में मध्य भारत का योगदान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में '1942 के आंदोलन में राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज का योगदान' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (23 सितंबर, 2017). इप्टा तथा महिला प्राध्यापक परिषद, सं.गा.बा. अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती के संयुक्त तत्वावधान में 'स्त्री : प्रतिमा और यथार्थ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इप्टा : स्त्री और प्रतिमा' विषयक आलेख प्रस्तुत।

- (10 दिसंबर, 2017). डॉ. पेशवे सोशल रिसर्च इंस्टीट्यूट, यवतमाल तथा यशवंत महाविद्यालय, सेलू के संयुक्त तत्वावधान में 'शिक्षा और मानवाधिकार' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'महात्मा फुले का नाटक तृतीय रत्न और मानवाधिकार' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (15–17 जनवरी, 2018). इंडियन सोसाइटी फॉर थिएटर रिसर्च तथा म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'प्रतिरोध की प्रस्तुति और प्रस्तुति का प्रतिरोध : विश्व का परिदृश्य' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सीमित राष्ट्रवाद का प्रतिरोध करता नाटक : मुंगु कॉमरेड' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (18 जनवरी, 2018). राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर के तत्वावधान में 'विविध काल में कलाओं का स्वरूप' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भरत का नाट्यशास्त्र और संस्कृत का रंगमंच' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (27–29 जनवरी, 2018). प्रदर्शनकारी कला विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'दृश्य–कथ्य : संदर्भ सिनेमा', विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भूमंडलीकरण : बदलते दृश्य और कथ्य : विशेष संदर्भ–मराठी सिनेमा' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (22–23 फरवरी, 2018). हिंदी विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा 'हिंदी सिनेमा : समय–संकृति तथा भाषा' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी सिनेमा और भारतीय समाज' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (24 मार्च, 2018). गांधी स्टडी सेंटर, न्यू आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, वर्धा तथा म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'बियोंड बॉउंड्रीज : गांधीयन विजन इन द एज ऑफ ग्लोबलाइजेशन' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गांधीगिरी : सत्याग्रह का आधुनिक मनोविज्ञान' विषयक आलेख प्रस्तुत।

प्रकाशन

भारती, ओम प्रकाश

- (जुलाई–दिसंबर, 2017). 'भारतीय लोक चित्रकलाएँ', नाट्य भारती, 9–15, नई दिल्ली : सागर कलर स्केन एंड प्रिंटर्स।
- (जनवरी–जून, 2018). 'हिमालय अंचल के बौद्ध नाट्य', नाट्य भारती, 13–20, नई दिल्ली : सागर कलर स्केन एंड प्रिंटर्स।
- (2017). 'फोकलोर ऑफ बिहार' (सं.), नई दिल्ली : मैलोरंग प्रकाशन।
- (2018). 'द जर्नी आफ कोलकाता थियेटर', नई दिल्ली : मानक प्रकाशन।

पावड़े, सतीश

- (जनवरी–जून, 2017). 'भरत के नाट्यशास्त्र में वर्णवाद', सृजन समय, 28–35, वर्धा : सृजन समय प्रकाशन।
- (जुलाई–अगस्त, 2017). 'भाषा, संस्कृति और समाज के परिप्रेक्ष्य में भारत का नाट्यशास्त्र', सृजन समय, 41–46, वर्धा : सृजन समय प्रकाशन।
- (सितंबर, 2017). अंधार पहिलेला माणूस, अमरावती : पायगुण प्रकाशन।
- (सितंबर, 2017). स्त्री : प्रतिमा आणि वास्तव (सं.), अमरावती : पायगुण प्रकाशन।
- (सितंबर, 2017). 'इप्टातील स्त्री आणि प्रतिमा', स्त्रीः प्रतिमा आणि वास्तव, 07–09, अमरावती : पायगुण प्रकाशन।
- (सितंबर–अक्टूबर, 2017). 'रस, दृश्यकला तथा विन्यास : भरत नाट्यशास्त्र के परिप्रेक्ष्य में', सृजन समय, 43–49, वर्धा : सृजन समय प्रकाशन।
- (अक्टूबर–मार्च, 2018). 'हिंदी का उत्तर आधुनिक रंगमंच', निमित्त, 31–33, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
- (दिसंबर, 2017). 'महात्मा फुले यांचे तृतीय रत्न आणि मानवाधिकार', शिक्षण आणि मानवाधिकार, 40–43, यवतमाल : डॉ. पेशवे सोशल रिसर्च इंस्टीट्यूट।
- (जनवरी–मार्च, 2018). 'हिंदी के नारीवादी नाटकों मे विद्रोह के स्वर', स्त्री काल, 77–79, नई दिल्ली : द मार्जिनलाईज्ड प्रकाशन।
- (अप्रैल–मई–जून, 2017). 'वैदर्भीय नाट्यलेखन : एक समृद्ध परंपरा', वसंत, 40–43, मुंबई : वसंत प्रकाशन।
- (मार्च, 2018). 'गांधीगिरी : सत्याग्रह का आधुनिक मनोविज्ञान', बियोंड बाउंट्रिजः गांधीयन विजन इन द एज ऑफ ग्लोबलाइजेशन', 40–43, वर्धा : न्यू आर्ट्स साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज।

3. संस्कृति विद्यापीठ

यह विद्यापीठ संस्कृति एवं समाज विज्ञान के अन्य विमर्शों को समाहित करते हुए बहुसांस्कृतिक अकादमिक विकास के प्रति समर्पित है। विश्वविद्यालय की भूमिका को निश्चित करने तथा यहाँ संचालित कार्यक्रमों के लिए गांधी दृष्टि के साथ यह विद्यापीठ शांतिपूर्ण विकास के मूल्यों का मार्ग प्रशस्त करता है। आज के यथार्थ को स्वीकारते हुए मूलवासियों एवं आदिवासियों की जीवन दृष्टि को, स्त्री, दलित एवं अन्य दमित वर्गों के सामाजिक न्याय प्राप्त करने के संघर्ष को अकादमिक बहसों के जरिए सामने लाना इस विद्यापीठ की समग्र दृष्टि एवं कार्यक्रमों का अभिन्न हिस्सा है। इस विद्यापीठ के अंतर्गत निम्नलिखित विभाग और केंद्र हैं :

3.1 गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग
3.2 स्त्री अध्ययन विभाग
3.3 डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर–सिदो–कान्हू–मुर्मू दलित एवं जनजाति अध्ययन केंद्र
3.4 डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र

3.1 गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग

गांधी एवं शांति अध्ययन भारत में सामाजिक विज्ञान अध्ययन के क्षेत्र में एक प्रभावशाली कदम है। यह विषय गांधीवादी विकास की अवधारणा और शांति से इसकी संबद्धता को व्यापक दायरे में समझने की एक दृष्टि देता है। अंतरानुशासनिक चरित्र का यह पाठ्यक्रम गांधी की अवधारणा, उसकी चुनौतियों, मानव सुरक्षा, नैतिक दृष्टि, सुशासन, विकेन्द्रीकरण, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण एवं इसकी राजनीति के साथ–साथ भू–राजनीति एवं सतत् विकास की शिक्षा को अपने में समाहित करता है। यह विषय विद्यार्थी को विकास, सतत् विकास एवं शांति के साथ उसकी संबद्धता को शिक्षण, शोध एवं विस्तार के व्यापक कार्यक्रमों तक पहुँचाता है। गांधी एवं शांति के विभिन्न पहलुओं को व्यापक दृष्टि से व्याख्यायित करने वाला यह पाठ्यक्रम न सिर्फ विद्यार्थियों के कौशल एवं क्षमता निर्माण में वृद्धि करता है बल्कि उन्हें विकास एवं शांति के क्षेत्र में आनेवाली समस्याओं और चुनौतियों को वैश्विक संदर्भ में समझ कर स्थानीय स्तर पर उसके समाधान के लिए प्रेरित भी करेगा और साथ ही देश व समाज के नीति–निर्धारण एवं विकास की नई रणनीति तय करने में मददगार भी होगा। गांधी के मूल्यों एवं सिद्धांतों के प्रति गंभीर अध्ययन व शोध के साथ–साथ मानवता के लिए प्रतिबद्धता पैदा करने के उद्देश्य से यह पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। अंतरानुशासनिक पद्धति से तैयार यह पाठ्यक्रम संपूर्ण मानविकी एवं समाज वैज्ञानिक अध्ययन का ऐसा सम्मिलित अध्ययन प्रस्तुत करता है, जो अब तक के ज्ञानानुशासनों को देखने व समझने की नई दृष्टि देता है। यह पाठ्यक्रमों से समतुल्यता के साथ एक विशिष्ट पहचान भी रखता है।

पाठ्यक्रम : • गांधी एवं शांति अध्ययन में एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. एवं पी.जी. डिप्लोमा।

गतिविधियाँ

कार्यशाला / संगोष्ठी

- (03–04 जुलाई, 2017). 'पाठ्यक्रम निर्माण एवं संवर्धन' विषय पर आयोजित कार्यशाला में प्रो. रामजी सिंह, प्रो. पुष्पा मोतियानी, श्री आदित्य पटनायक, डॉ. एम.एल. कासारे आदि ने विचार व्यक्त किए।
- (24 मार्च, 2018). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं गांधी अध्ययन केंद्र, न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एवं साइंस कॉलेज, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'सीमाओं से परे : वैश्वीकरण के दौर में गांधी की परिकल्पना / दृष्टि' विषय पर आयोजित अंतरानुशासनिक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. कार्लोस वरोना (स्पेन), डॉ. मेरीनो इटरबे (अर्जेंटीना) आदि ने विचार व्यक्त किए।

व्याख्यान

- डॉ. अरविंद मालपे, प्रो. आर.एस. मेहरा : 'भारत छोड़ो आंदोलन में मध्य भारत का योगदान', 09 अगस्त, 2017. विषय पर आयोजित समारोह में ने व्याख्यान दिए।
- प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी : शिक्षक के सरोकार, 05 सितंबर, 2017

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
नृपेंद्र प्रसाद मोदी	प्रोफेसर	22.03.2007	पीएच.डी. गांधी विचार	सर्वोदय विचार में लोक नीति का स्वरुप :एक समीक्षात्मक अध्ययन	गांधी एवं शांति अध्ययन, राजनीति
राकेश मिश्र	सहायक प्रोफेसर	16.03.2007	पीएच.डी. अहिंसा एवं शांति अध्ययन	गांधीजी और किसान आंदोलन	शांति अध्ययन, इतिहास मीड़िया
मनोज कुमार राय	सहायक प्रोफेसर	16.03.2007	पीएच.डी. गांधी अध्ययन	आधुनिक युग में योग और शांति की गांधीवादी अवधारणा की प्रासंगिकता	कानून गांधीविचार और दर्शन शास्त्र
डी. एन. प्रसाद	सहायक प्रोफेसर	20.03.2007	पीएच.डी. हिंदी साहित्य पीएच.डी. गांधी विचार	महात्मा गांधी का शैक्षणिक चिंतन धर्मवीर भारती के उपन्यास, निबंध एवं कहानियां	गांधी साहित्य एवं शांति अध्ययन तथा गांधी दर्शन, फिल्म और पत्रकारिता
चित्रा माली	सहायक प्रोफेसर	15.06.2010	पीएच.डी. अहिंसा एवं शांति अध्ययन	अहिंसक प्रतिरोध के बदलते स्वरुप	अहिंसा एवं शांति अध्ययन मानवाधिकार

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

मोदी, नृपेंद्र प्रसाद

- (08 अप्रैल, 2017). सोनूभाऊ बसवंत कला एवं वाणिज्य कॉलेज, शहापुर थाणे (महाराष्ट्र) द्वारा 'साहित्य और समाज में मानवीय संवेदना : संदर्भ' विषय पर आयोजित अंतरानुशासनिक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'तिलक–गांधी की विरासत लोकनायक जयप्रकाश नारायण' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (13–16 अप्रैल, 2017). गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली एवं कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह के 100 वर्ष' पर चन्दैया एवं जसौलीपट्टी (मोतिहारी) पदयात्रा कार्यक्रमों के श्रृंखला में सहभागिता।
- (19 मई, 2017). गांधी अध्ययन शोध केंद्र, जमशेदपुर महिला कॉलेज, (कोल्हान विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित कार्यशाला में सहभागिता।
- (18–19 जुलाई, 2017). जमशेदपुर महिला कॉलेज, जमशेदपुर, कोल्हान विश्वविद्यालय एवं गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'चंपारण सत्याग्रह के सौ वर्ष' विषय पर संदर्भ व्यक्ति के रूप में दायित्व का निर्वहन।
- (09 अगस्त, 2017). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'भारत छोड़ो आंदोलन में मध्य भारत का योगदान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन समिति के अध्यक्ष के रूप में दायित्व का निर्वहन तथा एक सत्र की अध्यक्षता।
- (31 अक्टूबर–2 नवंबर, 2017). गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली द्वारा भारतीय गांधी अध्ययन समिति के 40 वें वार्षिक अधिवेशन में 'महात्मा गांधी की धर्म दृष्टि' विषय पर बीज वक्तव्य तथा एक सत्र में अध्यक्षीय वक्तव्य।
- (02–04 दिसंबर, 2017). गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति राजघाट, नई दिल्ली एवं हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला द्वारा आयोजित 'बुद्ध एवं गांधी का मार्ग : विश्व शांति सम्मेलन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'संघर्ष समाधान में 'बुद्ध एवं गांधी का मार्ग' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत।
- (09 दिसंबर, 2017). राष्ट्रीय समाज विज्ञान परिषद् एवं बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय, रोहतक के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में 'लिबरेटिंग सोशल साइंस फ्रॉम कोलोनियल माइंडसेट' विषय पर वक्तव्य।
- (23–25 फरवरी, 2018). सैतालिसवाँ अखिल भारतीय सर्वोदय समाज अधिवेशन सेवाग्राम आश्रम, सेवाग्राम वर्धा (महाराष्ट्र) में सहभागिता।
- (24 मार्च, 2018). गांधी अध्ययन केंद्र, न्यू आर्ट्स कॉमर्स एवं साइंस कॉलेज, वर्धा एवं गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'सीमाओं से परे : वैश्वीकरण के दौर में गांधी की परिकल्पना / दृष्टि' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता।

मिश्रा, राकेश कुमार

- (18–19 जुलाई, 2017). जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'चंपारण सत्याग्रह के सौ वर्ष' पर विशेष व्याख्यान।
- (23 सितंबर, 2017). श्रीमती बिझानी महिला महाविद्यालय, नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सम्मेलन में 'हिंदी नाटक की परंपरा और आधे अधूरे' विषय पर व्याख्यान।
- (31 अक्टूबर–02 नवंबर, 2017). जी.एस.डी.एस., नई दिल्ली में भारतीय गांधी अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में 'धर्म की भारतीय समझ और गांधीजी' विषय पर प्रपत्र वाचन।
- (19–20 जनवरी, 2018). अखिल भारतीय मराठी साहित्य महामंडल, राजकुमार केवलरामानी कन्या महाविद्यालय एवं एस.बी.एम. महाविद्यालय, नागपुर द्वारा 'त्रिलोचन–मुक्तिबोध रचनात्मक जीवन–आत्मसंघर्ष' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मुक्तिबोध का आत्मसंघर्ष' विषयक प्रपत्र वाचन।
- (12–14 मार्च, 2018). गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली द्वारा आयोजित बा–बापू 150वीं जयंती समारोह की तैयारी समिति में सहभागिता।

राय, मनोज कुमार

- (19–20 फरवरी, 2018). नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय द्वारा 'राजनारायण : जीवन, कर्म और विचार विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'राजनारायण को पढ़ते हुए' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत।
- (24–25 फरवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि.वि., वर्धा द्वारा 'दक्षिण एवं दक्षिण–पूर्व एशिया में भारतीय संस्कृति एवं विरासत' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कुबेरनाथ राय के साहित्य में दक्षिण पूर्व एशियाई विरासत' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत।
- (27–28 फरवरी, 2018). आई.सी.एच.आर. और ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद द्वारा 'डिकालोनाइजेशन ऑफ इंडियन माइंड और इंडियन हिस्टरी : प्रास्पेक्ट और रिट्रोस्पेक्ट' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गुलाम मानसिकता और गांधी'. विषय पर व्याख्यान।

प्रसाद, डी. एन.

- (01–15 मई, 2017). पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा आयोजित 'शोध प्रविधि' कार्यशाला में 'शोध प्रस्ताव संरचना' और 'अकादमिक अनुसंधान' विषय पर व्याख्यान।
- (28–30 जुलाई, 2017). मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, भोपाल द्वारा आयोजित चौबीसवीं पावस व्याख्यानमाला में 'चम्पा और त्रिलोचन'

विषय पर व्याख्यान।

- (09 अगस्त, 2017). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'भारत छोड़ो आंदोलन में मध्यभारत का योगदान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारत छोड़ो आंदोलन में विदर्भ की हिंदी' विषयक प्रपत्र प्रस्तुत।
- (31 अक्टूबर–02 नवंबर, 2017). गांधी स्मृति दर्शन समिति, नई दिल्ली में भारतीय गांधी अध्ययन समिति द्वारा 'गांधी एवं भारतीय संस्कृति' विषय पर आयोजित 40वें अधिवेशन में 'भारतीय संस्कृति : परिप्रेक्ष्य बुद्ध और गांधी' विषयक आलेख प्रस्तुत तथा 'भारतीय संस्कृति में अहिंसा' विषयक सत्र में बीज वक्तव्य।
- (17–18 दिसंबर, 2017). गुरु घासीदास शोधपीठ, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा 'गुरु घासीदासजी के 7 उपदेशों एवं 42 अमृतवाणियों की प्रासंगिकता' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अहिंसा की संस्कृति और सतनाम दर्शन' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (15–17 जनवरी, 2018). भारतीय नाट्य अनुसंधान समिति (आईएसटीआर) एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 14वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सलाहकार समिति सदस्य के रूप में सहभागिता।
- (5–7 फरवरी, 2018). भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'विनोबा दर्शन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अनासक्ति दर्शन : परिप्रेक्ष्य आचार्य विनोबा' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (15–16 मार्च, 2018). दीनबंधु शिक्षण और सामाजिक संस्था, नागपुर द्वारा 'मछुआरा समाज : दशा और दिशा' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मछुआरा की संवेदना' विषयक प्रपत्र प्रस्तुत।
- (19–25 मार्च, 2018). म.गां. फ्यूजी गुरुजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संकाय संवर्धन कार्यक्रम में सहभागिता।
- (29–30 मार्च, 2018). मध्य प्रदेश दलित साहित्य अकादमी, उज्जैन द्वारा 'वर्तमान भारतीय परिप्रेक्ष्य में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'धर्म एवं संस्कृति और पंडित दीनदयाल उपाध्याय' विषयक प्रपत्र प्रस्तुत।

माली, चित्रा

- (9 अगस्त, 2017). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित 'भारत छोड़ो आंदोलन में मध्य भारत का योगदान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारत छोड़ो आंदोलन में मध्य प्रदेश का योगदान' विषयक पत्र प्रस्तुत।
- (04–05 अक्टूबर, 2017). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'कस्तूरबा के नाम : आज़ादी का आंदोलन एवं महिलाएँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अहिंसक आंदोलनों की स्त्रियाँ' विषयक पत्र प्रस्तुत।
- (01 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता में आयोजित कार्यक्रम में 'अंतरानुशासनिक अध्ययन प्रविधि' पर व्याख्यान।
- (18 जनवरी, 2018). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'मानवाधिकार पर आधारभूत प्रशिक्षण कार्यशाला' में सहभागिता।
- (19–24 फरवरी, 2018). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज, जमशेदपुर व कोल्हान विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'शोध प्रविधि का आधार पाठ्यक्रम' में व्याख्यान।
- (19–24 मार्च, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'शिक्षक शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन के विविध आयाम' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'नयी शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में बुनियादी शिक्षा' विषय पर व्याख्यान।

प्रकाशन

मोदी, नृपेंद्र प्रसाद

- (मई, 2017). 'महात्मा गांधी और नयी तालीम', अंतिम जन, 3, 21–23, नई दिल्ली : गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति।
- (31 अक्टूबर–02 नवंबर, 2017). 40 वां अधिवेशन, भारतीय गांधी अध्ययन समिति, स्मारिका, नई दिल्ली : गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति।
- (मार्च, 2018). 'जनतंत्र, गणतंत्र और गांधी', पदचिह्न, 1, 118–121, वाराणसी।

मिश्रा, राकेश कुमार

- (सितंबर, 2017). 'किसान केंद्रित साहित्य की जरूरत', सारस, 1, 48–51, वर्धा।

राय,मनोज कुमार

- (2017). 'बापू ने कहा था' (सं.), नई दिल्ली : राष्ट्रीय पुस्तक न्यास।
- (2017). 'भारतीयता की तलाश और श्री कुबेरनाथ राय', हिंदीसमयडॉटकॉम, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
- (2017). 'मरजीवा गांधी', हिंदीसमयडॉटकॉम, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।

- (अप्रैल–जून, 2017). 'आरक्षण का व्याकरण', चिंतन सृजन, 14, 96–103, नई दिल्ली।
- (सितंबर–दिसंबर, 2017). 'राजनारायण को पढ़ते हुए', शोध, 14 (3), 360–365.
- (जनवरी–मार्च, 2018). 'नेशनल करीकुलम फ्रेमवर्क फॉर टीचर एजुकेशन (2010) : डेसिफरिंग दि एपिस्टीमोलोजिकल अजंशन', दि इक्वानिमिस्ट, 4, 31–38
- (जनवरी–मार्च, 2018). 'ब्रिजिंग दि गैप', दि इक्वानिमिस्ट, 4, 53–57
- (मार्च, 2018). 'गुलाम मानसिकता और गांधी', पदचिह्न, 73–81, वाराणसी।

प्रसाद, डी. एन.

- (2017). 'आज का लेखन 'सृजन' नहीं : टेक्स्ट है', संवाद और हस्तक्षेप खंड–22 (सं. डॉ. सुनीता खत्री), 100–108, भोपाल : मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति।
- (अप्रैल, 2017). 'विवेकानन्द के विचार का साहित्य पर प्रभाव', राष्ट्रभाषा संदेश, 14–15, 3–6–8, प्रयाग, इलाहाबाद : हिंदी साहित्य सम्मेलन।
- (अप्रैल, 2017). 'लिख तू कोई गीत', सुसंभाव्य, 8, 47, भागलपुर : सुसंभाव्य प्रिटिंग प्रेस।
- (मई, 2017). 'आचार्य शुक्ल की 'करुणा' की आख्या', वीणा, 5, 22–26, इंदौर : श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति।
- (जुलाई, 2017). 'सामाजिक संघर्ष से युद्ध करती कहानियाँ', सुसंभाव्य, 9, 21, भागलपुर : सुसंभाव्य प्रिटिंग प्रेस।
- (जुलाई, 2017). 'कितनी नावों में कितनी बार', प्रयाग–पथ, 5, 127–130, इलाहाबाद : प्रयाग–पथ कार्यालय।
- (अगस्त, 2017). 'लिख तू कोई गीत', अभिनव इमरोज, 8, 43, नई दिल्ली : सभ्या प्रकाशन।
- (अक्टूबर, 2017). 'हृदय का समुद्र निहारना आ जाय ...!', अक्षत, शरद अंक, 1–4, खंडवा : अक्षत कार्यालय।
- (अक्टूबर–नवंबर, 2017). 'सर्वधर्म समभाव : समरस समाज का सफल–सूत्र', दिवान मेरा, 63, 13–17, नागपुर : आस्था प्रकाशन।
- (31 अक्टूबर–02 नवंबर, 2017). 'अहिंसा की संस्कृति : परिप्रेक्ष्य बुद्ध और गांधी', 40वां वार्षिक अधिवेशन, भारतीय गांधी अध्ययन समिति, 35, नई दिल्ली : गांधी एवं भारतीय संस्कृति, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति।
- (अक्टूबर–दिसंबर, 2017). 'वचन जीवन में दृढ़ता लाता', बसव मार्ग, 03, 07, बेंगलुरु : बसव समिति।
- (दिसंबर, 2017). 'इतिहास चिंतन में डॉ. अंबेडकर की नारी–दृष्टि', युवा संवाद, 9, 46–48, नई दिल्ली : युवा संवाद कार्यालय।
- (फरवरी, 2018). 'मेरी ललित निबंध–संरचना प्रकृति और पुरुष के संवादों का महागान है', समावर्तन, 11, 18–23, उज्जैन : समावर्तन कार्यालय।
- (फरवरी, 2018). 'पुस्तक एक पूरा कैनवास खड़ा करती है', तथ्य भारती, 8, 36, कोटा : तथ्य भारती कार्यालय।
- (23–25 फरवरी, 2018). 'गांधी की अहिंसा : जैन धर्म के संदर्भ में', 47वां वार्षिक सर्वोदय समाज सम्मेलन, 60–63, सेवाग्राम।
- (मार्च, 2018). 'अंबेडकर को हलके में समझना नादानी होगी', अक्षर पर्व, 10, 70–72, नई दिल्ली : देशबंधु कार्यालय।
- (मार्च, 2018). 'गांधी का हिंदी चिंतन', वीणा, 3, 19–27, इंदौर : श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति।
- (24 मार्च, 2018). 'गांधी की भाषा–नीति', 177–178, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि. एवं न्यू आर्टस, कॉमर्स एवं सायन्स कॉलेज।
- (2018). 'आलोचना का लोचन आलोकित होता है, डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी की आलोचनाधर्मिता से', अभिनव इमरोज : व्यक्ति विशेष दस्तावेज–2 (सं. देवेंद्र कुमार बहल, डॉ. दिनेश चमोला 'शैलेश'), 340–343, नई दिल्ली : सभ्या प्रकाशन।
- (2018). 'शिक्षा का माध्यम एवं भाषा नीति पर गांधी का चिंतन', गांधी–दृष्टि : युवा रचनात्मकता के आयाम, (सं.: प्रो. मनोज कुमार, डॉ. अमित कु. विश्वास), 214–241, नई दिल्ली : भारतीय ज्ञानपीठ।
- (2018). 'मछुआरा की संवेदना', मछुआरा समाज : दशा और दिशा (सं. : बलराम बिंद, रणजीत कुमार निषाद), 134–139, नागपुर : दीनबंधु शिक्षण सेवा संस्थान।
- (2018). 'गांधी संचयन' (संचयन–संपादन : प्रो. गिरीश्वर मिश्र, डॉ. डी. एन. प्रसाद), नई दिल्ली : सस्ता साहित्य मंडल प्रकाशन।

माली, चित्रा

- (दिसंबर, 2017). 'पब्लिक स्फियर और मीडिया', न्यूमेन, 12, महाराष्ट्र : न्यूमेन पब्लिकेशन।
- (फरवरी, 2018). 'विकास की राजनीति और पर्यावरणीय आंदोलन', क्रोनिकल ऑफ़ ह्यूमेनिटीज एंड कल्चरल स्टडीज, 4 (2), कल्याण : सेंटर फॉर ह्यूमेनिटीज एंड कल्चरल स्टडीज।

उपलब्धियाँ

- डॉ. राकेश मिश्र रवींद्र कालिया स्मृति कथा पुरस्कार 2017 से सम्मानित।

3.2 स्त्री अध्ययन विभाग

स्त्री–अध्ययन वस्तुतः ज्ञान की सत्ता–संरचना पर 'ज्ञान–बहिष्कृतों' द्वारा किया गया एक सैद्धांतिक–दार्शनिक हस्तक्षेप है, जो प्रत्येक व्यक्ति की बराबरी एवं एक समतामूलक समाज की स्थापना में विश्वास करता है। यह समाज के प्रत्येक तबके के अनुभवों को केंद्र में रखकर ज्ञान के प्रति एक नया दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है जो कि एकपक्षीय ज्ञान की रूढ़ सीमाओं को तोड़कर ज्ञान को उसके बहुआयामी व समग्र रूप में प्रस्तुत करता है। यह सिर्फ एक विषय नहीं है, वरन् यह एक परिप्रेक्ष्य है जो हमें दुनिया को देखने का एक नया नज़रिया देता है और इसीलिए ज्ञानानुशासन की सीमाओं का अतिक्रमण करते हुए यह एक अंतरानुशासनिक, बहु–अनुशासनिक एवं परा–अनुशासनिक स्वरूप अख़्तियार करता है। स्त्री अध्ययन की शुरुआत इस तथ्य के साथ होती है कि स्त्री या पुरुष होना मात्र जैविकीय ही नहीं, सामाजिक निर्मिति भी है और इस सामाजिक निर्मिति के आधार पर ही दुनिया के सारे ज्ञान–विज्ञान रचे गए हैं।

'स्त्री अध्ययन' सिर्फ स्त्रियों का या स्त्रियों के लिए ही नहीं है बल्कि यह विभिन्नताओं का संयोजन है। यह 'संपूर्ण मानवता' का अध्ययन है जिसके जरिए हम हाशिए पर खड़े उन सभी समूहों का अध्ययन करते हैं, जिन्हें मुख्यधारा का ज्ञान नजरअंदाज करता है। एक विषय के रूप में यह महज कुछ जानकारियों या सूचनाओं को जान लेने या सीख लेने तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह जेंडरगत विभेदों के बरक्स उस समतामूलक स्त्रीवादी चेतना को अपने जीवन–व्यवहारों में आत्मसात् करने से भी संबंधित है जो बदलाव की शैक्षणिक राजनीति का जरिया हैं। अतएव सामाजिक व्यवस्था में परिवर्तन इस विषय का केंद्रीय अभिप्रेरक बिंदु है, जिसे भारतीय स्त्री–अध्ययन संगठन के संस्थापक सदस्यों द्वारा एक 'शैक्षणिक रणनीति' के रूप में स्वीकार किया गया है। विश्वविद्यालय में वर्ष 2003 में स्थापित यह विभाग अपने वास्तविक जनतांत्रिक स्वरूप में स्त्री–अध्ययन की मूल अभिप्रेरणाओं से संचालित है। हम इसे स्त्री–विमर्श का अंतरराष्ट्रीय केंद्र बनाने के लिए प्रयासरत हैं। हिंदी माध्यम में स्त्री अध्ययन को पूर्णकालिक विषय के रूप में शुरू किए जाने के निम्नलिखित उद्देश्य हैं– 1. हिंदी माध्यम में व्यवस्था की सत्तापरक संरचना की पड़ताल करते हुए जेंडर संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित करना, 2. हिंदी भाषा के वृहत्तर परिप्रेक्ष्य में स्त्री विषयक प्रश्नों एवं अधिकारों से विद्यार्थियों को अवगत कराना, 3. सामाजिक–बौद्धिक हस्तक्षेप के एक संसाधन केंद्र (रिसोर्स सेंटर) के बतौर खुद को समर्थ बनाना, 4. जेंडर विमर्श को हिंदी प्रदेश के व्यापक समुदाय के बीच प्रसारित करना, 5. परंपरागत विश्वविद्यालयी शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन का जरिया बनते हुए अकादमिक एवं सामाजिक यथार्थ के बीच के अंतर को समाप्त करना और 6. स्त्री अध्ययन के क्षेत्र में उत्कृष्ट अध्ययन केंद्र के रूप में विकसित करना।

पाठ्यक्रम : • स्त्री अध्ययन में एम. ए., एम. फिल., पीएच.डी. • देशज संस्कृति, भाषा और जेंडर और स्त्री अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
शंभु गुप्त	प्रोफ़ेसर	13.07.2010	पीएच.डी. हिंदी	हिंदी संत काव्य में सूक्ति विधान	साहित्यालोचना, साहित्य का नारीवादी अध्ययन
सुप्रिया पाठक	सहायक प्रोफ़ेसर	20.03.2007	पीएच.डी. स्त्री अध्ययन	पारसी–हिंदी रंगमंच एवं महिलाएं	स्त्री एवं मीडिया, रंगमंच एवं स्त्री, नारीवादी सैद्धांतिकी, भाषा एवं साहित्य, नारीवादी शोध प्रविधि
अवतिंका शुक्ला	सहायक प्रोफ़ेसर	27.04.2007	पीएच.डी. स्त्री अध्ययन	कथक की परंपरा, घराने एवं स्त्री प्रश्न	स्त्री एवं श्रम, प्रदर्शन कलाओं में स्त्रियां, जाति, वर्ग एवं जेंडर के प्रश्न, नारीवादी शोध प्रविधि
शरद जायसवाल	सहायक प्रोफ़ेसर	09.07.2009	एम.ए.		वर्ग, जाति एवं जेंडर, सांप्रदायिकता, जाति व जेंडर का सवाल

शोध परियोजनाएँ

- डॉ. सुप्रिया पाठक, 'भोजपुरी क्षेत्र में स्त्रियों के प्रति हिंसा के विविध आयाम : वर्चस्व, सहमति एवं प्रतिरोध की संस्कृति' (व्यक्तिगत)। 'शिक्षा, जेंडर एवं राष्ट्रीय नीतियां : एक नारीवादी अध्ययन', म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा वित्तपोषित।
- डॉ. अवन्तिका शुक्ला, 'परिवार की बदलती अवधारणा और नौकरीशुदा एकल गृहस्थ (विवाहित) महिलाएं : एक जेंडरगत अध्ययन', म.गां.अं. हिं.वि., वर्धा द्वारा वित्तपोषित।

गतिविधियाँ

संगोष्ठी / कार्यशाला

- (9 अगस्त, 2017). महाश्वेता देवी स्मृति व्याख्यानमाला के अंतर्गत 'महाश्वेता देवी के साहित्य में स्वाधीनता का स्वर' विषय पर कार्यक्रम।
- (4–5 अक्टूबर, 2017). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'कस्तूरबा के नाम : आज़ादी का आंदोलन एवं महिलाएँ' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन।
- (18 जनवरी, 2018). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मानवाधिकार पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन।

• (08 मार्च, 2018). अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 'महिलाओं की श्रम में भागीदारी' विषय पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
• (21 मार्च, 2018). 'भारत में जेंडर निर्माण की प्रक्रिया' विषय पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विशेष व्याख्यान

• डॉ. प्रणयकृष्ण, इलाहाबाद विश्वविद्यालय : 'मुक्तिबोध का स्त्री विमर्श', 13 सितंबर, 2017
• डॉ. निस्तर कुजूर, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर : 'जनजाति विकास : विशेष पिछड़ी जनजाति के संदर्भ में', 07 दिसंबर, 2017
• सुश्री सुचेता डे : 'राजनीति में स्त्रियाँ', 21 दिसंबर, 2017
• प्रो. चंद्रकला त्रिपाठी (हिंदी विभाग, महिला महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी) : 'साहित्य में स्त्री–मुद्दे',19 जनवरी, 2018
• श्री राकेश कुमार सिंह : 'जेंडर– निर्माण की प्रक्रिया', 21 मार्च, 2018

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

गुप्ता, शंभु

• (11–12 अप्रैल, 2017). कुशीनगर (जोगिया गाँव), उ.प्र. में 'लोकरंग' महोत्सव में विशिष्ट अतिथि के रूप में सहभागिता तथा 'हाशिए का समाज और लोक संस्कृति' विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी में वक्तव्य।
• (10 मई, 2017). म.गां.अं.हि.वि., वर्धा, स्टडी सर्किल द्वारा गांधी हिल पर 'दुनिया को युद्ध नहीं, बुद्ध चाहिए' विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी की अध्यक्षता एवं व्याख्यान।
• (11 अगस्त, 2017). जेंडर संवेदनशीलता समिति, म.गां.अं.हि.वि., वर्धा द्वारा 'विश्वविद्यालयी परिवेश और जेंडर संवेदनशीलता' विषय पर आयोजित शर्मिला रेगे व्याख्यानमाला की अध्यक्षता तथा व्याख्यान।
• (13 सितंबर, 2017). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में 'मुक्तिबोध का स्त्री–विमर्श' पर आयोजित संगोष्ठी में अध्यक्षीय वक्तव्य।
• (5 अक्टूबर, 2017). हिंदी विभाग, अमर प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा में साहित्य विषय पर व्याख्यान।
• (25 नवंबर, 2017). जेंडर संवेदनशीलता समिति, म.गां.अं.हि.वि., वर्धा द्वारा 'जेंडर की राजनीति' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में अध्यक्षीय वक्तव्य।
• (7–9 दिसंबर, 2017). साहित्य अकादमी, नई दिल्ली और म.गां.अं.हि.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'सांस्कृतिक संवेदना और सृजनात्मकता : भारतीय साहित्य की उभरती प्रवृत्तियाँ' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में 'हिंदी कहानी की वर्तमान स्थिति' पर व्याख्यान।
• (11–13 दिसंबर, 2017). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में 'महाभारत सवांद' विषय पर आयोजित संगोष्ठी का संयोजन तथा वक्तव्य।
• (3 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हि.वि., वर्धा के सावित्रीबाई फुले छात्रावास में सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में विशिष्ट वक्ता के रूप में 'स्त्री और शिक्षा' विषय पर वक्तव्य।
• (08 जनवरी, 2018). महिला अध्ययन विभाग, बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा 'महिला अध्ययन पाठ्यक्रम' पर आयोजित राष्ट्रीय परिसवांद में विषय विशेषज्ञ के रूप में सहभागिता।
• (21 मार्च, 2018). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हि.वि., वर्धा द्वारा आयोजित 'जेंडर–निर्माण की प्रक्रिया' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में अध्यक्षीय वक्तव्य।
• (23 मार्च, 2018). म.गां.अं.हि.वि., वर्धा शिक्षक संघ एवं विद्यार्थियों द्वारा 'भगत सिंह और छात्र राजनीति' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में अध्यक्षीय वक्तव्य।

पाठक, सुप्रिया

• (अगस्त, 2017). जेंडर संवेदनशीलता समिति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित जेंडर संवाद कार्यक्रम में संयोजक।
• (9 अगस्त, 2017). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित महाश्वेता देवी स्मृति व्याख्यानमाला कार्यक्रम में समन्वयक।
• (13 सितंबर, 2017). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'मुक्तिबोध एवं स्त्री प्रश्न' विषय पर आयोजित डॉ. प्रणयकृष्ण के व्याख्यान समारोह में समन्वयक।
• (4–5 अक्टूबर, 2017). 'कस्तूरबा के नाम : आजादी का आंदोलन एवं महिलाएँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में समन्वयक।
• (जनवरी, 2018). जेंडर संवेदनशीलता समिति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित जेंडर संवाद कार्यक्रम में संयोजक।
• (18 जनवरी, 2018). राष्ट्रीय मानवाधिकार प्रशिक्षण कार्यक्रम में समन्वयक।
• (18 फरवरी, 2018). मातृ सेवा संघ, नागपुर एवं सॉपेर कॉलेज, इजराइल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।

- (8–9 मार्च, 2018). नार्थ केप यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम, नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में 'अदृश्य होती जिंदगियां : भारत में स्त्रियों पर तेजाबी हमले' विषय पर प्रपत्र वाचन।
- (12–15 मार्च, 2018). बा–बापू की 150 वीं जयंती निमित्त राष्ट्रीय समन्वय समिति बैठक सह कार्यशाला में सहभागिता।

शुक्ला, अवंतिका

- (21 अगस्त, 2017). भारतीय स्त्री अध्ययन संघ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सम्मलेन में सहभागिता।
- (6–7 सितंबर, 2017). एस.एन.डी.टी. विश्वविद्यालय द्वारा पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला में सहभागिता।
- (4–5 अक्टूबर, 2018). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं आई.सी.सी.आर., नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'आजादी के आंदोलन में स्त्रियाँ' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में सह–संयोजन तथा 'विभाजन की त्रासदी और महिलाएँ' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत।
- (11 नवंबर, 2018). अमरावती विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा आयोजित कार्यशाला में व्याख्यान।
- (21 नवंबर, 2017). सावित्रीबाई फुले स्त्री अध्ययन केंद्र, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा आयोजित महाराष्ट्र स्त्री अध्ययन केंद्र के सम्मलेन में वक्तव्य।
- (13 दिसंबर, 2017). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'महाभारत–विमर्श' पर आयोजित संवाद में 'महाभारत की स्त्री कथा' विषयक सत्र में वक्तव्य।
- (6 जनवरी, 2018). डिबेटिंग सोसायटी, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'वर्तमान शिक्षा प्रणाली विद्यार्थियों के हित में है', विषय पर आयोजित वाद–विवाद प्रतियोगिता का संयोजन।
- (6 जनवरी, 2018). डिबेटिंग सोसायटी, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का संयोजन।
- (16 जनवरी, 2018). फिल्म एवं नाट्य कला विभाग, म.गां.अं.हिं.वि.वि., वर्धा एवं आई.एस.टी.आर. द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कथक में स्त्री प्रतिरोधी स्वर' पर प्रपत्र वाचन एवं एक सत्र की अध्यक्षता।
- (19 जनवरी, 2018). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'मानवाधिकार' विषय पर आयोजित कार्यशाला का संयोजन।
- (15 फरवरी, 2018). सावित्रीबाई फुले स्त्री अध्ययन केंद्र, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा सेंट मीरा कॉलेज, पुणे में आयोजित संवाद सत्र में 'कत्थक की परंपरा घराने और स्त्री प्रश्न' पर विशेष व्याख्यान
- (8 मार्च, 2018). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का संयोजन।

जायसवाल, शरद

- (28 सितंबर, 2017). डिबेटिंग सोसाइटी, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'भारत की ज्ञान परंपरा' विषय पर आयोजित संभाषण प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में दायित्व का निर्वहन किया।
- (4–5 अक्टूबर, 2017). गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली व स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हि.वि, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'कस्तूरबा के नाम : आज़ादी का आंदोलन एवं महिलाएँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में संयोजक और समानांतर सत्र में 'अहिंसक आंदोलन की स्त्रियाँ' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (17 जनवरी, 2018). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'मानवाधिकार पर आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम' के सह–संयोजक और 'महिला एवं बच्चों के मानवाधिकारों' पर व्याख्यान।

प्रकाशन

गुप्त, शंभु

- (2017). 'डिबिया में धूप : (उदय प्रकाश एक अध्ययन)' नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन।
- (सितंबर, 2017). 'राष्ट्रीय एकता : स्त्री की भूमिका', वागर्थ, 62–67, कोलकाता : भारतीय भाषा परिषद।
- (अक्टूबर, 2017). 'एक सामूहिक कर्म जैसी लाक्षणकर्ताओं से लैस रचना–प्रक्रिया', पहल, 109, जबलपुर।
- (अक्टूबर–दिसंबर, 2017). 'महिला सरपंच : संप्रभुता का सवाल', स्त्री काल, 56–61, नई दिल्ली।
- (31 दिसंबर, 2017). 'सिकुड़ता लेखक–पाठक संबंध', जनसत्ता, नई दिल्ली।
- (दिसंबर, 2017). 'आज की कहानी की खूबी विविधता है', वागर्थ, 42–46, कोलकाता : भारतीय भाषा परिषद।
- (दिसंबर, 2017). 'लोक संस्कृति का पुनर्गठन', मड़ई,

पाठक, सुप्रिया

- (2017). 'रंगमंच एवं स्त्री', नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन।
- (2018). 'धर्म और जेंडर' (सह संपादन), नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन।

शुक्ला, अवन्तिका

- (2017). 'स्वायत्त महिला आंदोलन' पर इकाई लेखन, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
- (9 मार्च, 2018). 'मैं कत्थक नहीं, तहजीब को नाचती हूँ' (कत्थक नृत्यांगना रानी खानम से साक्षात्कार), हिंदीसमयडॉटकॉम, वर्धा : म.गां.अं. हिं.वि.।

जायसवाल, शरद

- (1 अगस्त, 2017). 'ज़िंदाबाद–मुर्दाबाद के बीच फँसी देशभक्ति', हस्तक्षेप.कॉम http://www-hastakshep-com/hindiopinion/burhanpur-subhash-koli-14844
- (सितंबर, 2017). 'जिंदाबाद–मुर्दाबाद के बीच फँसी देशभक्ति और मीडिया', जन मीडिया, 66, 4–9, नई दिल्ली।
- (दिसंबर, 2017). 'भोजपुर की सांप्रदायिक हिंसा और वेब मीडिया', जन मीडिया, 69, 20–24, नई दिल्ली।
- (26 फरवरी, 2018). 'कासगंज : आज़ादी के बाद लगा यह 'धब्बा' मुसलमानों के जेहन में टटोलिये...!', www.mediavigil.com, http://www.mediavigil.com/investigation/kasganj-a-month-after-riots-and-violence/
- (मार्च, 2018). 'पेशेवर महिलाएँ : बदलती पीढ़ी की अभिव्यक्ति', युवा संवाद, 180, 45–46, नई दिल्ली।

उपलब्धियाँ

- 'धर्म एवं जेंडर : धर्म संस्था के जरिए जेंडरगत मानस का निर्माण' (सं.: इलीना सेन, जेबा इमाम), नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन।
- दूरदर्शन द्वारा विभागीय गतिविधियों पर केंद्रित डॉक्यूमेंट्री फिल्म का निर्माण।

3.3 डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर–सिदो–कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजाति अध्ययन केंद्र

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर–सिदो–कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजाति अध्ययन केंद्र के उद्देश्य निम्न हैं : 1.दलित एवं आदिवासी अध्ययन की सैद्धांतिकी का विकास, 2. दलित एवं आदिवासी अध्ययन के स्वरूप, क्षेत्र एवं आयामों को परिभाषित एवं विकसित करना, 3. दलित एवं आदिवासी अध्ययन की प्रासंगिकता, 4. दलित एवं आदिवासी विकास के मुद्दों की समझ पैदा करना, 5. दलित एवं आदिवासियों के अधिकार एवं संरक्षण के लिए नीतियों को बनाना, 6. दलित एवं आदिवासियों के सशक्तिकरण के लिए अंबेडकर की विचारधारा की समझ विकसित करना और उनके ऊपर होने वाले सभी प्रकार के अत्याचारों एवं हिंसा के विरोध में स्वर को मुखर करना, 7. भारतीय दलित एवं अमेरिकन अश्वेत समुदायों के साथ अन्य देशों के वंचित समूहों का तुलनात्मक अध्ययन करना और भारतीय आदिवासी समाज तथा अन्य देशों के आदिवासी समाज के साझे मुद्दों के प्रति समझ पैदा करना साथ ही उनके सशक्तिकरण के लिए विभिन्न देशों की सरकारों और उन देशों में निवास कर रहे दूसरे समुदायों के बीच संवेदनशीलता पैदा करना।

पाठ्यक्रम : • दलित एवं जनजाति अध्ययन में एम.ए., एम.फिल. और पीएच.डी. • दलित विचार में पी.जी. डिप्लोमा।

गतिविधियाँ

- (11 अप्रैल, 2017). ज्योतिबा फुले जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन।
- (06 दिसंबर, 2017). 'डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर महापरिनिर्वाण दिवस' पर कार्यक्रम।

विशेष व्याख्यान

- डॉ. जी. व्ही. रत्नाकर (हैदराबाद) : 'हिंदी साहित्य में दलित साहित्य', 07 अप्रैल, 2017
- प्रो. विष्णु सरवाडे (मुंबई) : 'आंबेडकर एवं दलित साहित्य', 01 अगस्त, 2017
- प्रो. प्रदीप आगलावे (नागपुर) : 'जाति निर्मूलन पर अंबेडकर के विचार एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य', 30 अगस्त, 2017

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
एल.कारूण्यकरा	निदेशक / प्रोफेसर	23.04.2008	पीएच.डी. इतिहास	अंबेडकर और दलाई लामा के बौद्ध धर्म के योगदान का आधुनिकीकरण	दलित अध्ययन
राकेश सिंह फकलियाल	सहायक प्रोफेसर	08.05.2017	पीएच.डी. इतिहास	गांधी एवं अंबेडकर के सामाजिक विचार : एक तुलनात्मक अध्ययन	इतिहास, आदिवासी अध्ययन
किरण कुंभरे	सहायक प्रोफेसर*	29.08.2016	पीएच.डी.	गोंड आदिवासी समुदाय का सांस्कृतिक जीवन और सामाजिक परिवर्तन (विशेष संदर्भ: आर्वी तहसील वर्धा के गोंड आदिवासी समुदय	आदिवासी अध्ययन

(* अस्थाई)

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

फकलियाल, राकेश सिंह

- (09 अगस्त, 2017). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'भारत छोड़ो आंदोलन में मध्य भारत का योगदान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारत छोड़ो आंदोलन एवं राष्ट्रीय एकता' पर व्याख्यान।
- (17 दिसंबर, 2017). शिक्षा संस्कृति उत्थान एवं म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।

कुंभरे, किरण

- (09 अगस्त, 2017). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'भारत छोड़ो आंदोलन में मध्य भारत का योगदान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागीता।
- (17 दिसंबर, 2017). शिक्षा संस्कृति उत्थान एवं म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।

प्रकाशन

फकलियाल, राकेश सिंह

- (2017). 'उत्तराखंड हिमालय क्षेत्र में पर्यावरणीय समस्या का स्वरूप', इनवायरोमेंट प्रोबलेम्स इन दि हिमालया रिजन काउजेस, इम्पैक्ट एंड सॉल्यूशन, 138–146, हल्द्वानी : अंकित प्रकाशन।

3.4 डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र

वर्धा स्थित राष्ट्रभाषा प्रचार समिति में 14 अप्रैल, 2004 को बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर जयंती के दौरान कार्यक्रम के अध्यक्ष व म.गां.अं.हिं.वि. के तत्कालीन कुलपति प्रो.जी.गोपीनाथन द्वारा भारतीय संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर के अगाध हिंदी–प्रेम एवं हिंदी के प्रति उनकी संवैधानिक प्रतिबद्धता को देखकर और भारत में बौद्ध धम्म एवं दर्शन को पुनर्जीवित करने के उनके कार्य को सुदृढ़ आधार प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय में 'बौद्ध अध्ययन केंद्र' की आधारशिला रखी गई। जिस प्रकार वर्धा से महात्मा गांधी का नाम जुड़ा है, उसी प्रकार वर्धा की राष्ट्रभाषा प्रचार समिति एवं भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन का नाम जुड़ा है। वे सन् 1942 से 1951 तक राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के प्रधानमंत्री रहे। हिंदी और बौद्ध धम्म व दर्शन के क्षेत्र में उनका योगदान बेहद महत्वपूर्ण है, उन्होंने पालि भाषा के त्रिपिटक व अट्ठकथाओं समेत कई प्रमुख बौद्ध ग्रंथों का हिंदी भाषा में अनुवाद किया। उनके इस विशेष योगदान को देखते हुए ही, इस केंद्र का नाम 'डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र' रखा गया। बौद्ध अध्ययन व पालि भाषा एवं साहित्य में पठन–पाठन और शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 11 वीं पंचवर्षीय योजना में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की इपोक मेकिंग थिंकर्स योजना के अंतर्गत वर्ष 2007–2008 में यह केंद्र स्थापित किया गया।

पाठ्यक्रम : • बौद्ध अध्ययन में एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. • बौद्ध अध्ययन, पालि भाषा एवं साहित्य, तिब्बती भाषा एवं धर्म, बौद्ध पर्यटन एवं गाइडिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा • पालि भाषा में डिप्लोमा।

गतिविधियाँ

- (05 जनवरी, 2018). 'डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन व्याख्यानमाला–2018' में प्रो. एम. एल. कासारे, प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी, श्री राम भाऊ उमरे, डॉ. सुरजीत कुमार सिंह तथा डॉ. कृष्ण चंद पांडेय ने संबोधित किया।

व्याख्यान

- प्रो. एम. एल. कासारे : 'आधुनिक बौद्ध चिंतकों का बौद्ध धम्म में योगदान', 08 मार्च, 2018
- प्रो. एम. एल. कासारे : 'बौद्ध राजाओं का बौद्ध धम्म के प्रसार में योगदान', 10 मार्च, 2018

शोध परियोजनाएँ

डॉ. सुरजीत कुमार सिंह : 'वर्धा शहर के बौद्धों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति का अध्ययन', म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा की शोध परियोजना पूर्ण।
डॉ. कृष्ण चंद पांडेय : 'मानस, नैतिकता और प्रेरणाएँ–भारतीय ज्ञान परंपरा के आशय' शोध कार्य एवं तत्संबंधी लेखन पूर्ण, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
सुरजीत कुमार सिंह	सहायक प्रोफेसर	01.07.2010	पीएच.डी. बौद्ध अध्ययन	जातक–अट्ष्कथा मे ं वर्णित मृतक–संस्कार और उससे संबंधित आस्थाएं : एक मनो–सामाजिक अध्ययन	बौद्ध अध्ययन, बौद्ध दर्शन व इतिहास, पालि भाषा
कृष्ण चंद पांडेय	सहायक प्रोफेसर	04.04.2016	पीएच.डी. बौद्ध अध्ययन	भाषा, सत् और विकल्प : आचार्य धर्मकीर्ति के भाषा दर्शन का अनुशीलन	बौद्ध अध्ययन, महायान दर्शन, बौद्ध तर्कशास्त्र
शुभांगी शंभरकर	सहायक प्रोफेसर*	07.08.2014	पीएच.डी.	भदन्त आनंद कौसल्यायन का बौद्ध धर्म दर्शन के विकास में योगदान।	बौद्ध दर्शन, ब्राह्मी लिपि, तिब्बती भाषा, बौद्ध पर्यटन

(* तदर्थ)

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

सिंह, सुरजीत कुमार

- (10 मई, 2017). स्टडी सर्किल, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'दुनिया को युद्ध नहीं, बुद्ध चाहिए' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में 'भगवान बुद्ध के विचारों की आज जरूरत है' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत।
- (05 अगस्त, 2017). पालि प्रचारिणी सभा, नागपुर द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला में 'पालि व बौद्ध धम्म की उपयोगिता' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत।
- (09 अगस्त, 2017). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'भारत छोड़ो आंदोलन में मध्य भारत का योगदान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आज़ादी के आंदोलन में राहुल सांकृत्यायन का योगदान' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (12 अगस्त, 2017). राष्ट्रीय युवा दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 'युवाओं में नेतृत्व की जिजीविषा' विषय पर आलेख प्रस्तुत।
- (05–25 अक्टूबर, 2017). पर्यटन मंत्रालय व मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली और म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'पर्यटन पर्व' का संयोजन।
- (17–18 मार्च, 2018). डॉ. बाबा साहब आंबेडकर पीठ, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर द्वारा 'डॉ. अंबेडकर के श्रम कल्याण संबंधी विचार और नई आर्थिक नीतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'श्रम कल्याण की नीति और नई आर्थिक नीति' विषयक आलेख प्रस्तुत।

पांडेय, कृष्ण चंद

- (अगस्त, 2017 से मार्च, 2018). शिक्षा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के एम.एड. के विद्यार्थियों को 'बौद्ध धम्म और शिक्षण' विषय पर अध्यापन।
- (14 जनवरी, 2018). विद्याश्री न्यास, गोरखपुर के तत्वावधान में 'हिंदी भाषा की परंपराएँ : प्रयोग और संभावनाएँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी के विविध स्वर' विषयक शोध आलेख प्रस्तुत।
- (10 मार्च, 2018). दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में वैश्विक परिदृश्य में बौद्ध शिक्षण की प्रसांगिकता विषयक पत्र वाचन।

शंभरकर, शुभांगी

- (09 अगस्त, 2017). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'भारत छोड़ो आंदोलन में मध्य भारत का योगदान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।
- (17–18 मार्च, 2018). डॉ. बाबा साहब आंबेडकर पीठ, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर द्वारा 'डॉ. अंबेडकर के श्रम कल्याण संबंधी विचार और नई आर्थिक नीतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।
- (29–31 मार्च 2018). बौद्ध त्रिरत्न केंद्र, वर्धा और डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा विपश्यना कार्यशाला का संयोजन।

प्रकाशन

सिंह, सुरजीत कुमार

- (अप्रैल, 2017). बौद्ध अध्ययन की अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका संगायन, (अंक 10 संपादन), दिल्ली : पालि भाषा एवं साहित्य अनुसंधान परिषद्।
- (अप्रैल, 2017). 'जातक अट्ठकथाओं में वर्णित चैत्य व स्तूप से संबंधित आस्थाएँ', निब्बान बोधि, 11, 17–21, कुशीनगर : कुशीनगर भिक्षु संघ।
- (मई, 2017). 'डॉ. आंबेडकर द्वारा लिखित ग्रंथ भगवान बुद्ध और उनका धम्म के अनूठे प्रसंग', उरुवेला, 1, 55–56, बोधगया : अंतरराष्ट्रीय

ध्यान केंद्र।

- (अक्टूबर, 2017). बौद्ध अध्ययन की अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका संगायन, (अंक 11 संपादन), दिल्ली : पालि भाषा एवं साहित्य अनुसंधान परिषद्।
- (दिसंबर, 2017). 'अंबेडकर और आज का समय', युवा संवाद (डॉ. भीमराव अंबेडकर की 125 वीं जयंती पर विशेषांक के अतिथि संपादक), 177, नई दिल्ली।
- (दिसंबर, 2017). 'अंबेडकर ने जगाई जीवन जीने की ललक', युवा संवाद (डॉ. भीमराव अंबेडकर की 125 वीं जयंती विशेषांक), 177, 60–61, नई दिल्ली।

शंभरकर, शुभांगी

- (अप्रैल, 2017). 'तिब्बत में लामावाद की परंपरा', निब्बान बोधि, 11, 52–56, कुशीनगर : कुशीनगर भिक्षु संघ।
- (अप्रैल, 2017). 'डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन द्वारा चार परमत्थ की दार्शनिक व्याख्या', संगायन बौद्ध अध्ययन की अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका, 10, 28–34, दिल्ली : पालि भाषा एवं साहित्य अनुसंधान परिषद्।
- (मई, 2017). 'स्तूप निर्माण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि', उरुवेला, 01, 57–59, बोधगया : अंतरराष्ट्रीय ध्यान केंद्र।
- (अक्टूबर, 2017). 'बौद्ध धर्म कल, आज और कल', संगायन बौद्ध अध्ययन की अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका, 11, 26–30, दिल्ली : पालि भाषा एवं साहित्य अनुसंधान परिषद्।
- (दिसंबर, 2017). 'अंबेडकर और उनके आंदोलनों की रूपरेखा', युवा संवाद, 177, 30–32, नई दिल्ली।

4. अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ

विश्वविद्यालय में अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ हिंदी के माध्यम से विविध ज्ञानानुशासनो कें साथ संबद्ध हो कर शिक्षण, प्रशिक्षण एवं शोध की सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस विद्यापीठ के अंतर्गत अनुवाद अध्ययन विभाग देश का एकमात्र ऐसा विभाग है, जो अनुवाद की तकनीकी, प्रणालीगत और रोजगारपरक संभावनाओं को यथार्थ में परिणत करने के लिए सतत् प्रयासरत है।

इस विद्यापीठ के अंतर्गत दो विभाग संचालित हैं :
4.1 अनुवाद अध्ययन विभाग
4.2 प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग

4.1 अनुवाद अध्ययन विभाग

वैश्वीकरण के इस दौर में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिन–प्रति–दिन अनुवाद की महत्ता बढ़ती जा रही है। इसे बहुआयामी एवं स्वायत्त अनुशासन के रूप में पहचान मिल चुकी है। इस विद्यापीठ के अंतर्गत अनुवाद अध्ययन विभाग देश का एकमात्र विभाग है, जो अनुवाद की तकनीकी प्रणालीगत और रोजगारपरक संभावनाओं को यथार्थ में परिणत करने के लिए सतत् प्रयासरत है। इस विद्यापीठ का लक्ष्य विद्यार्थियों को अनुवाद के क्षेत्र में संस्थागत प्रशिक्षण प्रदान करके उन्हें कुशल अनुवादक बनाने में सहयोग प्रदान करने के साथ ही अनुवाद के माध्यम से संस्कृतियों के मध्य आपसी समझ को बढ़ाना और राष्ट्रीय एकता तथा अंतरराष्ट्रीय बंधुत्व की भावना को बल देना है। इसके अलावा केंद्र एवं राज्य सरकार के कर्मचारियों एवं निजी क्षेत्रों के अनुवादकों / दुभाषियों को समय–समय पर प्रशिक्षित करना भी विभाग का दायित्व है।
पाठ्यक्रम : • अनुवाद अध्ययन में एम.ए, एम.फिल., पीएच.डी. • अनुवाद, प्रयोजनमूलक हिंदी तथा निर्वचन में पी.जी. डिप्लोमा।

गतिविधियाँ

व्याख्यान

- प्रो. प्रणय कृष्ण (इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद), 12 सितंबर, 2017
- बक्श संघा, 16 मार्च, 2018
- प्रो. कवि नारायण मूर्ति, 23 मार्च, 2018
- प्रो. राकेश मंजुल और प्रो. एम. वेंकटेश्वर, 27 मार्च, 2018

प्राध्यापक विवरण

नाम	पद	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
देवराज	प्रोफेसर	18.01.2013	पीएच.डी. हिंदी	नई कविता में रोमानी और यथार्थवादी अवधारणाओं की भूमिका (सन् 1950 से 1970 तक)	आधुनिक कविता
अन्नपूर्णा सी.	सह प्रोफेसर*	02.01.2007	पीएच.डी. हिंदी	सजातीय और विजातीय भाषाओं के बीच अनुवाद की समस्याएँ : कामायनी के तेलुगु और अंग्रेजी अनुवाद के विशेष संदर्भ में।	अनुवाद मूल्यांकन और अनुवाद
अनवर अहमद सिद्दीक़ी	सहायक प्रोफेसर	21.12.2006	पीएच.डी. अनूदित नाटक	आठवें दशक के प्रयोगशील प्रतिनिधि अनूदित हिंदी नाटक : भाषागत एवं रंगमंचीय प्रयोग	नाटक, प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद
राम प्रकाश यादव	सहायक प्रोफेसर	09.07.2009	पीएच.डी. हिंदी	हिंदी साहित्य के इतिहास में मान और मूल्य	अनुवाद अध्ययन, सामाज भाषाविज्ञान
हरप्रीत कौर	सहायक प्रोफेसर	27.08.2012	पीएच.डी. तुलनात्क साहित्य	समकालीन हिंदी और पंजाबी स्त्री कविता में स्त्री विमर्श (1990 से अब तक)	आधुनिक कविता, स्त्री अध्ययन, अनुवाद
गोपाल राम	सहायक प्रोफेसर**	26.12.2012	एम.फिल.	...	भाषाविज्ञान

* लिएन पर हैदराबाद विश्वविद्यालय, ** लिएन पर जे.एन.यू., नई दिल्ली।

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

देवराज

- (7–9 दिसंबर, 2017). साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली एवं म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'सांस्कृतिक संवेदना और सर्जनात्मकता : भारतीय साहित्य की उभरती प्रवृत्तियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक अकादमिक सत्र में अध्यक्षीय वक्तव्य।
- (10 दिसंबर, 2017). यशवंत महाविद्यालय, सेलू द्वारा 'शिक्षा और मानवाधिकार' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में वक्तव्य।
- (10 जनवरी, 2018). भारतीय रिज़र्व बैंक, नागपुर द्वारा 'हिंदी का विकास दशा व दिशा' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में वक्तव्य।
- (20–21 फरवरी, 2018). उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान, लखनऊ द्वारा 'हिंदी पत्रकारिता का स्वरूप : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में अध्यक्षीय वक्तव्य।

सिद्दीकी, अनवर अहमद

- (15–17 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के प्रदर्शनकारी कला विभाग द्वारा 'प्रोटेस्ट टू परफॉर्म ऑफ परफॉर्म टू प्रोटेस्ट : परफॉरमेंसेस ऑफ दि वर्ल्ड' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एब्सर्ड ड्रामा' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (27–28 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के भाषा विद्यापीठ द्वारा आयोजित '12 वें भारतीय भाषाविज्ञान विद्यार्थी सम्मेलन' के एक सत्र में अध्यक्षीय वक्तव्य।
- (27–28 फरवरी, 2018). हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अनुवाद के विविध आयाम' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मराठी उर्दू के शब्दों का हिंदी अनुवाद' विषय पर आलेख प्रस्तुत।

रामप्रकाश यादव

- (07 सितंबर, 2017). अनुवाद अध्ययन विभाग, म.गां. अं.हिं.वि., वर्धा में भाषा विद्यापीठ के प्रो. वृषभ प्रसाद जैन का 'व्याकरणिक फार्मलिज्म' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान का संयोजन।
- (12 सितंबर, 2017). अनुवाद अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'साहित्यिक अनुवाद के परिप्रेक्ष्य में हिंदी कविता की समझ : विशेष संदर्भ – मुक्तिबोध' विषय पर आयोजित डॉ. प्रणय कृष्ण के व्याख्यान समारोह का संयोजन।
- (14 सितंबर, 2017). महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगीकरण संस्थान, वर्धा द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़ा के दौरान 'राजभाषा : वर्तमान स्थिति और चुनौतियाँ' विषय पर व्याख्यान।
- (23 मार्च, 2018). अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'मशीनी अनुवाद के नए उपागम' विषय पर आयोजित प्रो. कवि नारायण मूर्ति, हैदराबाद के विशेष व्याख्यान का संयोजन।
- (27 मार्च, 2018). अनुवाद अध्ययन विभाग, म.गां. अं.हिं.वि., वर्धा में 'फिल्म एवं अनुवाद' विषय पर आयोजित प्रो.एम.वेंकटेश्वर, हैदराबाद के विशेष व्याख्यान का संयोजन।

कौर, हरप्रीत

- (16 मार्च, 2018). अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'पुस्तक और मैं' विषय पर आयोजित कार्यक्रम के तहत लेखिका बक्श संघा, कनाडा के व्याख्यान का आयोजन।

पाटील, मिलिंद बापूराव

- (12–15 फरवरी, 2018). शिक्षा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय शिक्षा और शिक्षक मिशन के अंतर्गत 'समाज विज्ञान में अनुप्रयुक्त सांख्यिकीय तरीके से एस.पी.एस.एस. का उपयोग' विषय पर आयोजित कार्यशाला में सहभागिता।

ख़ान, शावेज़

- (15–17 जनवरी, 2018). प्रदर्शनकारी कला विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा'प्रोटेस्ट टू परफॉर्म ऑफ परफॉर्म टू प्रोटेस्ट : परफॉरमेंसेस ऑफ दि वर्ल्ड' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'असंगतवाद : सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक प्रतिरोधों का दर्पण' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (27–28 जनवरी, 2018). भाषा विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित '12 वें भारतीय भाषाविज्ञान विद्यार्थी सम्मेलन' में 'वेटिंग फॉर गोडो का भाषा वैज्ञानिक निर्वचन' विषय पर शोध आलेख प्रस्तुत।
- (21–22 फरवरी, 2018). डिपार्टमेंट ऑफ मॉडर्न इंडियन लैंग्वेजेस, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा 'मराठी : इट्स कोरिलेशन विथ अदर लैंग्वेजेस' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में 'हैमलेट के अनुवाद की समीक्षा' विषयक शोध आलेख प्रस्तुत।

जीतेंद्र

- (05–25 जुलाई, 2017). भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर द्वारा 'अनुवाद अध्ययन में शोध प्रविधि' विषय पर आयोजित गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता।
- 10 दिसंबर, 2017). डॉ. वी.एम. पेशवे सोशल रिसर्च इंस्टीट्यूट, यवतमाल एवं राजनीति विभाग, यशवंत महाविद्यालय, सेलू के संयुक्त तत्वावधान में 'शिक्षा और मानवाधिकार' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एजुकेशन एंड लैंग्वेज : डायलेमा ऑफ मोड ऑफ इंस्ट्रक्शन एट सेकेंडरी लेवल' विषयक शोध आलेख प्रस्तुत।
- (24–25 फरवरी, 2018). अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली एवं म.गां.अं.हिं.वि. वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'दक्षिण और दक्षिण–पूर्व एशिया में भारतीय संस्कृति और विरासत' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'टू बी ऑर नॉट टू बी? डायस्पोरिक डॉयलेमा ऑफ आईडेंटिटी एंड बिलोगिंग' विषयक शोध आलेख प्रस्तुत।

राठोड़, जयंतीलाल नटवरलाल

- (06–07 जनवरी, 2018). भारतीय विद्या मंदिर एवं भारतीय संस्कृति संसद, कोलकाता द्वारा 'हिंदीतर प्रांतों एवं विदेशों में हिंदी भाषा साहित्य : दशा–दिशा' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'अहिंदी भाषी प्रदेशों में हिंदी प्रसार–प्रचार एवं अंतरराष्ट्रीय प्रचार–प्रसार और अनुवाद' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

गौतम, उपासना

- (27–28 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं भारतीय भाषा संस्थन, मैसूर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित '12 वॉ भारतीय भाषाविज्ञान विद्यार्थी सम्मेलन' में 'इंटरप्रिटेशन ऑफ डॉक्यूमेंट्रीज' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

चौहान, बृजेश कुमार

- (03–04 दिसंबर, 2017). बी.एच.यू., वाराणसी के हिंदी विभाग की साहित्यिक पत्रिका 'अनिश' द्वारा 'आदिवासी जीवन और साहित्य' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आदिवासी भाषा व लोक संस्कृति संरक्षण में लिपि का महत्त्व' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (27–28 जनवरी, 2018). भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा और भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 12वाँ भारतीय भाषाविज्ञान सम्मलेन में 'हिंदी–अंग्रेजी अनुवाद में डायवर्जन्स का अध्ययन मशीनी अनुवाद के परिप्रेक्ष्य में' विषयक आलेख प्रस्तुत।

कांबले, मनीषा

- (05–25 जुलाई, 2017). भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर द्वारा आयोजित 'अनुवाद अध्ययन में शोध प्रविधि' विषय पर आधारित गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता।
- (05–07 जनवरी, 2018). भारतीय विद्या मंदिर एवं भारतीय संस्कृति संसद, कोलकाता द्वारा 'हिन्दीतर प्रांतों एवं विदेशों में हिंदी भाषा साहित्य : दशा–दिशा' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संमेलन में 'अहिंदी भाषी प्रदेशों में हिंदी प्रसार–प्रचार एवं अंतरराष्ट्रीय प्रचार–प्रसार और अनुवाद' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

विजय करन

- (04–09 सितंबर, 2017). भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित 'शब्दकोश निर्माण प्रशिक्षण' कार्यशाला में सहभागिता।
- (27–28 जनवरी, 2018). भाषा विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित '12 वें भारतीय भाषाविज्ञान विद्यार्थी सम्मेलन' में 'मशीनी अनुवाद में संज्ञा एवं विशेषण की संदिग्धावर्थकता की समस्याएँ' विषयक शोध आलेख प्रस्तुत।

प्रकाशन

देवराज

- (2017). 'अंधेरे में पुनर्पाठ', अंधेरे में पुनर्पाठ (सं. ऋषभदेव शर्मा, गुर्रमकोंडा नीरजा), 11–26, नजीबाबाद : परिलेख प्रकाशन।
- (2017). 'मुक्तिबोध : जवाबी गदर का विस्फोट', अंधेरे में : पुनर्पाठ (संपा. ऋषभदेव शर्मा, गुर्रमकोंडा नीरजा), 47–60, नजीबाबाद : परिलेख प्रकाशन।
- (2017). 'तीसरी दुनिया : नव उपनिवेशवाद और समसामयिक परिवेश', समकालीनता के अर्थों में हिंदी कविता (सं. सुखदेव सिंह मिन्हास), दिल्ली : निर्मल पब्लिकेशन।

सिद्दीकी, अनवर अहमद

• (2016). रौशनी (ग़जल संग्रह), मुंबई : परिदृश्य प्रकाशन।

यादव, राम प्रकाश

• (जनवरी–जून, 2017). 'भारत में उत्तर–दक्षिण संपर्क का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य और हिंदी मलयालम साहित्यिक अनुवाद परंपरा', अनुसृजन, 5, 94–99, वर्धा : अनुवाद अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि.।

• (जनवरी–जून, 2017). 'केंद्रीय हिंदी समिति के नए सदस्य', अनुसृजन, 146, वर्धा : अनुवाद अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि.।

• (जुलाई–सितंबर, 2016). 'नामवर सिंह : नई आलोचना के शिल्पकार' (सीताकांत महापात्र द्वारा लिखित लेख का अनुवाद), बहुवचन, 50, 314–315, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।

• (जुलाई–सितंबर, 2016). 'नामवर जी और मैं' (प्रो. कपिल कपूर के लेख का अनुवाद), बहुवचन, 50, 319, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।

• (अक्टूबर–दिसंबर, 2016). 'धर्म का आधुनिक संदर्भः भारत' (राम पुनियानी के शोध पत्र का अनुवाद), बहुवचन, 51, 110–116, वर्धा : म.गां.अं. हिं.वि.।

कौर, हरप्रीत

• (2016). साहित्य कोश में प्रविष्टि प्रकाशन, कोलकाता : भारतीय भाषा परिषद।

• (2016). क्रांतिकारी विष्णु गणेश पिंगले, शहीद करतार सिंह, साराभा और 1915 के शहीद, (सं.पृथ्वी कालिया), 5 अड़मिंटन (कनाडा) : 5 आब प्रकाशन, प्रोग्रेसिव पीपुल फाउंडेशन।

राठोड़, जयंतीलाल नटवरलाल

• (जुलाई–अगस्त, 2017). 'डबिंग : विज्ञान एवं कला', ट्रांसफ्रेम (ई.–पत्रिका), 02 (06), मध्य प्रदेश।

उपलब्धियाँ

• मशीनी अनुवाद प्रयोगशाला : अनुवाद प्रौद्योगिकी संबंधी अध्ययन, शोध और अभ्यास में निरंतरता बनाए रखने तथा तकनीकी कौशल के विकास को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा विभाग को एक अनुवाद प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला प्रदान की गई है। इसमें एक साथ पैंतीस व्यक्तियों के प्रशिक्षण की सुविधा है। मशीनी अनुवाद के बहुविध कार्यक्रम प्रयोगशाला में उपलब्ध हैं। विभाग के पाठ्यक्रम–शिक्षण में प्रयोगशाला का उपयोग सुनिश्चित किया गया है।

• विभागीय ब्लॉग : विभाग द्वारा 'निर्वचन' शीर्षक एक ब्लॉग तैयार किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य पाठकों को अनुवाद प्रौद्योगिकी संबंधी आवश्यक जानकारी, विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के विषय में विस्तृत सूचना, संगोष्ठियों/शिविरों की जानकारी, आयोजन संबंधी समाचार, अनुवाद–कार्य संबंधी मूल्यांकनपरक सामग्री तथा विभिन्न भाषाओं से हिंदी में अनूदित रचनाएँ उपलब्ध कराना है। ब्लॉग का यूआरएल है : www.nirvachan.blogspot.in

4.2 प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग

प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग का गठन अंतर–अनुशासनिक शोध एवं शैक्षणिक गतिविधियां संचालित करने के लिए गया है। इस विभाग में सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी अनुशासनों यथा : समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, राजनीति विज्ञान, साहित्य एवं सांस्कृतिक अध्ययन आदि के संधि–क्षेत्र में डायस्पोरा से जुड़े विभिन्न मुद्दों का अनुशीलन किया जा रहा है। विश्व संस्कृति में भारतीय डायस्पोरा एक महत्वपूर्ण और कुछ संदर्भों में विशिष्ट स्थान निर्मित कर रहा है। वर्तमान भारतीय डायस्पोरा का उद्भव अंग्रेजों द्वारा भारत में राजनैतिक प्रभुत्व स्थापित करने तथा उसे औपनिवेशिक शासन प्रणाली के हिस्से के रूप में अंगीकार करने से मुख्यतः जुड़ा है। 19वीं शताब्दी में अनुबंधित श्रमिकों के रूप में बड़े पैमाने पर भारतीयों को सुदूरवर्ती औपनिवेशिक बागान क्षेत्रों में ले जाया गया। इन्हीं परिस्थितियों में मॉरीशस, त्रिनिदाद, सूरीनाम, दक्षिण अफ्रीका, फिजी, श्रीलंका, गयाना, मलेशिया एवं अन्य देशों में बसे भारतीय मूल के लोगों ने विविध गतिविधियों से एक विशिष्ट पहचान निर्मित की हैं। इस विभाग द्वारा औपनिवेशिक युग से वर्तमान तक भारतीय डायस्पोरा के गठन संचालन की प्रक्रिया का अध्ययन किया जा रहा है। विभाग के अध्ययन एवं शोध गतिविधियों का केंद्र–बिंदु अनुबंध आधारित श्रम व्यवस्था एवं वैश्वीकृत प्रवासन तंत्रों से निर्मित भारतीय डायस्पोरा है। विभाग के उद्देश्य हैं – 1. प्रवासन तथा स्वभूमि (होमलैंड) : स्मृतियाँ, वृत्तांत एवं मौखिक इतिहास, 2. वैश्विक तथा राष्ट्रीय स्तर पर पहचान का संघर्ष एवं भारत में उभरती नृजातीय–चेतना के संदर्भ में भारतीय डायस्पोरा, 3. मेजबान समाजों (होस्ट सोसाइटी) के सामाजिक, राजनैतिक, वैज्ञानिक–तकनीकी तथा औद्योगिक विकास में भारतीय डायस्पोरा का योगदान, 4. डायस्पोरा तथा भारतीय राज्यः संस्थाएँ, अभिकरण एवं नीतियाँ, 5. भारतीय डायस्पोरा का नृजाति–विवरणात्मक अध्ययन, 6. भारतीय डायस्पोरा के बारे में भारतीय लेखकों, डायस्पोरा लेखकों एवं गैर भारतीय लेखकों द्वारा सृजित साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन और 7. भारतीय डायस्पोरा में उभरते नवीन सांस्कृतिक स्वरूपों एवं लोकप्रिय संस्कृति संबंधी शोध आदि।

पाठ्यक्रम : • प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन में एम.ए., एम.फिल. एवं पीएच.डी. • भारतीय डायस्पोरा में पी.जी. डिप्लोमा।

गतिविधियाँ

1. 08–09 जनवरी, 2018 को विश्वविद्यालय के 19वें स्थापना दिवस के अवसर पर विभाग द्वारा ''संकल्प से सिद्धि की ओर हिंदी विश्वविद्यालय'' प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

शोध परियोजनाएँ

• 'भारत में बसे तिब्बती शरणार्थियों की जीविकोपार्जन रणनीति एवं आर्थिक गतिविधियों का अध्ययन', रु. 50 हजार, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा वित्त प्रदत्त, मुख्य शोधकर्ता : डॉ. मुन्नालाल गुप्ता, सह–शोधकर्ता : डॉ. राजीव रंजन राय।

• 'डायवरसिटिज ऑफ़ आइडेंटिटी : इमेजिन्ड इंडिया इन यंगर जेनेरेशन ऑफ़ इंडियन डायस्पोरा', सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त शोध परियोजना, रु. 25 लाख, परियोजना निदेशक : प्रो. फरहद मलिक, सह–परियोजना निदेशक : डॉ. राजीव रंजन राय, डॉ. मुन्नालाल गुप्ता।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
राजीव रंजन राय	सहायक प्रोफेसर	24.06.2010	डी.फिल. मानवविज्ञान	सोशियो–इकोनामिक स्टेटस, हेल्थ एंड वेलबींग ऑफ ए सोशल ग्रुप इन हैबिटिंग इन रूरल एंड अर्बन एरिया इन गोरखपुर डिस्ट्रिक्ट ऑफ ईस्टर्न उत्तर प्रदेश।	सामाजिक सांस्कृतिक मानव विज्ञान, भारतीय डायस्पोरा, अंतरराष्ट्रीय प्रवासन, ट्रांसनेशनलिज्म
मुन्नालाल गुप्ता	सहायक प्रोफेसर	27.05.2013	पीएच.डी. मानवविज्ञान	झारखंड आंदोलन एवं राज्य निर्माण का संथाल जनजाति की संस्कृति पर प्रभाव	सामाजिक सांस्कृतिक मानव विज्ञान, भारतीय डायस्पोरा और गांधी विचार, भारतीय इतिहास

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

गुप्ता, मुन्नालाल

• (08 अप्रैल, 2017). भारतीय डायस्पोरा की भाषा और साहित्य, सोनुभाऊ बसवंत कॉलज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, ठाणे

• (09 जून, 2017). वैश्विक संदर्भ में प्रवासी साहित्य, मानविकी एवं भाषा विद्यापीठ, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी

प्रकाशन

राय, राजीव रंजन

• (2017). 'समाज विज्ञानों में वृद्ध विमर्श' (सं.), साहित्येतिहास में वृद्ध विमर्श , 55–75, नई दिल्ली : दिशा इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाऊस।

गुप्ता, मुन्नालाल

• (अप्रैल, 2017). 'लोकप्रिय संस्कृति : वैश्विक भारतीय डायस्पोरा के जुड़ाव का माध्यम', न्यू मैन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टी डिसीलनरी स्टडीज, (ऑनलाईन)

• (मई, 2017). 'भारतीय डायस्पोरा में प्रचलित धार्मिक एवं लोकप्रिय संप्रदाय, न्यू मैन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टी डिसीलनरी स्टडीज, (ऑनलाईन)

• (2017). 'प्रवासी वृद्ध : सामाजिक सांस्कृति पहलू', साहित्येतिहास में वृद्ध विमर्श, नई दिल्ली : दिशा इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस।

उपलब्धियाँ

• राजू कुमार (एम.फिल. 2016–17) भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा लघु शोध प्रबंध हेतु रु. 40,000 का अनुदान प्राप्त।

5. मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इस विद्यापीठ में जनसंचार विभाग, म.गां.फ्यूजी गुरुजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र और मानवविज्ञान विभाग संचालित हैं। मानवविज्ञान विभाग की स्थापना 17 सितंबर 2009 को की गई। मानवविज्ञान में आधुनिक शिक्षा के साथ रोजगार के नए अवसरों के अनुरूप विद्यार्थियों को शिक्षित किया जाता है। विषय से सबंधित शोध को बढ़ावा देना इस विभाग का मुख्य उद्देश्य है। मानवविज्ञान का प्रमुख अध्ययन क्षेत्र जनजातीय समुदाय है। इसलिए विदर्भ और महाराष्ट्र के अन्य क्षेत्रों में बसे जनजातीय समुदाय पर शोध इस विभाग का मुख्य कार्य है। फोरेंसिक साइंस में स्नातकोत्तर डिप्लोमा इस विभाग का एक अन्य महत्त्वपूर्ण पाठ्यक्रम है।

इस विद्यापीठ के अंतर्गत निम्नलिखित केंद्र एवं विभाग संचालित हैं :

5.1 जनसंचार विभाग

5.2 म.गां. फ्यूजी गुरुजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र

5.3 मानवविज्ञान विभाग

5.1 जनसंचार विभाग

जनसंचार विभाग मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत आता है। जनसंचार विभाग वर्ष 2004 में स्थापित किया गया। जनसंचार विभाग अपने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को संचार के विविध क्षेत्रों में तकनीकी सूक्ष्मता की विकसित समझ तथा अपने विषय की विशेषज्ञता प्रदान करता है। यह विभाग स्तरीय शोध के लिए निरंतर गतिशील है। विभाग द्वारा राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय स्तर के मीडिया शोध विशेषज्ञों को आमंत्रित कर ज्ञानवर्द्धन के प्रयास किए जा रहे हैं। जनसंचार विभाग मीडिया अध्ययन के लिए नई सूचना प्रौद्योगिकी के साथ जुड़कर विशेष कार्यक्रमों को चलाता है, जैसे मीडिया शोध में गुणवत्ता, तात्कालिक विषयों पर लेखन, कौशल आधारित शिक्षा, मीडिया प्रशिक्षण, जनसंपर्क एवं विज्ञापन की नई प्रवृत्तियां, नवाचार और मीडिया प्रबंधन, पत्रकारिता के नैतिक मूल्य, टीवी और फिल्म निर्माण, विद्यार्थियों में सूचना तकनीक की कुशलता आदि। विभाग के समृद्ध विभागीय पुस्तकालय, अत्याधुनिक उपकरण से लैस स्टूडियो, न्यूज तथा तकनीक प्रशिक्षण कक्ष के उपयोग द्वारा अध्ययनरत विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास किया जाता है। टीवी निर्माण में उच्च व्यावसायिक गुणवत्ता की दृष्टि से विद्यार्थियों को अच्छा प्रशिक्षण मिलने हेतु मीडिया लैब में उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे एवं अन्य सामग्री का प्रयोग किया जाता है। स्मार्ट क्लास रूम, अपडेट कंप्यूटर सुविधाओं के साथ ही विद्यार्थियों को टीवी कार्यक्रम निर्माण एवं ग्राफिक्स डिजाइन के लिए एपल मैक प्रो कंप्यूटर की सुविधा भी मीडिया लैब में उपलब्ध है। समकालीन सामाजिक प्रतिमान के समानांतर मीडिया क्षेत्र में नई दिशा देना विभाग का लक्ष्य है।

पाठ्यक्रम : • बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता एवं जनसंचार • एम.ए. जनसंचार • एम.फिल. जनसंचार • पीएच.डी. जनसंचार • जनसंपर्क एवं विज्ञापन, हिंदी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा।

प्राध्यापक विवरण

नम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
अनिल कुमार राय	प्रोफ़ेसर	07.07.2009	पीएच.डी. हिंदी	साठोत्तरी हिंदी कविता में द्वंद्व	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (टी.वी. कार्यक्रम निर्माण), रिपोर्टिंग एवं फीचर लेखन
कृपाशंकर चौबे	प्रोफ़ेसर	23.07.2009	पीएच.डी. हिंदी	हिंदी पत्रकारिता : परिवर्तन और प्रवृत्तियाँ	प्रिंट मीडिया एवं साहित्य
धरवेश कठेरिया	सहायक प्रोफ़ेसर	23.03.2007	पीएच.डी. पत्रकारिता एवं जनसंचार	सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन में जनमाध्यमों की भूमिका–जबलपुर के परिपेक्ष्य में (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया–फिल्म एवं टीवी के विशेष संदर्भ में)	टी.वी. एवं रेडियो पत्रकारिता और कार्यक्रम निर्माण
अख्तर आलम	सहायक प्रोफ़ेसर	10.07.2009	पीएच.डी. पत्रकारिता एवं जनसंचार	मुस्लिम महिलाओं के सशक्तीकरण में हिंदी पत्रों का योगदान (गोरखपुर, आजमगढ़, वाराणसी मंडल के संदर्भ में)	प्रिंट मीडिया और जनसंपर्क
संदीप कुमार वर्मा	सहायक प्रोफ़ेसर	15.06.2010	एम.फिल.	...	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और मीडिया विधि
राजेश लेहकपुरे	सहायक प्रोफ़ेसर	16.06.2010	एम.एम.सी.जे.	...	प्रिंट मीडिया, विज्ञापन एवं जनसंपर्क
रेणु सिंह	सहायक प्रोफ़ेसर	22.06.2010	पीएच.डी. जनसंचार	डिजिटल डिवाइड इन हायर एजुकेशन	विकास संचार, न्यू मीडिया, शोध प्रविधि

गतिविधियाँ

संगोष्ठी

• जनसंचार विभाग द्वारा 'वर्तमान मीडिया: व्यावसायिकता और सरोकार के द्वंद' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, वरिष्ठ पत्रकार श्यामलाल यादव, वरिष्ठ एसोशिएट संपादक मोहम्मद वाकस, वरिष्ठ सहायक संपादक शिवकेश मिश्र, वरिष्ठ पत्रकार संतोष कुमार प्रमुख अतिथि तथा वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

• जनसंचार विभाग द्वारा विभाग का सत्रारंभ तथा 'भारत के पुनर्निर्माण में पत्रकारों की भूमिका विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, एनबीटी के अध्यक्ष बलदेवभाई शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार अजित अंजुम तथा जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार राय वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

• 14–20 नवंबर, 2017 को जनसंचार विभाग द्वारा 'रेडियो प्रॉडक्शन' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यशाला हेतु विशेष अतिथि के रूप में प्रो. उमा शर्मा उपस्थित थी।

व्याख्यान

• प्रो. बालमुकुंद पांडेय : 'इतिहास दृष्टि और राष्ट्रबोध', 22 मई, 2017

• प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव, श्रीकांत आनंद और आशीष कुमार : 'मीडिया लेखन', 26–27 जनवरी, 2018

• प्रो. हरीराम द्विवेदी : 'रेडियो निवेदक की विशेषताएँ', 5 फरवरी, 2018

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

राय, अनिल कुमार

• (12 अक्टूबर, 2017). शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर के पत्रकारिता तथा जनसंचार विभाग एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्त्वावधान में 'सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स मोड्यूल' विषय पर आयोजित राज्यस्तरीय कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में सहभागिता।

• (26–27 अक्टूबर, 2017). महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट फॉर रुरल इंडस्ट्रीलायजेशन, वर्धा द्वारा 'एडोप्शन ऑफ मॉर्डन टेक्नोलॉजी इन कम्यूनिटी रेडियो' विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में सहभागिता।

• (24 नवंबर, 2017). भारत कम्युनिटी मंडल तथा सरस्वती विद्या मंदिर के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षकों के लिए आयोजित कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में सहभागिता।

• (15–17 दिसंबर 2017). पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा 'इमर्जिंग इंडिया स्मार्ट सिटी, स्मार्ट कम्युनिकेशन' विषय पर आयोजित 39 वीं अखिल भारतीय पब्लिक रिलेशन्स सम्मेलन में चैप्टर अध्यक्ष के रूप में सहभागिता।

कठेरिया, धरवेश

• (10–11 अप्रैल, 2017). जनसंचार विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'पत्रकारिता और समाज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।

आलम, अख्तर

• (10–11 अप्रैल, 2017). जनसंचार विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'पत्रकारिता और समाज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'संपादक की बदलती भूमिका' विषय पर व्याख्यान दिया।

• (14–19 जून, 2017). आकाशवाणी केंद्र, गोरखपुर द्वारा 'मीडिया और विकास' विषय पर आयोजित परिचर्चा में सहभागिता की।

• (9 अगस्त, 2017). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'भारत छोड़ो आंदोलन में मध्य भारत का योगदान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारत छोड़ो आंदोलन में प्रेस की भूमिका' विषयक आलेख प्रस्तुत।

• (11 अक्टूबर, 2017). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा पर्यटन पर्व पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में योगदान दिया।

• (27–28 अक्टूबर, 2017). कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा 'मीडिया और महिला : कल, आज और कल' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'महिला हिंसा और मीडिया कवरेज' विषयक आलेख प्रस्तुत।

• (27–28 दिसंबर, 2017). उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन खुला विश्वविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा 'पत्रकारिता के नए आयाम' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वायरल न्यूज का सामाजिक एवं राजनीतिक प्रभाव' विषयक आलेख प्रस्तुत।

• (12 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 'नेतृत्व विकास' पर आयोजित कार्यशाला में 'नेतृत्व विकास में संचार की भूमिका' विषय पर व्याख्यान दिया।

• (5–7 फरवरी 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'विनोबा दर्शन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'विनोबा भावे की सामाजिक चेतना' विषयक आलेख प्रस्तुत।

- (27–28 मार्च, 2018). उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन खुला विश्वविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा 'चेंजिंग पैटर्न ऑफ वैल्यू इन हिंदी सिनेमा' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी सिनेमा में स्त्री विमर्श' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (29–30 मार्च, 2018). गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा 'जल संरक्षण : समय की माँग' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वर्षा जल संरक्षण और उसके कारगर उपाय' विषयक आलेख प्रस्तुत।

वर्मा, संदीप कुमार

- (24–25 जून, 2017). डॉ. अंबेडकर कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, वर्धा द्वारा 'रिविजीटिंग दि इश्यूज ऑफ द ह्यूमन राइट्स ऑफ शेड्यूल्ड कास्ट एंड शेड्यूल्ड ट्राइब' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मीडिया एंड ह्यूमन राइट्स : ऐसपेक्ट्स ऑफ ट्राइब्लाइस्ड दलित कम्युनिटी' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (05–25 अक्टूबर, 2017). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा, पर्यटन मंत्रालय और मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पर्यटन पर्व के दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के रूप में सहभागिता।
- (15–17 दिसंबर, 2017). पब्लिक रिलेशन सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा विशाखापट्टनम में 'इमर्जिंग इंडिया : स्मार्ट सिटीज, स्मार्ट कम्युनिकेशन' विषय पर आयोजित 39वें ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशन्स कॉन्फ्रेंरेंस में सहभागिता।
- (11 जनवरी, 2018). ब्रिजलाल बियानी साइंस कॉलेज, अमरावती द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान प्रस्तुत।
- (27–29 जनवरी, 2018). प्रदर्शनकारी कला विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'दृश्य और कथ्य संदर्भ सिनेमा' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डिजिटल माध्यमों पर सिनेमा : प्रसार और व्यापार' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (07–13 मार्च, 2018). विश्वविद्यालय के एनएसएस द्वारा रोठा में आयोजित विशेष शिविर में 'ग्रामीण विकास में युवाओं की सहभागिता' विषय पर व्याख्यान।

लेहकपुरे, राजेश

- (10–11 अप्रैल, 2017). जनसंचार विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'पत्रकारिता और समाज' विषय पर व्याख्यान दिया।
- (9 अगस्त, 2017). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'भारत छोड़ो आंदोलन में मध्य भारत का योगदान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारत छोड़ो आंदोलन में मराठी पत्रकारिता की भूमिका' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (15–17 दिसंबर 2017). पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा 'इमर्जिंग इंडिया स्मार्ट सिटी, स्मार्ट कम्युनिकेशन विषय पर आयोजित 39 वी अखिल भारतीय पब्लिक रिलेशन्स सम्मेलन में सहभागिता।
- (15–17 जनवरी, 2018). प्रदर्शनकारी कला विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'प्रोटेस्ट टू परफॉर्म ऑर परफॉर्म टू प्रोटेस्ट परफॉर्मन्स ऑफ द वर्ल्ड' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में आयोजन सदस्य के रूप में सहभागिता और 'चेंजिंग फॉर्म ऑफ प्रोटेस्ट एंड बैरियर्स ऑफ कम्युनिकेशन' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (22 फरवरी, 2018). महाराष्ट्र सरकार, सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे के संयुक्त तत्त्वावधान में 'पीएफएमएस' पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में सहभागिता।

सिंह, रेणु

- (23–24 सितंबर, 2017). वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली द्वारा 'डेवलपमेंट ऑफ जर्नलिज्म एंड कोईनेज ऑफ टेक्निकल टर्म' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डेवलपमेंट ऑफ सोशल मीडिया एंड टेक्निकल टर्मिनॉलॉजी' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत।
- (24–25 फरवरी, 2018). अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली द्वारा 'दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय संस्कृति एवं विरासत' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पॉप्युलैरिटी ऑफ इंडियन कल्चर थ्रू बॉलीवुड सोंग्स इन थाईलैंड' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत।

प्रकाशन

राय, अनिल कुमार

- (2018). 'संवाद का स्वराज' (सं.), नई दिल्ली : किताबवाले।

आलम, अख्तर

- (2017). 'कार्टून पत्रकारिता', आधुनिक पत्रकारिता के विविध आयाम, 1–03, नई दिल्ली : विश्व ज्ञान प्रकाशन।

• (2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा निर्मित पुस्तक हेतु हिंदी पत्रकारिता विषय पर इकाई लेखन कार्य किया।

सिंह, रेणु

• (2017). 'कम्युनिकेशन फॉर सस्टेनबल रुरल इंडस्ट्रीयलाइजेशन ए केस स्टडी', पीपल, प्लैनेट एंड प्रोफिट, 547–556, अहमदाबाद : एमआईसीए।

• (मार्च, 2018). 'दि इवोल्यूशन ऑफ प्रिंट मीडिया इंडस्ट्री एंड इट्स ऑनरशिप पैटर्न', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च कल्चर सोसाइटी, 02 (3), 48–50, वड़ोदरा : रिसर्च कल्चर सोसाइटी।

5.2 महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र

विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2009 में की गई। देश के प्रचलित मानकों के साथ चल रहा समाज कार्य पाठ्यक्रम राष्ट्रहित में एक चुनौती के रूप में गांधी–मूल्यों का प्रसार करते हुए स्वाबलंबन की सीख देता है। यह पाठ्यक्रम शास्त्रीय अध्ययन मात्र नहीं बल्कि कार्य व्यवहार का विशाल क्षेत्र निर्मित करता है जिससे जीवन और जीविका दोनों की सुरक्षा संभव हो पाती है। केंद्र अपने पाठ्यक्रमों के माध्यम से ऐसे सुप्रशिक्षित विद्यार्थियों को तैयार करने को प्रयत्नशील है जो अकादमिक एवं व्यावहारिक तौर पर समाज के तमाम अन्यायों एवं शोषण के प्रति आवाज मुखर करते हुए सशक्त हस्तक्षेप कर सामाजिक न्याय पर आधारित समाज का निर्माण कर सके। केंद्र प्रचलित समाज कार्य के पठन–पाठन में एक सशक्त हस्तक्षेप करते हुए ऐसे मानव संसाधनों को प्रशिक्षित करने का प्रयास कर रहा है जो समाज से सह–संवेदी होते हुए समाज कार्य की नई प्रविधि एवं दृष्टिकोणों की खोज कर सकें साथ ही ऐसा करते हुए अद्यतन तकनीकों के प्रयोग के माध्यम से समाज के साथ अपने ज्ञानोत्पादन को साझा कर सकें।

पाठ्यक्रम : • समाज कार्य में स्नातक (बी.एस.डब्ल्यू.) • समाज कार्य में स्नातकोत्तर (एम.एस.डब्ल्यू.) • एम.फिल. (समाज कार्य) • पीएच.डी. (समाज कार्य) • एन.जी.ओ. प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
मनोज कुमार	निदेशक	23.03.2007	पीएच.डी. गांधी विचार	शांति सेना : सिद्धांत एवं व्यवहार	गांधी अध्ययन सामाजिक नीति सामाजिक विकास
मिथिलेश कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	26.11.2015	पीएच.डी. अहिंसा एवं शांति अध्ययन	सूचना का अधिकार : आलोचनात्मक अध्ययन	शांति अध्ययन शोध प्रविधि
शिवसिंह बघेल	सहायक प्रोफ़ेसर*	04.08.2017	पीएच.डी.	एच.आई.वी. /एड्स प्रभावित मरीजों पर काम करने वाली सरकारी एवं गैर–सरकारी संगठनों का अध्ययन एवं मूल्यांकन : मध्य प्रदेश क्षेत्र के विशेष संदर्भ में।	एन.जी.ओ. प्रबंधन
आमोद गुर्जर	सहायक प्रोफ़ेसर*	04.08.2017	पीएच.डी.	ए स्टडी ऑफ पैरेन्ट्स ऑफ दि बेनीफिशियरी ऑफ राइट टू एजुकेशन (आरटीई) एक्ट 2009 विथ स्पेशल फॉकस ऑन देयर प्रोबलेम्स इन एसेसिंग द बेनिफिट्स ऑफ दि एक्ट : ए स्टडी कन्डकटेड एट स्कूल्स ऑफ अर्बन, नागपुर, महाराष्ट्र, इंडिया	समाज कार्य शोध प्रविधि ग्रामीण विकास बाल अधिकार
मुकेश कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर*	04.08.2017	पीएच.डी.	महात्मा गांधी की वैकल्पिक सभ्यता संबंधी अवधारणा	गांधी अध्ययन संस्कृति, सभ्यता सामाजिक न्याय एवं मानव अधिकार
निलामे गजानन सुर्यकांत	सहायक प्रोफ़ेसर*	04.08.2017	एम.फिल.	...	समाज कार्य व्यवहार के मनोवैज्ञानिक सिद्धांत, चिकित्सीकरण, सामुदायिक स्वास्थ्य, परामर्श, मनोचिकित्सकीय समाजकार्य
पल्लवी शुक्ला	सहायक प्रोफ़ेसर*	24.01.2018	पीएच.डी.	स्टडीज ऑन दि इफेक्ट ऑफ पल्प एंड पेपर मिल इफ्ल्यूएंट ऑन फिश एक्वेटिक मेगा–फाउना ऑफ रीवर आमी इन संत कबीर नगर, यू.पी.	पर्यावरण अध्ययन

(*अस्थाई)

गतिविधियाँ

संगोष्ठी / कार्यशाला / अन्य

- (06–13 जून, 2017). गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति नई दिल्ली के तत्वावधान में एम.एस.डब्ल्यू. द्वितीय–चतुर्थ छमाही के विद्यार्थियों लिए ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट कार्यक्रम का आयोजन।
- (09 अक्टूबर, 2017). एम.एस.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क तथा म.गां.अं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'चाइल्ड राईट्स विथ सोशल फोकस ऑन हैप्पी एंड हेल्दी चाइल्डहुड' विषय पर अंतर–विश्वविद्यालय परिसंवाद का आयोजन तथा एक शिक्षक सहित 10 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।
- (11 अक्टूबर, 2017). जे.पी. जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन।
- (12 अक्टूबर, 2017). राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम का आयोजन।
- (31 अक्टूबर–04 नवंबर, 2017). राष्ट्रीय सतर्कता जागरूकता सप्ताह के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय स्तरीय 'स्वतंत्र भारत में भ्रष्टाचार' विषय पर भाषण प्रतियोगिता, 'भ्रष्टाचार मुक्त भारत का सपना' विषय पर निबंध स्पर्धा तथा 'सतर्कता जागरूकता' विषय पर गोष्ठी का आयोजन।
- (22–24 नवंबर, 2017). ओम ट्रस्ट के तत्वावधान में 'मिशन समृद्धि' शिखर सम्मेलन का आयोजन।
- (26 नवंबर, 2017). 'संविधान दिवस' के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन।
- (5 फरवरी, 2018). 'गंगा मुक्ति आंदोलन' परिसंवाद का आयोजन।
- (14 फरवरी, 2018). बी.एस.डब्ल्यू. विद्यार्थियों द्वारा 'चंपारण बुनियादी विद्यालय चंपारण' का शैक्षणिक भ्रमण।
- (31 फरवरी, 2018). एम.एस.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, नागपुर, सापीर कॉलेज, इजराइल और महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'कम्युनिटी डेवलपमेंट : पर्सपेक्टिव फॉर इजराइल एंड इंडिया' विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन।
- (19–25 मार्च, 2018). महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में एनसीआरआई, हैदराबाद के सहयोग से सात दिवसीय 'संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम' का आयोजन।

व्याख्यान

- प्रो. सुधीर चंद्रा : 'राष्ट्रवाद की आवाज', 05 अक्टूबर, 2017
- अरूण जैन (संस्थापक, ओम ट्रस्ट) : 'डिजाइन थिंकिंग', 25 नवंबर, 2017
- प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी : 'जे.सी. कुमाराप्पा का आर्थिक चिंतन', 4 जनवरी, 2018

शोध परियोजनाएँ

1. 'राष्ट्र बनाम आख्यान : 21वीं सदी में भारतीय राष्ट्रवाद', भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा स्वीकृत वृहत शोध परियोजना (कुल राशि रु. 18 लाख), प्रमुख अन्वेषक : प्रो. मनोज कुमार, सह–अन्वेषक : डॉ. मिथिलेश कुमार।
2. 'सामाजिक पूँजी और किसान आत्महत्या', भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा स्वीकृत वृहत शोध परियोजना (कुल राशि रु. 10 लाख), प्रमुख अन्वेषक : डॉ. शंभू जोशी, सह–अन्वेषक : डॉ. मिथिलेश कुमार।

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

कुमार, मनोज

- (22–24 नवंबर, 2017). ओम ट्रस्ट द्वारा 'मिशन समृद्धि' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजन तथा अकादमिक हस्तक्षेप।
- (5–7 फरवरी, 2018). भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली एवं म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'विनोबा दर्शन' पर आयोजित संगोष्ठी में 'भूदान की ज्ञान–मीमांसा' विषयाधारित सत्र की अध्यक्षता।
- (14–15 मार्च, 2018). डॉ. बाबासाहब आंबेडकर कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'समाज कार्य का भारतीयकरण' विषय पर आयोजित परिसंवाद में 'वर्धा स्कूल ऑफ सोशल वर्क' पर व्याख्यान तथा दो सत्रों की अध्यक्षता।

कुमार, मिथिलेश

- (22–24 नवंबर, 2017). ओम ट्रस्ट द्वारा 'मिशन समृद्धि' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजन।
- (15–17 जनवरी, 2018). इंडियन सोयायटी फॉर थिएटर रिसर्च द्वारा म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'प्रोटेस्ट टू परफॉर्म ऑर रिफॉर्म टू प्रोटेस्ट : परफॉरमेंसेस ऑफ दि वर्ल्ड' विषय पर आयोजित 14वीं अंतरराष्ट्रीय वार्षिक अधिवेशन के आयोजन समिति के सदस्य।
- (5–7 फरवरी, 2018). भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली एवं म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वाधान में 'विनोबा दर्शन' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में 'भूदान की ज्ञान–मीमांसा' विषयक आलेख प्रस्तुति।

- (18 फरवरी, 2018). एम.एस.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, नागपुर, महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा तथा सापीर कॉलेज, इजराइल के संयुक्त तत्वावधान में 'कम्युनिटी डेवलपमेंट : पर्सपेक्टिव फ्रॉम इजराइल एंड इंडिया' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ए.डी. गॉरडॉन एंड महात्मा गांधी : लेबर एज बेसिस ऑफ कम्युनिटी डेवलपमेंट' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (12–13 मार्च, 2018). गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा 'बा–बापू 150 जयंती' के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय बैठक में सहभागिता।
- (13–14 मार्च, 2018). गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा 'बा–बापू 150 जयंती' के उपलक्ष्य में आयोजित प्रादेशिक बैठक में सहभागिता।
- (14–15 मार्च, 2018). डॉ. बाबासाहब आंबेडकर कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'समाज कार्य का भारतीयकरण' विषय पर आयोजित परिसंवाद में 'भारतीय समाज कार्य' विषय पर आलेख प्रस्तुति 'वर्धा स्कूल ऑफ सोशल वर्क' पर आयोजित सत्र का संयोजन तथा परिसंवाद के सह–समन्वयक।
- (19–25 मार्च, 2018). महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में एनसीआरआई, हैदराबाद के सहयोग से आयोजित 'संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम' का संयोजन।

गुर्जर, आमोद

- (09 अक्टूबर, 2017). एम.एस.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, नागपुर द्वारा 'चाइल्ड राईट्स विथ सोशल फोकस ऑन हैप्पी एंड हेल्दी चाइल्डहुड' विषय पर आयोजित एक दिवसीय अंतर–विश्वविद्यालय परिसंवाद में सहभागिता।
- (22–24 नवंबर, 2017). ओम ट्रस्ट द्वारा 'मिशन समृद्धि' विषय पर आयोजित गोष्ठी में सहभागिता।
- (14–15 मार्च, 2018). डॉ. बाबासाहब आंबेडकर कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'समाज कार्य का भारतीयकरण' विषय पर आयोजित परिसंवाद में 'सामुदायिक संगठन एवं सामाजिक क्रिया का आंबेडकर मॉडल' विषय पर आलेख प्रस्तुति, 'वर्धा स्कूल ऑफ सोशल वर्क' पर व्याख्यान।
- (19–25 मार्च, 2018). महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में एनसीआरआई, हैदराबाद के सहयोग से आयोजित 'संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम' का संयोजन।

कुमार, मुकेश

- (22–24 नवंबर, 2017). ओम ट्रस्ट द्वारा 'मिशन समृद्धि' विषय पर आयोजित गोष्ठी में सहभागिता।
- (5–7 फरवरी, 2018). भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली एवं म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'विनोबा दर्शन' पर आयोजित संगोष्ठी में 'भूदान की ज्ञान–मीमांसा' की रिपोर्टिंग कमिटी के सदस्य।
- (12–13 मार्च, 2018). गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा 'बा–बापू 150 जयंती' के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय बैठक में सहभागिता।
- (13–14 मार्च, 2018). गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा 'बा–बापू 150 जयंती' के उपलक्ष्य में आयोजित प्रादेशिक बैठक में सहभागिता।
- (14–15 मार्च, 2018). डॉ. बाबासाहब आंबेडकर कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'समाज कार्य का भारतीयकरण' विषय पर आयोजित परिसंवाद में 'वर्धा स्कूल ऑफ सोशल वर्क' पर व्याख्यान।
- (19–25 मार्च, 2018). महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में एनसीआरआई, हैदराबाद के सहयोग से आयोजित 'संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम' में सहभागिता।

निलामे, गजानन एस.

- (09 अक्टूबर, 2017). एम.एस.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, नागपुर द्वारा 'चाइल्ड राईट्स विथ सोशल फोकस ऑन हैप्पी एंड हेल्दी चाइल्डहुड' विषय पर आयोजित अंतर–विश्वविद्यालय परिसंवाद में सहभागिता।
- (22–24 नवंबर, 2017). ओम ट्रस्ट द्वारा 'मिशन समृद्धि' विषय पर आयोजित गोष्ठी में सहभागिता।
- (12–13 मार्च, 2018). गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा 'बा–बापू 150 जयंती' के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय बैठक में सहभागिता।
- (13–14 मार्च, 2018). गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा 'बा–बापू 150 जयंती' के उपलक्ष्य में आयोजित प्रादेशिक बैठक में सहभागिता।
- (14–15 मार्च, 2018). डॉ. बाबासाहब आंबेडकर कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 'समाज कार्य का

भारतीयकरण' विषय पर आयोजित परिसंवाद में 'वर्धा स्कूल ऑफ सोशल वर्क' पर व्याख्यान।

- (19–25 मार्च, 2018). महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में एनसीआरआई, हैदराबाद के सहयोग से आयोजित 'संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम' में सहभागिता।

बघेल, शिवसिंह

- (22–24 नवंबर, 2017). ओम ट्रस्ट द्वारा 'मिशन समृद्धि' विषय पर आयोजित गोष्ठी में सहभागिता।
- (19–25 मार्च, 2018). महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में एनसीआरआई, हैदराबाद के सहयोग से आयोजित 'संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम' में सहभागिता।

शुक्ला, पल्लवी

- (18 फरवरी, 2018). एम.एस.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, नागपुर, महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं. हिंवि., वर्धा तथा सापीर कॉलेज, इजराइल द्वारा 'कम्युनिटी डेवलपमेंट : पर्सपेक्टिव फ्रॉम इजराइल एंड इंडिया' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।
- (19–25 मार्च, 2018). महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में एनसीआरआई, हैदराबाद के सहयोग से आयोजित 'संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम' में सहभागिता।

यादव, दीनानाथ

- (18 फरवरी, 2018). एम.एस.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, नागपुर, महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं. वि., वर्धा तथा सापीर कॉलेज, इजराइल द्वारा 'कम्युनिटी डेवलपमेंट : पर्सपेक्टिव फ्रॉम इजराइल एंड इंडिया' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।

भारती साजन

- (13–22 जून, 2017). उज्जैन में आयोजित 'शोध प्रविधि कार्यशाला' मे सहभागिता।
- (18 फरवरी, 2018). एम.एस.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, नागपुर, महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं. वि., वर्धा तथा सापीर कॉलेज, इजराइल द्वारा 'कम्युनिटी डेवलपमेंट : पर्सपेक्टिव फ्रॉम इजराइल एंड इंडिया' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।

राय, अभिषेक कुमार

- (18 फरवरी, 2018). एम.एस.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, नागपुर, महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं. वि., वर्धा तथा सापीर कॉलेज, इजराइल द्वारा 'कम्युनिटी डेवलपमेंट : पर्सपेक्टिव फ्रॉम इजराइल एंड इंडिया' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।

यादव, छविनाथ

- (18 फरवरी, 2018). एम.एस.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, नागपुर, महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं. वि., वर्धा तथा सापीर कॉलेज, इजराइल द्वारा 'कम्युनिटी डेवलपमेंट : पर्सपेक्टिव फ्रॉम इजराइल एंड इंडिया' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।

कुमारी, ममता

- (05–07 फरवरी, 2018). भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली एवं म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'विनोबा दर्शन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'विनोबा का सर्वोदय' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (24 मार्च, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं न्यू आर्टस, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, वर्धा द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गांधी और पर्यावरण' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।

प्रकाश, राजन

- (18 फरवरी, 2018). एम.एस.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, नागपुर, महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं. वि., वर्धा तथा सापीर कॉलेज, इजराइल द्वारा 'कम्युनिटी डेवलपमेंट : पर्सपेक्टिव फ्रॉम इजराइल एंड इंडिया' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।

सरोज, चन्दन

- (18 फरवरी, 2018). एम.एस.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, नागपुर, महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा तथा सापीर कॉलेज, इजराइल द्वारा 'कम्युनिटी डेवलपमेंट : पर्सपेक्टिव फ्रॉम इजराइल एंड इंडिया' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।

कुमार, वरूण

- (18 फरवरी, 2018). एम.एस.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, नागपुर, महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा तथा सापीर कॉलेज, इजराइल द्वारा 'कम्युनिटी डेवलपमेंट : पर्सपेक्टिव फ्रॉम इजराइल एंड इंडिया' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।
- (14–15, मार्च, 2018). डॉ. बाबासाहब आंबेडकर कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'समाज कार्य का भारतीयकरण' विषय पर आयोजित परिसंवाद में 'वर्धा स्कूल ऑफ सोशल वर्क' पर व्याख्यान।

सिंह, श्याम

- (16–17 नवंबर, 2017). गवर्नमेंट डी.बी. गर्ल्स पी.जी. ऑटोनोमस कॉलेज, रायपुर द्वारा 'फेमिली फ्रेगमेंटेशन न्यूक्लियर इनइक्वेलिटी फेमिलीज एंड पार्टिंग रोल ऑफ ग्रैंड पैरेंट्स एंड ग्रैंड चिल्ड्रेन टू प्रोटेक्ट फेमिली वैल्यूज' विषय आयोजित संगोष्ठी में 'द सोशियो–इकोनॉमिक प्रोब्लेम ऑफ इल्डरली लीविंग इन ओल्ड एज होम' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (8 मार्च, 2018). समाज कार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा 'इंटरडिसीप्लिनरी वर्कशॉप ऑन वीमेंस इम्पॉवरमेंट' विषय पर आयोजित कार्यशाला में सहभागिता।
- (12–21 मार्च, 2018). भूगोल विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'शोध प्रविधि' कार्यशाला में सहभागिता।

प्रकाशन

कुमार, मनोज

- (2018). 'गांधी दृष्टि : युवा रचनात्मकता के आयाम' (सं.), नई दिल्ली : भारतीय ज्ञानपीठ।

कुमार, मिथलेश

- (2018). 'शिक्षा का प्रयोजन : गांधीय विकल्प', 242–247, गांधी दृष्टि : युवा रचनात्मकता के आयाम (सं.), नई दिल्ली : भारतीय ज्ञानपीठ।

कुमार, मुकेश

- (2018). 'महात्मा गांधी की रचनात्मक क्रांति की प्रक्रिया', 292–301, गांधी दृष्टि : युवा रचनात्मकता के आयाम (सं.), नई दिल्ली : भारतीय ज्ञानपीठ।
- (मार्च, 2018). 'गांधी और अंबेडकर न होते', 'गांधी, भगत सिंह और आंबेडकर', युवा संवाद, नई दिल्ली।

निलामें गजानन एस.

- (मार्च, 2018). 'गांधी और अंबेडकर न होते', 'गांधी, भगत सिंह और आंबेडकर' (अनु.), युवा संवाद, नई दिल्ली।

सिंह, श्याम

- (अप्रैल, 2017). 'वृद्धजनों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति का एक अध्ययन', शिक्षा शोध मंथन, 03, 91–97
- (जून, 2017). 'नवजात शिशु स्वास्थ्य पर सरकारी योजनाओं का प्रभाव', द इकोनोमिस्ट, 03, 73–83

राय, रचना

- (2017). 'समाज विज्ञानों में वृद्ध विमर्श', साहित्येतिहास में वृद्ध विमर्श, 55–57, नई दिल्ली : दिशा इंटरनेशनल हाउस।

कुमारी, ममता

- (2017). 'विकास और विस्थापन की प्रक्रिया', मानव अधिकार : नई दिशाएं, 14, 49–56, नई दिल्ली : राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग।
- (2017). 'अनसुलझी गुत्थियां और घरेलू हिंसा', लोकमत समाचार उत्सव प्लस दीपावली, 253–258, नागपुर : लोकमत मीडिया प्रा. लि.।

विभाग/केंद्र द्वारा एमओयू का विवरण		
एमओयू की तिथि	संस्थान का नाम	संस्थान की ओर हस्ताक्षर करने वाले का नाम
17.11.2017	कमलनयन जमनालाल बजाज ट्रस्ट	महेन्द्र फेटे
20.12.2017	सहयोग ट्रस्ट	वृंदा वझे

उपलब्धियाँ

- एनसीआरआई, हैदराबाद द्वारा समाज कार्य स्नातकोत्तर (तृतीय छमाही) के तीन विद्यार्थियों (मोनाली भित्रे, आदिती शुक्ल एवं महेश दुर्गम) को इंटर्नशिप प्राप्त हुई है।
- पीएच.डी शोधार्थी वरूण कुमार को एनसीआरआई, हैदराबाद द्वारा फैलोशिप प्राप्त हुई।

5.3 मानवविज्ञान विभाग

मानवविज्ञान विभाग की स्थापना 17 सितंबर, 2009 में की गई। मानवविज्ञान विभाग का उद्देश्य उत्कृष्ट शिक्षण एवं शोध के साथ–साथ विषय के अन्य पक्षों को भी उन्नत करना है। चूँकि मानवविज्ञान का एक प्रमुख अध्ययन क्षेत्र 'जनजातीय समुदाय' है इसलिए विदर्भ क्षेत्र में स्थित यह विभाग मध्य भारत की जनजातियों पर महत्वपूर्ण अध्ययन कर रहा है, जिसका उद्देश्य जनजातियों के सांस्कृतिक पहलुओं पर विशेष प्रकाश डालना है। विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा कई शोध परियोजनाएँ जनजातीय समाजों पर क्रियान्वित की गई हैं जैसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की प्रायोजित परियोजना 'जनजातीय अधिकार के मुद्दे एवं वन्य जीवन संरक्षण', जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा प्रायोजित परियोजना 'छत्तीसगढ़ की बैगा जनजाति की स्वास्थ्य स्थिति' एवं 'इंपेक्ट ऑफ माइग्रेशन एंड डेव्लेपमेंट प्रोग्राम ऑन कोलाम प्रिमिटिव ट्राइबल ग्रुप : ए बॉयोकल्चरल एनॉलिसिस' को सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

पाठ्यक्रम : • मानवविज्ञान में एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. • फॉरेंसिक साइंस में डिप्लोमा।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
फरहद मलिक	प्रोफ़ेसर	06.07.2016	पीएच.डी. मानवविज्ञान	एथनीसिटी एंड ट्राइबल अनरेस्ट : एन एंथ्रोपोलोजीकल इनक्वायरी इन मध्य प्रदेश एंड वेस्ट बंगाल	सामाजिक–सांस्कृतिक मानवविज्ञान
वीरेंद्र प्रताप यादव	सहायक प्रोफेसर	16.6.2010	पीएच.डी. मानवविज्ञान	सोशल मोबिलिटी अमंग द ओबीसीज़ ऑफ उत्तर प्रदेश विद स्पेशल रिफरेंस टू द डायनॉमिक्स ऑफ यादवज़ इमरजिंग एज़ डोमिनेन्ट कास्ट	सामाजिक–सांस्कृतिक मानवविज्ञान
निशीथ राय	सहायक प्रोफेसर	16.6.2010	डी.फिल. मानवविज्ञान	अन इथनोआरकियोलाजीकल स्टडी ऑफ 'मवासी' ट्राईब इन सतना डिस्ट्रिक्ट ऑफ मध्य प्रदेश एलोंग विथ देयर हेल्थ एंड लिव्ड इन इन्वायरनमेंट	शारीरिक मानवविज्ञान
भवेंद्र कुमार पाटिल	सहायक प्रोफेसर*	30.08.2016	एम.एस.सी. फॉरेंसिक साइंस	...	न्यायिक विज्ञान

* (अस्थाई)

शोध परियोजनाएँ

- **प्रो. फरहद मलिक :** 'डाइवर्सिटीज ऑफ आइडेंटिटी : 'इमेजिंड इंडिया' अमंग यंग जनरेशन ऑफ इंडियन डायस्पोरा', भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा वित्त पोषित।
- **डॉ. निशीथ राय :** 1. 'जाति व कारीगर आधारित समाज व्यवस्था और श्री रविंद्र शर्मा (गुरूजी) की दृष्टि', भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा वित्त पोषित। 2. 'रिकोनिटियरिंग द कल्चरल डायनिमिक्स ऑफ इंटरनेशनल माइग्रेशन (विद स्पेशल रेफरंस टू विलेज ऑफ मिडल गैस्कैटिक प्लेनस ऑफ ईस्टर्न यू.पी.)', भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा वित्त पोषित। 3. 'हेल्थ, न्यूट्रीशन एंड पॉवर्टी अमंग द कोलाम ऑफ विदर्भ' म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा वित्त पोषित।

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

मलिक, फरहद

- (16–18 मार्च, 2018). पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर एवं एस आई एम ए द्वारा आयोजित "मेडिकल एंथ्रोपॉलोजी एंड ट्राइबल हेल्थ केअर सिस्टम इन द ग्लोबलाइजिंग वर्ल्ड" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र में बीज वक्तव्य।

राय, निशीथ

- (11 फरवरी, 2018). संस्कृत भारती एवं म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'संस्कृत की प्रासंगिकता एवं संभावनाएँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में सहभागिता।

साहू, प्रफुल्ल कुमार

- (8–29 जनवरी, 2018). ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रशिक्षण (इंटर्नशिप) में सहभागिता।
- (16–18 मार्च, 2018). पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हेल्थ स्टेटस ऑफ द ट्राइबल चिल्ड्रेन एंड यंग पिपुल' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।

सिंह, गुंजन

- (8–29 जनवरी, 2018). ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रशिक्षण (इंटर्नशिप) में सहभागिता।

पटेल, शिवशंकर

- (21–28 मार्च, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में 'एस.पी.एस.एस. के माध्यम से सामाजिक विज्ञान में अनुप्रयुक्त सांख्यिकी विधियां' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।

बबू, शिव

- (21–28 मार्च, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में 'एस.पी.एस.एस. के माध्यम से सामाजिक विज्ञान में अनुप्रयुक्त सांख्यिकी विधियां' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।

त्रिपाठी, दीपमाला

- (21–28 मार्च, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में 'एस.पी.एस.एस. के माध्यम से सामाजिक विज्ञान में अनुप्रयुक्त सांख्यिकी विधियां' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।

रामचंद्र

- (21–28 मार्च, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में 'एस.पी.एस.एस. के माध्यम से सामाजिक विज्ञान में अनुप्रयुक्त सांख्यिकी विधियां' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।

कन्नौजिया, विजय कुमार

- (21–28 मार्च, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में 'एस.पी.एस.एस. के माध्यम से सामाजिक विज्ञान में अनुप्रयुक्त सांख्यिकी विधियां' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।

विश्वकर्मा, लखनलाल

• (21–28 मार्च, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में 'एस.पी.एस.एस. के माध्यम से सामाजिक विज्ञान में अनुप्रयुक्त सांख्यिकी विधियां' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।

प्रकाशन

मलिक, फरहद

• (2018). 'डिसप्लेसमेंट एंड ट्राइबल राइट्स : ए स्टडी ऑन फॉरेस्ट डवैलर्स इन मेलघाट टाइगर रिजर्व', इन डेवलपमेंट, डिसप्लेसमेंट एंड ट्राइबल लाइफ (सं.), 52–65, नई दिल्ली : के. के. पब्लिकेशन।

• (2018). 'डेवलपमेंट, डिसप्लेसमेंट एंड ट्राइबल लाइफ' (सं.), नई दिल्ली : के. के. पब्लिकेशन।

यादव, वीरेंद्र प्रताप

• (2017) 'महाश्वेता देवी और मानवविज्ञान', मानव, 1 (35), 129–134.

राय निशीथ

• (2017). 'द आग्रुमेंटेटिव इंडियन : राइटिंग ऑन इंडियन हिस्ट्री, कल्चर एंड आइडेंटिटी', शोध, 14 (1), 55–60

• (2017). 'जनसंचार के मानवशास्त्रीय आयाम', मानव, 1 (35), 57–62

• (2017). 'अंतरानुशासनिक अध्ययन : एक परिचय', शोध, 14 (2), 45–50

• (2017). 'हाऊ गुड इज गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जी.एस.टी.) फॉर कॉमन मैन', द इक्वानिमिस्ट, 3 (3–4), 157–159

• (2017). 'समकालीन संस्कृति एवं अंतरराष्ट्रीय संबंध', द इक्वानिमिस्ट, 3 (1–2), 45–49

6. शिक्षा विद्यापीठ

म.ग.अं.हिं.वि. का शिक्षा विद्यापीठ वैयक्तिक और सामाजिक जीवन में सकारात्मक बदलाव की पहल और हस्तक्षेप करने वाले समर्पित विद्यार्थियों, शोधार्थियों व अध्यापकों का प्रगतिशील समुदाय है। शिक्षा विद्यापीठ पारस्परिक संवाद, क्रियाकलाप एवं विचार–विमर्श के माध्यम से ज्ञान के सह–निर्माण, शोध आधारित विश्लेषणात्मक एवं रचनात्मक ज्ञानराशि के विकास के लिए सतत् प्रयत्नशील है। इस निमित्त शिक्षा मनुष्य के जीवन को न्यायोचित और समतामूलक अवसर प्रदान करने हेतु एवं समग्र विकास की संभावनाओं का अन्वेषण करने, सशक्त बनाने के लिए यह विद्यापीठ समर्पित है। इस विद्यापीठ के अंतर्गत निम्न दो विभाग संचालित हैं–

7.1 शिक्षा विभाग

7.2 मनोविज्ञान विभाग

6.1 शिक्षा विभाग

शिक्षा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि. की अकादमिक शाखाओं में अपेक्षाकृत एक नया परिवर्धन है जिसका प्रारंभ वर्ष 2014 में शिक्षाशास्त्र में दो–वर्षीय एम.ए. पाठ्यक्रम से हुआ था। अपितु शिक्षा विद्यापीठ ने अपेक्षाकृत बहुत कम समय में ही पर्याप्त विस्तार प्राप्त कर लिया है। वर्ष 2015 में शिक्षा विद्यापीठ में अकादमिक विस्तार के नए आयाम जुड़े जब विभाग में दो वर्षीय शिक्षा में स्नातक (बी.एड.) पाठ्यक्रम (छात्र संख्या–50), तीन सेमेस्टर अवधि का शिक्षाशास्त्र में मास्टर ऑफ फिलॉसफी (एम.फिल.) पाठ्यक्रम एवं शिक्षाशास्त्र में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएच.डी.) पाठ्यक्रम का संचालन प्रारंभ हुआ। विभिन्न पाठ्यक्रमों के कुशल संचालन को सुनिश्चित करने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा विद्यापीठ के शिक्षा विभाग में शिक्षकों की नियुक्ति की गई। अध्यापक शिक्षा व शैक्षिक अनुसंधान के एक प्रमुख संस्थान के रूप में अपने को प्रतिष्ठित करने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह विद्यापीठ अपने उद्देश्यों की प्राप्ति की दिशा में सतत् प्रयत्नशील है और अपने अकादमिक स्वरूप को व्यापक करने हेतु विद्यापीठ में नए और नवाचारी पाठ्यक्रमों को प्रारंभ किया जा रहा है। हाल ही में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद ने शिक्षा विभाग को दो वर्षीय मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम.एड.) पाठ्यक्रम (छात्र संख्या–50) तथा तीन वर्षीय बी.एड.–एम.एड. एकीकृत पाठ्यक्रम को सत्र 2016–17 से प्रारंभ करने की स्वीकृति दी है।

शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण अधिगम वातावरण उपलब्ध कराने हेतु विभाग में पर्याप्त भौतिक व शैक्षणिक संसाधनों की उपलब्धता है। इस विभाग के विभागीय पुस्तकालय में समुचित संख्या में पाठ्य–पुस्तकें, संदर्भ ग्रंथ, शोध पत्रिकाएँ तथा अन्य उपयुक्त पत्र–पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं। इसके साथ ही छात्रों को ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न शैक्षणिक व शोध संसाधनों का उपयोग करने के लिए निर्बाध वाई–फाई सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके अतिरिक्त शिक्षा विभाग ने प्रदर्शनकारी कलाओं के लिए विभिन्न वाद्य यंत्रों एवं संगीत के अन्य उपकरणों से परिपूर्ण एक समृद्ध संसाधन केंद्र की स्थापना की है। शैक्षणिक गतिविधियों के साथ–साथ विविध पाठ्य सहगामी क्रियाओं के अनूठे संगम की अवधारणा को साकार करते हुए शिक्षा विद्यापीठ का शिक्षा विभाग अनेकानेक सांस्कृतिक व साहित्यिक कार्यक्रम एवं खेल–कूद का आयोजन करता है जिसके फलस्वरूप विद्यार्थियों को अपने कौशल एवं क्षमताओं को विकसित व परिष्कृत करने के कई अवसर प्राप्त होते हैं।

पाठ्यक्रम :

• एम.ए. (शिक्षाशास्त्र) • बी.एड. • एम.एड. • बी.एड.–एम.एड. (एकीकृत) • एम.फिल. (शिक्षाशास्त्र)

• पीएच.डी. (शिक्षाशास्त्र) • भारतीय शास्त्रीय संगीत (गायन) में सर्टिफिकेट।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
अरबिंद कुमार झा	प्रोफ़ेसर	17.09.2014	पीएच.डी. शिक्षा शास्त्र	ऐपिस्टीमॉलजीकल इम्पोर्ट ऑफ न्याय फिलॉसफी	ज्ञानमीमांसा और शिक्षणशास्त्र, गणित शिक्षण, गणित और विज्ञान का दर्शनशास्त्र
गोपाल कृष्ण ठाकुर	सह प्रोफ़ेसर	18.11.2015	पीएच.डी. शिक्षा शास्त्र	डेवलपमेंट ऑफ़ ए मॉडल केमिस्ट्री लेबोरेटरी करिकुलम एट +2 लेवल एंड स्टडीइंग इट्स इफेक्टिवनेस	विज्ञान दर्शन एवं शिक्षा दर्शन विज्ञान शिक्षण
शिरीष पाल सिंह	सह प्रोफ़ेसर	01.12.2015	पीएच.डी. शिक्षा शास्त्र	राष्ट्रीय मूल्यों एवं मानवाधिकारों के प्रति भावी अध्यापकों एवं सेवारत अध्यापकों की अभिवृत्ति एवं प्रत्यक्षण का अध्ययन	शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षा शोध, शिक्षा तकनीकी
ऋषभ कुमार मिश्र	सहायक प्रोफ़ेसर	18.11.2015	एम.एड.	सामाजिक विज्ञान की कक्षा का सामाजिक सांस्कृतिक विश्लेषण	शिक्षा मनोविज्ञान, सामाजिक विज्ञान शिक्षण, शिक्षक शिक्षा
सारिका राय शर्मा	सहायक प्रोफ़ेसर	27.11.2015	एम.एड.	विज्ञान शिक्षा के माध्यम से किशोरों में लैंगिक संवेदनशीलता के विकास का अध्ययन	शिक्षक शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य के लिए शिक्षा
शिल्पी कुमारी	सहायक प्रोफ़ेसर	23.11.2015	स्नातकोत्तर	इफेक्टिवनेस ऑफ़ सोशियो साइंटिफिक इशू बेस्ड इंस्ट्रक्शन ऑन साइंटिफिक लिटरेसी ऑफ़ प्राइमरी स्कूल चिल्ड्रेन	जीव विज्ञान शिक्षण, शैक्षिक तकनीकी एवं शिक्षा में आई.सी.टी.
समरजीत यादव	सहायक प्रोफ़ेसर	19.11.2015	एम.एड.		सामाजिक विज्ञान शिक्षण, शिक्षा का समाजशास्त्र, सामाजिक सिद्धांत
आर. पुष्पा नामदेव	सहायक प्रोफ़ेसर	23.11.2015	एम.एड.	ए स्टडी ऑफ सेल्फ कान्सेप्ट एंड एजुकेशनल एस्पीरेशन ऑफ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय स्टूडेंट इन रिलेशन टू एजुकेशनल अपॉरच्युनिटी	विज्ञान –शिक्षण, शिक्षा मनोविज्ञान, शिक्षक शिक्षा
धर्मेन्द्र शंभरकर	सहायक प्रोफ़ेसर	18.11.2015	एम.एड.		मराठी शिक्षण, शिक्षक शिक्षा, शिक्षा का दर्शन
सुहासिनी बाजपेयी	सहायक प्रोफ़ेसर	22.12.2015	एम.एड.	कॉगनेटिव प्रीफरेन्सेज एज डीटरमिनेट्न्स ऑफ एकेडेमिक अचीवमेंट्स ऑफ सेकेंडरी स्कूल साइंस स्टूडेंट्स बिलांगिग टू डिफरेंट क्रिएटिविटी लेवेल्स	शिक्षा में शोध प्रविधि, शिक्षा मनोविज्ञान, विज्ञान–शिक्षण
भरत कुमार पंडा	सहायक प्रोफ़ेसर	18.02.2016	पीएच.डी. शिक्षा शास्त्र	ए स्टडी ऑन पॉपुलेशन अवेअरनेस ऑफ संस्कृत स्टूडेंट्स एट् वैरियस लेवल	शिक्षा मनोविज्ञान, शिक्षा तकनीक , भाषा शिक्षण, मापन एवं मूल्यांकन
रामार्चा प्रसाद पांडेय	सहायक प्रोफ़ेसर*	14.01.2016	पीएच.डी.	ए स्टडी ऑफ पास आउट्स ऑफ जवाहर नवोदय विद्यालयाज इन द कांटेक्सट् ऑफ देयर एजुकेशनल, वोकेशनल एंड सोशल एडजेस्टमेंटस	मापन एवं मूल्याकन, शोध प्रविधि
अप्रमेय मिश्र	सहायक प्रोफ़ेसर*	21.03.2016	पीएच.डी.	त्रिदेव तथा भारतीय संगीत की परंपरा	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत गायन एवं प्रदर्शनकारी कला
रामानंद यादव	सहायक प्रोफ़ेसर*	19.09.2016	पीएच.डी.	प्रेमचंद के उपन्यासों में मानवमूल्य	हिंदी शिक्षण, विशिष्ट शिक्षण, मापन एवं मूल्यांकन
सरिता चौधरी	सहायक प्रोफ़ेसर*	13.02.2018	एम.एड.	इफेक्टिवनेस ऑफ सीबीआई पैकेज इन टर्म ऑफ एचीवमेंट इन एजुकेशनल साइकोलॉजी	शिक्षा मनोविज्ञान, शिक्षा में शोध
तक्षा शंभरकर	सहायक प्रोफ़ेसर*	13.02.2018	एम.एड.	इफेक्टिवनेश ऑफ सीएआई ऑफ केमेस्ट्री सब्जेक्ट ऑन मिडिल क्लास स्टूडेंट्स	एडवांस्ड स्टेटिक्स एंड एजुकेशनल टेक्नोलॉजी
प्रीती ज्ञानेश्वर खोडे	सहायक प्रोफ़ेसर*	19.02.2018	एम.पी.एड.		वॉलीबाल
कृष्णानंद दन्नाना	सहायक प्रोफ़ेसर*	15.02.2018	एम.एड.	आपस्तंभ गौतम बोधायन धर्मसूत्रों में शैक्षिक तत्व	हिंदी शिक्षण, संस्कृत शिक्षण, शिक्षा दर्शन, भाषा शिक्षण
शेष कुमार शर्मा	सहायक प्रोफ़ेसर*	27.02.2018	एम.एड.	ए कंप्यूटर लिटरेसी एंड एटीट्यूड टू वर्ल्ड आईसीटी टीचिंग एमांग टीचर्स एजुकेटर्स ए कोरिलेशनल स्टडी	शैक्षणिक व्यवस्थापन एवं प्रशासन, उच्च शिक्षण, पर्यावरण शिक्षण, विज्ञान शिक्षण

नोट : प्रो. अरबिंद कुमार झा धारणाधिकार पर हैं।
* अस्थाई

गतिविधियाँ

- (07–11 नवंबर, 2017). पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता, स्थल निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता के साथ ही शिक्षा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।
- (30 जनवरी–01फरवरी, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत 'शिक्षण एवं अधिगम का निर्माणवादी उपागम' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई।
- (12–15 फरवरी, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत 'एस.पी.एस.एस. के माध्यम से सामाजिक विज्ञान में अनुप्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- (23 फरवरी, 2018). 'भारतीय शिक्षा पद्धति' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- (21–28 फरवरी, 2018). 'एसपीएसएस के माध्यम से सामाजिक विज्ञान में अनुप्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- (21 फरवरी 2018). मातृभाषा दिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता और बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- बंगलौर, मैसूर तथा कन्याकुमारी शैक्षिक भ्रमण के लिए विद्यार्थियों को ले जाया गया।

शोध परियोजनाएँ

- 'रिविसिटिंग गांधीस आइडिया ऑफ नई तालीम फॉर एजुकेशन टुवर्ड्स सस्टेनेबल डेवेलपमेंट', मुख्य अन्वेषक– शिल्पी कुमारी, सह अन्वेषक– डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

ठाकुर, गोपाल कृष्ण

- (12–15 फरवरी, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत 'एस.पी.एस.एस. के माध्यम से सामाजिक विज्ञान में अनुप्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (30 जनवरी–01फरवरी, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत 'शिक्षण एवं अधिगम का निर्माणवादी उपागम" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (13–14 मार्च, 2018). शिक्षा विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल द्वारा 'एजुकेशन फॉर पीस, ह्यूमन राइट्स एंड टॉलरेंस' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन में 'इंडिकेटर्स ऑफ पीस सम डेलिबेरेशंस' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (05–06 जनवरी, 2018). शिक्षा विभाग, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, वडोदरा, गुजरात द्वारा 'स्ट्रक्चरल चेंज इन टीचर एजुकेशनल इश्यूज एंड कंसर्न्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्ट्रक्चरल इम्पेयरमेंट इन सिस्टमिक रिफॉर्म्स ऑफ टीचर एजुकेशन इन इंडिया' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (14 दिसंबर, 2017). मानव संसाधन विकास केंद्र, संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम में 'टीचिंग ऑफ वैल्यूज इन पेडागोजिक डिस्कोर्स' एवं 'इम्पार्टिंग वैल्यूज टू स्टूडेंट्स' शीर्षक पर व्याख्यान।

सिंह, शिरीष पाल

- (20–21 अप्रैल, 2017). शिक्षा विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ में प्री–पी.एच.डी. कोर्स वर्क में आठ व्याख्यान दिया।
- (29 मई, 2017). अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में दो व्याख्यान दिया।
- (13 जून, 2017). जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में 'शिक्षक प्रभावशीलता' पर दो व्याख्यान दिया।
- (1 जुलाई, 2017). संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।
- (4 अगस्त, 2017). डॉ बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय औरंगाबाद द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में 'साइटेशन इंडेक्सिंग' एवं 'इंपैक्ट फैक्टर' पर दो व्याख्यान दिया।
- (10–11 नवंबर, 2017). टैगोर शिक्षा महाविद्यालय, इंदौर द्वारा आयोजित 'संकाय संवर्धन कार्यक्रम' में 'शिक्षण कौशल एवं शोध प्रविधि' विषय पर व्याख्यान दिया।
- (7 दिसंबर, 2017). टैगोर शिक्षा महाविद्यालय, इंदौर में 'शोध प्रपत्र लेखन एवं प्रकाशन' पर कार्यशाला का आयोजन किया।
- (18 दिसंबर, 2017). संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में दो व्याख्यान दिया।
- (4 जनवरी, 2018). श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ (डीम्ड विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'परीक्षण निर्माण' विषय पर चार व्याख्यान दिया।
- (30 जनवरी–1 फरवरी, 2018). शिक्षा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'शिक्षण एवं अधिगम में निर्माणवादी उपागम' विषय पर आयोजित

राष्ट्रीय कार्यशाला में आयोजन सचिव के रूप में दायित्व का निर्वहन।

- (12–14 फरवरी, 2018). शिक्षा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'एस.पी.एस.एस. के प्रयोग द्वारा आँकड़ों का विश्लेषण' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में आयोजन सचिव के रूप में दायित्व का निर्वहन।
- (25 फरवरी, 2018). स्वामी सहजानंद सरस्वती बी.एड. कॉलेज, बोकारो द्वारा 'इनहान्सिंग पेडागोजिकल स्किल्स एमंग टीचर्स एंड टीचर एजुकेटर्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (7 मार्च, 2018). अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में दो व्याख्यान दिया।
- (06–07 मार्च, 2018). शिक्षा एवं मनोविज्ञान विभाग, महाराजा सयाजीराव बड़ौदा विश्वविद्यालय द्वारा'परफारमेंस असेसमेंट एजुकेशन टुवर्ड्स क्वालिटी एंड एक्सीलेंस' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इनोवेटिव टूल्स एंड टेक्निक्स फॉर परफॉर्मेंसमेन्ट' विषयक प्रपत्र प्रस्तुत किया।
- (13–14 मार्च, 2018). शिक्षा विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'करिकुलम फ्रेमवर्क फॉर पीस एजुकेशन' विषय पर व्याख्यान एवं आलेख प्रस्तुत किया।
- (15–16 मार्च, 2018). नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली द्वारा 'गवर्नमेंट रेगुलेशन एंड क्वालिटी एक्सपीरियंस इन टीचर एजुकेशन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।

मिश्र, ऋषभ कुमार

- (3–5 अक्टूबर, 2017). राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 'गांधी के विचारों का नीतिगत परिप्रेक्ष्य' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठीं में 'गांधियन व्यूह अ ग्लिम्पस फ्रॉम आनंद निकेतन स्कूल' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत।
- (15–16 मार्च, 2018). दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली द्वारा 'शिक्षा में पहचान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आनंद निकेतन विद्यालय में बड़े होने के अनुभव' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत।
- (27–28 मार्च, 2018). एन.सी.ई.आर.टी., दिल्ली द्वारा 'सरकारी विद्यालयों की ब्रांडिंग' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'विद्यालयेतर विमर्श और अभिभावक' विषयक व्याख्यान दिया।

शर्मा, सारिका राय

- (07–11 अगस्त, 2017). एन.सी.ई.आर.टी., दिल्ली द्वारा 'कम्युनिटी पार्टीसिपेशन एंड सोशल मोबलाइजेशन अंडर आरटीई एक्ट 2009 : एन अवेयरनेस कम ट्रेनिंग प्रोग्राम विदिन द रिवाइस्ड फ्रेमवर्क ऑफ एसएसएबी' विषय पर आयोजित कार्यशाला में वक्तव्य।
- (04–06 अक्टूबर, 2017). एन.सी.ई.आर.टी., दिल्ली द्वारा 'कम्युनिटी पार्टीसिपेशन एंड सोशल मोबलाइजेशन अंडर आरटीई एक्ट 2009 : एन अवेयरनेस कम ट्रेनिंग प्रोग्राम विदिन द रिवाइस्ड फ्रेमवर्क ऑफ एसएसएबी' पर आयोजित कार्यशाला में वक्तव्य।
- (12–15 फरवरी, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत 'एस.पी.एस.एस. के माध्यम से सामाजिक विज्ञान में अनुप्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में संयोजक।

कुमारी, शिल्पी

- (14–15 अक्टूबर, 2017). ऑल इंडिया एसोसिएशन फॉर एजुकेशनल रिसर्च एवं इंटरनेशनल फोरम फॉर रिसर्च इन एजुकेशन द्वारा एक्सीलेंस इन लीडरशिप टुवर्ड्स एजुकेशन प्रोग्राम इन झारखंड विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'परव्यू ऑफ प्री सर्विस सेकेंडरी टीचर एजुकेशन डेवलपमेंट इन झारखंड' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (06–08 फरवरी, 2018). स्कूल ऑफ एजुकेशन (आई.ए.एस.ई.), देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय, इंदौर द्वारा द्वारा 'फिलोसोफी ऑफ एजुकेशन' विषय पर आयोजित अध्यापक के लिए राज्य स्तरीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम में 'फिलॉस्फिकल एसंपसन ऑफ एजुकेशन' और 'थ्योरी बिल्डिंग' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत।
- (30 जनवरी–01फरवरी, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत 'शिक्षण एवं अधिगम का निर्माणवादी उपागम" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में समन्वयन तथा सहभागिता।
- (12–15 फरवरी, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गां.अं.हि.वि., वर्धा द्वारा एस.पी.एस.एस. के माध्यम से सामजिक विज्ञान में अनुप्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (23 फरवरी, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गां.अं.हि.वि., वर्धा द्वारा 'भारतीय शिक्षा पद्धति' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिचर्चा में सहभागिता।
- (21–28 मार्च, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गां.अं.हि.वि., वर्धा द्वारा 'एस.पी.एस.एस. के माध्यम से सामजिक विज्ञान में अनुप्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।

नामदेव, आर. पुष्पा

- (09–10 जून, 2017). एआईएसईसीटी, भोपाल द्वारा 'शोध प्रविधि' कार्यशाला में सहभागिता।
- (18–20 जनवरी, 2018). क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, एनसीईआरटी, भोपाल में 'इनोवेटिव प्रैक्टिसेज इन टीचर एजुकेशन : थ्योरी एंड रिसर्च' विषय पर अयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कल्चर स्पेसिफिक पेडागॉगी : इट्स रोल इन कन्स्टेक्चुएलाइज्ड लर्निंग' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (30 जनवरी–01फरवरी, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत 'शिक्षण एवं अधिगम का निर्माणवादी उपागम" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।

शंभरकर, धर्मेंद्र नारायणराव

- (30 जनवरी–01फरवरी, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत 'शिक्षण एवं अधिगम का निर्माणवादी उपागम" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (12–15 फरवरी, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत 'एस.पी.एस.एस. के माध्यम से सामाजिक विज्ञान में अनुप्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (23 फरवरी, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गां.अं.हि.वि., वर्धा द्वारा 'भारतीय शिक्षा पद्धति' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिचर्चा में सहभागिता।

बाजपेयी, सुहासिनी

- (18–24 अगस्त, 2017). मानव संसाधन विकास केंद्र, मुंबई विश्वविद्यालय 'स्टैटिक्सकल मैथड्स इन सोशल साइंस विथ आर' विषय पर आयोजित कार्यशाला में सहभागिता।
- (15–16 नवंबर, 2017). शिक्षा संकाय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा 'ह्यूमन रिफ्लेक्टिव टीचर' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रिफ्लेक्टिव पेडागॉगी : ए कन्टेमप्लेटिव एप्रोच फॉर सस्टेनिंग कॉगनेटिव एफेक्टिव कंटीनम' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (30 जनवरी–01फरवरी, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत 'शिक्षण एवं अधिगम का निर्माणवादी उपागम" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (12–15 फरवरी, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत 'एस.पी.एस.एस. के माध्यम से सामाजिक विज्ञान में अनुप्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (24 फरवरी, 2018). दयानंद पी.जी. कॉलेज, रायबरेली द्वारा 'मॉडेलिटीज एंड इंट्रीज ऑफ डाटा एनालिसिस इन एजुकेशनल रिसर्च' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में व्याख्यान।

पांडेय, आर.पी.

- (30 जनवरी–01फरवरी, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत 'शिक्षण एवं अधिगम का निर्माणवादी उपागम" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (12–15 फरवरी, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत 'एस.पी.एस.एस. के माध्यम से सामाजिक विज्ञान में अनुप्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (23 फरवरी, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गां.अं.हि.वि., वर्धा द्वारा 'भारतीय शिक्षा पद्धति' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिचर्चा में सहभागिता।

यादव, रामानंद

- (30 जनवरी–01 फरवरी, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत 'शिक्षण एवं अधिगम का निर्माणवादी उपागम" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।

प्रकाशन

ठाकुर, गोपाल कृष्ण

- (दिसंबर, 2017). 'भारत में आदिवासियों की शैक्षिक स्थिति एवं शिक्षक की भूमिका', स्कॉलरली रिसर्च जर्नल फॉर ह्यूमैनिटी साइंस एंड इंग्लिश लैंग्वेज, 4 (24), 6538–6543.
- (नवंबर, 2017). 'इनोवेशंस एंड इंटरवेंशंस ऑफ ए टीचर डेवलपमेंट प्रोग्राम', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड एजुकेशनल रिसर्च, 2(6). 48–50.
- (नवंबर, 2017). 'पर्सेप्चुअल कन्वेंशन एंड इफेक्टिवनेस ऑफ टैलेंट मैनेजमेंट इन हायर एजुकेशन इंस्टीच्यूशंस', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अकेडमिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 2 (6), 157–159.

- (अक्टूबर, 2017). 'प्राइवेट यूनिवर्सिटीज एंड नॉलेज मैनेजमेंट स्ट्रेटेजीज', स्कॉलरली रिसर्च जर्नल फॉर इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज, 4 (36), 6698–6709.
- (अक्टूबर, 2017). 'ट्राजेक्टरी एंड इम्पेडीमेंट्स ऑफ स्कूल एजुकेशन इन इंडिया', ई पी आर ए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकनोमिक एंड बिजनस रिव्यू, 5 (10), 67–70.
- (अक्टूबर, 2017). 'कैदी महिलाओं के बच्चों की शैक्षिक स्थिति का अध्ययन', स्कॉलरली रिसर्च जर्नल फॉर इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज, 4 (36), 6742–6753.
- (जुलाई, 2017). 'वैज्ञानिक ज्ञान की विकास यात्रा एवं इसके निहितार्थ', स्कॉलरली रिसर्च जर्नल फॉर ह्यूमैनिटी साइंस एंड इंग्लिश लैंग्वेज, 4 (22), 5712–5722.
- (जुलाई, 2017). 'ह्यूमन रिसोर्स अप्रैजल इन सेल्फ फाइनेंस्ड एजुकेशनल इंस्टीच्यूशंस', एशियन जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज, 5 (7), 98–102.

सिंह, शिरीष पाल

- (मार्च–अप्रैल, 2017). 'एन अंडरस्टैंडिंग ऑफ द राइट ऑफ चिल्ड्रेन टू फ्री एंड कंपल्सरी एजुकेशन एक्ट 2009', स्कॉलरली रिसर्च जर्नल फॉर इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज, 4 (30), 5048–5057.
- (अप्रैल–मई, 2017). 'पैराडाइम शिफ्ट फ्रॉम बिहैवियरिज्म टू कंस्ट्रक्टिविज्म', स्कॉलरली रिसर्च जर्नल फॉर ह्युमिनिटी साइंस एंड इंग्लिश लैंग्वेज, 4 (21), 5234–5245.
- (अप्रैल–मई, 2017). 'शिक्षक सशक्तिकरण एवं शिक्षा में गुणवत्ता सुधार', इलेक्ट्रॉनिक इंटरनेशनल इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल, 5, 12–15.
- (अप्रैल–मई, 2017). 'राष्ट्रीय मूल्य तथा मानवाधिकार प्रत्यक्षण मापनी', आर्हत मल्टीडिसिप्लिनरी इंटरनेशनल एजुकेशनल रिसर्च जर्नल, 1426.
- (मई–जून, 2017). 'राष्ट्रीय मूल्य एवं मानवाधिकार अभिवृत्ति मापनी', स्कॉलर्ली रिसर्च जर्नल फॉर इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज, 4 (31), 5710–5719.
- (मई–जून, 2017). 'मदरसा शिक्षा का प्रगतिशील विकास समस्याएँ एवं समृद्धि हेतु सुझाव', स्कॉलरली रिसर्च जर्नल फॉर इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज, 4 (31), 5770–5783.
- (जुलाई, 2017). 'न्यू ट्रेंड्स एंड इनोवेशन इन हायर एजुकेशन', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च, 7 (7), 13909–13912.
- (अगस्त, 2017). 'बाल अधिकारों के प्रति अध्यापकों की अभिवृत्ति', रिसर्च डायरेक्शन, 5 (2), 1–8.

मिश्र, ऋषभ कुमार

- (अक्टूबर, 2017). 'विद्यालयेतर विमर्श और अभिभावक', भारतीय आधुनिक शिक्षा, 37, 17–23, नई दिल्ली : एन.सी.ई.आर.टी.।
- (जनवरी, 2018). 'नयी तालीम के केंद्र आनंद निकेतन का अवलोकन', भारतीय आधुनिक शिक्षा, 38, 12–17, नई दिल्ली : एन.सी.ई.आर.टी।

कुमारी, शिल्पी

- (दिसंबर, 2017). 'इवैल्यूएशन ऑफ ई–रिसोर्सेज फॉर इट्स औथेंटीसिटी', एजुकेशनल क्वेस्ट, 8 (3), 1–6, नई दिल्ली : न्यू देल्ही पब्लिशर्स।

यादव, रामानंद और यादव, समरजीत

- (जनवरी–मार्च, 2018). 'औपचारिक शिक्षा के बोझ से छीनता बचपन', प्रेमचंद पथ, 2, 49–54 वाराणसी : लमही।

नामदेव, आर. पुष्पा

- (जनवरी–मार्च, 2018). 'स्टडी ऑफ सेल्फ कंसेप्ट ऑफ 8 क्लास स्टूडेंट्स इन रिलेशन टू दि लोकेल ऑफ दि स्कूल', एड्रोएटिक, 230–233, नई दिल्ली।
- (अप्रैल–जून, 2018). 'एजुकेशनल एस्पाइरेशन ऑफ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय स्टूडेंट्स इन रिलेशन टू देयर एजुकेशलन अपॉच्युनिटीज', विद्यावार्ता, 45–49, बीड (महाराष्ट्र)।

मिश्रा, आर.के., यादव, एस.जे. और भांभरकर, डी.एन.

• (2017). 'पोस्टर्स फ्रॉम पोएट्री : इंगेजिंग विथ प्री–सर्विस टीचर्स', टीचर प्लस, 15 (7)

बाजपेयी, सुहासिनी

• (2017). 'फोस्टेरिंग क्रिएटिव लर्निंग इकोलॉजी : एन इनोवेटिव पेडागॉजीकल एप्रोच', शोध प्रेरक, 7 (2), 410–414.

• (2017). 'रिफ्लेक्टिव पेडागॉगी : ए कन्टेमप्लेटिव एप्रोच फॉर सस्टेनिंग कॉगनेटिव एफेक्टिव कंटीनम', ह्यूमन रिफ्लेक्टिव टीचर, 107–111.

यादव, रामानंद

• (जनवरी–मार्च, 2018). 'औपचारिक शिक्षा के बोझ से छीनता बचपन', प्रेमचंद पथ, 2, 49–54, वाराणसी : लमही।

उपलब्धियाँ

• पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत 'शिक्षा विद्यापीठ' के लिए विशेष अनुदान (2017)

• भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा शिक्षा विद्यापीठ को कुलपतियों, प्रति कुलपतियों, संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, वित्त अधिकारी एवं अन्य शैक्षिक नेतृत्व युक्त पदों आदि पर आसीन व्यक्तियों के लिए अकादमिक नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यशाला के आयोजक के रूप में शिक्षा विद्यापीठ का चयन।

7.2 मनोविज्ञान विभाग

पूज्य गांधीजी के सपनों के अनुरूप सामान्य भारतीय जन के लिए मनोविज्ञान का विकास, विद्यार्थियों को मनोविज्ञान का उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षण उपलब्ध कराना, समकालीन रोजगार की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों की कुशलता जैसे विश्लेषणात्मक क्षमता, सृजनात्मकता, जिज्ञासा, भावनात्मक प्रबंधन, चरित्र एवं मूल्यों का संवर्धन करना, शोध की दृष्टि से अछूते तबकों जैसे कि किसान, मजदूर, दलित, पीड़ित, वंचित तथा ग्रामीणजन से जुड़े मुद्दों, भारतीय मनोवैज्ञानिक परंपरा, मूल्य, योग, स्वास्थ्य और चरित्र विकास से संबंधित परंपरागत ज्ञान पर उच्च मानक आधारित शोध कार्य करना, मनोवैज्ञानिक विमर्श को सुदृढ़ बनाने के लिए अन्य विषयों के विद्वानों से ज्ञान को साझा करना, उच्च प्रभावयुक्त राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में शोध कार्य का प्रकाशन करना और आस–पास के परिवेश को उपयुक्त मनोवैज्ञानिक परामर्श एवं सेवा उपलब्ध कराना।

पाठ्यक्रम : • मनोविज्ञान में बी.ए. (ऑनर्स), एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. • परामर्श एवं निर्देशन, योग एवं स्वास्थ्य अध्ययन में डिप्लोमा।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
अमित कुमार त्रिपाठी	सहायक प्राफेसर*	07.08.2014	पीएच.डी. मनोविज्ञान	रोल ऑफ फेमिली इन दि डेवलपमेंट ऑफ वैल्यूज	सामाजिक मनोविज्ञान, सांख्यिकी तथा अनुसंधान विधियाँ
कौशल किशोर	सहायक प्राफेसर*	08.08.2017	एम.ए.	––	अनुभूति मनोविज्ञान और नैदानिक मनोविज्ञान
अरुण प्रताप सिंह	सहायक प्रोफेसर*	05.02.2018	पीएच.डी.	अंडरस्टेंडिंग एण्ड इन्हेंसिंग हेल्थ एण्ड वेल–बीइंग एमांग एडोलसेंट्स	स्वास्थ्य मनोविज्ञान

(* अस्थाई)

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

त्रिपाठी, अमित कुमार

- (30 जनवरी–1 फरवरी, 2017). मनोविज्ञान विभाग, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा 'चेजिंग पर्सपेक्टिव ऑन दि रिलेशनशिप बिटवीन इंडीविजुअल्स एंड सोसाइटी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जेनेरेशनल गैप एंड फैमिली वैल्यूज : ए स्टडी ऑफ टू इंडियन सिटी' विषयक शोध आलेख प्रस्तुत।
- (11 फरवरी, 2018). संस्कृत भारती एवं संस्कृत विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'संस्कृत की प्रासंगिकता एवं संभावनाएँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।
- (12–15 फरवरी, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत 'एस.पी.एस.एस. के माध्यम से सामाजिक विज्ञान में अनुप्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।

सिंह, अरुण प्रताप

- (16 मार्च, 2018). अमिटी यूनिवरसिटी, म.प्र. द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 'पॉजीटिव साइकोलॉजी : रिसेंट ट्रेंड्स एंड फ्यूचर इम्प्लीकेशंस' विषय पर व्याख्यान तथा अध्यक्षता।

प्रकाशन

त्रिपाठी, अमित कुमार

- (2017). 'अकादमिक प्रदर्शन के प्रति अभिभावकों एवं अध्यापकों का दृष्टिकोण', भारतीय आधुनिक शिक्षा, 37 (3), 14–23, नई दिल्ली : एनसीईआरटी।
- (2017). 'जेनेरेशनल गैप एंड फैमिली वैल्यूज : ए स्टडी ऑफ गोरखपुर एंड भोपाल सिटी', स्कॉलरली रिसर्च जर्नल फॉर इंटरडिसीप्लिनरी स्टडीज, 4 (35), 6537–6546.
- (2017). 'मलिन एवं गैर प्रत्यक्षण–मलिन बस्ती की किशोरियों का आत्म', रिसर्च डायमेंशन्स, 3 (6), 01–08.
- (2017). 'महिलाओं में मानसिक स्वास्थ्य एवं कुशलक्षेम का अध्ययन', रिसर्च डायरेक्शन, 5 (3), 01–06.
- (2017). 'सामान्य व्यक्ति के जीवन में दिनचर्या धर्म से संबंध एवं गहरी चिंतन की प्रक्रिया में आध्यात्मिकता की भूमिका', स्कॉलरली रिसर्च जर्नल फॉर ह्यूमेनिटी साइंस एंड इंग्लिश लैंग्वेज, 4 (23), 2348–3083.

उपलब्धियाँ

- द्विवार्षिक और द्विभाषी पीयर रिव्यूड जर्नल 'इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइंस एंड ऑर्गेनाइजेशनल बिहेवियर' (आईजेएसएसओबी) (पंजी. सं. 49344), यूजीसी द्वारा अनुमोदित। आईएसएसएन (प्रिंट) 2278–568 एक्स।

7. प्रबंधन विद्यापीठ

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का प्रबंधन विद्यापीठ जीवन के सूक्ष्म व व्यापक स्तर पर सुधार लाने के लिए गहन, समग्र एवं सुव्यवस्थित अध्ययन और शैक्षिक क्रियाकलापों के माध्यम से सकारात्मक हस्तक्षेप करने हेतु समर्पित छात्रों, शोधार्थियों व अध्यापकों का विशिष्ट रूप से सहयोगात्मक एवं प्रगतिशील समुदाय है। प्रबंधन विद्यापीठ सहयोगात्मक संवाद, क्रियाकलाप एवं विचार–विमर्श के माध्यम से ज्ञान के शोध–आधारित, विश्लेषणात्मक एवं रचनात्मक निर्माण हेतु सुविधा प्रदान करने के लिए सतत् प्रयत्नशील है। इस प्रयत्न की अंतर्निहित धारणा यह है कि प्रबंधन की शिक्षा मनुष्य के व्यावसायिक क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाओं को जन्म देती है। विश्वविद्यालय ने सत्र 2015–18 में प्रबधन पाठ्यक्रम को हिंदी भाषा में शुरू किया गया है और इसके साथ ही हिंदी में प्रबंधन पाठ्यक्रम को शुरू करने वाला दूसरा विश्वविद्यालय बन गया है।

7.1 प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग

विश्व पटल पर भारत एक सशक्त अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी पहचान बनाते हुए विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक भूमिका भी निभा रहा है। पूरे विश्व के व्यासायिकों की नजर इस उभरते हुए बाजार में है जहाँ व्यापार की असीम संभावनाएँ व्याप्त हैं। इसका प्रमुख कारण यह है कि हिंदी बोलने व समझने वालों की संख्या अंग्रेजी भाषियों की संख्या से अधिक है, जो मध्यम वर्ग के विशाल क्षेत्र को अपने में समेटे हुए है, इस मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति कुछ वर्षों में बढ़ी है। आज अपने माल के प्रचार–प्रसार, पैकिंग, गुणवत्ता आदि के लिए हिंदी को अपनाना बहुराष्ट्रीय कंपनियों की आवश्यकता है। उनकी यही विवशता आज हिंदी की शक्ति बन गई है। भारत सबसे बड़ी युवा शक्ति वाला देश है जो संपूर्ण विश्व की व्यापारिक गतिविधियों के संदर्भ में आधारस्तंभ की भूमिका निभा रहा है। भारत की राजभाषा तो हिंदी है ही साथ ही बहुत बडी आबादी के प्रतिदिन व्यवहार की भाषा भी है तथा ऐसे समूचे समाज की गतिविधियाँ इसी भाषा में होती है। प्रायः देखा जाता है कि कंपनियों मे काम करने वाले प्रबंधक अधिकांशतः हिंदी भाषा में सहज नहीं होते हैं क्योंकि इनकी उच्च शिक्षा अंग्रेजी भाषा के माध्यम से होती है। जमीनी स्तर के प्रबंधक तथा गैर–प्रबंधकीय कर्मचारी प्रायः हिंदी भाषी होते हैं। भाषा के अंतर की वजह से प्रबंधक अपने जमीनी स्तर के प्रबंधकों तथा कर्मचारियों एवं सामान्य उपभोक्ताओं से अच्छी तरह जुड़ नहीं पाते। इस विश्वविद्यालय ने एम.बी.ए. का पाठ्यक्रम हिंदी माध्यम से शुरू कर हिंदी भाषी विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर प्रदान किया है तथा नवीन संभावनाओं के द्वार खोले हैं।

पाठ्यक्रम : एम.बी.ए.।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
मनोज कुमार चौधरी	सहायक प्रोफेसर*	01.08.2017	एम.बी.ए.	...	विपणन
अनुभव नाथ त्रिपाठी	सहायक प्रोफेसर*	01.08.2017	एम.बी.ए. (एम.फिल. मनोविज्ञान)	इम्पैक्ट ऑफ प्राइस, ब्रैं ड इमेज एंड स्टोर्स रेपुटेशन ऑन बॉयर्स परसेप्सन अबाउट प्रोडक्ट क्वालिटीः ए स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू गोरखपुर सिटी	विपणन

(* अस्थाई)

गतिविधियाँ

- (04 सितंबर, 2017). दिशा बोध कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- (08 फरवरी, 2018). एमबीए के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण सुपर औद्योगिक विद्युत निर्माण केंद्र, चंद्रपुर में कराया गया।

व्याख्यान

- डॉ. पी.के. मिश्रा (बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल) : 05 सितंबर, 2017
- डॉ. रचना दुबे (आर्या महिला परास्नातक महाविद्यालय, वाराणसी) : 'मानव संसाधन प्रबंधन', 03 नवंबर, 2017
- प्रो. रेखा सिंघल (आईआईएफएम, भोपाल) : 'पारस्परिक कौशल', 25 जनवरी, 2018

प्रकाशन

त्रिपाठी, अनुभव नाथ

- (जुलाई, 2017). 'ब्रांड इनफ्लुएंस ऑन बायर्स परसिव्ड प्रोडक्ट क्वालिटी', कॉमर्स एंड बिजनेस स्टडी, 10 (20)
- (मार्च, 2018). 'ए कन्टेम्पोरेरी व्यू ऑफ दि इकोनॉमिक ग्रोथ इन चाइना', इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड डेवलपमेंट, 6 (3)

क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद

विश्वविद्यालय द्वारा अकादमिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए कार्य–परिषद की चौतीसवीं बैठक (6 नवंबर, 2008) में इलाहाबाद केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिसका अनुमोदन प्रस्ताव के मद संख्या 16 में किया गया है। इसके अंतर्गत देश में 5 क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया, जिसके अनुपालन में सर्वप्रथम दिल्ली एवं इलाहाबाद में विस्तार केंद्र खोले गए। 09 मई, 2009 को विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति श्री विभूति नारायण राय की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति श्री नागेश्वर राव की उपस्थिति में इलाहाबाद केंद्र का उद्घाटन हुआ। केंद्र में स्थापना काल से ही अकादमिक गतिविधियों के साथ–साथ साहित्यिक गतिविधियों ने जोर पकड़ना शुरू कर दिया। केंद्र ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आयोजन, संगोष्ठी एवं ज्वलंत सामाजिक मुद्दों पर चर्चा–परिचर्चा के माध्यम से इलाहाबाद एवं देश के अन्य शहरों तथा देश के बाहर के साहित्यकारों, साहित्य प्रेमियों एवं युवा रचनाकारों को विश्वविद्यालय के साथ जोड़ने का सार्थक प्रयास किया। मार्च, 2011 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा इलाहाबाद केंद्र को मान्यता दी गई। इस केंद्र में सत्र 2011–12 से नियमित पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। वर्तमान कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र के मार्गदर्शन में यहाँ एम.ए., एम.एस.डब्ल्यू., एम.फिल., पीएच.डी. एवं विभिन्न पी.जी. डिप्लोमा एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के कुल 12 पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। क्षेत्रीय केंद्र हेतु उ.प्र. आवास विकास परिषद द्वारा झूंसी में 2255.74 वर्ग मीटर का भूखण्ड का 2012 में आवंटन किया गया और यहाँ चाहारदीवारी एवं मुख्य प्रवेश द्वार का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। इस केंद्र के उद्देश्यों में, हिंदी भाषा के माध्यम से उच्च शिक्षा को व्यापक जनसमुदाय को उपलब्ध कराना, वंचित समूहों– विशेष तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों एवं स्त्रियों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता प्रदान करना, सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों के विकास की जरूरतों हेतु सभी पाठ्यक्रमों को समयबद्ध करना, ज्ञान के सभी क्षेत्रों– विशेषतः तकनीक, दूर शिक्षा एवं हिंदी माध्यम से अध्ययन एवं शोध का अवसर प्रदान करना, नियमित एवं दूर शिक्षा के माध्यम से ऐसी शिक्षा उपलब्ध कराना जिससे योग्य युवक/युवतियाँ निरंतर परिवर्तनशील तकनीकी जगत में अपनी योग्यता बनाए रख सकें, शिक्षा की अभिनव, लचीली एवं मुक्त व्यवस्थाओं को दूर शिक्षा प्रविधि एवं आधुनिक तकनीक के जरिए उपलब्ध कराना शामिल है।

पाठ्यक्रम : • हिंदी साहित्य में एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. • परफॉर्मिंग आर्ट (फिल्म एंड थियेटर) में एम.फिल., पीएच.डी. • एम.एस.डब्ल्यू. • उर्दू में एम.ए. • अनुवाद, अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान, स्त्री अध्ययन, परफॉर्मिंग आर्ट (फिल्म एंड थियेटर) में पी.जी.डिप्लोमा • उर्दू में डिप्लोमा।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
संतोष भदौरिया	प्रोफेसर/प्रभारी	15.06.2010	पीएच.डी.	स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी की प्रतिबंधित पत्रिकाएं	आधुनिक हिंदी काव्य और पत्रकारिता
विधु खरे दास	सहायक प्रोफेसर	12.03.2012	पीएच.डी. थियेटर	स्टडी ऑफ फॉर्म एण्ड कंटेंट ऑफ मेजर पोस्ट इंडिपेडेन्ट हिंदी प्ले राइट्स विथ स्पेशल रेफरेंस टू मॉडर्न वेस्टर्न ड्रामा थ्योरीज	रंगमंच एवं सिनेमा
सालेहा ज़रीन	अंशकालिक शिक्षक	04.08.2017	पीएच.डी.	सोशल एंड पॉलीटिकल प्रोब्लेम ऑफ उर्दू नावेल अपटू 1947	
अनुपमा राय	अंशकालिक शिक्षक	04.08.2017	पीएच.डी.	मानव संसाधन एवं श्रम कल्याण	
सपना सिंह	अंशकालिक शिक्षक	04.08.2017	पीएच.डी.	अन्नपूर्णानंद के साहित्य–संसार का समीक्षात्मक अध्ययन	
सूर्या ई.वी.	अंशकालिक शिक्षक	04.08.2017	पीएच.डी.	बीसवी सदी के अंतिम दशक की हिंदी और मलयालम कहानियों में स्त्री विमर्श	
आशुतोष श्रीवास्तीव	अंशकालिक शिक्षक	04.08.2017		कंप्यूटर	
कमलेश कुमार यादव	अंशकालिक शिक्षक	04.08.2017	पीएच.डी.	भोजपुरी लोकगीतों का सौंदर्य–बोध	
गुरपिन्दर कुमार	अंशकालिक शिक्षक	04.08.2017	पीएच.डी.	स्त्री विमर्श	
ऋचा द्विवेदी	अंशकालिक शिक्षक	30.10.2017	पीएच.डी.		

गतिविधियाँ

- (03 अप्रैल, 2017). 'हिंदी रंगमंच दिवस' के उपलक्ष्य में परफार्मिंग आर्ट और हिंदी साहित्य के विद्यार्थियों ने काव्य नाटक 'अंधा युग', शिक्षिका सुश्री अनीता गुप्ता के मार्गदर्शन में मंचन किया।
- (14 सितंबर, 2017). हिंदी दिवस के अवसर पर 'हिंदी भाषा का वर्तमान' विषय पर विशेष वक्तव्य एवं वरिष्ठ कवि श्री हरीश्चंद्र पांडेय का रचना पाठ का आयोजन किया गया।
- (05 अक्टूबर, 2017). पाठ्यचर्या आधारित फिल्म 'उसने कहा था' का प्रदर्शन किया गया।
- (09 अक्टूबर, 2017). पाठ्यचर्या आधारित फिल्म 'कफ़न' का प्रदर्शन किया गया।
- (11 अक्टूबर, 2017). पाठ्यचर्या आधारित फिल्म 'टोबा टेक सिंह' का प्रदर्शन किया गया।
- (13 अक्टूबर, 2017). पाठ्यचर्या आधारित फिल्म 'दीक्षा (संस्कार)' का प्रदर्शन किया गया।
- (10 नवंबर, 2017). 'व्याख्यान एवं पुस्तक चर्चा' कार्यक्रम के अंतर्गत 'भक्त कवियों का स्वप्न लोक' विषय पर हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. गोपेश्वर सिंह ने व्याख्यान दिया।
- (08 जनवरी, 2018). 20वें स्थापना दिवस के अवसर पर 'शिक्षा के परिसर : स्वायत्तता का सवाल' विषय पर व्याख्यान, लेखक से मिलिए, तस्वीरों एवं शब्दों के आईने में विश्वविद्यालय शीर्षक से प्रदर्शनी एवं नाट्य प्रस्तुति आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- (12–16 फरवरी, 2018). केंद्र में अध्ययनरत विद्यार्थियों हेतु संवाद कार्यक्रम के तहत विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें तात्कालिक भाषण, स्वरचित काव्य पाठ, निबंध लेखन, पोस्टर निर्माण, वाद–विवाद एवं एकल अभिनय का आयोजन किया गया।
- (08 मार्च, 2018). महिला दिवस के उपलक्ष्य में 'ग्लोबल होती दुनिया में स्त्री' विषय पर पोस्टर निर्माण एवं 'समय, समाज और स्त्री' विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया।
- (23 मार्च, 2018). भगत सिंह के शहादत दिवस के अवसर पर 'भगत सिंह के सपनों का भारत' विषय पर पोस्टर निर्माण, 'आजादी का संघर्ष और युवा' विषय पर परिचर्चा तथा 'लीजेंड ऑफ भगत सिंह' फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

व्याख्यान

- विजय बहादुर सिंह : 'समाज, साहित्य और आज का समय', 30 सितंबर, 2017
- श्री विभा रानी (कथाकार एवं नाटककार) : 'मैथिली : साहित्य, कला और संस्कृति', 19 जनवरी, 2018
- श्री रामशरण जोशी : 'समय, समाज और मीडिया', 21 मार्च, 2018

देविका रानी फिल्म परिसर

क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद में अध्ययनरत विद्यार्थी / शोधकर्ताओं (सत्र 2017–18) के लिए कक्षाओं में आधुनिक तकनीकी का प्रयोग, अध्यापन हेतु दृश्य–श्रव्य द्वारा कक्षाओं का आयोजन 05 से 13 अक्टूबर 2017 के दौरान देविका रानी फिल्म परिसर में किया गया। इस परिसर में एफटीआई, पूना, नेशनल फिल्म आर्काइव, पूना और फिल्म प्रभाग, मुंबई के सहयोग से फिल्में प्राप्त कर फिल्म महोत्सव का आयोजन किया गया।देविका रानी फिल्म परिसर द्वारा केंद्र में अध्ययनरत विद्यार्थियों को फिल्में (1. हरिश्चन्द्राची फैक्टरी, 2. उसने कहा था, 3. तीसरी कसम, 4. तमस, 5. शतरंज के खिलाड़ी, 6. पाथेर पांचाली, 7. अर्द्धसत्य, 8. लूमियर ब्रदर्स, 9. ए ट्रिप द मून, 10. फायर (1901), 11. द ग्रेट ट्रेन रॉबिरी (1903), 12. दादा साहेब फाल्के के बारे में (ऑडियो) के माध्यम से अध्यापन कार्य किया गया।

पुस्तकालय एवं वाचनालय

केंद्र में स्थापित पुस्तकालय में संचालित पाठ्यक्रमों के अनुरूप विद्यार्थियों के लिए पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई।
पुस्तकालय को ऑनलाइन करने की प्रक्रिया जारी है।

प्रकाशन

भदौरिया, संतोष

- (2017). 'अंग्रेजी राज, अभिव्यक्ति और बुंदेलखंड का पत्रकारिता', इलाहाबाद : साहित्य भंडार।
- (2017). 'हिंदी की लंबी कविता का कद', इलाहाबाद : साहित्य भंडार।

उपलब्धियाँ

उर्दू भाषा में डिप्लोमा के छात्र श्री जितेंद्र पांडेय ने ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद द्वारा आयोजित एसा ऑल इंडिया (एप्टीट्यूड टेस्ट) में 12वां स्थान प्राप्त किया।

क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कोलकाता की स्थापना के लिए 2011–12 के आम बजट में तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री श्री प्रणव मुखर्जी ने दस करोड़ रुपए आबंटित किए थे। उसी आलोक में कोलकाता केंद्र की स्थापना 02 मई, 2011 को हुई किंतु विधिवत कामकाज की शुरुआत 01 जुलाई, 2011 को भवन उपलब्धता के पश्चात हो पाई। आरंभिक अवधि में कोलकाता के समाज में इस केंद्र की उपस्थिति दर्ज कराने के लिए बांग्ला लेखकों व संस्कृतिकर्मियों के साथ संवाद श्रृंखला आरंभ की गई। कोलकाता केंद्र में आरंभिक सुविधाओं को देखते हुए 2013–14 से वेब पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा का नियमित पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया। 2014–15 से तीन और नियमित पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए। नए पाठ्यक्रमों को देखते हुए वह जगह छोटी पड़ने लगी तो 01 अक्टूबर, 2014 से ईजेडसीसी (इस्टर्न जोनल कल्चरल सेंटर), साल्ट लेक, सेक्टर 3 में उसे स्थानांतरित किया गया।

पाठ्यक्रम : • एम.ए. हिंदी, • एम.फिल. हिंदी, • एम.ए. जनसंचार, • पीएच.डी. जनसंचार।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
कृपाशंकर चौबे	प्रोफेसर	16.7.2009	पीएच.डी.	समकालीन हिंदी पत्रकारिता : परिवर्तन और प्रवृत्तियाँ	पत्रकारिता, पूर्वोत्तर भारत तथा सार्क देशों का साहित्य, कला व संस्कृति
सुनील कुमार	सहायक प्रोफेसर	21.07.2009	पीएच.डी.	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यासों में बाल मनोविज्ञान	अस्मितावादी साहित्य चिंतन, मनोविज्ञान, कथा साहित्य, नाटक, बाल साहित्य,

गतिविधियाँ

संगोष्ठी / कार्यशाला

- (08 जनवरी, 2018). विश्वविद्यालय के 20वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में साहित्यकार प्रो. चंद्रकला पांडेय, पश्चिम बंगाल के अवर पुलिस महानिदेशक मृत्युंजय कुमार सिंह, ओड़िया–हिंदी भाषा सेतु बंधन के लिए विश्वभारती, शांतिनिकेतन के प्रोफेसर डॉ. रवींद्रनाथ मिश्र और केंद्र के प्रभारी प्रो. कृपाशंकर चौबे ने व्याख्यान दिए।
- (12 फरवरी, 2018). 'साहित्य और पत्रकारिता के अंतर्संबंध' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सुप्रसिद्ध पत्रकार राम बहादुर राय, वरिष्ठ पत्रकार अच्युतानंद मिश्र, पत्रकार डॉ. सच्चिदानंद जोशी, साहित्य समालोचक अवधेश प्रधान और माधवराव सप्रे संग्रहालय के विजय दत्त श्रीधर, कवि–कथाकार उदयन बाजपेयी, डॉ. धीरेंद्र राय, केंद्र के प्रभारी प्रो. कृपाशंकर चौबे, डॉ. सुनील कुमार आदि ने पत्रकारिता के विविध पक्षों पर प्रकाश डाला।
- (17 फरवरी, 2018). हिंदी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- (23 फरवरी, 2018). 'विश्व मातृभाषा दिवस' के अवसर पर आयोजित 'बहुभाषी रचना पाठ' कार्यक्रम में भोजपुरी, मगही, बांग्ला, अवधी, मैथिली, अंग्रेज़ी, उर्दू, राजस्थानी, हरियाणवी, नेपाली तथा हिंदी में स्वरचित एवं दूसरे कवियों की गद्य–पद्य रचनाओं एवं परंपरागत लोक गीतों की प्रस्तुति की गई।
- (05 मार्च, 2018). आयोजित काव्यपाठ में सुप्रसिद्ध कवि डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र ने कविता का पाठ किया।
- (07 मार्च, 2018). 'हिंदी भाषा की संरचना' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान समारोह में मिजोरम विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. सुशील कुमार शर्मा ने संबोधित किया।

व्याख्यान

- प्रो. मनोज कुमार : 'गांधी, लोहिया और अंबेडकर की विचारधारा', 16 नवंबर, 2017
- प्रो. अनिल उपाध्याय : 'संचार शोध प्रविधि' 07 फरवरी, 2018
- प्रो. विप्लव लोहो चौधरी (विश्वभारती, शांतिनिकेतन के जनसंचार के प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष) : 'नाट्यशास्त्र और संचार', 12 मार्च, 2018

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

चौबे, कृपाशंकर

- (11 सितंबर, 2017). विश्वभारती, शांतिनिकेतन के पत्रकारिता व जनसंचार केंद्र में 'प्रिंट मीडिया के उद्भव व विकास' विषय पर व्याख्यान।
- (14 सितंबर, 2017). कोलकाता के पीआईबी मीडिया सेंटर (केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्रालय) में 'हिंदी–बांग्ला साहित्यिक संबंध' विषय पर बीज वक्तव्य।
- (22 सितंबर, 2017). फिल्म डिवीजन, कोलकाता के फिल्मोत्सव में 'हिंदी एक वैश्विक भाषा व राजभाषा' विषय पर व्याख्यान।
- (22 नवंबर, 2017). राष्ट्रीय इस्पात निगम लि. वीएसपी (भारत सरकार) के कोलकाता कार्यालय में 'हिंदी के विकास में बांग्लाभाषियों का योगदान' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान।
- (07 दिसंबर, 2017). साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली और म.गां.अं.हिं.वि. द्वारा वर्धा में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बांग्ला साहित्य की सांस्कृतिक संवेदना पर आलेख पाठ।
- (11 फरवरी, 2018). इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र द्वारा आयोजित संस्कृति संवाद श्रृंखला 07 के संयोजक।
- (12 फरवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि. के कोलकाता केंद्र में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पत्रकारिता और साहित्य के अंतर्संबंध' पर प्रास्ताविक वक्तव्य।
- (20 फरवरी, 2018). बीएचयू, वाराणसी में बीएचयू व अन्य संस्थाओं द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'नवजागरण और शिवपूजन सहाय की पत्रकारिता' विषय पर आलेख पाठ।
- (27 मार्च, 2018). बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर वि.वि., लखनऊ द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बांग्ला साहित्य में भारत बोध' विषय पर आलेख पाठ।

कुमार, सुनील

- (12 अप्रैल, 2017). डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह समिति, रायपुर द्वारा आयोजित 'बौद्ध महिला सम्मेलन' में 'बाबासाहेब के नाम को या उनके विचारों को आगे बढ़ाना चाहिए' विषय पर व्याख्यान।
- (13 अप्रैल, 2017). डॉ. अंबेडकर शिक्षा मित्र सोसायटी एवं यूथ फॉर अंबेडकरिज्म, भिलाई, दुर्ग द्वारा आयोजित 'युवाओं के बौद्धिक सम्मेलन' में मुख्य अतिथि के रूप में 'आज का समय, युवा वर्ग और बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर की वैचारिकी' विषय पर व्याख्यान।
- (14 अप्रैल, 2017). भारतीय बौद्ध महासभा, भिलाई, दुर्ग द्वारा आयोजित 'डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर जयंती समारोह' में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान।
- (16 अप्रैल, 2017). डॉ. बी.आर. अंबेडकर मिशन सोसायटी, गढ़शंकर, पंजाब द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर 'दि नीड ऑफ दि फिलॉस्फी ऑफ डॉ. बी.आर. अंबेडकर' विषय पर व्याख्यान।
- (17 अप्रैल, 2017). डॉ. बी.आर. अंबेडकर मिशनरी वेलफेयर एसोसिएशन, मोहाली, पंजाब द्वारा आयोजित 'बाबा साहब डॉ. अंबेडकर जयंती समारोह' में व्याख्यान।
- (26 सितंबर, 2017). बिरसा, फुले, अंबेडकर कर्मचारी एसोसिएशन, चंडीगढ़, पंजाब द्वारा आयोजित 'प्रबोधन कार्यक्रम' में व्याख्यान।
- (26 नवंबर, 2017). डॉ. अंबेडकर युवा मंच, बिलासपुर द्वारा आयोजित 'संविधान दिवस समारोह' में 'भारतीय संविधान के विविध पहलुओं' पर व्याख्यान।
- (28 जनवरी, 2018). बहुजन समाज सेवा संगठन, अंबेडकर नगर, उ.प्र. द्वारा 'वर्तमान परिदृश्य में वंचित समाज : संघर्ष, चुनौतियाँ एवं समाधान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वंचित समाज : संघर्ष एवं चुनौतियाँ' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत।
- (12 फरवरी, 2018). क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'साहित्य और पत्रकारिता का अंतर्संबंध' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजन एवं संचालन।

प्रकाशन

चौबे, कृपाशंकर

- (2017). 'विष्णुकांत शास्त्री का काव्यानुवाद', जीवन पथ पर चलते–चलते विष्णुकांत शास्त्री (सं.), 107–110
- (जुलाई, 2017). 'पत्रकारिता का दृष्टिपरक मुहावरा रचा राहुल देव ने', आंचलिक पत्रकार, 16–20, भोपाल।

• (जुलाई–दिसंबर, 2017). 'जंगलपुत्रों की मां', बहुवचन, 54–55, 135–142, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
• (अगस्त, 2017). 'दलित विमर्श की पृष्ठभूमि और मीडिया', रिसर्च क्रोनिकल, 60–73
• (सितंबर, 2017). 'गांधी की पत्रकारिता का दलित संदर्भ', जन मीडिया, 15–19, दिल्ली।
• (जुलाई–अक्टूबर, 2017). 'कहानी को बेहतर फलक देने के लिए कसक का होना', पुस्तक–वार्ता, 50–52, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
• (अक्टूबर, 2017). 'विश्वमित्र के सौ साल', जन मीडिया, 22–23, दिल्ली।
• (अक्टूबर, 2017). 'हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता के 150 वर्ष', अक्षर पर्व, 43–50, दिल्ली।
• (दिसंबर, 2017). 'शोध में संदर्भ का महत्त्व', जन मीडिया, 24–26, दिल्ली।
• (दिसंबर, 2017). डॉ. अंबेडकर, पत्रकारिता और बहुजन अवधारणा', युवा संवाद, 66–68, दिल्ली।
• (जनवरी, 2018). 'बांग्ला पत्रकारिता के दो सौ साल', नया ज्ञानोदय, 54–57, नई दिल्लीः भारतीय ज्ञानपीठ।
• (2018). 'विरल सारस्वत साधना' (सं.), नई दिल्ली : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र।

कुमार, सुनील

• (2017). 'भारतीय गाँव : गांधी बनाम बाबासाहेब अंबेडकर', बहुजन वैचारिकी और डॉ. अंबेडकर (सं.), कानपुर : विनय प्रकाशन।
• (अप्रैल–जून, 2017). 'वंचितों की कब्रगाह बनते भारतीय विश्वविद्यालय', बया, 36, 53–54, ग़ाज़ियाबाद : अंतिका प्रकाशन ।
• (सितंबर, 2017). 'कहाँ खड़ा है भारतीय लोकतंत्र', समाचार विस्फोट, 02, 01, नागपुर।
• (06 जनवरी, 2018). 'छात्रों–नौजवानों से उभरेगा नया नेतृत्व', राष्ट्रीय सहारा, 03, नोएडा।
• (जनवरी, 2018). 'किसका नया साल! कैसा नया साल!', अम्बेडकर इन इंडिया, 155, 04–05, कुशीनगर (उ.प्र.)।
• (मार्च, 2018). 'वे लोग', दलित दस्तक, 10, 35, नई दिल्ली।

दूर शिक्षा निदेशालय

म.गां.अं.हिं.वि. अधिनियम की धारा 5 उपबंध (ट) के अंतर्गत विश्वविद्यालय को प्रदत्त शक्तियों में बताया गया है कि 'दूर शिक्षा माध्यम से उन व्यक्तियों को, जिनके बारे में वह अवधारित करे, सुविधाएँ प्रदान करना।' इसी पृष्ठभूमि के आलोक में 15 जून, 2007 को दूर शिक्षा निदेशालय का उद्घाटन भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति एवं विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय में स्थापित यह निदेशालय हिंदी भाषा को आधार बनाकर प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, अनुवाद आदि अनुशासनों में शिक्षण, मौलिक सोच एवं लेखन को प्रोत्साहित करने हेतु कटिबद्ध है। यह निदेशालय स्त्री अध्ययन, अहिंसा एवं शांति अध्ययन जैसे नवीनतम अनुशासनों को व्यापक समाज तक पहुँचाने के लिए प्रयासरत है, ताकि विश्व शांति एवं समता जैसे मूल्यों– को व्यावहारिक तौर पर सिद्ध किया जा सके।

हिंदी में मौलिक–वैकल्पिक सोच एवं शोध के लिए प्रतिबद्ध इस विश्वविद्यालय का दूर शिक्षा निदेशालय यह प्रयास कर रहा है कि एक ओर दूर शिक्षा कार्यक्रम शोध/अनुसंधान द्वारा हिंदी एवं ज्ञान के अनुशासनों में मौलिक सृजन करें और दूसरी ओर हिंदी भाषा के माध्यम से रोज़गारोन्मुखी पाठ्यक्रमों द्वारा समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सके। देश में उच्च शिक्षा के लगातार महँगे एवं आमजन की पहुँच से दूर होने के इस दौर में दूर शिक्षा की भूमिका निर्विवाद एवं महत्वपूर्ण है। अतः यह निदेशालय उन सभी व्यक्तियों के लिए शिक्षा प्राप्ति का एक बेहतर अवसर प्रदान करता है, जो किसी कारण से शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते हैं। इस सत्र में कुल 1613 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

पाठ्यक्रम :

• स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम : व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एमबीए), समाजकार्य में स्नातकोत्तर (एमएसडब्ल्यू), पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (एमजे), पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (एमलिब्.आईएससी), हिंदी में स्नातकोत्तर (एमएएचडी)।
• स्नातक पाठ्यक्रम : शिक्षा स्नातक (बीएड), पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (बीलिब्.आईएससी), पत्रकारिता में स्नातक (बीजे)। • स्नातकोत्तर में डिप्लोमा पाठ्यक्रम : इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीईएम एंड एफपी), पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीजेएमसी)।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
अरबिंद कुमार झा	प्रोफेसर*	17.09.2014	पीएच.डी. शिक्षा शास्त्र	ऐपिस्टीमॉलजीकल इम्पोर्ट ऑफ न्याय फिलॉसफी	ज्ञानमीमांसा और शिक्षणशास्त्र, गणित शिक्षण, गणित और विज्ञान का दर्शनशास्त्र
रवींद्र टी. बोरकर	क्षेत्रीय निदेशक / सह प्रोफेसर	30.01.2013	पीएच.डी. प्रबंधन	उद्योग व्यवसाय एवं शैक्षणिक संस्थानों का समन्वयः मानव संसाधन एवं विकास	प्रबंधन, व्यावसायिक शिक्षा, दूर शिक्षा
शंभू जोशी	सहायक प्रोफेसर	02.04.2007	पीएच.डी. अहिंसा एवं शांति अध्ययन	गांधी दृष्टि एवं श्रम समस्या	गांधी दृष्टि, अहिंसा और शांति अध्ययन
अमित राय	सहायक प्रोफेसर	02.04.2007	पीएच.डी. अहिंसा एवं शांति अध्ययन	राज्य और गैर सरकारी संगठनों के बीच अंतसंबंधों का विश्लेषणात्मक अध्ययन	अहिंसा एवं शांति अध्ययन, शांति संघर्ष समाधान, मानव अधिकार, विकास अध्ययन एवं जनसंचार
अमरेंद्र कुमार शर्मा	सहायक प्रोफेसर	02.04.2007	पीएच.डी. हिंदी	भारतीय तुलनात्मक साहित्येतिहास : संदर्भ नवजागरण	तुलनात्मक साहित्य (साहित्य और सिनेमा)
संदीप मधुकर सपकाले	सहायक प्रोफेसर	02.04.2007	एम.फिल.	हिंदी एवं मराठी दलित आत्मकथाओं की सामाजिक पृष्ठभूमि	आत्मकथा, जीवनी, दलित साहित्य, हिंदी मराठी सामाजिक–सांस्कृतिक अध्ययन
शैलेश मरजी कदम	सहायक प्रोफेसर	22.05.2007	पीएच.डी. अनुवाद	दलित साहित्य में अनुवाद परंपराः मराठी से हिंदी में अनूदित दलित आत्मकथाओं के संदर्भ में।	अनुवाद विज्ञान, शोध प्रविधि, अंतरानुशासनिक अध्ययन, मराठी दलित साहित्य, हिंदी दलित आत्मकथा।

* On Lien (नोटः प्रो. अरबिंद कु. झा के उपरांत प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा निदेशक)

शोध परियोजनाएँ

- **डॉ. शंभू जोशी** : 'सामाजिक पूँजी और किसान आत्महत्या', भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वृहत शोध परियोजना प्रदत्त, राशि रु. 10,00,000 स्वीकृत।
- **डॉ. अमित राय** : 'भारत में सार्वजनिक प्रतिरोधों का बदलता स्वरूप', भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वृहत शोध परियोजना प्रदत्त, राशि रु. 10,00,000 स्वीकृत।

गतिविधियाँ

- (02 नवंबर, 2017). अध्ययन केंद्र के समन्वयकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम।

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

बोरकर, रविंद्र

- (03 जून, 2017). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'शिक्षा से जुड़े समसामयिक विषय' पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'कार्यालयीन व्यवस्थापन' विषयक पत्र प्रस्तुत।
- (28 अगस्त–03 सितंबर, 2017). इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'मुक्त एवं दूर शिक्षण में स्व–शिक्षण सामग्री के निर्माण / संशोधन में गुणवत्ता संबंधी मुद्दों' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (01 नवंबर, 2017). महेंद्र कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, नमक्कल, तमिलनाडु और अनुवाद आयोग, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'उद्योजक सशक्तिकरण' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'उद्यमियों की दृष्टि एवं हितधारकों के मूल्य की सुरक्षा' विषयक पत्र प्रस्तुत।
- (18 दिसंबर, 2017). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'चरित्र–निर्माण एवं व्यक्तित्व–विकास' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (04–05 जनवरी, 2018). बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा 'बदलते परिप्रेक्ष्य में गुणवत्ता बढ़ाने में भारत में उच्च शिक्षा का योगदान' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी मे 'उद्योग–संस्थानों में समन्वय : नौकरी की योग्यता बढ़ाने हेतु संयुक्त प्रतिदर्श' विषयक पत्र प्रस्तुत।
- (22 जनवरी–19 फरवरी, 2018). मानव संसाधन विकास केंद्र, संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती द्वारा आयोजित ''41वें अभिविन्यास कार्यक्रम में 'उद्योग–संस्थानों में समन्वय' एवं 'शिक्षक कौशल' विषयक व्याख्यान।

जोशी, शंभू

- (27–29 अक्टूबर, 2017). गांधी इंटरनेशनल (फ्रांस) एवं गांधी विचार परिषद्, वर्धा द्वारा ''सेवाग्राम इंटरनेशनल कॉन्फ्रेरेंस ऑन नॉन वायलेंस इकानॉमी एंड पीसफुल वर्ल्ड' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'शांतिपूर्ण सह अस्तित्व की तलाश : आंद्रेई सखारोव के संदर्भ में' विषयक पत्र वाचन।
- (5–7 फरवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'विनोबा दर्शन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'आचार्य विनोबा भावे की श्रम–दृष्टि' विषयक पत्र वाचन।
- (18 फरवरी, 2018). म.गां.अ.हिं.वि., वर्धा, मातृ सेवा संघ समाज कार्य संस्थान, नागपुर एवं समाज कार्य विद्यापीठ, सोपरी कॉलेज, इजराइल के संयुक्त तत्वावधान में 'कम्युनिटी ऑर्गेनाइजेशन : पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम इंडिया एंड इजराइल' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ए.डी.गोर्डन एवं महात्मा गांधी : शरीर श्रम सामुदायिक विकास के आधार के रूप में' विषयक पत्र वाचन।
- (24 मार्च, 2018). विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित तथा म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एवं साइंस कॉलेज, वर्धा द्वारा 'बियॉण्ड बाउंड्रीज : गांधियन विजन इन द एज ऑफ ग्लोबलाइजेशन' विषय पर आयोजित अंतरानुशासनिक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अहिंसक समाज का माध्यम : रचनात्मक कार्यक्रम' विषयक पत्र वाचन।

राय, अमित

- (31–05 जून, 2017). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'शिक्षा से जुड़े समसामयिक प्रश्न' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'मानवाधिकार एवं शिक्षा' तथा 'फिल्म संवाद और शिक्षा' पर व्याख्यान।
- (04–05 अक्टूबर, 2017). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'कस्तूरबा के नाम : आजादी का आन्दोलन एवं महिलाएँ' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अहिंसक आंदोलनों में स्त्रियाँ' विषय पर व्याख्यान।
- (26 नवंबर–03 दिसंबर, 2017). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद में अंतरानुशासनिक विषय के रूप में ऐच्छिक प्रश्न पत्र के अध्यापन हेतु 'मानवाधिकार का दर्शन' विषय पर व्याख्यान।
- (11–13 दिसंबर, 2017). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा, के विमर्श द्वारा 'महाभारत संवाद' विषय पर आयोजित संवाद में 'महाभारत में जाति' विषयक व्याख्यान।
- (01 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता में 'अंतरानुशासनिक अध्ययन प्रविधि' पर विशेष आमंत्रित व्याख्यान।
- (18 जनवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा, के स्त्री अध्ययन विभाग एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'मानवाधिकार पर आधारभूत प्रशिक्षण कार्यशाला' में सहभागिता।
- (19–24 फरवरी, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा, के गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग एवं जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज, जमशेदपुर कोल्हान विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 'शोध प्रविधि का आधार पाठ्यक्रम' पर विशेष आमंत्रित व्याख्यान।
- (19–24 मार्च, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'शिक्षक शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन के विविध आयाम' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'मानवाधिकार एवं शिक्षा' विषय पर व्याख्यान।

सपकाले, संदीप मधुकर

- (11–13 जुलाई, 2017). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'कस्तूरबा के नाम : आजादी का आंदोलन और महिलाएँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गांधी की प्रथम मराठी जीवनी और अवंतिकाबाई गोखले' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत।
- (19–20 जनवरी, 2018). अखिल भारतीय मराठी साहित्य मंडल एवं श्रीमती बिंझाणी महिला महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'त्रिलोचन की प्रयोगशीलता' विषयक की अध्यक्षता।
- (23 जनवरी, 2018). ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' अभियान के अंतर्गत 'नाटक एवं थिएटर पर मराठी संस्कृति का प्रभाव' विषय पर बीज व्याख्यान ।
- (19–24 फरवरी, 2018). जमशेदपुर महिला महाविद्यालय, जमशेदपुर, गांधी अध्ययन विभाग, कोल्हान विश्वविद्यालय तथा गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'अनुसंधान प्रविधि' विषय पर व्याख्यान।

कदम, शैलेश मरजी

- (03–04 जून, 2017). दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'शिक्षा से जुड़े समसामायिक विषय' पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'अनुवाद विधि एवं प्रक्रिया' तथा 'भाषा की अवधारणा' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत।
- (09 अगस्त, 2017). दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'भारत छोड़ो आंदोलन में मध्य भारत का योगदान' विषय पर आयोजित

राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।

- (11 अक्टूबर, 2017). दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित पर्यटन पर्व में निबंध प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में दायित्व का निर्वहन।
- (12 नवंबर, 2018). लातूर जिला हिंदी साहित्य परिषद, लातूर द्वारा 'हाशिए का समाज और हिंदी मराठी–साहित्य' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।
- (15–17 जनवरी, 2018). इंडियन सोसायटी ऑफ थियेटर रिसर्च द्वारा आयोजित 14 वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'विरोध प्रदर्शन में नवाचार : महाराष्ट्र के संदर्भ में' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत तथा 'परिवर्तन के लिए विरोध प्रदर्शन' सत्र में अध्यक्षीय वक्तव्य।
- (21 फरवरी, 2018). उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जलगांव, भाषा अभ्यास प्रशाला एवं अनुसंधान केंद्र की ओर से आयोजित 'भाषा एवं साहित्य के अनुसंधानरत अध्यापकों के लिए कार्यशाला' में 'हायपोथेसिस' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत।
- (22 फरवरी, 2018). हिंदी विभाग, उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगांव द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय कार्यशाला में 'हिंदी मानक वर्तनी एवं मुद्रित शोधन' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत।

प्रकाशन

बोरकर, रविंद्र

- (23 जून, 2017). 'ए रिव्यू ऑन पोटेशियम इन दि सॉइल एंड मेथड्स ऑफ डिटेक्शन', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रिकल एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, 2, 50–55, मैनटेक पब्लिकेशन।
- (नवंबर, 2017). 'उद्यमियों की दृष्टि एवं हितधारकों के मूल्य की सुरक्षा', एशियन जर्नल ऑफ मॅनेजमेंट साइंस एण्ड इकॉनॉमिक्स, 40, 54, नमक्कल : महेंद्र आर्ट एंड साइंस कॉलेज।

जोशी, शंभू

- (2017). 'किसान आत्महत्या और सामाजिक परिप्रेक्ष्य', मानव अधिकार : नई दिशाएँ', 14, 69–82, नई दिल्ली : राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग।
- (2017). 'सामाजिक समरसता : गांधीय परिप्रेक्ष्य', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसीप्लिनरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 5, 401–404 (ऑनलाइन)।
- (2017). 'विनोबा के विचार : अध्यात्म और विज्ञान', पुस्तक–वार्ता, 70, 28–31, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
- (2018). अहिंसक श्रम दर्शन, बीकानेर : वाग्देवी प्रकाशन।

राय, अमित

- (दिसंबर, 2017). 'मिथकों के इतिहास लेखन में अस्मिता विमर्श', न्यूमेन इंटरनेशल जर्नल ऑफ मल्टीडिशिप्लिनरी स्टडीज, 12, 3, न्यूमेन पब्लिकेशन।
- (जनवरी, 2018). 'अंतरविषयी, बहुविषयी और पराविषयी अध्ययन का विश्लेषण', जनकृति, 33, 3, वर्धा।

शर्मा, अमरेंद्र कुमार

- (नवंबर, 2017). 'अनुपस्थित प्रश्नवाचक और मणिकौल का आषाढ़ का एक दिन', लोकमत समाचार (दीपावली विशेषांक), 237–248, नागपुर : लोकमत प्रा. लि.।
- (2018). 'उपन्यास का सिनेमा और अक्टूबर क्रांति : सौ रंग की जब खूबी, पाते हैं उसी गुल में', अनहद, 8, इलाहाबाद।
- (जनवरी–मार्च, 2018). 'कुंवरनारायण की कविता : पारिस्थितिकी का अंतःसाक्ष्य', बहुवचन, 56, 136–144, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।

सपकाले, संदीप मधुकर

- (नवंबर, 2017). 'महात्मा गांधी का जीवन चरित्र विशेष परिचय, 1918 (जीवनी लेखिका सौ.अवंतिकाबाई गोखले)', स्त्रीकाल, नई दिल्ली।
- (नवंबर, 2017). 'डॉ. अंबेडकर की पहली जीवनी का इतिहास और उसके अंश', स्त्रीकाल, नई दिल्ली।
- (दिसंबर, 2017). 'डॉ. अंबेडकर की जीवनी के संदर्भ', युवा संवाद, 177, 16–18, नई दिल्ली।
- (फरवरी, 2018). 'दलित स्त्री–लेखन का पहला दस्तावेज' मांग महारों का दुख (1855)– मुक्ता सालवे', स्त्रीकाल, नई दिल्ली।

लेबोरेटरी इन इनफॉर्मेटिक्स फॉर द लिबरल आर्ट्स 'लीला'

लेबोरेटरी इन इनफॉरमेटिक्स फॉर द लिबरल आर्ट्स (लीला) प्रयोगशाला सभी आई.टी. शिक्षण संबंधित लर्निंग, रिसर्च और विश्वविद्यालय के आई.टी. विस्तार से संबंधित गतिविधियों का संचालन करती है। यह विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी की सुविधाएं प्रदान करती है। लीला प्रयोगशाला द्वारा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के लिए कार्यालय स्वचालन उपकरण के विकास के लिए कार्य किया जा रहा है। साथ ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट का रखरखाव एवं उसे अद्यतन रखना भी लीला की जिम्मेदारी है।

विश्वविद्यालय की सभी सूचना प्रौद्यागिकी से संबंधित गतिविधियों के लिए लीला की परिकल्पना एक केंद्रीय सुविधा/संस्थान के रूप में की गई है। पाठयक्रमों में सूचना प्रौद्योगिकी के घटकों को पूर्ण करना लीला के दायित्वों में से एक है। इसके तहत एक अनिवार्य कंप्यूटर पाठ्यक्रम 'मॉडर्न कंप्यूटर एप्लीकेशन्स' एम.ए. पाठ्यक्रमों के लिए चलाया जा रहा है। यह पाठ्यक्रम एम.ए. के सभी पाठ्यक्रमों में एक अनिवार्य विषय के रूप में है। लीला द्वारा एम.फिल. एवं पीएच.डी. के शोधार्थियों के कोर्स–वर्क के लिए यू.जी.सी. द्वारा दिए गए दिशा–निर्देशों के अनुरूप पाठ्यक्रम का निर्माण एवं संचालन किया जा रहा है।

पाठ्यक्रम : • एम.ए., बी.वोक., बी–एड., बी.एड.–एम.एड. (एकीकृत), एम.एड., एम.बी.ए., एम.एस.डब्ल्यू. पाठ्यक्रम : मॉडर्न कंप्यूटर एप्लिकेशन (अनिवार्य पाठ्यक्रम)। • एम.फिल. एवं पीएच.डी. पाठ्यक्रम : कंप्यूटर संचालन एवं अनुप्रयोग।

कर्मी विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	विशेषज्ञता
गिरीश चंद्र पांडेय	लेक्सिकॉन एसोसिएट	10.04.2001	एम.एस.सी.	कंप्यूटर विज्ञान
हेमलता गोडबोले	सॉफ्टवेयर एसोसिएट	01.10.2002	एम.सी.ए.	कंप्यूटर विज्ञान

उपलब्धियाँ

• विश्वविद्यालय के सभी विभागों एवं कार्यालयों में इंटरनेट की सुविधा तथा तकनीकी सहयोग।
• पुस्तकालय, वित्त विभाग, अकादमिक एवं दूर शिक्षा निदेशालय के सभी ऑनलाइन गतिविधियों के डाटा का संरक्षण।

प्रकाशन :
ई–पत्रिका 'निमित्त' (त्रैमासिक)

प्रकाशन विभाग

विश्वविद्यालय के प्राथमिक सरोकारों में से एक यह है कि पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या और पाठ्यसामग्री को एक नई शताब्दी की नई चुनौतियों और प्रश्नाकुलता के अनुरूप ताजातरीन करते हुए इस क्षेत्र में नए विकल्पों को खोजा, विकसित और विन्यस्त किया जाए। तभी यह विश्वविद्यालय अध्ययन–अध्यापन और अनुसंधान के क्षेत्रों में नई प्रविधि विकसित कर सकता है। इसके लिए विश्वविद्यालय देश और विदेश के श्रेष्ठ विशेषज्ञों से विचार–विनिमय कर इस दिशा में प्रयत्न कर रहा है, क्योंकि हमारा लक्ष्य हिंदी साहित्य, भाषा और संस्कृति को उनकी समग्रता, जटिलता और बहुलता में आलोकित करते हुए नए प्रश्नों, चिंताओं और उत्सुकताओं से रूबरू होकर उनकी अपार क्षमता और संभावित दिशाओं को इंगित करना भी है। विश्वविद्यालय में एक प्रकाशन विभाग भी है, इस विभाग के अंतर्गत निम्न तीन पत्रिकाएँ प्रकाशित की जाती हैं– 1. पुस्तक–वार्ता, 2. बहुवचन और 3. एनल्स ऑफ हिंदी स्टडीज।

कर्मी

1. राजेश कुमार यादव, एम.ए.
2. अशोक मिश्र, एम.ए.
3. राकेश श्रीमाल, एम.ए.
4. अमित कुमार विश्वास, पीएच.डी.
5. राजेश आगरकर, एम.ए.

वर्ष 2017–18 में प्रकाशित पत्रिकाएँ

(अ) पुस्तक–वार्ता (द्विमासिक)

संपादक – विमल झा
अंक 67 (नवंबर–दिसंबर, 2016)
अंक 68–69 (जनवरी–अप्रैल, 2017)
अंक 70 (मई–जून, 2017)
अंक 71–72 (जुलाई–अक्टूबर, 2017)

(ब) बहुवचन (त्रैमासिक)

संपादक – अशोक मिश्र
सहायक संपादक : डॉ. अमित कु. विश्वास
अंक 53 (अप्रैल–जून, 2017)
अंक 54–55 (जुलाई–दिसंबर, 2017)
अंक 56 (जनवरी–मार्च, 2018)

गतिविधियाँ

- राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली द्वारा 06 से 14 जनवरी, 2018 तक आयोजित विश्व 'पुस्तक मेला' में भागीदारी।
- वर्ष 2018 के डायरी, वॉल कैलेंडर एवं विवरणिका का प्रकाशन।
- 'हिंदी विश्व' द्विमासिक पत्रिका अंक–6 (30 जून, 2017) तथा अंक–7 (8 जनवरी, 2018) का प्रकाशन।

अद्यतन प्रकाशित कृतियाँ

- 'एक सुबह की शाम' (सं. अजीत दलाल), महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
- 'प्रवासी भारतीयों में हिंदी की कहानी' (सं. डॉ. सुरेंद्र गंभीर), महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
- 'विनोबा संचयिता' (सं. नंदकिशोर आचार्य), महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा।
- 'नंददुलारे वाजपेयी संचयिता' (सं. प्रो. शिवकुमार मिश्र), महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा।

प्रकाशनाधीन

- 'भोजपुरी–हिंदी–अंग्रेजी शब्दकोश' (प्रधान संपादक : अरुणेश नीरन, संपादक : अर्जुन तिवारी, सह–संपादक : सूर्यदेव पाठक 'पराग', प्रकाश उदय, धनजी प्रसाद)
- 'लघु विनिबंध' (मोनोग्राफ) श्रृंखला
  क. चंद्रकांता संतति : सं. वागीश शुक्ल
  ख. व्याकरण में स्त्री : सं. वागीश शुक्ल
  ग. फारसी और भारतीय छंदविधान : सं. बलराम शुक्ल
- 'वर्धा हिंदी शब्दकोश' का परिमार्जित संस्करण

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय की अकादमिक एवं प्रशासनिक कार्यप्रणाली में सुधार हेतु सजग, सतत् एवं उत्प्रेरक पद्धति का विकास करने, गुणवत्ता संस्कृति के आत्मसातीकरण को बढ़ावा देने एवं नवाचारों के संस्थानीकरण द्वारा विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली में गुणवत्ता वृद्धि के उपायों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ 2 अप्रैल, 2014 से संचालित है।

आई.क्यू.ए.सी. का स्वरुप

1.	कुलपति	–	अध्यक्ष
2.	प्रतिकुलपति	–	सदस्य
3.	प्रो. मनोज कुमार, महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र	–	सदस्य
4.	प्रो. एल. कारूण्यकारा, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर–सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र	–	सदस्य
5.	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग	–	सदस्य
6.	प्रो. अनिल कुमार राय, जनसंचार विभाग	–	सदस्य
7.	प्रो. अरबिंद कुमार झा, शिक्षा विभाग	–	सदस्य
8.	डॉ. मैत्रेयी घोष, पुस्तकालयाध्यक्ष	–	सदस्य
9.	डॉ. अन्नपूर्णा सी, अनुवाद अध्ययन विभाग	–	सदस्य
10.	डॉ. अनिल कुमार पांडेय, भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग	–	सदस्य
11.	डॉ. रामानुज अस्थाना, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग	–	सदस्य
12.	डॉ. राजीव रंजन राय, प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग	–	सदस्य
13.	कुलसचिव	–	सदस्य
14.	श्री क़ादर नावाज़ ख़ान, संयुक्त कुलसचिव	–	सदस्य
15.	प्रो. आनंद प्रकाश, मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय	–	सदस्य
16.	डॉ. प्रफुल्ल काले, निदेशक, एमगिरी, वर्धा	–	सदस्य
17.	डॉ. अशोक पावडे, प्राचार्य, लॉ कॉलेज, यशवंत महाविद्यालय, वर्धा	–	सदस्य
18.	श्री भरत महोदय, (पूर्व विद्यार्थी) गांधी विचार परिषद	–	सदस्य
19.	श्री शावेज़ ख़ान, अनुवाद अध्ययन विभाग, विद्यार्थी	–	सदस्य
20.	डॉ. शोभा पालीवाल, अकादमिक संयोजक	–	समन्वयक

गतिविधियाँ

- (15 सितंबर, 2017). नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- (01 नवंबर, 2017). विश्वविद्यालय की एनुअल क्वालिटी एस्युरेंस रिपोर्ट (एक्यूएआर 2016–17) राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, नैक, बैंगलोर को प्रेषित की गई।
- (20 दिसंबर, 2017). आई.क्यू.ए.सी. की 9वीं बैठक का आयोजन।

स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय

दृष्टि – हमारी धरोहर : हमारा आज, हमारा कल।

उद्देश्य–

1. विश्वभर में फैली हिंदी की साहित्यिक धरोहर को संगृहीत कर अध्ययन एवं शोध हेतु सुलभ बनाना।
2. हिंदी की साहित्यिक धरोहर के माध्यम से ज्ञान–परंपरा का विकास करना तथा उसे समृद्ध बनाना।
3. विलुप्ति के कगार पर पहुँचे साहित्य के संरक्षण की व्यवस्था करना और उसके प्रकाशन की योजना पर कार्य करना।
4. लेखकों की स्मृति से जुड़ी साहित्येतर वस्तुओं को सहेजकर रखना।
5. हिंदी साहित्यिक धरोहर को विश्व संस्कृति के निर्माण का अनिवार्य अंग बनाना।

लेखकों के पत्र –

संग्रहालय को हिंदी के अन्य लेखकों के पत्र पुनः प्राप्त हुए, जिनमें अज्ञेय, कृष्ण बिहारी मिश्र, केदारनाथ अग्रवाल, नंदकिशोर त्रिखा, धर्मवीर भारती, शिवप्रसाद सिंह, गोविंद चंद्र पांडेय, ध्रुव शुक्ल, भगवतीशरण सिंह, कपिला वात्स्यायन, श्री नारायण चतुर्वेदी, मनोहरश्याम जोशी, मार्कण्डेय, रामदरश मिश्र, शंकरदयाल सिंह, गगन गिल, से.रा. यात्री, गिरिराज किशोर, निर्मल वर्मा, अशोक वाजपेयी, रमेशचंद्र शाह, रामकुमार वर्मा, राममनोहर लोहिया, रामेश्वर शुक्ल 'अंचल', सुन्दरलाल बहुगुणा, सूर्यबाला, केदारनाथ सिंह, मूलचंद्र शर्मा, गिरिराज किशोर, मॉरिशस की सुचिता रामदीन व अन्य विदेशी साहित्य प्रेमी प्रमुख हैं। इन पत्रों में तत्कालीन साहित्य में हो रही गतिविधियों व सामाजिक,

राजनैतिक, साहित्यिक और वैयक्तिक उथल–पुथल की झाँकी मिलती है।

अकादमिक गतिविधियाँ –

- विद्यानिवास मिश्र को संबोधित साहित्यकारों, मित्रों, राजनेताओं व अन्य से प्राप्त पत्रों को प्रकाशन हेतु पांडुलिपि तैयार की जा रही है।
- चिट्ठियों की दुनियाँ के दूसरे खंड के प्रकाशन हेतु संचयन–संपादन कार्य चल रहा है।

संरक्षण हेतु किये जा रहे प्रयास –

- संग्रहालय की सामग्री को विद्यार्थियों व हिंदी प्रेमियों हेतु सामग्री को इंटरनेट पर उपलब्ध कराने के लिए डिजिटलाइज्ड करने का प्रयास किया जा रहा है।
- संग्रहालय स्तर पर सामग्री को सुरक्षित रखने हेतु स्कैनिंग का कार्य चल रहा है।

मंगलवार पोस्ट –

संग्रहालय द्वारा 'मंगलवार पोस्ट' के नाम से एक साप्ताहिक ई–बुलेटिन का प्रकाशन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य संग्रहालय में उपलब्ध संदर्भ सामग्री की जानकारी प्रदान करना है। इनमें पांडुलिपियों से चुनी हुई सामग्री, पत्रिकाओं में छपी टिप्पणियाँ, छायाचित्र, पत्रों आदि का चयन किया जाता है।

भावी योजनाएँ –

- संग्रहालय–विज्ञान पर पाठ्यक्रम का संचालन
- संग्रहालय में उपलब्ध सामग्री पर शोध
- संगृहीत सामग्री को इंटरनेट पर सुलभ बनाना
- महत्वपूर्ण पांडुलिपियों का प्रकाशन
- सामग्री का चल प्रदर्शन
- संकलन का संवर्धन
- अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला एवं संगोष्ठी का आयोजन
- राष्ट्रीय कार्यशाला एवं संगोष्ठी
- राष्ट्रीय तथा विदेशी विशेषज्ञों को संग्रहालय के संवर्धन हेतु निमंत्रित करना
- दुर्लभ ग्रंथों का पुनर्प्रकाशन

कार्यरत कर्मी –

1. डॉ. श्रीरमण मिश्र, व्याकरण अनुषंगी
2. राम बरन, निम्न श्रेणी लिपिक (आउटसोर्सिंग)

राजभाषा विभाग

राजभाषा संबंधी संवैधानिक और कानूनी उपबंधों का अनुपालन सुनिश्चित करने और संघ के सरकारी काम–काज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में राजभाषा विभाग की स्थापना की गई। विभाग विश्वविद्यालय के काम–काज में हिंदी का प्रगामी प्रयोग बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। विश्वविद्यालय में भारत सरकार की राजभाषा नीति को पूरी तरह से लागू किया गया है। विश्वविद्यालय में राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) का पूर्ण रूप से पालन किया जाता है। जिसके तहत सामान्य आदेश, ज्ञापन, संकल्प, अधिसूचनाएँ, नियम, करार, संविदा, टेंडर नोटिस, संसदीय प्रश्न आदि द्विभाषी रूप में जारी किए जाते हैं। राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(4) और धारा 8 में दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए राजभाषा विभाग द्वारा बनाए गए सभी नियमों का पालन करने के पूर्ण प्रयास किए जाते हैं।

गतिविधियाँ :

- (10–24 सितंबर, 2017). विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। हिंदी दिवस के परिप्रेक्ष्य में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत निम्नलिखित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया – 1. कविता पाठ/गीत गायन, 2. हिंदी टंकण, 3. वाद–विवाद, 4. हिंदी निबंध, 5. हिंदी सुलेख, 6. हिंदी निबंध (विश्वविद्यालय के विद्यार्थी)। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया तथा 25 सितंबर, 2016 को सहभागी प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र तथा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय

महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय का लक्ष्य है– विश्वविद्यालय परिसर में शोध, शिक्षा एवं जीवन पर्यंत शिक्षा का उच्चतम स्तर बनाना। यह पुस्तकालय पुस्तक संस्कृति का स्वस्थ वातावरण देने के लिए सदैव तप्तर है, ताकि शिक्षा मनोरंजक तरीके से शिक्षार्थी को मिल सके। पुस्तकालय का प्रयास है कि सदैव अपनी बृहद एवं बहुविध उच्चस्तरीय ज्ञान–सामग्री द्वारा प्रयोक्ताओं को उनके जीवन में आगे बढ़ने, प्रगतिशील होने एवं ज्ञान–जिज्ञासु बनने में सहायक हो सके।

गतिविधियाँ

- (09–14 अप्रैल, 2017). महापंडित राहुल सांकृत्यायन जयंती के अवसर पर उनके द्वारा रचित तथा उनपर लिखी पुस्तकों की प्रदर्शनी आयोजित की गई।
- (22–24 अगस्त, 2017). नवीन विद्यार्थियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन।
- (31 अक्टूबर, 2017). लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के अवसर पर उनके द्वारा रचित तथा उनपर लिखी हुई पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई।

पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तक एवं पत्रिकाओं का विवरण

टेक्स्ट बुक की कुल संख्या : 1,19,341
संदर्भ बुक की कुल संख्या : 3856

.....

कुल पुस्तकों की संख्या : 123197
मैग्जीन तथा जर्नल : 105
कुल शोध प्रबंध : 191
कुल लघु शोध प्रबंध : 1819

पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएँ :

ओपेन एक्सेस सिस्टम सेवा : पुस्तकालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शैक्षणिक एवं गैर–शैक्षणिक उपयोक्ताओं को उनकी वांछित पुस्तक तक पहुँच हेतु 'ओपेन एक्सेस सिस्टम सेवा' की सुविधा दी गई है।
ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग सेवा : पुस्तकालय उपयोक्ताओं को वांछित सूचना एवं पुस्तकों की ऑनलाइन खोज हेतु ओपैक सेवा प्रदान की जाती है।
कंप्यूटर लैब सेवा : शोध में संलग्न विश्वविद्यालय के शोधार्थियों को कंप्यूटर लैब सेवा प्रदान की जाती है।

केंद्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध संग्रह :

1. प्रो. राम कुमार वर्मा की पुस्तकों का संग्रह
2. प्रो. विजेंद्र नारायण सिंह की पुस्तकों का संग्रह
3. प्रो. रमेश कुंतल मेघ की पुस्तकों का संग्रह
4. सत्यवती मलिक संग्रह
5. गजानन माधव मुक्तिबोध की पुस्तकों का संग्रह
6. कर्मेंदु शिशिर संग्रह
7. महापंडित राहुल सांकृत्यायन की पुस्तकों का संग्रह
8. महात्मा गांधी की पुस्तकों का संग्रह

खेल समिति

विश्वविद्यालय की वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता 26 जनवरी 2018 से प्रारंभ हुई जिसमें विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं शोधार्थियों अध्यापकों एवं कर्मचारियों से उत्साह से हिस्सेदारी की। खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन एवं समापन कुलपति महोदय द्वारा किया गया तथा विश्वविद्यालय के सभी सांविधिक अधिकारी, संकायाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतियोगिता प्रारंभ होने पर मार्च पास्ट की सलामी ली जिसे विभिन्न संकायों के खिलाड़ियों ने प्रस्तुत किया। खेल समिति के अध्यक्ष प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी के नेतृत्व में विभिन्न प्रतियोगिताओं के संचालन के लिए अलग–अलग कमेटियॉ बनाई गई। खेल समिति द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम निम्नवत हैं–

खेल का नाम	स्थान	खिलाड़ी का नाम	विभाग
400 मीटर दौड़ (छात्र)	प्रथम	पुष्पेंद्र कुमार	साहित्य विद्यापीठ
	द्वितीय	अतुल कांबले	
	तृतीय	महिपाल त्रिपाठी	साहित्य विद्यापीठ
400 मीटर दौड़ (छात्रा)	प्रथम	अक्षता माटे	
	द्वितीय	साक्षी यादव	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	संध्या	शिक्षा विद्यापीठ
200 मीटर दौड़ (छात्र)	प्रथम	बब्लु हांसदा	बौद्ध अध्ययन
	द्वितीय	अक्षय कुमार	भाषा विद्यापीठ
	तृतीय	अतुल कांबले	
200 मीटर दौड़ (छात्रा)	प्रथम	अक्षता माटे	
	द्वितीय	साक्षी यादव	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	नेहा बलवीर	प्रबंधन विभाग
100 मीटर दौड़ (छात्र)	प्रथम	बब्लु हांसदा	संस्कृति विद्यापीठ
	द्वितीय	अक्षय कुमार	भाषा विद्यापीठ
	तृतीय	दया शंकर मिश्र	शिक्षा विद्यापीठ
100 मीटर दौड़ (छात्रा)	प्रथम	मोनिका मर्सकोले	साहित्य विद्यापीठ
	द्वितीय	साक्षी यादव	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	नेहा बलवीर	प्रबंधन विद्यापीठ
चक्का फेंक (छात्र)	प्रथम	मनीष मिश्र	शिक्षा विद्यापीठ
	द्वितीय	शशिभूषण त्रिपाठी	
	तृतीय	आशीष कुमार	गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग
चक्का फेंक (छात्रा)	प्रथम	मनीषा विस्ट	शिक्षा विद्यापीठ
	द्वितीय	श्यामा कुमारी	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	रिना राय	शिक्षा विद्यापीठ
गोला फेंक (छात्र)	प्रथम	सुरेन्द्र विके	साहित्य विद्यापीठ
	द्वितीय	मनीष मिश्र	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	चेतन शंकर सावरकर	साहित्य विद्यापीठ
गोला फेंक (छात्रा)	प्रथम	लक्ष्मी घले	प्रबंधन विभाग
	द्वितीय	श्याम कुमारी	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	रिना सिंह	शिक्षा विद्यापीठ
भाला फेंक (छात्र)	प्रथम	मनीष मिश्र	शिक्षा विद्यापीठ
	द्वितीय	प्रिन्स कुमार	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	आलोक कुमार शुक्ला	साहित्य विद्यापीठ
भाला फेंक (छात्रा)	प्रथम	श्यामा कुमारी	शिक्षा विद्यापीठ
	द्वितीय	रिना सिंह	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	वंदना	शिक्षा विद्यापीठ
लंबी कूद (छात्र)	प्रथम	पुष्पे न्द्रो कुमार	साहित्य विद्यापीठ
	द्वितीय	अनुप सिंह यादव	भाषा विद्यापीठ
	तृतीय	आलोक कुमार मिश्र	भाषा विद्यापीठ
लंबी कूद (छात्रा)	प्रथम	नेहा बलवीदर	प्रबंधन विभाग
	द्वितीय	अंकिता नागोराव चौधरी	फिल्म अध्ययन
	तृतीय	नीनू सोनकर	शिक्षा विद्यापीठ

ऊँची कूद (छात्र)	प्रथम	सुरेंद्र उईके	साहित्य विद्यापीठ
	द्वितीय	अतुल खेस	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	नागेन्द्र कुमार	
ऊँची कुद (छात्रा)	प्रथम	नेहा बलवीर	प्रबंधन विभाग
	द्वितीय	आर आशा	साहित्य विद्यापीठ
	तृतीय	शालिनी झा	शिक्षा विद्यापीठ
योग (छात्र)	प्रथम	संजय रमेश देशमुख	गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग
	द्वितीय	अमित कुमार	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	सुख राम	शिक्षा विद्यापीठ
	चतुर्थ	आनंद साहु	शिक्षा विद्यापीठ
योग (छात्रा)	प्रथम	कांचन डॉफ	मनोविज्ञान विभाग
	द्वितीय	आर.आशा	हिन्दी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग
	तृतीय	शिल्पाय येनगटवार	मनोविज्ञान विभाग
टेबल टेनिस (छात्रा)	प्रथम	नेहा बलवीर	प्रबंधन विभाग
	द्वितीय	नोमिका	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	रत्नाा	शिक्षा विद्यापीठ
टेबल टेनिस (छात्र)	प्रथम	दीपक कुमार सिंह	शिक्षा विद्यापीठ
	द्वितीय	मनीषकांत मयंक	प्रबंधन विभाग
	तृतीय	प्रिंस कुमार	शिक्षा विद्यापीठ
बैडमिंटन (छात्रा)	प्रथम	लक्ष्मीक घले	डिप्लोमा
	द्वितीय	श्यातमा तिवारी	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	नेहा बलवीर	प्रबंधन विद्यापीठ
बैडमिंटन (छात्र)	प्रथम	दीपक	शिक्षा विद्यापीठ
	द्वितीय	इम्तियाज अंसारी	उर्दू डिप्लोसमा
	तृतीय	सूरज सिंह	प्रबंधन विद्यापीठ
शतरंज (छात्रा)	प्रथम	सुश्री रीना राय	शिक्षा विद्यापीठ
	द्वितीय	सुश्री वर्तिका सिंह	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	सुश्री नेहा बलवीर	शिक्षा विद्यापीठ
शतरंज (छात्र)	प्रथम	श्री श्याम प्रकाश	संस्कृति विद्यापीठ
	द्वितीय	श्री अरुण पांडेय	भाषा विद्यापीठ
	तृतीय	श्री शिव गोपाल	संस्कृति विद्यापीठ
दिव्यांग खिलाड़ी	स्थान	खिलाडी का नाम	विभाग
बैडमिंटन	प्रथम	जितेन्द्र कुमार पाठक	शिक्षा विद्यापीठ
	द्वितीय	राम वचन यादव	शिक्षा विद्यापीठ
टेबल टेनिस	प्रथम	मुंशी	शिक्षा विद्यापीठ
	द्वितीय	निखिल चिकाटे	साहित्यक विद्यापीठ
क्रिकेट (छात्रा)	विजेता	शिक्षा विद्यापीठ	चंचल
	उपविजेता	प्रबंधन विद्यापीठ	नेहा बलवीर
क्रिकेट (छात्र)	विजेता	शिक्षा विद्यापीठ	मनीष मिश्र
	उपविजेता	दुष्यंत एकादश टीम	बृजेश कुमार
	मैन ऑफ सीरीज़	राकेश सिंह	समाज कार्य
	मैन ऑफ द मैच	आशीष	शिक्षा विद्यापीठ
	बेस्टा अंपायर	आशीष कुमार	गांधी एवं शांति अध्ययन

वॉलीबॉल (छात्रा)	विजेता	प्रबंधन विभाग	लक्ष्मीन घले
	उपविजेता	शिक्षा विभाग	बबिता
वॉलीबॉल (छात्र)	विजेता	टाईटैनिक टाइटन्स	केते उत्तम
	उपविजेता	शिक्षाशास्त्र (E-Elite)	प्रिंस कुमार
फुटबॉल (छात्रा)	विजेता	शिक्षा विद्यापीठ	चंचल
	उपविजेता	प्रबंधन विद्यापीठ	नेहा बलवीर
फुटबॉल (छात्र)	विजेता	शिक्षा एकादश	मनीष मिश्र
	उपविजेता	भाषा एकादश	जयप्रकाश गुप्ता
शतरंज (एमेच्योर)	प्रथम	डॉ. अमित राय	सहायक प्रोफेसर, दूर शिक्षा निदेशालय
	द्वितीय	श्री विवेकानंद राय	डायस्पोरा एवं प्रवासन विभाग
	तृतीय	श्री गीतेश बंसोड	केंद्रीय पुस्तकालय
क्रिकेट एमेच्योर	विजेता	सुरक्षा एकादश	नीलेश श्रीवास्तमव
	उपविजेता	सेरेलॉक एकादश	मनोज सिरनाथे
वॉलीबॉल एमेच्योर	विजेता	गांधी क्लब	प्रभाकर राय
	उपविजेता	दी ग्रेट शेरेलॉक	प्रविण झाडे
प्रदर्शनी फुटबॉल एमेच्योर	विजेता	शिक्षक एकादश	प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी
	उपविजेता	शिक्षकेत्तर एकादश	डॉ. रमन मिश्र

कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी तथा प्रमाण पत्र प्रदान किए।

शोध सहायता प्रकोष्ठ

शोध सहायता प्रकोष्ठ के अंतर्गत विश्वविद्यालय में संचालित शोध गतिविधियों का नियमन–निर्देशन किया जाता है। अधिष्ठाता, शोध द्वारा निर्देशित–संचालित इस प्रकोष्ठ में कार्यरत अनुसंधान अधिकारी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शोध संबंधी कार्यक्रमों एवं परियोजना कार्यों में अधिष्ठाता, शोध को अपेक्षित सहयोग करते हैं। यह प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय के अकादमिक सदस्यों को शोध संबंधी परियोजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही शोध संबंधी कार्यों में उन्हें सैद्धांतिक सहयोग भी प्रदान करता है। यह प्रकोष्ठ शोधार्थियों को शोध प्रविधि एवं शोध सामग्री संबंधी मार्गदर्शन देने के साथ–साथ विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों को शोध परियोजनाओं के प्रारूप उपलब्ध कराने, शोध स्वीकृति स्त्रोतों तथा इस हेतु धन उपलब्ध कराने वाली संस्थाओं की जानकारी भी सुलभ कराता है। शोध परियोजनाओं के प्रारूप निर्माण में अपेक्षित सहयोग करने के साथ ही आवश्यक पत्र व्यवहार करना भी इस प्रकोष्ठ का महत्वपूर्ण कार्य है। प्रकोष्ठ में कार्यरत अनुसंधान अधिकारी दूर शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के संयोजन के साथ–साथ उन पाठ्यक्रमों के लिए सेमेस्टर पद्धति पर आधारित एवं स्वेच्छाधारित क्रेडिट प्रणाली के अनुरूप नवीन पाठ्यक्रमों का निर्माण तथा उत्कृष्ट पाठ्य सामग्री के लेखन, संकलन तथा संपादन का कार्य भी संपन्न करते हैं। इसके साथ ही अनुसंधान अधिकारियों द्वारा विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र के अंतर्गत संचालित अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए हिंदी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में अध्यापन कार्य संबंधी दायित्वों का भी निर्वहन किया जाता है।

एम.ए. हिंदी (दू.शि.नि.) – पाठ्यक्रम संयोजक : डॉ. पुरन्दरदास
एम.ए. इतिहास (दू.शि.नि.) – पाठ्यक्रम संयोजक : डॉ. परिमल प्रियदर्शी

अनुसंधान अधिकारी का विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
परिमल प्रियदर्शी	अनुसंधान अधिकारी	12.03.2012	पीएच.डी. इतिहास	1857 की क्रांति का 19वीं सदी के परवर्ती हिंदी साहित्य पर प्रभाव	आधुनिक भारत का इतिहास
पुरन्दरदास	अनुसंधान अधिकारी	28.03.2012	पीएच.डी. हिंदी	हिंदी साहित्य में राम : स्वरूप–विश्लेषण	हिंदी भाषा एवं साहित्य

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुति

पुरन्दरदास

- (05–07 फरवरी, 2018). भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली एवं म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'विनोबा दर्शन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'विनोबा का राम–नाम संबंधी चिंतन' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (24–25 फरवरी, 2018). भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली एवं म. गां.अं.हिं.वि., वर्धा के तत्वावधान में 'दक्षिण एवं दक्षिण–पूर्व एशिया में भारतीय संस्कृति एवं विरासत' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारतीय नीतिकाव्य और जीवन मूल्य' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

प्रकाशन

प्रियदर्शी, परिमल

- (2018). आधुनिक कविता का परिदृश्य (सं.), नई दिल्ली : स्वराज प्रकाशन।

पुरन्दरदास

- (दिसंबर, 2017). 'वैदेही वनवास में परिवर्तित युगबोध और पूर्वाग्रह–समन्वित नवीन दृष्टि', हरिऔध साहित्य में समाज और स्त्री, दिल्ली : अदिति पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स।

हिंदी शिक्षण–अधिगम केंद्र (टीएलसीएच)

म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में टीएलसीएचएस की स्थापना वर्ष 2015–16 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार (F.No.3-13/2015-PN-II, Dated 20 October, 2015) के पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण अभियान (पीएमएमएमएनएमटीटी) के अंतर्गत परियोजना अनुमोदन / स्वीकृति परिषद की द्वितीय बैठक 10 जुलाई, 2015 के निर्णय के आलोक में की गई।

उच्च शैक्षिक संस्थानों में शिक्षकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों के उपयोग हेतु पाठ्यक्रम, शिक्षा और शिक्षण सामग्री (ई–सामग्री) का हिंदी में निर्माण एवं विकास के उद्देश्य से हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र (टीएलसीएचएस) स्थापित किया गया है जिससे हिंदी का भी संवर्धन व विकास यथोचित रीति से हो।

केंद्र (TLCHS) के पदाधिकारियों / कर्मियों का विवरण :

क्र. सं.	पदाधिकारियों / कर्मियों का नाम	पदनाम
1	प्रो. गिरीश्वर मिश्र	कुलपति / संरक्षक
2	प्रो. आनंद वर्धन शर्मा	प्रतिकुलपति / सहसंरक्षक
3	प्रो. कृष्णकुमार सिंह	निदेशक
4	प्रो. अवधेश कुमार	निदेशक
5	डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर	एसोसिएट निदेशक
6	डॉ. अशोकनाथ त्रिपाठी	सहायक प्रोफेसर
7	डॉ. रूपेश कुमार सिंह	सहायक निदेशक
8	डॉ. ऋषभ कुमार मिश्र	सहायक निदेशक
9	डॉ. संजय कुमार तिवारी	रिसर्च एसोसिएट
10	श्री अरविंद कुमार	तकनीकी सहायक
11	श्री अनिल कुमार	कार्यालय सहायक
12	श्री वैभव राखुंडे	एम.टी.एस

उद्देश्य :

हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र (टीएलसीएचएस) के उद्देश्य निम्नलिखित कार्यक्रमों / योजनाओं का क्रियान्वयन करना है–

1. हिंदी शिक्षण के पाठ्यक्रम / पाठ्यचर्या संरचना / रूपरेखा के विकास संबंधी कार्यक्रम।
2. हिंदी शिक्षण हेतु पाठ्यक्रम संरचना में प्रतिमानात्मक बदलाव के आलोक में मूल्यांकन पद्धति के विकास संबंधी कार्यक्रम।
3. हिंदी शिक्षण में पाठ्यक्रम ढाँचे / संरचना के विकास के अनुरूप वैकल्पिक शिक्षा वैज्ञानिक अंतक्षेपों (Pedagogic interventions) को स्पष्ट करने संबंधी कार्यक्रम।
4. हिंदी शिक्षण हेतु शिक्षण–अधिगम सामग्री के विकास संबंधी कार्यक्रम।
5. हिंदी शिक्षण के लिए पाठ्य पुस्तक / पुस्तिका के विकास से संबंधित कार्यक्रम।
6. क्षेत्रीय / प्रादेशिक भाषाओं में / से मूलपाठ के अनुवाद हेतु कार्यक्रम।
7. हिंदी तथा भाषा वैज्ञानिक शिक्षण से संबंधित शोध के प्रोत्साहन हेतु संसाधनों, संदर्भ सेवा, इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस के भंडारण तथा ई–सामग्री के विकास से संबंधित कार्यक्रम।
8. हिंदी शिक्षण के प्रोत्साहन हेतु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, उच्च शिक्षा केंद्रों का संजाल / समूह विकसित करने संबंधी बहुआयामी कार्यक्रम।
9. हिंदी में पाठ्य पुस्तकों के विकास एवं निर्माण संबंधी कार्यक्रम।
10. सृजनात्मक लेखन के लिए पाठ्यक्रम निर्माण व विकास संबंधी कार्यक्रम।
11. हिंदी एवं कला, हिंदी एवं हिंदी साहित्य, हिंदी एवं भारतीय संस्कृति के साथ ही अन्य विषयों पर शोध संबंधी कार्यक्रम।
12. हिंदी में संदर्भ कोश / पारिभाषिक कोश / प्रासंगिक कोश के विकास हेतु कार्यक्रम।

योगदान :

हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र (टीएलसीएचएस) अब तक निम्नलिखित रूप में अपना योगदान दिया है–

1. पाठ्यक्रम विकास।
2. अपेक्षित कौशल और दक्षताओं के लिए संकल्पना मानचित्रण।
3. शिक्षण पद्धति / शिक्षण–अधिगम सामग्री / आकलन पद्धति का विकास।
4. कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, पुनश्चर्या कार्यक्रम तथा बौद्धिक कौशल कार्यक्रमों का आयोजन।
5. ई–सामग्रियों एवं संसाधनों का विकास।

6. प्रशिक्षण मापक का विकास।
7. विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन।
8. शिक्षकों हेतु अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम।
9. पूर्व निर्धारित ग्रंथों का निर्माण।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त अनुदान –

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने 20 अक्टूबर, 2015 के अपने पत्र द्वारा प्लान हेड के अंतर्गत (नॉन रेकरिंग मद में) 2,14,00,000 (दो करोड़ चौदह लाख रुपये) विश्वविद्यालय में स्थापित हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र के लिए स्वीकृत किया तथा परियोजना में उल्लिखित अन्य गतिविधियों को चलाने के लिए (रेकरिंग मद में) रु. 55,00,000 (पचपन लाख रुपये) स्वीकृत किया। मंत्रालय ने पुनः दिनांक 03.10.2017 को नॉन रेकरिंग मद में रु. 2,16,00,000 (दो करोड़ सोलह लाख रुपये) तथा रेकरिंग मद में रु. 53,65,000 (तिरपन लाख पैसठ हजार रुपये) की स्वीकृति प्रदान की।

परियोजना का वित्तीय विवरण : (विश्वविद्यालय के वित्त विभाग द्वारा प्राप्त, 31 मार्च, 2018 तक)		
आधारभूत ढांचागत विकास (अनुपभोग्य)	**गतिविधियाँ एवं अन्य मद (उपभोग्य)**	**कुल**
अनुमन्य धनराशि – 430 लाख	123 लाख	553 लाख
प्राप्त धनराशि – 214 लाख (20.10.2015)	55 लाख	269 लाख
प्राप्त धनराशि – 216 लाख (03.10.2017)	53.65 लाख	269.65 लाख
शेष धनराशि 00.00	शेष धनराशि 14.35	शेष धनराशि 14.35 लाख

व्यय विवरण : (विश्वविद्यालय के वित्त विभाग द्वारा प्राप्त, 31 मार्च, 2018 तक)		
आधारभूत ढांचागत विकास (अनुपभोग्य)	**हेतु गतिविधियों एवं अन्य मद (उपभोग्य)**	**कुल**
प्राप्त धनराशि – 430 लाख	108.65 लाख	538.65 लाख
व्यय धनराशि – 200 लाख	15.33 लाख	215.33 लाख
शेष धनराशि – 230 लाख	93.32 लाख	323.32 लाख

हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र (TLCHS) के तत्वावधान में आयोजित/संपादित कार्यक्रम :

1. पाठ्यक्रम विकास – निम्नलिखित पाठ्यक्रम के विकास कार्य को पूर्ण किया गया–
- एम.ए. (हिंदी)
- एम.एस.डब्ल्यू : (मास्टर ऑफ सोशल वर्क)
- एम.एड. (मास्टर ऑफ एजुकेशन)
- बी.एड.–एम.एड. (एकीकृत)
- बी.ए. (इतिहास)

2. अपेक्षित कौशल और प्रतिस्पर्धा के लिए संकल्पना मानचित्रण : इस पहल के अंतर्गत शिक्षा और मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों और शिक्षकों के द्वारा एक विशेष कार्यक्रम के जरिए विद्यार्थी में अंतर्निहित कौशल और दक्षता को पहचानने और उसका अपेक्षित विकास करने के लिए संकाय सदस्यों द्वारा संकल्पना मानचित्रण की कोशिश की गई।

3. शिक्षण अधिगम सामग्री का विकास :

विश्वविद्यालय के हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र ने विद्यार्थियों, शोधार्थियों, विद्वानों, शिक्षाविदों और शिक्षकों के लिए अच्छी गुणवत्ता वाले शिक्षण अधिगम सामग्री और ई–संसाधनों के विकास के साथ ही आम जनता के विकास के लिए भी पर्याप्त पहल की है।

पुस्तक प्रकाशन :

इस योजना के अंतर्गत निम्नलिखित शिक्षण अधिगम सामग्रियों का प्रकाशन किया गया है–

1. हिंदी शिक्षण का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य, लेखक – प्रो. वीना शर्मा, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
   संपादक – प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
2. भारत में शिक्षाः चुनौतियाँ और अपेक्षाएँ
   लेखक – प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
   संपादक – प्रो. अरबिन्द कुमार झा, शिक्षा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
3. धर्म और जेंडर : धर्म संस्था के जरिए जेंडरगत मानस का निर्माण
   अनुवाद और संपादन – स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा और टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुम्बई

शिक्षण–अधिगम पाठ्यसामग्री (ई–सामग्री) का विकास एवं निर्माण :
निम्नलिखित पाठ्यसामग्रियों का निर्माण किया गया जो म.गां.अं.हिं.वि. के विद्यार्थियों सहित सभी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है–

पाठ्यक्रम	क्र.	पाठ्यसामग्री विवरण
बी.एड.	1.	शिक्षा एवं शिक्षा के प्रयोजन
	2.	शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ
	3.	समकालीन भारत एवं शिक्षा
	4.	शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी
	5.	विद्यालय संगठन एवं शिक्षण
	6.	संज्ञान, अधिगम एवं शिक्षण
	7.	शैक्षिक आकलन
	8.	विद्यालय, प्रबंधन एवं नेतृत्व
	9.	हिंदी शिक्षण
	10.	मराठी शिक्षण
	11.	संस्कृत शिक्षण
	12.	अंग्रेजी शिक्षण
	13.	सामाजिक विज्ञान शिक्षण
	14.	भौतिक विज्ञान शिक्षण
	15.	जीव विज्ञान शिक्षण
	16.	गणित शिक्षण
	17.	स्वास्थ्य एवं योग शिक्षा
एम.एस. डब्ल्यू.	1.	सामाजिक कार्य अनुसंधान
	2.	सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य एवं समूह कार्य
	3.	सामुदायिक संगठन एवं सामाजिक क्रिया
	4.	सामाजिक कल्याण प्रशासन, नीति और नियोजन

शैक्षणिक सॉफ्टवेयर का विकास :
भाषा विद्यापीठ के सहायक प्रोफेसर डॉ. धनजी प्रसाद द्वारा निम्नलिखित सॉफ्टवेयर का विकास किया गया –

1. गणक : शब्द आवृत्ति गणक (GANAK : Word Frequency Counter)
2. खोजी : संदर्भ में शब्द व प्राप्तकर्ता (KHOJEE : Key Word in Context Finder)
3. सामान्यक : विराम चिन्ह् सामान्यीकारक (SAMANYAK : Punctuation Mark Normalizer)
4. शोधक : हिंदी पाठ मानककर्ता (SHODHAK : Hindi Text Standardizer)
5. हिंटै : संदर्भ–मुक्त हिंदी शब्द भेद टैगर (HINTAI : Context-Free Hindi POS Tagger)
6. अंतरक : देवनागरी रोमन लिप्यंतरण प्रणाली (ANTARAK : Devanagari Roman Transliteration system)
7. रूपविश्लेषक : रूपवैज्ञानिक रूपविश्लेषक (ROOPVISHLESHAK : Morphological Form Analyzer)
8. रूपसर्जक : रूपवैज्ञानिक रूपप्रजनक (ROOPSARJAK : Morphological Form Generator)
9. अन्वेषक : कोशीय इकाई (कोशिम) प्राप्तकर्ता (ANVESHAK : Lexical Entry (Lexeme) Finder)
10. कुशल : हिंदी वर्तनी जॉचक (KUSHAL : Hindi Spell Checker)

पुस्तक अनुवाद : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में उपयोगी एवं प्रासंगिक पुस्तकों के अनुवाद का कार्य प्रक्रियाधीन है।

परिसर विकास विभाग

विश्वविद्यालय में निर्माण कार्य केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के साथ–साथ यू.पी. स्टेट कंस्ट्रक्शन एंड इन्फ्रास्ट्रकचर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि., वर्धा (पूर्व नाम उत्तर प्रदेश समाज कल्याण निर्माण निगम, लखनऊ) द्वारा किया जा रहा है। केंद्रीय विद्यालय, रानी लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास एवं पुस्तकालय भवन के निर्माण हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से अनुदान प्राप्त हो गया है। भवन निर्माण की प्रक्रिया विश्वविद्यालय की कार्य परिषद एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्टैंडिंग कमेटी से अनुमति मिलने के उपरांत प्रारंभ की जा सकेगी। भविष्य में एक ओपेन थियेटर तथा एक योग केंद्र के निर्माण की योजना है। विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद के भवन निर्माण का कार्य भी शीघ्र प्रारंभ होने जा रहा है। क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता हेतु भूखंड प्राप्ति के लिए प्रयास जारी है।

वित्तीय वर्ष 2017–18 में केंद्रीय लोक निर्माण विभाग एवं यू.पी. स्टेट कंस्ट्रक्शन एंड, इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलेपमेंट कॉर्पोरेशन लि. द्वारा पूर्ण हो चुके कार्य :

क्र.	कार्य का नाम
1.	अकादमिक भवन (डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विद्या भवन) का निर्माण कार्य।
2.	दूर शिक्षा निदेशालय (पं. मदन मोहन मालवीय भवन) का निर्माण कार्य।
3.	महिला छात्रावास के लिए डायनिंग हाल (अन्नपूर्णा मंडपम) का निर्माण कार्य।
4.	छात्रावास क्रमांक–4 (सुखदेव छात्रावास) का निर्माण कार्य।
5.	मीटर रूम का निर्माण कार्य ।

उत्तर प्रदेश समाज कल्याण निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा किए जा रहे कार्य :

क्र.	कार्य का नाम
1.	पार्किंग शेडों का निर्माण कार्य।
2.	पुरुष छात्रावास क्रमांक – 5 का निर्माण कार्य।
3.	पुरुष छात्रावास क्रमांक – 6 का निर्माण कार्य।
4.	संग्रहालय भवन का निर्माण कार्य।
5.	56 नग कर्मचारी आवासों का निर्माण कार्य।
6.	टैगोर कल्चरल कॉम्पलेक्स का निर्माण कार्य।
7.	उत्तरी परिसर की शेष सड़क का निर्माण कार्य।
8.	छात्रावास क्रमांक 03–04 के मध्य डायनिंग हॉल का निर्माण कार्य।
9.	33 KV का कार्य।

जनसंपर्क कार्यालय

संपादित कार्य :

- विश्वविद्यालय में संचालित गतिविधियों को समाचार पत्रों में प्रसारित करना।
- विशिष्ट तथा अतिविशिष्ट व्यक्तियों को विश्वविद्यालय से जोड़ने का प्रयास करना।
- समय–समय पर विज्ञापन जारी करना।
- विश्वविद्यालय और अन्य संस्थाओं के माध्यम से संगोष्ठी / कार्यशालाएँ आयोजित करना।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट को लीला के माध्यम से संचालित करने में सहायता करना।
- विदेशी विद्यार्थियों के विश्वविद्यालय में आने पर वीजा संबंधी कार्य।
- समय–समय पर पत्र–परिषदों का आयोजन करना।
- विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सहयोग करना।

गतिविधियाँ

- (10–22 जून, 2017). विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के बच्चे तथा शहर के निवासी बच्चों के लिए बालरंग प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों को नृत्य, नाटक तथा चित्रकला का प्रशिक्षण दिया गया।
- (19 जुलाई, 2017). हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा जिला प्रशासन और वैद्यकीय जागरूकता मंच के संयुक्त तत्वावधान में बेकार पानी का उपयोग सिंचाई परियोजना का लोकार्पण महाराष्ट्र के वित्त मंत्री सुधीर मुनगंटीवार के हाथों किया गया। हिंदी विश्वविद्यालय ने 22 लाख 73 हजार रुपये का योगदान किया।
- (7 अगस्त, 2017). भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत क्षेत्रीय प्रचार कार्यालय, नागपुर एवं वसंतराव नाईक शासकीय कला व समाज विज्ञान संस्थान के गृह, अर्थशास्त्र व हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'राष्ट्रीय हथकरघा' दिवस पर जनसंपर्क अधिकारी तथा विद्यार्थियों ने सहभागिता की।
- (9–30 अगस्त, 2017). हिंदी विश्वविद्यालय में 'भारत छोड़ो आंदोलन की 75वीं वर्षगांठ' तथा 'भारतीय स्वतंत्रता की 70 वीं वर्षगांठ' के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों का उद्घाटन कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने किया।
- (17 अगस्त, 2017). हिंदी विश्वविद्यालय में साहित्य एवं संस्कृति संघ, वर्धा के सहयोग से स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर बहुभाषीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने किया।
- (02 अक्तूबर, 2017). हिंदी विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी की 148 वीं जयंती का आयोजन किया गया। इस दौरान वरिष्ठ गांधी विचारक एवं चिंतक डॉ. अरविंद मालपे (आष्टी) को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की।
- (15 नवंबर, 2017). विनोबा भावे की पुण्यतिथि के अवसर पर परमधाम आश्रम पवनार में स्वच्छता एवं श्रमदान अभियान चलाया गया जिसमें हिंदी विश्वविद्यालय ने सहभागिता की। एस.एन. सुब्बाराव के नेतृत्व में सांसद रामदास तडस, जिलाधिकारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नगराध्यक्ष, सरपंच, जनसंपर्क अधिकारी बी.एस. मिरगे एवं विद्यार्थियों आदि ने श्रमदान किया।
- (28 नवंबर, 2017). हिंदी विवि में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. एम.एल. कासारे उपस्थित थे।

पर्यावरण क्लब

म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में पर्यावरण क्लब की स्थापना 2011 में हुई। पर्यावरण क्लब के समन्वयक की जिम्मदारी सर्वप्रथम विदेशी भाषा एवं अंतराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र के चीनी भाषा के सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिर्वाण घोष को दी गई। उन्होंने वर्ष 2011 से 09 मार्च 2017 तक पर्यावरण क्लब के माध्यम से पर्यावरण संबंधी विविध कार्यक्रमों का आयोजन कर जनजागृति फैलाई। 10 मार्च, 2017 से इस पद की जिम्मेदारी जनसंचार विभाग के सहायक प्रोफेसर राजेश लेहकपुरे को दी गई।

पर्यावरण क्लब

श्री राजेश लेहकपुरे	– समन्वयक
डॉ. धूपनाथ प्रसाद	– सलाहकार
डॉ. रवि कुमार	– सलाहकार
डॉ. राजेश्वर सिंह	– सलाहकार
श्री बी. एस. मिरगे	– सलाहकार
डॉ. अमित कु. विश्वास	– सदस्य
श्री राजेश अरोरा	– सदस्य
सुश्री आरती देवी	– विद्यार्थी प्रतिनिधि
श्री अभिषेक त्रिपाठी	– विद्यार्थी प्रतिनिधि
श्री श्रीकांत जयसवाल	– विद्यार्थी प्रतिनिधि
श्री वरुण चौबे	– विद्यार्थी प्रतिनिधि

गतिविधियाँ

1. पौधारोपण कार्यक्रम – विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजाति के पौधे लगाए गए।
2. जनजागृति अभियान – पर्यावरण क्लब और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में पृथ्वी बचाव, जल संरक्षण, पेड़ बचाव, हरी और नीली डस्टबिन का प्रयोग आदि विषय पर जनजागृति अभियान चलाया गया।
3. वाल पेंटिंग द्वारा पर्यावरण संदेश – पर्यावरण क्लब द्वारा वाल पेटिंग द्वारा पर्यावरण संरक्षण के संदेशों के लिए प्रचार–प्रचार अभियान चलाया गया। जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण क्लब के समन्वयक राजेश लेहकपुरे, जनसंपर्क अधिकारी बी.एस. मिरगे, सहायक कुलसचिव डॉ. राजेश्वर सिंह, अनुभाग अधिकारी बृजेश पाटिल, डॉ. राजेंद्र मुंडे आदि उपस्थित थे।

अस्पताल

डॉ. हेमंत धामट (एम.बी.बी.एस.) – सामान्य चिकित्सा अधिकारी
डॉ. अर्चना जाधव (एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ.)– स्त्री रोग चिकित्सा अधिकारी
विश्वविद्यालय के कर्मियों एवं विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा देने हेतु एक अस्पताल है। अस्पताल में प्रतिदिन करीब 15–20 रोगी इलाज करवाने आते हैं। इस वर्ष कुल 5,880 मरीजों का इलाज किया गया। अस्पताल के लिए प्रति माह 30,000 रु. की दवा खरीदी जाती है। अस्पताल में नेम्बुलाइजेशन, हेल्थ एजुकेशन, योगासन चार्टसुविधा उपलब्ध है।

शिशु विहार

म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के शिशु विहार (नन्हें खरगोश) में कुल 15 बच्चे पंजीकृत हैं। इसमें महिला और पुरुष दोनों कर्मियों तथा शोधार्थियों के बच्चे शामिल हैं। यहाँ बच्चों के खेलने के लिए विभिन्न प्रकार के खिलौनों एवं उनकी सुविधा हेतु टी.वी., फ्रीज, कूलर, म्यूजिक सिस्टम, इंडक्शन चूल्हा आदि की व्यवस्था की गई है। फिलहाल बच्चों के लिए यहाँ बेहतरीन बाल–पुस्तकें मँगवाई गई हैं, ताकि बच्चे उनसे लाभान्वित हो सकें। बच्चों के लिए बेहतरीन खिलौने खरीदे गए हैं। बच्चों के मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार की खेलनेवाली गाड़ियों की व्यवस्था की गई है। बच्चों के मैदानी खेल के लिए शिशु विहार भवन के सामने एक मैदान है जिसमें बच्चों के मैदानी खेलों के लिए व्यवस्था की गई है।

डिबेटिंग सोसायटी

26 नवंबर, 2009 को डिबेटिंग सोसायटी की स्थापना की गई थी। इस सोसायटी का उद्देश्य विश्वविद्यालय में सम–सामायिक मुद्दों के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता लाना एवं उन्हें एक बेहतर वक्ता के रूप में तैयार होने के लिए मंच प्रदान करना है।

गतिविधियाँ

वाद–विवाद और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन : विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सरोजनी नायडू स्मृति वाद–विवाद प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस वर्ष वाद–विवाद प्रतियोगिता का विषय था– 'उदारीकरण के 25 वर्ष भारत के लिए हितकारी सिद्ध हुए हैं'। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार रजनीश कुमार त्रिपाठी ने प्राप्त किया। द्वितीय पुरस्कार नव रज़ा खां ने प्राप्त किया। तृतीय पुरस्कार गौरव चौहान को दिया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार गौरव चौहान, शिवम और धम्म रतन की टीम ने प्राप्त किया। द्वितीय पुरस्कार अमन आकाश, हरिओम मीणा और विकास की टीम को दिया गया। तृतीय पुरस्कार नबी रजा खां, शशि भूषण और अनूप की टीम को दिया। डॉ. अवंतिका शुक्ला और डॉ. ऋषभ कुमार मिश्र क्रमशः इस कार्यक्रम के समन्वयक और सह–समन्वयक थे।

केन्द्रीय विद्यालय वर्धा

केन्द्रीय विद्यालय वर्धा की स्थापना सन 2015 में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के परिसर में हुई। सन 2017–18 में 1 से 7 तक कक्षाएं संचालित की गई, जिसमें कुल 295 विद्यार्थी अध्ययन कर रहे थे। जिसका विवरण निम्नानुसार है :

कक्षा	छात्र	छात्रा	कुल
पहली	20	18	38
दूसरी	23	20	43
तीसरी	21	25	46
चौथी	27	12	39
पाचवीं	31	12	43
छठवीं	18	23	41
सातवीं	27	18	45

सामान्य	78
पिछड़ा वर्ग	126
अनुसूचित जाति	75
अनुसूचित जनजाति	12
अल्पसंख्याक	02
विकलांग	02

विद्यालय में कुल 10 कर्मचारी स्थायी एवं 06 कर्मचारी अस्थायी तौर पर कार्यरत है। कर्मचारियों का विवरण निम्नानुसार है :

पद	कुल
प्राचार्य	01
टी.जी.टी.	02
पी.आर.टी.	06
कार्यालयीन कर्मचारी	02
संगीत शिक्षक	01

पुरुष : 09, स्त्री : 07, पिछड़ा वर्ग : 05, सामान्य : 02, अनुसूचित जाति : 09

विद्यालय में विद्यार्थियों के प्रभावशाली अध्ययन के लिए क्रियाकलाप कक्ष, संगीत कक्ष, क्रीडा कक्ष, चिकित्सा कक्ष, संगणक कक्ष आदि विकसित किए गए हैं। विद्यालय में खेलकूद दिवस, युवा दिवस, बाल दिवस, दादा–दादी दिवस, स्थापना दिवस, चिंतन दिवस आदि बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाए गए। पाठ्य सहगामी क्रिया के तहत प्रश्न मंजूषा, समूह नृत्य, पेंटिंग, कोलाज, कहानी कथन, हिंदी पखवाड़ा, रंगोली, हस्ताक्षर, ग्रीटिंग कार्ड, दिया सजाना, भाषण प्रतियोगिता, समूह गान एवं अन्य कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

विद्यालय के विद्यार्थियों ने साइन्स फ़ाउंडेशन की स्पर्धा परीक्षा, संभागीय खेल कूद स्पर्धा, विज्ञान प्रदर्शन, राष्ट्रीय एकता कार्यक्रम आदि मे अपना हुनर दिखाया। सामाजिक योगदान मे भी विद्यालय के विद्यार्थी पीछे नहीं रहे। स्वच्छता अभियान, बेटी बचाओ अभियान, पेड़ बचाओ अभियान, राष्ट्रीय एकता अभियान, आजादी की दौड़ आदि कार्यक्रम मे बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यार्थियों के अध्ययन को अधिक मनोरंजक बनाने हेतु खेल–खेल मे शिक्षा, संगणक द्वारा शिक्षा, फिल्म शो आदि को बढ़ावा दिया गया।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा विद्यार्थियों के अंग्रेजी वार्तालाप को बढ़ाने के लिए परियोजना सम्मिलित की गई। बुनियाद की ओर परियोजना के तहत विद्यार्थियों को मूल कौशल सिखाये जा रहे हैं। स्वस्थ बच्चे– स्वस्थ भारत परियोजना के तहत विद्यार्थियों के शारीरिक शिक्षा की ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्राथमिक विभाग में शनिवार को आनंदकर दिवस मनाया जा रहा है, जिसमें विद्यार्थी अपने रुचि से विविध क्रिया कलाप में भाग ले रहे हैं। विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठकें नियमानुसार बुलाई गई, जिसकी अध्यक्षता माननीय कुलपति श्री गिरीश्वर मिश्र द्वारा की गई।

राष्ट्रीय सेवा योजना

म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग का शुभारंभ 20 फरवरी 2013 को राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ भाऊ दायदार द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक का दायित्व कला एवं प्रदर्शनकारी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सतीश पावड़े को दिया गया। उसके पश्चात् 12 नवंबर, 2014 को अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के सहायक प्रोफेसर डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी को इसका दायित्व दिया गया। 04 जनवरी 2016 से जनसंचार विभाग के सहायक प्रोफेसर राजेश लेहकपुरे को राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक का दायित्व दिया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी के रूप में स्त्री अध्ययन विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. सुप्रिया पाठक एवं जनसंपर्क अधिकारी बी एस मिरगे को दायित्व दिया गया। रासेयो द्वारा वर्ष भर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिसका विवरण निम्नवत् है –

गतिविधियाँ

क्र.	तिथि	कार्यक्रमों का विवरण
1.	जून–जुलाई–अगस्त, 2017	विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के कुल 500 पौधे लगाए गए।
2.	01–15 अगस्त, 2017	स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में सफाई की गई, जिसमें रासेयो स्वयं–सेवक तथा वि. वि. के कर्मियों की सहभागिता रही।
3.	08–10 सितंबर, 2017	बारसी में आयोजित गणतंत्र दिवस राज्य स्तरीय परेड पूर्व प्रशिक्षण शिविर में रासेयो स्वयंसेवक चेतन बेले, कालिदास कासिद और हरिओम मीना ने सहभागिता की।
4.	24 सितंबर, 2017	रासेयो दिवस के अवसर पर निम्न कार्यक्रम आयोजित किए गए – 1. विश्वाविद्यालय परिसर में 'स्वच्छता ही सेवा' विषय पर रैली, 2. नवागंतुक स्वयंसेवको का स्वागत समारोह तथा ओरिएंटेशन कार्यक्रम, 3. स्वच्छता पर आधारित निबंध, भाषण प्रतियोगिता, और 4. दिल्ली, मुंबई, पुणे, पटना और नागपुर शिविरों में पुरस्कार प्राप्त स्वयंसेवकों का सम्मान।
5.	27 नवंबर, 2017	संविधान दिवस पर प्रो.एम.एल. कासारे का व्याख्यान तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
6.	05 दिसंबर, 2017	विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया।
7.	8 दिसंबर, 2017	रासेयो द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 22 लोगों ने रक्तदान किया। शिविर का उद्घाटन कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा किया गया।
8.	21 दिसंबर, 2017	रासेयो द्वारा आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर में कुल 33 लोगों ने अपनी जांच करवायी।
9.	12 जनवरी, 2018	युवा दिवस के अवसर पर युवा नेतृत्व विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया।
10.	25 जनवरी, 2017	विश्वविद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया गया।
11.	17–26 जनवरी, 2018	मुंबई में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में स्वयं–सेवक कालीदास कासिद ने सहभागिता की।
12.	05–09 मार्च, 2018	रासेयो द्वारा चिखलदरा में आयोजित साहसी शिविर में स्वयं–सेवक हरिओम मीना ने सहभागिता की।
13.	07–13 मार्च, 2018	रासेयो द्वारा वर्धा जिले के रोठा गांव में सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 'बेटी बचाओ, बेटी पढाओ', कृषि संवाद, नशा मुक्ति, सफाई अभियान, महिला सशक्तिकरण, सर्व शिक्षा अभियान, सरकारी योजनाओं की जानकारी, अंधश्रद्धा उन्मूलन, बचत समूह की महिलाओं का सम्मान, सांप काटने के बाद इलाज पर मार्गदर्शन, शौचालय के प्रति जनजागृति अभियान, जल संरक्षण, खेल, रंगोली तथा पोस्टर निर्माण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

हिंदी समय डॉट कॉम

विश्वविद्यालय से यह अपेक्षा की जाती है कि वह हिंदी को अंतरराष्ट्रीय भाषा बनने के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए। यह तभी संभव हो सकता है जब हिंदी न सिर्फ गंभीर विमर्श का माध्यम बने, बल्कि हिंदी में लिखा गया महत्वपूर्ण साहित्य देश–विदेश के विशाल पाठक समुदाय तक पहुंचे। दुनिया के कोने–कोने में बैठे हिंदी के पाठकों के लिए 'हिंदीसमयडॉटकॉम' ूीपदकपेंउलण्बवउ नामक वेबसाइट शुरू करने की एक महत्वाकांक्षी योजना वर्ष 2009 में आरंभ की गई। इसके जरिए हम हिंदी की सभी महत्वपूर्ण पुस्तकों, रचनाओं तथा अन्य भाषाओं से हिंदी में अनूदित साहित्य को इंटरनेट पर एक जगह उपलब्ध कराना चाहते हैं।

साहित्य, समाज, संस्कृति से जुड़े तमाम विषयों पर विमर्श के लिए 'हिंदीसमयडॉटकॉम' पर इस समय साढ़े छह लाख से ज्यादा पृष्ठों पर हिंदी की मूल्यवान रचनाएँ संजोई जा चुकी हैं तथा रोज कुछ नया जोड़ा जा रहा है। यह सारा साहित्य बिना किसी शुल्क के न केवल इंटरनेट पर पढ़ा जा सकता है, बल्कि डाउनलोड भी किया जा सकता है।

विश्वविद्यालय का प्रयास है कि अगले कुछ माह में हिंदी के लगभग दस लाख पृष्ठ ऑनलाइन कर दिए जाएंगे। इसके अलावा हम विश्वभर की महत्वपूर्ण कृतियों, जो चीनी, अरबी, फ्रेंच, जर्मन या भारतीय भाषाओं में लिखी गई हैं, उन्हें भी हिंदी में अनूदित कर ऑनलाइन करने के लिए प्रयासरत हैं। अक्टूबर, 2014 के पहले प्रत्येक सप्ताह में सामग्री दी जाती थी अब यह माह के दूसरे और चौथे शुक्रवार को पत्रिका की शक्ल में सामग्री पाठकों को उपलब्ध करायी जा रही हैं। वर्ष 2017–18 में 20 अंकों का प्रकाशन किया गया। कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अभिप्रेरणा से गांधीजी द्वारा लिखे साहित्य को भी 'हिंदीसमयडॉटकॉम' के पाठकों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

कर्मी :

संपादक : प्रो. आनंद वर्धन शर्मा
समन्वयक : डॉ. अमित कु. विश्वास
तकनीकी सहयोग : सचिन हाडके
संपादकीय सहयोग* : मनोज कुमार पांडेय
सहायक* : उमेश कुमार सिंह
(* अस्थाई / आउटसोर्सिंग कर्मी)

महत्वपूर्ण तथ्य

1. गूगल सर्च इंजन के अनुसार हिंदी साहित्य के लिए दुनिया में सर्वाधिक देखी जाने वाली वेबसाइटों में से एक है– 'हिंदीसमयडॉटकॉम'।
2. तकरीबन साढ़े छह लाख से अधिक पृष्ठ ऑनलाइन किए जा चुके हैं।
3. हमारे रचनाकार कॉलम के तहत तकरीबन डेढ हजार से अधिक लेखक जुड़ चुके हैं।
4. तकरीबन साढ़े सात हजार से अधिक लेखकों के संक्षिप्त परिचय उपलब्ध हैं।
5. देश–विदेश में लगभग चालीस लाख से अधिक पाठक हैं।
6. लगभग छह हजार से अधिक पाठक प्रतिदिन 'हिंदीसमयडॉटकॉम' का पन्ना खोलते हैं, इनमें भारत सहित संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, नार्वे, डेनमार्क, पाकिस्तान, इंडोनेशिया, सऊदी अरब, यूएई, कनाडा, आस्ट्रेलिया, ईरान, पुर्तगाल, स्पेन सहित और भी अनेक देशों के पाठक होते हैं।

प्रकाशन (विशेषांक)

1. स्त्री दिवस पर स्त्री रचनाकारों पर केंद्रित, (9 मार्च, 2017)
2. स्त्री कथाकारों पर केंद्रित (12 मई, 2017)

गैर–शैक्षणिक कर्मियों के प्रकाशन

अशोक कुमार मिश्र, संपादक, प्रकाशन विभाग

संगोष्ठी / कार्यशाला में पत्र प्रस्तुति / सहभागिता

• (18 फरवरी, 2018). भारत भवन, भोपाल में आयोजित 36 वीं वर्षगाठ समारोह में कहानी पाठ।

प्रकाशन

मिश्र, अशोक कुमार

• (जनवरी–अप्रैल, 2017). 'बहुत सारे सवालों के जवाब मांगती एक कृति', पुस्तक–वार्ता, 68–69, 54–55, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।

• (2017). 'बहुत याद आते हैं रामकृष्ण पांडेय 'आमिल', लोकमत समाचार उत्सव प्लस दीपावली, 215–219, नागपुरः लोकमत मीडिया प्रा.लि.।

• (मार्च, 2018). 'दीनानाथ की चक्की कहानी', प्राची, 10, 23–26, जबलपुर।

उपलब्धि

• (20 जनवरी, 2018). कहानी संग्रह 'दीनानाथ की चक्की' को वर्ष 2018 का विजय वर्मा कथा सम्मान।

डॉ. अमित कुमार विश्वास, सहायक संपादक, प्रकाशन विभाग

संगोष्ठी / कार्यशाला में पत्र प्रस्तुति / सहभागिता

• (24 मार्च, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं न्यू आर्टस, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, वर्धा द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गांधी और पर्यावरण' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।

प्रकाशन

विश्वास, अमित कुमार

• (2017). 'जीवन अस्तित्व और कृषक आत्महत्या', मानव अधिकार : नई दिशाएं, 14, 109–118, नई दिल्ली : राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग।

• (2017). 'मानवीय सरोकारों के रचनाकार', लोकमत समाचार उत्सव प्लस दीपावली, 215–219, नागपुर : लोकमत मीडिया प्रा.लि.।

• (2017). 'पत्रकारिता केंद्रित साहित्य', हिंदी पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार, 01, 60–75, वर्धा : दूर शिक्षा निदेशालय (एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम), म.गां.अं.हिं.वि.।

• (2017). 'उद्‌बोधन काल', हिंदी पत्रकारिता का उदय और विकास, 02, 90–106, वर्धा : दूर शिक्षा निदेशालय (एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम), म.गां.अं.हिं.वि.।

• (2017). 'स्वातंत्र्य संघर्ष काल', हिंदी पत्रकारिता का उदय और विकास, 02, 107–117, वर्धा : दूर शिक्षा निदेशालय (एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम), म.गां.अं.हिं.वि.।

• (2017). 'स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्रकारिता', हिंदी पत्रकारिता का उदय और विकास, 02, 118–138, वर्धा : दूर शिक्षा निदेशालय (एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम), म.गां.अं.हिं.वि.।

• (2017). 'संचार : अर्थ एवं अवधारणा', परामर्श एवं संप्रेषण : समाज कार्य परिप्रेक्ष्य, 03, 84–101, वर्धा : दूर शिक्षा निदेशालय (एम.एस.डब्ल्यू. पाठ्यक्रम), म.गां.अं.हिं.वि.।

• (2017). 'संचार के चरण एवं प्रारूप', परामर्श एवं संप्रेषण : समाज कार्य परिप्रेक्ष्य, 03, 102–119, वर्धा : दूर शिक्षा निदेशालय (एम.एस.डब्ल्यू. पाठ्यक्रम), म.गां.अं.हिं.वि.।

• (2017). 'संचार सैद्धांतिकी : संस्कृति उत्पाद, पब्लिक स्फेयर एवं सहमति निर्माण', परामर्श एवं संप्रेषण : समाज कार्य परिप्रेक्ष्य, 03, 120–133, वर्धा : दूर शिक्षा निदेशालय (एम.एस.डब्ल्यू. पाठ्यक्रम), म.गां.अं.हिं.वि.।

• (2017). 'भारत में संचार परिदृश्य', परामर्श एवं संप्रेषण : समाज कार्य परिप्रेक्ष्य, 03, 134–152, वर्धा : दूर शिक्षा निदेशालय (एम.एस.डब्ल्यू. पाठ्यक्रम), म.गां.अं.हिं.वि.।

• (जनवरी, 2018). 'आर्थिक कठिनाइयों में भी बनाए रखा था हौसला', साक्षात्कार, 457, 76–79, भोपाल : साहित्य अकादमी, मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद।

• (15 अप्रैल, 2017). 'डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर जयंती', वार्ता, नागपुर : आकाशवाणी, भारत सरकार।

• (10 जुलाई, 2017). 'गांधीजी के चंपारण आंदोलन के 100 साल और निहित संदेश', सप्तरंग, नागपुर : आकाशवाणी, भारत सरकार।

• (15 जनवरी, 2018). 'मोबाइल और वीडियो गेम के दुष्परिणाम और सावधानियाँ', सप्तरंग–वार्ता, नागपुर : आकाशवाणी, भारत सरकार।

• (2018). 'गांधी–दृष्टि : युवा रचनात्मकता के आयाम', नई दिल्ली : भारतीय ज्ञानपीठ।

यूजीसी–नेट/जेआरएफ उत्तीर्ण तथा आरजीएनएफ/अन्य शोधवृत्ति प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की सूची

विद्यार्थियों के नाम	विभाग/केंद्र	शोधवृत्ति का नाम	माह एवं वर्ष
स्वर्णलता सिन्हा	भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग	आईसीएसएसआर डॉक्टरल फैलोशिप	15 जनवरी, 2018
प्रज्ञा भगत	सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र	आर.जी.एन.एफ.	28 जुलाई, 2017
मोनिका शर्मा	हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग	यूजीसी–नेट	नवंबर, 2017
प्रेमचंद		यूजीसी–नेट	नवंबर, 2017
दीपक कुमार भारती		यूजीसी–जे.आर.एफ.	नवंबर, 2017
पंचदेव प्रसाद		यूजीसी– जे.आर.एफ.	नवंबर, 2017
योगेश कुमार मिश्र		यूजीसी– जे.आर.एफ.	नवंबर, 2017
स्वपन कुमार देब शर्मा	संस्कृत साहित्य विभाग	यूजीसी– जे.आर.एफ.	2017–18
राहुल विनोदराव राउत	मराठी साहित्य विभाग	यूजीसी–नेट	2017
शिशु कुमार सिंह	प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक) विभाग	यूजीसी–नेट	अप्रैल, 2017
शैंकी जैन		यूजीसी–जेआरएफ	अप्रैल, 2017
कंचन		यूजीसी–नेट	अप्रैल, 2017
राजेंद्र कुमार यादव	गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग	यूजीसी–नेट	05 नवंबर, 2017
देवेंद्र मौर्य		यूजीसी–नेट	02 जनवरी, 2018
अनिल कुमार	स्त्री अध्ययन विभाग	आरजीएनएफ	2017–18
आकाशदीप		आरजीएनएफ	2017–18
सतपाल यादव		यूजीसी–नेट	2017–18
नीलूराम कोर्राम	डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर–सिदो–कान्हू–मुर्मू दलित एवं जनजाति अध्ययन केंद्र	यूजीसी–नेट	2017
श्रेयात		यूजीसी–नेट	2017
नरेंद्र कुमार	डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र	यूजीसी–नेट–जे.आर.एफ.	जनवरी, 2018
रामजी राव		यूजीसी–नेट–जे.आर.एफ.	जनवरी, 2018
इंद्रश्री बौद्ध		यूजीसी–नेट	जनवरी, 2018
जीतेंद्र	अनुवाद अध्ययन विभाग	यूजीसी–नेट	नवंबर, 2017
रणजीत कुमार	जनसंचार विभाग	यूजीसी–नेट	2017–18
आदित्य उत्तम		यूजीसी–नेट	2017–18
चेतन भट्ट		यूजीसी–नेट	2017–18
मो. सरफराज अंसारी		यूजीसी–नेट	2017–18
विकास कुमार		यूजीसी–नेट	2017–18
डॉ. सत्यम कुमार सिंह	म.गां.फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र	पीडीएफ	2017
दीनानाथ यादव		यूजीसी–नेट	2017
राजन प्रकाश		यूजीसी–जे.आर.एफ.	2017
चंदन सरोज		यूजीसी–नेट	2017
रवि कुमार	मानवविज्ञान विभाग	यूजीसी–नेट	मई, 2017
धनेश कुमार कन्नौजे		यूजीसी–नेट	जनवरी, 2018
कौसर अली	मनोविज्ञान विज्ञाग	मौलाना अबुल कलाम आजाद राष्ट्रीय छात्रवृत्ति	1 अप्रैल, 2017

नियोजन प्रकोष्ठ (प्लेसमेंट सेल)

2–4 जनवरी, 2018 को शिक्षक चयन परीक्षा के लिए मार्गदर्शन हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने सहभागिता की। कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने की। कार्यशाला में शिक्षण अभिक्षमता, सामान्य अध्ययन, तर्कशक्ति, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और हिंदी भाषा के सत्रों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रो. अवधेश कुमार, डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी, श्री समरजीत यादव, डॉ. रवि कुमार, डॉ. रामानंद यादव, डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी ने साधन सेवी की भूमिका निभाई। कार्यशाला का समन्वयन नियोजन प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. ऋषभ कुमार मिश्र ने किया।

10 मार्च 2018 को नियोजन प्रकोष्ठ द्वारा जम्मू और कश्मीर के सोफिया में नियुक्त एस.पी. श्री राम उबांरकर के विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। अपने व्याख्यान में श्री उबांरकर ने सिविल सेवा की परीक्षा के प्रारूप पर चर्चा की। इस दौरान हिंदी एवं तुलनात्मक विभाग के प्रो. अखिलेश दुबे सहित संकाय सदस्य और विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

विभाग / केंद्र के विद्यार्थियों का समायोजन (प्लेसमेंट) का विवरण :

क्र.	विद्यार्थी का नाम	विभाग / केंद्र	पदनाम	संस्थान का नाम
01	श्री नितिन रामटेके	भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग	अनुवादक	इं.गां. रा. जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक
02	सुश्री शिल्पा गुप्ता		अनुवादक	इं.गां. रा. जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक
03	श्री हेमंत राय		डॉक्यूमेंट ऑफिसर	इं.गां. रा. जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक
04	श्री विश्वनाथ सार्वे	सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र	प्रलेखन अधिकारी	इं.गां. रा. जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक
05	श्री हेमंत राय		शोध सहयोगी	इं.गां. रा. जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक
06	श्री प्रदीप त्रिपाठी	हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग	सहायक प्रोफेसर	सिक्किम विश्वविद्यालय, सिक्किम
07	श्री वीरेंद्र प्रताप यादव		सहायक प्रोफेसर	इं.गां. रा. जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक
08	श्री यदुवंश यादव		सहायक प्रोफेसर	एस.पी. कॉलेज, दुमका
09	सुश्री अनु सुमन बड़ा		सहायक प्रोफेसर	साहेबगंज महाविद्यालय, साहेबगंज
10	सुश्री शिल्पा	अनुवाद अध्ययन विभाग	परियोजना सहायक	इं.गां. रा. जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक
11	सुश्री आदिती शुक्ला	म.गां.फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र	क्लस्टर इंचार्ज	एज्युकेट गर्ल, अजमेर (राजस्थान)
12	सुश्री दीपाली कोडापे		समन्वयक	इंदिरा गांधी गर्ल्स हाईस्कूल, नागपुर
13	श्री प्रसन्न त्रिपाठी		प्रोग्राम ऑफिसर	एज्युकेट गर्ल, अजमेर (राजस्थान)
14	श्री शिव कुमार	मानवविज्ञान विभाग	सहायक प्रोफेसर	उच्च शिक्षा विभाग, ओड़िशा
15	श्री बृजेश कुमार	क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद	प्रवक्ता	
16	सुश्री अंकिता सिंह		ग्राम पंचायत अधिकारी	
17	श्री अमित कुमार राय		सरकारी अधिवक्ता	
18	सुश्री रीना मिश्रा		शिक्षक	केंद्रीय विद्यालय, हैदराबाद
19	श्री आदित्य किशोर शाही		प्रबंधक	दिल्ली
20	श्री अतुल मिश्र		संपादक	यूनाईटेड भारत
21	श्री राकेश कुमार		नेटवर्क इंजीनियर	दिल्ली

विश्वविद्यालय के गैर–शैक्षणिक कर्मियों की सूची

समूह–अ		
1. संयुक्त–कुलसचिव		
क्र.	**कर्मचारी का नाम**	**नियुक्ति की तिथि**
1.	श्री पी.सरदार सिंह *	23.03.2007
2.	श्री कादर नवाज खान **	23.03.2007
2. क्षेत्रीय निदेशक		
1.	डॉ. एम.एम. मंगोडी	03.04.2007
2.	डॉ. पीयूष कु. पातंजलि	06.03.2012
3. संपादक		
1.	श्री अशोक कुमार मिश्र	14.03.2012
4.सहायक कुलसचिव		
1.	श्री सुशील बी. पखिड़े	23.03.2007
2.	डॉ. राजेश्वर सिंह	28.03.2011
3.	डॉ. ज्योतिष पायेंड.	13.12.2011
4.	श्री राजेश अरोड़ा	21.11.2012
5.	श्री विनोद र. वैद्य	25.07.2016
5. सहायक क्षेत्रीय निदेशक		
1.	डॉ. प्रकाश नारायण त्रिपाठी	07.03.2012
2.	श्री यशराज सिंह पाल	03.04.2012
6. जनसंपर्क अधिकारी		
1.	श्री बी.एस. मिरगे	28.02.2007
7. हिंदी अधिकारी		
1.	श्री राजेश कुमार यादव	13.12.2011
8. सहायक संपादक		
1.	श्री राकेश श्रीमाल	28.05.2001
2.	डॉ. अमित कुमार विश्वास	06.03.2012
9. सिस्टम एनालिस्ट/प्रोग्रामर		
1.	श्री अंजनी कुमार राय	22.03.2007
*** प्रतिनियुक्ति पर, **वर्तमान में वित्त अधिकारी**		

समूह –ब		
1. व्याकरण अनुषंगी (ग्रेड–1)		
1.	डॉ. श्रीरमण मिश्र	15.05.2000
2. कोश अनुषंगी (ग्रेड–1)		
1.	श्री गिरीश चंद्र पाण्डेय	10.04.2001
3. भाषा अनुषंगी (कम्प्यूटर ग्रेड–2)		
1.	सुश्री गुंजन जैन	01.08.2001
4. सॉफ्टवेयर अनुषंगी (ग्रेड–2)		
1.	श्री कौशल कि. त्रिपाठी	14.01.2000
2.	सुश्री हेमलता र. गोडबोले	07.06.2007
5. निजी सचिव		
1.	श्री पवन कुमार	07.02.2014
6. अनुभाग अधिकारी		
1.	श्री ब्रिजेश गु. पाटिल	21.03.2007
2.	श्री मनोज कु. द्विवेदी*	15.03.2011
3.	श्री शंभू दत्त सती	11.02.2014
4.	श्री मनोज कुमार	07.02.2014
5.	श्री कमल शर्मा	25.07.2016
7. कनिष्ठ अभियंता		
1.	श्री तुषार म. वानखेडे	22.11.2010
8. सहायक		
1.	श्री नटराज वर्मा	02.07.2001
2.	सुश्री सुमन	11.09.2001
3.	श्री संजय कुमार तिवारी	18.03.2002
4.	श्री अतुल सोबती	01.07.2002
5.	श्री राजेश म. आगरकर	13.08.2002
6.	सुश्री मालती दि. चव्हाण	01.10.2002
7.	श्री राजीव कुमार पाठक	15.11.2002
8.	श्री संजय सिंह	29.11.2002
9.	श्री अमित प्र. पांडे	29.11.2002
10	डॉ. आलोक कुमार सिंह	09.12.2002
11	श्री सचिन म. हाडके	14.03.2007
12	सुश्री पदमा भालेराव	07.06.2007
13	श्री भालचंद्र सिंह	07.06.2007
14	श्री पंकज वा. पाटिल	21.04.2008
15	श्री वैभव जी. सुशील	22.11.2010
16	श्री समीर अवस्थी	22.11.2010
17	श्री सुधीर एस. ठाकुर	23.11.2010
18	सुश्री संगीता मालवीया	02.09.2011
19	श्रीमती पी. राधावाणी	31.08.2012
20	सुश्री शील आतिश खांडेकर	07.02.2014
21	श्री उमाशंकर	07.02.2014
22	श्री किशोर रा. जाधव	25.07.2016
9. निजी सहायक		
1.	श्री विजय यादव*	19.06.2013
10. हिंदी अनुवादक		
1.	सुश्री आरती गुडधे	09.09.2011
*** प्रतिनियुक्ति पर**		

समूह –स		
1. उच्च श्रेणी लिपिक		
1.	श्री दानसिंह नेगी	23.04.2012
2.	श्री वेद प्रकाश	07.02.2014
3.	सुश्री रोहिणी पोहाणे (उमाटे)	10.02.2014
4.	श्री कुणाल हे. वैद्य	26.09.2016
5.	श्री केशरी प्रसाद	26.09.2016
2. निम्न श्रेणी लिपिक		
1.	सुश्री ऋचा श्रीवास्तव	12.08.2011
2.	श्री पुष्कर सिंह	17.06.2013
3.	श्री संदीप राय	17.06.2013
4.	सुश्री शिल्पा म. मसराम	27.06.2013
5.	श्री मनोज शि. ठाकुर	26.09.2016
6.	श्री मनोहर म. रसे	26.09.2016
7.	श्री शरद सु. बकाले	26.09.2016
8.	श्री प्रदीप गं. आदे	26.09.2016
9.	श्री रविन्द्र सा. वानखेडे	26.09.2016
3. तकनीकी सहायक		
1.	श्री अरविंद कुमार	05.09.2011
2.	श्री सदानंद कु. चौधरी *	31.03.2012
3.	श्री अजय प्र. सिंह	31.03.2012
4.	श्री हरीश चं. शाह **	31.03.2012
5.	डॉ. हिमांशु नारायण	25.05.2012
4. कंप्यूटर ऑपरेटर		
1.	श्रीमती कल्पना कि. थूल	31.03.2012
2.	श्री रामप्रसाद कुमरे	31.03.2012
5. वाहन चालक, ग्रेड–2		
1.	श्री विजय पाल पांडेय	01.05.2000
2.	श्री शत्रुघन सिंह	01.11.2000
3.	श्री प्रमोद सूर्यभान उरकूडे	01.10.2001
6. वाहन चालक, ग्रेड–1		
1.	श्री सुरेश कुमार	06.12.2002
7. एम.टी.एस.		
1.	श्री विश्राम सिंह	01.09.1999
2.	सुश्री गीता देवी	01.09.2000
3.	श्री देवमूर्ति द्विवेदी	01.10.2000
4.	श्री सुनील वि. ढोरे	01.11.2000
5.	श्री हीरामणि भंडारी	01.04.2001
6.	श्री सुनील कुमार	01.03.2002
7.	श्री श्यामल भट्टाचार्य	01.10.2002
8.	श्री राजेंद्र ना. मते	01.11.2002
9.	श्री रामजस	05.11.2002
10.	श्री प्रवीण रा. शेलके	07.01.2004
11.	श्री दीपक भै. साल्वे	01.03.2004
12.	श्री राम कि. कनोरिया	01.03.2004
13.	श्री गजानन गु. गोबाडे	01.04.2004
14.	श्री सुनील चि. लांडे	01.05.2004
15.	सुश्री सीता देवी	10.11.2006
16.	श्री आनंद रा. विश्वकर्मा	15.02.2007
* **प्रतिनियुक्ति पर।** ** धारणाधिकार पर।		

जनसूचना कार्यालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में प्राप्ति जन सूचना आवेदन का त्रैमासिक विवरण

वर्ष : 2017–2018

क	मंत्रालय विभाग / संगठन	तिमाही	प्रारंभिक शेष आवेदन	तिमाही दौरान प्राप्त आवेदन	कुल आवेदन (कॉलम4+5)	अन्य प्राधिकरण को भेजे गए आवेदन	ऐसे निर्णय जहां आवेदन स्वीकार नहीं किए गए हो	ऐसे निर्णय जहां किसी अधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की गई हो	अन्य प्राप्त शुल्क(अन्य शुल्क / पैनल्टी) रुपये में	विभिन्न उपबंधों के अनुसार अस्वीकार्य मामले													
										आर.टी.आई.अधिनियम 2005 की संगत धाराओं के अनुसार														
										धारा 8(1)											अन्य धाराएं			
										(क)	(ख)	(ग)	(घ)	(ङ)	(च)	(छ)	(ज)	(झ)	( )	(9)	(11)	(24)	(Oth)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)	(17)	(18)	(19)	(20)	(21)	(22)	(23)	(27)
1	मानव विकास संसाधन मंत्रालय																						
1.1	उच्च शिक्षा विभाग																						
1.1.1	म.गां.अं.हिं.वि.	प्रथम तिमाही (अप्रैल17-जून 17)	3	19	22	0	0	0	270	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		द्वितीय तिमाही (जुलाई17-सितंबर17)	3	37	40	0	3	0	390	0	0	0	2	2	0	0	0	0	1	0	0	0	0
		तृतीय तिमाही (अक्टूबर17-दिसंबर17)	31	13	44	0	0	0	520	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		चतुर्थ तिमाही (जनवरी 18-मार्च18)	37	42	79	0	1	0	712	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
विभागीय कुल			**74**	111	185	**0**	**4**	**0**	1892	0	0	0	2	2	0	0	0	0	1	0	0	0	0

स्नातक पाठ्यक्रम 2016–17

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	सामान्य			अन्य पिछड़ा वर्ग			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			कुल योग
		पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	
1	बी.एड.	03	13	16	17	02	19	03	02	05	00	03	03	**43**
2	बी.एस.डब्ल्यू.	03	03	06	07	09	16	01	07	08	00	03	03	**33**
3	बी.वोक. (फिल्म निर्माण)	06	00	06	07	00	07	04	00	04	00	00	00	**17**
4	बी.वोक. (अभिनय एवं मंच विन्यास)	05	02	07	01	02	03	01	01	02	00	00	00	**12**
5	बी.ए. भाषा विज्ञान ऑनर्स	00	00	00	01	00	01	00	00	00	00	00	00	**01**
6	बी.ए. हिंदी ऑनर्स	00	00	00	02	01	03	01	01	02	00	00	00	**05**
7	बी.ए. अंग्रेजी ऑनर्स	00	01	01	02	02	04	06	01	07	00	00	00	**12**
8	बी.ए. पत्रकारिता ऑनर्स	06	01	07	07	04	11	09	01	10	00	00	00	**28**
9	बी.ए. मनोविज्ञान ऑनर्स	02	00	02	00	01	01	06	00	06	01	00	01	**10**
कुल		25	20	45	44	**21**	**65**	**31**	**13**	**44**	**01**	**06**	**07**	**161**

एम.ए. पाठ्यक्रम														
क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	सामान्य			अन्य पिछड़ा वर्ग			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			कुल योग
		पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	
1	भाषा प्रौद्योगिकी विभाग	00	01	01	02	00	02	00	00	00	00	00	00	**03**
2	इंफॉमेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग	01	01	02	00	00	00	00	01	01	00	00	00	**03**
3	हिंदी साहित्य विभाग	03	04	07	03	00	03	01	00	01	02	00	02	**13**
4	संस्कृत विभाग	05	00	05	02	00	02	06	00	06	00	00	00	**13**
5	उर्दू विभाग	00	00	00	01	00	01	00	00	00	00	00	00	**01**
6	अंग्रेजी विभाग	02	00	02	02	03	05	03	02	05	00	00	00	**12**
7	मराठी विभाग	00	00	00	00	02	02	03	00	03	00	00	00	**05**
8	प्रदर्शनकारी कला विभाग	02	00	02	07	01	08	02	00	02	01	00	01	**13**
9	दलित एवं जनजाति अध्ययन विभाग	00	00	00	00	00	00	06	03	09	00	00	00	**09**
10	गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग	00	00	00	00	00	00	01	01	02	01	00	01	**03**
11	स्त्री अध्ययन विभाग	00	00	00	01	03	04	00	04	04	00	00	00	**08**
12	बौद्ध अध्ययन विभाग	01	00	01	03	00	03	01	01	02	00	00	00	**06**
13	अनुवाद अध्ययन विभाग	00	01	01	00	00	00	00	01	01	00	00	00	**02**
14	प्रवासन एवं डायस्पोरा विभाग	03	01	04	02	02	04	01	00	01	00	00	00	**09**
15	समाज कार्य विभाग	04	01	05	07	03	10	07	04	11	00	00	00	**26**
16	मानवविज्ञान विभाग	01	00	01	03	00	03	01	00	01	00	00	00	**05**
17	जनसंचार विभाग	06	03	09	08	01	09	02	00	02	01	01	02	**22**
18	शिक्षाशास्त्र	01	00	01	00	00	00	00	00	00	00	00	00	**01**
19	मनोविज्ञान विभाग	01	01	02	03	01	04	00	04	04	01	00	01	**11**
20	एम.बी.ए.	05	05	10	08	02	10	01	01	02	00	00	00	**22**
21	एम.एड.	05	09	14	06	06	12	03	00	03	00	00	00	**29**
22	बी.एड–एम.एड. एकीकृत	07	12	19	10	08	18	04	05	09	02	00	02	**48**
23	हिंदी साहित्य (इलाहाबाद क्षेत्रीय केंद्र)	13	01	14	05	02	07	02	00	02	00	00	00	**23**
24	समाज कार्य (इलाहाबाद क्षेत्रीय केंद्र)	11	03	14	08	03	11	04	00	04	00	00	00	**29**
25	हिंदी साहित्य (कोलकाता क्षेत्रीय केंद्र)	00	02	02	03	00	03	01	00	01	00	00	00	**06**
26	जनसंचार विभाग (कोलकाता क्षेत्रीय केंद्र)	02	02	04	00	00	00	00	00	00	00	00	00	**04**
	कुल	**73**	**47**	**120**	**84**	**37**	**121**	**49**	**27**	**76**	**08**	**01**	**09**	**326**

एम.फिल. पाठ्यक्रम														
अ. क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	सामान्य			अन्य पिछड़ा वर्ग			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			कुल योग
		पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	
1	भाषा प्रौद्योगिकी विभाग	00	00	00	00	00	00	00	01	01	00	00	00	**01**
2	कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स	01	00	01	00	00	00	00	00	00	00	00	00	**01**
3	तुलनात्मक साहित्य विभाग	04	04	08	02	02	04	02	01	03	00	00	00	**15**
4	प्रदर्शनकारी कला विभाग	01	00	01	00	00	00	00	00	00	00	00	00	**01**
5	दलित एवं जनजाति अध्ययन विभाग	00	00	00	00	00	00	00	02	02	01	00	01	**03**
6	गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग	00	01	01	02	00	02	01	01	02	00	00	00	**05**
7	स्त्री अध्ययन विभाग	00	01	01	01	00	01	00	00	00	00	00	00	**02**
8	बौद्ध अध्ययन विभाग	00	00	00	01	00	01	00	00	00	00	00	00	**01**
9	अनुवाद अध्ययन विभाग	00	01	01	00	00	00	00	00	00	00	00	00	**01**
10	प्रवासन एवं डायस्पोरा	00	01	01	00	00	00	00	00	00	00	00	00	**01**
11	समाज कार्य विभाग	01	01	02	01	00	01	01	00	01	00	00	00	**04**
12	मानवविज्ञान विभाग	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	**00**
13	जनसंचार विभाग	01	00	01	02	00	02	01	02	03	00	00	00	**06**
14	शिक्षाशात्र विभाग	02	00	02	02	00	02	02	00	02	00	00	00	**06**
15	प्रदर्शनकारी कला विभाग (क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद)	00	00	00	00	01	01	00	00	00	00	00	00	**01**
16	हिंदी साहित्य (क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता)	00	01	01	00	00	00	00	00	00	00	00	00	**01**
17	जनसंचार (क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता)	00	01	01	02	00	02	00	00	00	00	00	00	**03**
	कुल	**10**	**11**	**21**	**13**	**03**	**16**	**07**	**07**	**14**	**01**	**00**	**01**	**52**

पीएच.डी. पाठ्यक्रम (सत्र 2017–18)

अ. क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	सामान्य			अन्य पिछड़ा वर्ग			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			कुल योग
		पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	
1	भाषा प्रौद्योगिकी	00	01	01	01	00	01	01	00	01	00	00	00	**03**
2	हिंदी साहित्य विभाग	00	01	01	04	00	04	01	02	03	00	02	02	**10**
3	दलित एवं जनजाति अध्ययन केंद्र	00	00	00	00	00	00	01	01	02	01	00	01	**03**
4	गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग	01	01	02	01	00	01	00	00	00	00	00	00	**03**
5	समाजकार्य	01	01	02	01	00	01	01	00	01	00	00	00	**04**
6	मानवविज्ञान विभाग	00	00	00	01	00	01	01	00	01	00	00	00	**02**
7	जनसंचार विभाग	02	00	02	00	01	01	00	00	00	00	00	00	**03**
8	शिक्षाशास्त्र विभाग	03	00	03	03	01	04	00	01	01	00	00	00	**08**
9	प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक) विभाग (क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद)	01	00	01	01	00	01	01	00	01	00	00	00	**03**
10	जनसंचार विभाग (क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता)	01	00	01	00	01	01	00	00	00	00	00	00	**02**
कुल		**09**	**04**	**13**	**12**	**03**	**15**	**06**	**04**	**10**	**01**	**02**	**03**	**41**

सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	सामान्य			अन्य पिछड़ा वर्ग			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			कुल योग
		पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	
1	चीनी भाषा में सर्टिफिकेट	02	03	05	09	02	11	08	00	08	01	00	01	**25**
2	जापानी भाषा में सर्टिफिकेट	08	01	09	04	01	05	05	01	06	00	00	00	**20**
3	फ्रेंच भाषा में सर्टिफिकेट	03	03	06	04	06	10	04	03	07	01	00	01	**24**
4	स्पेनिश भाषा में सर्टिफिकेट	05	03	08	04	02	06	03	00	03	01	02	03	**20**
5	अंग्रेजी भाषा में सर्टिफिकेट	07	03	10	12	09	21	03	04	07	00	01	01	**39**
6	संस्कृत भाषा में सर्टिफिकेट	00	00	00	00	00	00	00	01	01	00	00	00	**01**
7	उर्दू भाषा में सर्टिफिकेट	00	01	01	01	00	01	03	00	03	00	00	00	**05**
8	सर्टिफिकेट भारतीय शास्त्रीय संगीत (संगीत)	04	00	04	02	02	04	02	02	04	00	00	00	**12**
कुल		**29**	**14**	**43**	**36**	**22**	**58**	**28**	**11**	**39**	**03**	**03**	**06**	**146**

डिप्लोमा पाठ्यक्रम

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	सामान्य			अन्य पिछड़ा वर्ग			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			कुल योग
		पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	
1	चीनी भाषा में डिप्लोमा	01	00	01	03	02	05	01	02	03	01	00	01	**10**
2	जापानी भाषा में डिप्लोमा	00	00	00	03	00	03	02	00	02	00	00	00	**05**
3	फ्रेंच भाषा में डिप्लोमा	01	02	03	01	02	03	00	01	01	00	00	00	**07**
4	स्पेनिश भाषा में डिप्लोमा	01	01	02	02	01	03	02	03	05	00	00	00	**10**
5	संस्कृत भाषा में डिप्लोमा	00	00	00	01	00	01	00	00	00	00	00	00	**01**
6	उर्दू भाषा में डिप्लोमा	00	00	00	01	00	01	00	00	00	00	00	00	**01**
7	पाली भाषा में डिप्लोमा	00	00	00	00	00	00	01	01	02	02	00	02	**04**
8	फॉरेंसिक साइंस में डिप्लोमा	01	00	01	01	01	02	01	00	01	01	01	02	**06**
9	परामर्श एवं निर्देशन में डिप्लोमा	05	03	08	06	03	09	01	03	04	00	00	00	**21**
10	योग एवं स्वास्थ्य में डिप्लोमा	03	04	07	07	02	09	03	01	04	00	00	00	**20**
11	डी.सी.ए.	02	00	02	01	02	03	03	01	04	00	00	00	**09**
12	एडवांस जापानी भाषा में डिप्लोमा	00	01	01	00	00	00	01	00	01	00	00	00	**02**
13	एडवांस फ्रेंच भाषा में डिप्लोमा	00	01	01	01	00	01	00	00	00	00	00	00	**02**
14	एडवांस स्पेनिश भाषा में डिप्लोमा	00	00	00	00	01	01	00	00	00	00	00	00	**01**
15	एडवांस उर्दू भाषा में डिप्लोमा	00	01	01	00	00	00	00	00	00	00	00	00	**01**
16	एडवांस संस्कृत भाषा में डिप्लोमा	00	00	00	00	00	00	01	00	01	00	00	00	**01**
17	शास्त्रीय संगीत में डिप्लोमा	00	01	01	01	01	02	03	00	03	00	00	00	**06**
18	उर्दू भाषा में डिप्लोमा (इलाहाबाद क्षेत्रीय केंद्र)	02	00	02	02	02	04	02	00	02	00	00	00	**08**
		16	**14**	**30**	**30**	**17**	**47**	**21**	**12**	**33**	**04**	**01**	**05**	**115**

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	सामान्य			अन्य पिछड़ा वर्ग			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			कुल
		पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	
1	भाषा शिक्षण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	00	02	02	03	00	03	01	00	01	00	00	00	**06**
2	भाषा विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	04	01	05	05	03	08	02	01	03	00	00	00	**13**
3	कंप्यूटर एप्लीकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	08	01	09	06	02	08	01	00	01	01	00	01	**19**
4	गांधी अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	01	01	02	02	00	02	02	02	04	01	00	01	**09**
5	स्त्री अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	00	00	00	00	02	02	00	00	00	00	00	00	**02**
6	दलित विचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	02	00	02	01	01	02	01	02	03	00	00	00	**07**
7	पालि भाषा एवं साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	01	00	01	00	00	00	00	00	00	00	00	00	**01**
8	पालि भाषा और धर्म में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	01	00	01	01	00	01	00	00	00	00	00	00	**02**
9	बौद्ध पर्यटन एवं गाइडिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	00	00	00	01	00	01	00	00	00	00	00	00	**01**
10	अनुवाद अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	00	03	03	04	06	10	04	02	06	00	00	00	**19**
11	भारतीय डायस्पोरा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	04	00	04	03	00	03	03	01	04	00	00	00	**11**
12	एन.जी.ओ. मैनेजमेंट में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	04	01	05	00	01	01	03	01	04	00	00	00	**16**
13	पत्रकारिता (हिंदी) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	00	02	02	02	00	02	00	00	00	00	00	00	**04**
14	विज्ञापन एवं जनसंपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	03	00	03	01	00	01	02	02	04	00	00	00	**08**
15	प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एंड थियेटर) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद)	05	02	07	05	01	06	02	00	02	00	00	00	**15**
16	स्त्री अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद)	02	02	04	02	00	02	01	01	02	00	00	00	**08**
17	अनुवाद अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद)	05	03	08	05	01	06	00	01	01	00	00	00	**15**
18	अनुप्रयुक्त भाषा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद)	04	01	05	04	00	04	03	00	03	00	00	00	**12**
	कुल	**44**	**19**	63	**45**	**17**	62	**25**	**13**	38	**02**	**00**	02	**168**

शुल्क विवरण : पीएच.डी.

शुल्क मद/पाठ्यक्रम का नाम	प्रवेश शुल्क	परिक्षा शुल्क	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	स्टूडियो /प्रयोगशाला/क्षेत्रीय कार्य शुल्क/शैक्षणिक भ्रमण	पुस्तकालय शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सांस्कृतिक कार्यक्रम/खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क	इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	कुल
पीएच.डी. (समस्त पाठ्यक्रम)	2000	2500	350	विभागाध्यक्ष/केंद्र निदेशक द्वारा विद्यर्थियों के साथ परामर्श कर आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा।	500	75	25	600	50	6100

शुल्क विवरण : एम.ए./एम.फिल.

शुल्क मद/पाठ्यक्रम का नाम	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	परिक्षा शुल्क (वार्षिक)	स्टूडियो/प्रयोगशाला/क्षेत्रीय कार्य शुल्क/शैक्षणिक भ्रमण	पुस्तकालय शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सांस्कृतिक कार्यक्रम/खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क	इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	कुल
एम.ए. श्रेणी – 01	300	500	250	250	विभागाध्यक्ष/केंद्र निदेशक द्वारा विद्यार्थियों के साथ परामर्श कर आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा।	100	75	25	600	50	2150
एम.ए. श्रेणी– 02	300	1000	250	250		100	75	25	600	50	2650
एम.ए. श्रेणी – 03	300	1500	250	250		100	75	25	600	50	3150
एम.एड.	3000	5000	550	250		100	75	25	600	50	9650
बी.एड.–एम.एड. (एकी.)	3000	5000	550	250		100	75	25	600	50	9650
एम.बी.ए.	2500	3000	550	250		100	75	25	600	50	7150
एम.फिल. (समस्त पाठ्यक्रम)	1500	1000	250	250		100	75	25	600	50	3850

श्रेणी : 01 भाषा प्रौद्योगिकी, उर्दू, अनुवाद अध्ययन, हिंदी साहित्य, तुलनात्मक साहित्य, गांधी एवं शांति अध्ययन, स्त्री अध्ययन, दलित एवं जनजाति अध्ययन, बौद्ध अध्ययन, मानवविज्ञान, संस्कृत, अंग्रेजी, मराठी

श्रेणी : 02 मास्टर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट (फिल्म एंड थियेटर), जनसंचार, एम.एस.डब्ल्यू., प्रवासन तथा डायस्पोरा अध्ययन, मनोविज्ञान

श्रेणी : 03 शिक्षाशास्त्र, प्रयोजनमूलक हिंदी एवं भाषा प्रबंधन, सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी

शुल्क विवरण : बी.एस.डब्ल्यू./बी.वोक./बी.एड.

शुल्क विवरण	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	परीक्षा शुल्क (वार्षिक)	स्टूडियो /प्रयोगशाला/ क्षेत्रीय कार्य शुल्क/शैक्षणिक भ्रमण	पुस्तकालय शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सांस्कृतिक कार्यक्रम /खेलकूद शुल्क	परिचय पत्र शुल्क	इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	कुल
बी.एस.डब्ल्यू./बी.वोक.	300	500	250	250	विभागाध्यक्ष/केंद्र निदेशक द्वारा विद्यार्थियों के साथ परामर्श कर आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा।	100	75	25	600	50	2150
बी.–एड.	2000	4000	250	550		100	75	25	600	50	7650

शुल्क विवरण : सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एडवांस्ड डिप्लोमा/पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

शुल्क विवरण/मद	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क	इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	प्रयोगशाला शुल्क	परीक्षा शुल्क (वार्षिक)	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	पुस्तकालय शुल्क	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क	सांस्कृतिक कार्यक्रम /खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	कुल
श्रेणी–1	300	800	600	000	250	250	50	50	25	75	2400
श्रेणी–2	300	1000	600	000	250	250	50	50	25	75	2600
श्रेणी–3	300	1000	600	500	250	250	50	50	25	75	3100
श्रेणी–4	300	2000	600	000	250	250	50	50	25	75	3600
श्रेणी–5	300	1000	600	1000	250	250	50	50	25	75	3600
श्रेणी–6	300	2000	600	1000	250	250	50	50	25	75	4600
श्रेणी–7	300	2500	600	1500	250	250	50	50	25	75	5600

श्रेणी : 01 – सर्टिफिकेट/डिप्लोमा (मराठी, उर्दू, संस्कृत, पालि), तिब्बती भाषा एवं धर्म में पी. जी. डिप्लोमा
श्रेणी : 02 – पी. जी. डिप्लोमा : अनुवाद, तुलनात्मक भारतीय साहित्य, स्त्री अध्ययन, पालि भाषा एवं साहित्य, बौद्ध अध्ययन, बौद्ध पर्यटन एवं गाइडिंग, गांधी अध्ययन, देशज संस्कृति भाषा जेंडर, भारतीय डायस्पोरा, भारतीय पाश्चात्य कला एवं सौदर्यशास्त्र, भाषा शिक्षण, भाषा प्रौद्योगिकी, भाषा विज्ञान, दलित विचार।
श्रेणी : 03 – पी.जी.डिप्लोमा : प्रयोजनमूलक हिंदी, निर्वचन, अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान। सर्टिफिकेट (फ्रेंच, चीनी, स्पेनिश, जापानी, अंग्रेजी), एडवांस्ड डिप्लोमा (मराठी, उर्दू, संस्कृत)
श्रेणी : 04 – डिप्लोमा/एडवांस्ड डिप्लोमा (फ्रेंच, चीनी, स्पेनिश, जापानी, अंग्रेजी), डिप्लोमा : योग तथा स्वास्थ्य अध्ययन, परामर्श और निर्देशन। पी. जी. डिप्लोमा : एनजीओ प्रबंधन, परफॉर्मिंग आर्ट (फिल्म एंड थियेटर)।
श्रेणी : 05 – डिप्लोमा इन फोरेंसिक साइंस (अंशकालिक)। पी.जी. डिप्लोमा : हिंदी पत्रकारिता, मराठी पत्रकारिता
श्रेणी : 06 – डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लिकेशन (डी.सी.ए.), पी.जी.डी.सी.ए.
श्रेणी : 07 – पी.जी. डिप्लोमा विज्ञापन एवं जनसंपर्क, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया।

दूर शिक्षा निदेशालय (सत्र 2017–18) में प्रवेशित विद्यार्थियों का विवरण						
क्र.	पाठ्यक्रम के नाम	कुल विद्यार्थियों की संख्या	सामान्य	अपिव	अजा	अजजा
01	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक	495	148	202	99	46
02	शिक्षा में स्नातक	259	148	57	30	24
03	पत्रकारिता में स्नातक	58	30	19	09	00
04	व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर	221	150	45	17	09
05	समाजकार्य में स्नातकोत्तर	404	210	78	89	27
06	पत्रकारिता में स्नातकोत्तर	09	05	02	02	00
07	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर	62	36	22	02	02
08	एमए हिंदी	59	38	11	06	04
09	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर	12	03	04	04	01
10	पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	34	25	05	03	01
	कुल विद्यार्थी	**1613**	**793**	**445**	**261**	**114**

परीक्षा विभाग

एम.ए. पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2015–17)

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स	1	0	0	0	1	0	1
2	हिंदी साहित्य	8	6	1	11	11	15	26
3	उर्दू	2	0	0	1	0	3	3
4	परफॉर्मिंग आर्ट्स (फिल्म एंड थिएटर)	1	3	0	6	9	1	10
5	विकास एवं शांति अध्ययन	0	0	0	1	1	0	1
6	स्त्री अध्ययन	4	0	0	0	1	3	4
7	दलित एवं जनजातीय अध्ययन	0	0	1	0	1	0	1
8	बौद्ध अध्ययन	0	1	0	1	1	0	1
9	अनुवाद अध्ययन	0	1	2	2	4	1	5
10	जनसंचार	7	3	0	9	14	5	19
11	मास्टर ऑफ सोशल वर्क	12	9	0	1	11	11	22
12	शिक्षाशास्त्र	1	1	0	0	1	1	2
13	एम.बी.ए.	5	1	0	4	6	4	10
	कुल योग :	**41**	**25**	**4**	**36**	**61**	**44**	**105**

एम.ए. पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2014–16) पूरक

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	शिक्षाशास्त्र	0	1	0	0	1	1	1
	कुल योग :	**0**	**1**	**0**	**0**	**1**	**1**	**1**

एम.फिल. पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2015–16) पूरक								
क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	स्पैनिश	0	0	0	1	1	0	1
2	दलित एवं जनजातीय अध्ययन	0	4	0	1	4	1	5
	कुल योग :	**0**	**4**	**0**	**2**	**5**	**1**	**6**

पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 201–17)								
क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	डी.सी.ए.	10	2	1	6	12	7	19
2	भाषा शिक्षण	2	1	0	1	2	2	4
3	परफॉर्मिंग आर्ट्स (फिल्म एंड थिएटर)	4	0	0	3	5	2	7
4	स्त्री अध्ययन	6	1	1	2	1	9	10
5	बौद्ध पर्यटन एवं गाइडिंग	0	1	0	0	1	0	1
6	अनुवाद	3	0	0	4	6	1	7
7	भारतीय डायस्पोरा	5	0	0	0	3	2	5
8	एन.जी.ओ. प्रबंधन	2	2	0	2	4	2	6
9	शोध प्रविधि	6	0	0	1	5	2	7
10	पालि भाषा और साहित्य	0	0	0	1	1	0	1
	कुल योग :	**38**	**7**	**2**	**19**	**39**	**27**	**66**

पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2015-16) पूरक

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	भारतीय डायस्पोरा	1	0	0	0	1	0	1
कुल योग :		**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**1**

स्नातक पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2015–17)

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	बी.एड. (शिक्षाशास्त्र में स्नातक)	21	5	0	17	26	17	43
कुल योग :		**21**	**5**	**0**	**17**	**26**	**17**	**43**

एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2016–17)

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	उर्दू भाषा	2	0	0	0	1	1	2
2	फ्रेंच भाषा	1	0	0	0	1	0	1
कुल योग :		**3**	**0**	**0**	**0**	**2**	**1**	**3**

एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2015–16) पूरक

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	उर्दू भाषा	1	0	0	0	0	1	1
2	फ्रेंच भाषा	1	1	0	0	1	1	2
कुल योग :		**2**	**1**	**0**	**0**	**1**	**2**	**3**

डिप्लोमा पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2016–17)

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	संस्कृत भाषा	0	1	0	0	1	0	1
2	उर्दू भाषा	4	1	0	1	5	1	6
3	स्पैनिश भाषा	0	1	0	2	0	3	3
4	जापानी भाषा	1	1	0	0	1	1	2
5	अंग्रेजी भाषा	0	0	0	2	0	2	2
6	फ्रेंच भाषा	1	0	0	2	2	1	3
7	फोरेंसिक साइंस	0	2	0	2	1	3	4
8	योग तथा स्वास्थ्य अध्ययन	3	4	0	13	14	6	20
9	अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए हिंदी	14	0	0	0	3	11	14
10	डी.सी.ए.	0	1	0	0	0	1	1
11	परामर्श एवं निर्देशन	8	7	0	9	15	9	24
12	वस्त्र प्रौद्योगिकी	11	8	0	17	23	13	36
	कुल योग :	**42**	**26**	**0**	**48**	**65**	**51**	**116**

डिप्लोमा पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2015–16) पूरक / बैक पेपर

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	डी.सी.ए.	2	0	0	0	2	0	2
2	वस्त्र प्रौद्योगिकी	0	1	1	2	3	1	4
	कुल योग :	**2**	**1**	**1**	**2**	**5**	**1**	**6**

प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2015–16) पूरक / बैक पेपर

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	उर्दू भाषा	1	0	0	0	1	0	1
	कुल योग :	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**1**

प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2016–17)								
क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	मराठी भाषा	1	1	0	0	2	0	2
2	संस्कृत भाषा	1	0	0	2	3	0	3
3	उर्दू भाषा	0	0	0	1	0	1	1
4	अंग्रेजी भाषा	7	5	0	8	12	8	20
5	स्पैनिश भाषा	4	6	0	1	6	5	11
6	चीनी भाषा	1	4	1	4	4	6	10
7	जापानी भाषा	5	3	0	1	7	2	9
8	फ्रेंच भाषा	8	5	0	4	6	11	17
9	भारतीय शास्त्रीय संगीत (गायन)	7	3	0	4	10	4	14
	कुल योग :	**34**	**27**	**1**	**25**	**50**	**37**	**87**

प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2017–18)								
क्रम	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	भारतीय शास्त्रीय संगीत (गायन)	0	4	0	5	7	2	9
	कुल योग :	**0**	**4**	**0**	**5**	**7**	**2**	**9**

पीएच.डी. उपाधि								
क्र	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी)	2	1	0	1	**3**	**1**	4
2	हिंदी (तुलनात्मक साहित्य)	3	3	0	3	**4**	**5**	9
3	परफॉर्मिंग आर्ट्स (फिल्म एंड थिएटर)	2	0	0	1	**2**	**1**	3
4	अहिंसा एवं शांति अध्ययन	3	0	0	1	**2**	**2**	4
5	स्त्री अध्ययन	0	1	1	0	**1**	**1**	2
6	दलित एवं जनजातीय अध्ययन	0	1	0	0	**1**	**0**	1
7	जनसंचार	2	1	0	2	**4**	**1**	5
8	मानवविज्ञान	0	0	0	1	**1**	**0**	1
	कुल योग :	**12**	**7**	**1**	**9**	**18**	**11**	**29**

एम.फिल. उत्तीर्ण शोधार्थियों की सूची (2015–16)			
क्रम	**विद्यार्थी का नाम**	**शोध निर्देशक**	**शोध शीर्षक**
भाषा विद्यापीठ (विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र)			
पाठ्यक्रम : एम.फिल. स्पैनिश			
1	रणजीत कुमार	डॉ. रवि कुमार	पेद्रो पारामो और मैला आंचल उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन : सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक पृष्ठभूमि के परिप्रेक्ष्य में
संस्कृति विद्यापीठ (डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद)			
पाठ्यक्रम : एम.फिल. दलित एवं जनजातीय अध्ययन			
1	सुनील बाउरी	प्रो. एल. कारूण्यकरा	दलित समुदाय में बाउरी जाति का शिक्षा में प्रभाव (विशेष संदर्भ : पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिला में)
2	कृष्णा कुमार निषाद	प्रो. एल. कारूण्यकरा	दलित समुदाय के दुसाध जाति की संस्कृति परम्परा एवं परिवर्तन
3	नगराले अतुल रमेशराव	प्रो. एल. कारूण्यकरा	आदिवासियों की शैक्षणिक स्थिति (विशेष संदर्भ– चन्द्रपुर जिला)
4	कपिलवृक्ष बाबाराव गोडघाटे	प्रो. एल. कारूण्यकरा	महाराष्ट्र में दलित महिलाओं का सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरणः नागपुर और चंद्रपुर जिले का तुलनात्मक अध्ययन
5	सुमन देवी	प्रो. एल. कारूण्यकरा	उत्तर प्रदेश के जिला सीतापुर के दलित महिलाओं की राजनीति भागीदारी का एक अध्ययन

पीएच.डी. अधिसूचना प्राप्त शोधार्थियों की सूची			
क्र.	**विद्यार्थी का नाम**	**गाइड/को–गाइड**	**शोध का विषय**
भाषा विद्यापीठ (भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग)			
पीएच.डी. हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी)			
1	आर.जी. संगीत रत्नायक	डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय	सिंहली तथा हिंदी के क्रिया पदबंधों का व्यतिरेकी विश्लेषण
2	मधुप्रिया	डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय	हिंदी वाक्य-संरचना का विसंदिग्धीकरण (प्राकृतिक भाषा संसाधन के विशेष संदर्भ में)
3	नितीनकुमार जानबाजी रामटेके	डॉ. अनिल कुमार दुबे	मराठी संज्ञाओं का संदर्भ आधारित विसंदिग्धीकरण
4	बृजेश कुमार यादव	डॉ. अनिल कुमार दुबे	हिंदी नाम-पद विसंदिग्धीकरण (व्यक्तिवाचक एवं जातिवाचक संज्ञा के विशेष संदर्भ में)
साहित्य विद्यापीठ (हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग)			
पीएच.डी. हिंदी (तुलनात्मक साहित्य)			
1	संजय	प्रो. सूरज पालीवाल	प्रभा खेतान के उपन्यासों में स्त्री अस्मिता के स्वर
2	प्रकाश चंद्र	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह	नव सामाजिक आंदोलन और 1990 के बाद के हिंदी उपन्यास
3	पेतॅर शागि	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह	ममता कालिया के कथा-साहित्य में स्त्री एवं सामाजिक प्रसंग
4	अंकिता	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह	आदिवासी जीवन पर केंद्रित उपन्यासों में प्रतिरोध के स्वर
5	सूर्या ई.वी.	डॉ. प्रीति सागर	बीसवीं सदी के अंतिम दशक की हिंदी और मलयालम कहानियों में स्त्री विमर्श
6	शोभा बिसेन	डॉ. उमेश कुमार सिंह	नमिता सिंह की कहानियों में स्त्री
9	उर्वशी	डॉ. अशोकनाथ त्रिपाठी	हिंदी महिला रचनाकारों की कहानियों में उपस्थित बाजार (विशेष संदर्भ : 21 वीं सदी का पहला दशक)
संस्कृति विद्यापीठ (प्रदर्शनकारी कला (नाटक एवं फिल्म) अध्ययन विभाग)			
पीएच.डी. परफॉर्मिंग आर्ट्स (फिल्म एंड थिएटर)			
1	लखन रघुवंशी	प्रो. सुरेश शर्मा	हिंदी सिनेमा के प्रचार में जनमाध्यमों की भूमिका (विशेष संदर्भ : सौ करोड़ का व्यवसाय करने वाली फिल्में)
2	राकेश प्रकाश	प्रो. सुरेश शर्मा	हिंदी फिल्मों में मीडिया प्रबंधन की प्रासंगिकता (21 वीं सदी के पहले दशक में प्रदर्शित चुनिंदा फिल्मों पर आधारित)
3	सुरभि विप्लव	प्रो. सुरेश शर्मा	ब्रेख्त का भारतीय रंगमंच पर प्रभाव : विशेष संदर्भ हिंदी, बांग्ला और मराठी रंगमंच

संस्कृति विद्यापीठ (गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग)			
पीएच.डी. अहिंसा एवं शांति अध्ययन			
1	भारती देवी	डॉ. मनोज कुमार राय	वैकल्पिक विकास की गांधीवादी अवधारणा (विशेष संदर्भ -लोहिया, जयप्रकाश नारायण के विचारों का तुलनात्मक अध्ययन)
2	पंकज कुमार सिंह	डॉ. मनोज कुमार राय	खादी का अर्थशास्त्र : एक अध्ययन
3	कु. नेहा नेमा	डॉ. डी. एन. प्रसाद	भ्रष्टाचार की चुनौतियाँ : कानून, मीडिया और आन्दोलन के नए औजारों के असर से सुधार और क्रांति की नवीन संरचना
4	अमृत अर्णव	डॉ. डी. एन. प्रसाद	वर्तमान पर्यावरणीय समस्या एवं गांधीय समाधान : एक समीक्षात्मक अध्ययन
संस्कृति विद्यापीठ (स्त्री अध्ययन विभाग)			
पीएच.डी. स्त्री अध्ययन			
1	चैतान सोरेन	प्रो. शंभु गुप्त	झारखंड की आदिवासी महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक अधिकारों का पुनरावलोकन
2	रेणु कुमारी	प्रो. शंभु गुप्त	21 वीं सदी के पहले दशक का हिंदी सिनेमा और स्त्री छवि
संस्कृति विद्यापीठ (डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र)			
पीएच.डी. दलित एवं जनजातीय अध्ययन			
1	प्रशांत गौतमराव गोडघाटे	प्रो. एल. कारूण्यकरा	दलित समुदाय पर आर्थिक उदारीकरण का प्रभाव (विशेष संदर्भ वर्धा जिला)
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (जनसंचार विभाग)			
पीएच.डी. जनसंचार			
1	रामशंकर	डॉ. अनिल कुमार राय	वैकल्पिक मीडिया और भारतीय व्यवस्था परिवर्तन (उत्तर प्रदेश के बांदा जिले की सामाजिक एवं राजनैतिक व्यवस्था के संदर्भ में)
2	अनुपमा कुमारी	डॉ. अख्तर आलम	क्षेत्रीय पत्रकारिता बनाम राष्ट्रीय पत्रकारिता: मिथक, यथार्थ, चुनौतियाँ और संभावनाएं (विशेष संदर्भ : प्रभात खबर)
3	धीरेन्द्र कुमार राय	प्रो. अनिल कुमार राय	किसान आंदोलन और हिंदी पत्रकारिता (क्षेत्र परिधि उत्तर प्रदेश और बिहार, समयावधि : 1917-47)
4	सुनील दीपक घोडके	प्रो. अनिल कुमार राय	विदर्भ का समाज, राजनीति और प्रिंट मीडिया हस्तक्षेप (विशेष संदर्भ : 2002 से 2012 तक की महत्वपूर्ण घटनाएँ)
5	मु. अफसर अली राईनी	डॉ. अख्तर आलम	उर्दू चैनलों पर प्रसारित समसामयिक मुद्दे और उसका दर्शकों के दृष्टिकोण पर प्रभाव (विशेष संदर्भ : ई-टीवी उर्दू और डीडी उर्दू)
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (मानवविज्ञान विभाग)			
पीएच.डी. मानवविज्ञान			
1	जय नारायण सिंह	डॉ. फरहद मलिक	देशज समुदायों का नृ-पारिस्थितिकीय अध्ययन (उड़ीसा के खडिया एवं लोधा के संदर्भ में)

गतिविधियाँ : वर्धा मुख्य परिसर

अज्ञेय स्मरण कार्यक्रम

04 अप्रैल, 2017 : विश्वविद्यालय के हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग द्वारा आयोजित 'अज्ञेय स्मरण' कार्यक्रम में अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि अज्ञेय ने हिंदी साहित्य के हर विधा में लेखन कर हिंदी साहित्य में अहम योगदान दिया है। अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. देवराज, भाषा विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल एवं साहित्य विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. के.के. सिंह ने अज्ञेय रचित साहित्य के विविध पहलुओं पर प्रकाश डाला। संचालन डॉ. प्रीति सागर तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ. बीर पाल सिंह यादव ने आभार व्यक्त किया।

'पत्रकारिता और समाज' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

11 अप्रैल, 2017 : विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'पत्रकारिता और समाज' विषय पर 10 एवं 11 अप्रैल को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि समाज के साथ संवाद के लिए पत्रकारिता एक महत्वपूर्ण और प्रभावी माध्यम है। प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, मानविकी एवं समाज विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार, साहित्य विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो.के.के. सिंह, जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. कृपाशंकर चौबे, प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी, दैनिक भास्कर, नागपुर के संपादक श्री मणिकांत सोनी ने पत्रकारिता के विविध पहलुओं पर प्रकाश डाला। समापन समारोह में मुख्य वक्ता पत्रकार श्री राहुल देव ने कहा कि पत्रकारिता मे बड़ी तीव्र गति से बदलाव आ रहा है और आज के दौर में मीडिया नए उपकरणों के साथ आगे बढ़ रहा है। समापन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। 'पत्रकारिता का भविष्य और भविष्य की पत्रकारिता' विषयाधारित सत्र में वरिष्ठ संपादक श्री एस.एन. विनोद, दैनिक तरुण भारत के पूर्व संपादक तथा विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद के सदस्य श्री सुधीर पाठक, लोकमत समाचार के वरिष्ठ पत्रकार श्री हर्षवर्धन आर्य, दैनिक अमर उजाला के संपादक श्री कल्लोल चक्रवर्ती ने विचार व्यक्त किए।

राकेश मिश्र को कृष्ण प्रताप कथा सम्मान

14 अप्रैल, 2017 : कहानीकार राकेश मिश्र को उनके दूसरे कथा संग्रह 'लाल बहादुर का इंजन' के लिए वर्ष 2016 का कृष्ण प्रताप स्मृति कथा सम्मान से सम्मानित किया गया। रामानंद सरस्वती पुस्तकालय, जोहकरा, आज़मगढ़ में हुए सम्मान समारोह में उन्हें शॉल, प्रशस्ति पत्र और सम्मान राशि देकर सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्रगतिशील लेखक संघ के राष्ट्रीय महासचिव राजेंद्र राजन ने की। फिल्म समीक्षक प्रहलाद अग्रवाल, युवा आलोचक शंभु शरण मिश्र, युवा आलोचक कालूलाल कुलमी, प्रियदर्शन मालवीय ने राकेश मिश्र की कहानियों पर विचार रखे।

हिंदी सीखने वाले विदेशी विद्यार्थियों के लिए पुस्तक प्रकाशित

19 मई 2017 : हिंदी को विश्वभर में प्रचारित और प्रसारित करने के अपने प्रयास को म.गां.अं.हिं.वि. ने और व्यापकता प्रदान करते हुए हिंदी सीखने वाले विदेशी विद्यार्थियों के लिए 'प्रैक्टिकल हिंदी कन्वर्सेशन' नाम से एक पुस्तक प्रकाशित की है। यह पुस्तक विश्व में हिंदी की पहुंच को आसान बनाने की दिशा में मील का पत्थिर साबित होगी, ऐसा विश्वास विश्वविद्यालय के सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र की सहायक प्रोफेसर एवं लेखिका डॉ. शमीम फ़ातमा ने व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि बुसान यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरिन स्टडीज, साउथ कोरिया और म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त प्रयास से इस पुस्तक को तैयार किया गया है। पुस्तक में आसान हिंदी शब्दों का चयन कर उसका अंग्रेजी अर्थ दिया गया है। बुसान विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया के प्रो.ताय जिन कोह और हिंदी विवि की डॉ.शमीम फ़ातमा ने इस पुस्तक को लिखा है।

राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस का आयोजन

21 अप्रैल, 2017 : जीवन में सफल होने के लिए होड़ लगी है। विद्यार्थी भी इस दौड़ में शामिल हैं कि सफल जीवन के क्या तरीके हो सकते हैं। सफल होने का एकमात्र मंत्र यह है कि हम अपने मौलिक कर्तव्य एवं संस्कार के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व की सीख लें। उक्त विचार वर्धा के जिलाधिकारी श्री शैलेश नवाल ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की ओर से 'विद्यार्थियों की सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन में जिला प्रशासन की भूमिका एवं चुनौतियां' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में बोल रहे थे। इसी दौरान राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस भी मनाया गया जिसका विषय था 'राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति हमारा दायित्व'। इस दौरान अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने कहा कि सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए सजगता जरूरी होती है। कार्यक्रम में कुलसचिव श्री कादर नवाज़ खान, शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अरबिंद कुमार झा, जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार राय, जिला सूचना अधिकारी श्री मनीषा सावले ने भी विचार रखे। इस अवसर पर पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी की ओर से राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस विशेषांक का लोकार्पण और जिला सूचना अधिकारी श्री मनीषा सावले को उत्कृष्ट जनसंपर्क अधिकारी के रूप में सम्मानित किया गया। शिक्षा विद्यापीठ के सहायक प्रोफेसर ऋषभ कुमार मिश्र ने संचालन किया तथा जनसंपर्क अधिकारी बी.एस. मिरगे ने आभार माना।

पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल

21 अप्रैल, 2017 : पर्यावरण संवर्धन और संरक्षण को लेकर म.गां.अं.हिं.वि. और वर्धा जिला प्रशासन ने सामाजिक उत्तरदायित्व की दिशा में कदम बढ़ाते हुए एक महत्त्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय के कबीर हिल परिसर को हराभरा करने का संकल्प लिया है। इसे मूर्त रूप देने के कार्य का प्रारंभ 21 अप्रैल को जिलाधिकारी श्री शैलेश नवाल और विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, कुलसचिव श्री कादर नवाज़ खान तथा वर्धा के डॉक्टरों के संगठन 'वैद्यकीय जागरूकता मंच' के पदाधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। इस परियोजना के लिए विश्वविद्यालय ने अपनी ओर से 22 लाख 73 हजार रुपये की वित्तीय मदद दी है। परियोजना के अंतर्गत लगभग पांच से अधिक एकड़ भूमि पर दस हजार से अधिक पौधे लगाए जाएंगे तथा वे जीवन प्राधिकरण के जल शुद्धिकरण केंद्र से अनावश्यक बहने वाले पानी से सालभर हरे–भरे रह सकेंगे। इन पौधों को इस प्रकार रोपा जाएगा जिससे बढ़ने पर वे तीन रंगों यानी 'तिरंगे' की शक्ल में नज़र आएंगे।

विदेश मंत्री ने विदेशी भाषा पर की गहन चर्चा

22 अप्रैल, 2017 : माननीय विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने म.गां.अं.हिं.वि. के कुलपति, विदेशी भाषा के प्राध्यापकगणों तथा विद्यार्थियों के साथ विदेश मंत्रालय में एक बैठक की, जिसमें विदेशी भाषाओं के अध्ययन एवं हिंदी माध्यम से अनुवाद, द्विभाषिया एवं भाषांतर कार्य की आवश्यकताओं पर चर्चा की। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने बताया कि विदेश मंत्रालय को हिंदी माध्यम से विदेशी भाषा के अनुवादक, द्विभाषिया एवं भाषांतरकारों की अत्यंत आवश्यकता है। बैठक के दौरान भविष्य में विश्वविद्यालय में अरबी एवं रूसी भाषा का पाठ्यक्रम शुरु करने का एक प्रस्ताव रखा गया। कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने विश्वविद्यालय में आवश्यक सुविधाओं के बारे में चर्चा की जिसके प्रत्युत्तर में विदेश मंत्री ने मदद के लिए आश्वासन दिया। इस अवसर पर विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त विदेश सचिव श्री एस.जयशंकर, संयुक्त सचिव श्री राकेश वैष्णव, ओ.एस.डी (हिंदी) तथा विश्वविद्यालय के श्री अनिर्बाण घोष (असिस्टेंट प्रोफेसर, चीनी), श्री सन्मति जैन (असिस्टेंट प्रोफेसर, जापानी), डॉ. संदीप कुमार (असिस्टेंट प्रोफेसर, फ्रेंच) के अलावा आठ विद्यार्थी–रंजीत कुमार, पीयूष गाड़े, श्रद्धा गजभिए, वंदना रामटेके, प्रयाग माने, कपिल मुंजेवार, दर्शना धाबलिया एवं दिव्या गुप्ता उपस्थित थे।

डिजिटलीकरण में हिंदी विवि की महत्वपूर्ण पहल

9 जुलाई, 2017 : भारत सरकार ने एक ऐसा प्लेटफार्म विकसित किया है जिससे विद्यार्थी हमेशा के लिए अपने दस्तावेज डिजिटल प्लेटफार्म पर सुरक्षित कर सकेगा। दरअसल नेशनल सेक्यूरिटिज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) की शुरुआत पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने 9 जुलाई 2017 को की थी। इसके अंतर्गत आपके प्रमाण पत्र, अंकपत्र जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है और इसके लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी बनाई है। डिजिटलीकरण के इस काम के लिए एनएसडीएल का गठन किया गया है। इसके तहत म.गां.अं.हिं.वि. ने एनएसडीएल के साथ एक सामंजस्य करार किया है। कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र एवं कुलसचिव कादर नवाज़ ख़ान ने इसे विश्वविद्यालय के डिजिटलीकरण के दौर में महत्वपूर्ण कदम माना है।

चीन में आयोजित कार्यशाला में आशीष एवं प्रियंका ने की सहभागिता

28 जुलाई, 2017 : विश्वविद्यालय के विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र के चीनी भाषा में अध्ययनरत दो विद्यार्थियों श्री आशिष शालिकराव पोयाम एवं सुश्री प्रियंका विश्वकर्मा का चयन चीन में प्रशिक्षण के लिए किया गया, शंघाई अंतरराष्ट्रीय अध्ययन विश्वविद्यालय की ओर से मिले आमंत्रण पर उन्होंने एक महीने की चीनी भाषा प्रशिक्षण कार्यशाला में शंघाई समर स्कूल 2017 में भाग लिया। यह प्रशिक्षण 3 से 28 जुलाई तक चला। इस कार्यक्रम में विश्व के विभिन्न देशों के लगभग 70 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें पाकिस्तान, रुस, हॉलैंड, जापान, थाईलैंड, पोलैंड, इंडोनेशिया, कजाकिस्तान एवं अफ्रीका के विद्यार्थी शामिल हैं। भाषा प्रशिक्षण के अंतर्गत इस कार्यक्रम में थाईची बॉक्सिंग, चीनी लिपि लेखन प्रशिक्षण, वार्तालाप अभ्यास, पेपर कटिंग, कैलीग्राफी प्रशिक्षण के साथ–साथ चीनी कंपनी एवं विभिन्न प्रसिद्ध जगहों में भ्रमण भी शामिल है।

महाश्वेता देवी स्मृति व्याख्यानमाला

09 अगस्त, 2017 : हिंदी कथा साहित्य में प्रेमचंद ने किसान को नायक बनाया तो बांग्ला में मानिक बंद्योपाध्याय ने मछुआरों को। उससे काफी आगे जाकर बांग्ला लेखिका महाश्वेता देवी ने आदिवासियों को अपनी कथाकृतियों का नायक बनाया। उक्त विचार विश्वविद्यालय के कोलकाता केंद्र के प्रभारी प्रो. कृपाशंकर चौबे ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग द्वारा प्रथम महाश्वेता देवी स्मृति व्याख्यानमाला के तहत 'महाश्वेता देवी के साहित्य में स्वाधीनता का स्वर' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि बंगाल, झारखंड, उड़ीसा, गुजरात व महाराष्ट्र की जनजातियों के बीच वर्षों काम करने के अनुभव ने महाश्वेता देवी को पैनी दृष्टि और ऐसी शक्ति दी जिससे वे भारतीय आदिवासी जीवन के पीड़ादायक मुद्दों का अनुभव कर सकीं और अपनी कृतियों में अभिव्यक्त कर सकीं। कथाकार सुश्री महुआ माजी ने भी संबोधित किया। स्त्री अध्ययन विभाग के प्रो. शंभु गुप्त ने स्वागत भाषण किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रोफेसर श्री शरद जायसवाल तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अवंतिका शुक्ला ने किया।

'भारत छोड़ो आंदोलन में मध्य भारत का योगदान' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

09 अगस्त, 2017 : भारतीय स्वाधीनता आंदोलन हमारी अस्मिता को जीवंत बनाए रखता है। भारत छोड़ो आंदोलन में मध्य भारत का अहम

योगदान है जिसे इतिहास भूल नहीं सकता। उक्त विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग की ओर से भारत छोड़ो आंदोलन की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 'भारत छोड़ो आंदोलन में मध्य भारत का योगदान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए बोल रहे थे। उद्घाटन समारोह में संस्कृति विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो.एल. कारूण्यकरा, आष्टी के डॉ. अरविंद मालपे, इटारसी के प्रो.आर.एस. मेहरा, जनसंचार विभाग के प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी, यशवंत महाविद्यालय, वर्धा के प्रा. वीरेंद्र सिंह बैस, गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी मंचासीन थे। सभी वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन, आयोजन सचिव विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. राकेश मिश्र ने किया तथा सहायक प्रोफेसर डॉ. चित्रा माली ने आभार माना। उद्घाटन के बाद प्रो. मनोज कुमार, संकायाध्यक्ष मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ की अध्यक्षता में आयोजित सत्र में विवि के श्री अनिर्बाण घोष, डॉ. अख्तर आलम, डॉ. वीरेंद्र प्रताप यादव, डॉ. सुरजीत सिंह, डॉ. मुन्नालाल गुप्ता, श्री संदीप सपकाले तथा सहायक कुलसचिव डॉ. ज्योतिष पायेड. ने भी स्वाधीनता आंदोलन के परिप्रेक्ष्य में अपने विचार रखे। सत्र का संचालन सहायक प्रोफेसर डॉ. मनोज कुमार राय ने किया। प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी की अध्यक्षता में आयोजित अकादमिक सत्र में 32 शोध–पत्रों पर चर्चा हुई। सत्र का संचालन विभाग के प्राध्यापक डॉ. डी.एन. प्रसाद ने किया। समापन सत्र में अरविंद मालपे निर्मित फिल्म '1942 की क्रांति' की प्रस्तुति की गई।

अध्ययन सामग्री होगी ऑनलाइन : प्रो. गिरीश्वर मिश्र

21 अगस्त, 2017; मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्देशित 'नेशनल कन्वेशन ऑन डिजिटल इनिशिएटिव्स फॉर हायर एज्युकेशन' के आलोक में 21 अगस्त को कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में समस्त प्राध्यापकों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। कुलपति ने मंत्रालय की पहल की महत्ता एवं उपयोगिता को रेखांकित करते हुए इस उपक्रम को स्वागत योग्य बताया। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से सभी पाठ्यक्रमों की अध्ययन सामग्री और कक्षा में हुए प्रशिक्षण के वीडियो को निःशुल्क उपलब्ध कराया जा सकेगा। पाठ्यक्रमों से संबंधित सभी अध्ययन सामग्री ऑनलाइन उपलब्ध होगी। प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय की इस महती योजना की सराहना करते हुए कहा कि इस योजना के जरिए देश में किसी भी योग्य छात्र के लिए उच्च शिक्षा, विशेषकर गुणवत्ता वाली उच्च शिक्षा पहुँच से बाहर नहीं होगी। कोई भी उच्च शिक्षा प्राप्त करने की इच्छा रखने वाला व्यक्ति संसाधन, पैसा या अवसर की कमी के कारण वंचित नहीं रहेगा। लीला प्रभारी श्री गिरीश चंद्र पाण्डेय ने योजना से संबंधित विविध उपक्रमों जैसे स्वयम (SWAYAM), मुक्स (MOOCS), सीईसी (CEC), ईपीजी पाठशाला (epg Pathshala) के संदर्भ में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

सेवाग्राम, पवनार की धरती देती है ऊर्जा : प्रो. आनंद वर्धन शर्मा

30 अगस्त, 2017 : विश्वविद्यालय में भारत छोड़ो आंदोलन की 75 वीं वर्षगांठ तथा भारतीय स्वतंत्रता की 70 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में पिछले 9 अगस्त से जारी विभिन्न कार्यक्रमों का समापन 30 अगस्त को विश्वविद्यालय के गालिब सभागार में प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। उन्होंने कहा कि गांधी और विनोबा की यह धरती हम सभी में रोमांच पैदा करने वाली है। सेवाग्राम और पवनार की खुशबू इस मिट्टी में समायी हुई है और इसी से हमें निरंतर ऊर्जा मिलती रहती है। कार्यक्रम में साहित्य विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. के. के. सिंह, डॉ.अशोक नाथ त्रिपाठी, डॉ. शंभू जोशी, श्री राजेश लेहकपुरे, डॉ.अप्रमेय मिश्र एवं डॉ.सुरभि विप्लव मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रोफेसर श्री ऋषभ मिश्र ने किया तथा प्रास्ताविक एवं धन्यवाद ज्ञापन जनसंपर्क अधिकारी श्री बी. एस. मिरगे ने किया।

'उच्च शिक्षा संस्थाओं से अपेक्षाएं और चुनौतियां' पर 'मंथन'

04 सितंबर, 2017 : विद्यार्थियों के भीतर उद्यमशीलता और मानसिक ऊर्जा का संचार करने से संकल्प की सिद्धि होगी। शिक्षा संस्थाओं को चाहिए कि वे विद्यार्थियों के मानस को तराश कर उनके चरित्र निर्माण का कार्य करें तथा विद्यार्थियों को चाहिए कि वे शिक्षा संस्थाओं में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर अपने को संस्कारित करें। उक्त आशय के विचार चिंतक, पत्रकार एवं राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) के अध्यक्ष बलदेव भाई शर्मा ने व्यक्त किए। वे म.गां.अं.हिं.वि. में भारत सरकार की ओर से जारी 'नया भारत 2022' के तहत संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के अंतर्गत 'मंथन' में अपने विचार रख रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कार्यकारी कुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने की। इस अवसर पर ब्रॉडकास्ट एडिटर्स एसोसिएशन, नई दिल्ली के महासचिव अजीत अंजुम, वरिष्ठ अधिकारी एवं चिंतक भोलानाथ मिश्र, विश्व ग्राम प्रकल्प की अध्यक्ष सुश्री गीता सिंह, जनसंचार विभाग के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अनिल कुमार राय ने वक्तव्य दिए। अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो. शर्मा ने कहा लक्ष्य को निर्धारित करने से सिद्धि तक पहुंचा जा सकता है। विश्वविद्यालय की महत्वाकांक्षी परियोजना ईपीजी पाठशाला का उल्लेख कर उन्होंने बताया कि अभी तक 280 फिल्में तैयार की गई है और इस दिशा में सभी का सहयोग सराहनीय रहा है। कार्यक्रम में श्री भोलानाथ मिश्र एवं सुश्री गीता सिंह ने भी अपने विचार रखे।

'भारत के पुनर्निर्माण में पत्रकारों की भूमिका' पर परिसंवाद

05 सितंबर, 2017 : शिक्षक दिवस के अवसर पर जनसंचार विभाग में प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा की अध्यक्षता में 'भारत के पुनर्निर्माण में पत्रकारों की भूमिका' विषय पर परिसंवाद का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बल्देवभाई शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार, सामाजिक सांस्कृतिक चिंतक एवं अध्यक्ष, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली एवं विशिष्ट अतिथि श्री अजीत अंजुम, वरिष्ठ पत्रकार, टी.वी. एंकर एवं महासचिव ब्रॉडकास्ट एडिटर्स एसोसिएशन, नई दिल्ली और डॉ. भोलानाथ मिश्र, सामाजिक–सांस्कृतिक चिंतक एवं वरिष्ठ अधिकारी, भारत सरकार एवं आवासीय लेखक श्रीराम परिहार और जनसंचार विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार राय ने विमर्श किया।

'ये इंडिया का टाइम है' पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

07 सितंबर, 2017 : सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा, राष्ट्रीय फ़िल्म विकास निगम, मुंबई के सहयोग से स्वाधीनता के 70वें वर्ष तथा भारत छोड़ो आंदोलन के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में देशभक्ति गीतों पर आधारित संगीत संध्या में 'नया घराना' (बैंड), मुंबई के कलाकारों ने वंदे मातरम, मा तुझे सलाम, मेरे देश की धरती, ये देश है वीर जवानों का, रंग दे बसंती चोला जैसे देशभक्ति पर आधारित मशहूर गानों की प्रस्तुतियों से समा बांधा। धुनों का संयोजन प्रसिद्ध ध्वनि संयोजक मनीष जे. टीपू ने किया। ज्ञात हो कि मनीष जे टीपू ने प्रसिद्ध फ़िल्मों 'द गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'किस्सा' और 'फंस गए रे ओबामा' के लिए संगीत तथा ध्वनि संयोजन किया है। कार्यक्रम का संयोजन प्रदर्शनकारी कला विभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश भारती ने किया। कलाकारों का स्वागत कार्यकारी कुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने चरखा, सूत की माला प्रदान कर किया। आकाशवाणी, नागपुर केंद्र के कार्यक्रम अधिकारी संजय भक्ते तथा विजय हावरे ने संपूर्ण कार्यक्रम का ध्वनिमुद्रण किया।

शब्दकोश कार्यशाला

09 सितंबर, 2017 : म.गां.अं.हिं.वि. के भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग में 4 से 9 सितंबर के दौरान शब्दकोश निर्माण कार्यशाला संपन्न हुई। कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने किया। विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय ने स्वागत वक्तव्य तथा संकायाध्यक्ष प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल ने परिचय किया। संचालन कार्यशाला के संयोजक डॉ. धनजी प्रसाद और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. एच.ए. हुनगुंद ने किया। इस कार्यशाला में सिद्धांत और अभ्यास दोनों पक्षों का ध्यान रखा गया। प्रतिभागियों में शब्दकोश और शब्दकोश–निर्माण संबंधी ज्ञानवर्धन के लिए शब्दकोश : परिचय तथा शब्दकोश के प्रकार विषय पर डॉ. धनजी प्रसाद, शब्दकोश : ऐतिहासिक परिदृश्य पर प्रो. वृषभ प्रसाद जैन, शब्दकोश में प्रविष्टि पर प्रो. उमाशंकर उपाध्याय, शब्दकोश निर्माण प्रक्रिया पर प्रो. अनिल कुमार पांडेय और शब्दकोश निर्माण की चुनौतियाँ पर प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल ने व्याख्यान दिए।

हिंदी के प्रति आत्मगौरव का भाव हो – सांसद सत्यव्रत चतुर्वेदी

10 सितंबर, 2017 : हिंदी सिद्धांतों पर आधारित भाषा है। हिंदी को लेकर दक्षिण भारत के राज्यों में गंभीरता बढ़ रही है और हिंदी को दिल से स्वीकारा जा रहा है। उक्त उद्बोधन संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप समिति के संयोजक राज्य सभा सांसद एवं चिंतक सत्यव्रत चतुर्वेदी ने दिए। वे म.गां.अं.हिं.वि. में 10 सितंबर को हिंदी पखवाड़ा के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। कार्यक्रम में मंच पर झुंझुनू, राजस्थान की लोकसभा सांसद श्रीमती संतोष अहलावत, विवि के प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, कुलसचिव श्री क़ादर नवाज़ ख़ान ने विचार व्यक्त किए। साहित्य विद्यापीठ की संकायाध्यक्ष प्रो. प्रीति सागर ने संचालन तथा कुलसचिव श्री क़ादर नवाज़ ख़ान ने आभार व्यक्त किया। संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप समिति के संयोजक सांसद सत्यव्रत चतुर्वेदी एवं सांसद श्रीमती संतोष अहलावत ने गांधी हिल पर पौधारोपण किया। उन्होंने विवि के स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय, बाबूराव विष्णु पराड़कर मीडिया लैब, जनजातीय संग्रहालय, महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय, प्रकाशन विभाग के पुस्तक प्रदर्शनी को भेंट देकर यहां की गतिविधियों का अवलोकन किया। उनके साथ अवर सचिव सुश्री प्रतिभा मलिक, अनुभाग अधिकारी श्री एम एस. रावत, समिति सहायक श्री वीरेंद्र कुमार, रिपोर्टर श्री मुकेश कुमार, भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारी श्री समीर डांगे, श्री हिमांशु केशरवानी, श्री हिंमांशु यादव, श्री अनिकेत गडलिंग, श्री अभिषेक डांगे, श्री विद्याधर जोग तथा सांसद अहलावत की पुत्री सुश्री गार्गी अहलावत उपस्थित थीं।

थाईलैंड से हिंदी पढने आए 23 विद्यार्थी

विश्वविद्यालय में थाईलैंड से हिंदी पढ़ने आए 23 विद्यार्थियों का स्वागत फादर कामिल बुल्के अंतरराष्ट्रीय छात्रावास में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। इस अवसर पर छात्रावास अधीक्षक डॉ. सुहासिनी वाजपेयी और कुलानुशासक डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर प्रमुखता से उपस्थित थे। थाईलैंड के दो विश्वविद्यालयों में से चियांग माई विश्वविद्यालय से विद्यार्थियों के साथ एक शिक्षक तथा नाखोन रत्वीसिमा राजभट्ट विश्वविद्यालय से 4 विद्यार्थी व 4 शिक्षक एक महीने की अवधि के हिंदी पाठ्यक्रम अध्ययन हेतु विश्वविद्यालय में आए हैं। उनके आगमन पर विश्वविद्यालय की ओर से उनका स्वागत किया गया। कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने सभी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें हिंदी में पारंगत होने की शुभकामनाएं दी।

विश्व मन की भाषा है हिंदी : प्रो. विनोद कुमार मिश्र

14 सितंबर, 2018 : म.गां.अं.हि.वि., वर्धा में हिंदी दिवस समारोह में विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरिशस के महासचिव प्रो. विनोद कुमार मिश्र ने कहा कि हिंदी विश्व मन की भाषा बन चुकी है। हिंदी के विकास में सभी भारतीय भाषाओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हिंदी को सोशल मीडिया से जोड़कर तकनीकी की भाषा बनाना जरूरी है। गालिब सभागार में आयोजित हिंदी दिवस समारोह की अध्यक्षता प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने की। समारोह में साहित्य विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. कृष्ण कुमार सिंह, कुलसचिव श्री कादर नवाज़ खान मंचासीन थे। बतौर मुख्य अतिथि प्रो. विनोद कुमार मिश्र ने कहा कि हिंदी का बाजार बढ़ रहा है। कार्यक्रम का संचालन हिंदी अधिकारी श्री राजेश कुमार यादव ने किया तथा कुलसचिव श्री कादर नवाज़ खान ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

'विश्व सिनेमा तथा विश्व रंगमंच' पर व्याख्यान

25 सितंबर, 2017 : अमेरिका के बोस्टन शहर में रहनेवाली भारतवंशीय प्रसिद्ध स्त्रीवादी लेखिका तथा कला समीक्षक सुश्री लक्ष्मी देसाई ने प्रदर्शनकारी कला विभाग में 'विश्व सिनेमा तथा विश्व रंगमंच' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश भारती ने की। अमेरिका के वर्तमान रंगमंच की जानकारी देते हुए सुश्री देसाई ने कहा कि 'अमेरिका में आज भी रंगमंच उतना ही लोकप्रिय है। डिज़नी जैसी विश्व प्रसिद्ध कंपनी भी थिएटर के कारोबार में सक्रिय हुई हैं। फिल्मों और रंगमंच का निर्माण बड़ी गंभीरता के साथ किया जा रहा है किंतु वहां का असली परिदृश्य हमतक पहुंच नहीं पाता है। व्याख्यान का संयोजन तथा संचालन डॉ. सतीश पावड़े ने किया। स्वागत डॉ. अश्विनी कुमार सिंह ने किया तथा आभार डॉ. सुरभि बिप्लव ने माना।

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान

02 अक्टूबर, 2017 : म.गां.अं.हि.वि., वर्धा में 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान का प्रारंभ कार्यकारी कुलपति प्रो. मनोज कुमार की ओर से स्वच्छता की शपथ से किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव श्री क़ादर नवाज़ ख़ान, विद्यार्थी कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार राय, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक श्री राजेश लेहकपुरे, सहायक प्रोफेसर डॉ. शिवसिंह बघेल, जनसंपर्क अधिकारी श्री बी.एस. मिरगे, सुरक्षा अधिकारी श्री राजेंद्र घोड़मारे प्रमुखता से उपस्थित थे। इसके तहत गांधी हिल तथा आसपास के परिसर में प्लास्टिक एवं कचरा आदि को हटाया गया। यह कार्यक्रम 22 सितंबर से 02 अक्टूबर, 2017 तक चला। जिसमें स्वच्छता रैली, स्वच्छता जागरूकता, वृक्षारोपण आदि उपक्रमों का आयोजन किया गया। स्वच्छता अभियान में विद्यार्थी, सुरक्षा कर्मी तथा विवि के कर्मी शामिल हुए।

गांधी को समझने के लिए तटस्थता की जरूरत : डॉ. अरविंद मालपे

02 अक्टूबर, 2017 : गांधीजी एक सामान्य व्यक्ति थे परंतु जीवन में उन्होंने छोटे से छोटे काम करते हुए असामान्य व्यक्ति का गौरव हासिल किया। उनके जीवन का आकलन करने के लिए तटस्थता की अधिक जरूरत है। उक्त विचार वरिष्ठ गांधी विचारक एवं चिंतक डॉ. अरविंद मालपे ने व्यक्त किए। वे म.गां.अं.हि.वि., वर्धा में महात्मा गांधी की 148वीं जयंती पर गांधी हिल पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। कार्यक्रम में प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, श्रीमती कांता थुटे, कुलसचिव श्री कादर नवाज़ ख़ान एवं गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी मंचासीन थे। डॉ. अप्रमेय मिश्र ने 'वैष्णव जन तो...' भजन और श्रीमती कांता थुटे ने मराठी गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रदर्शनकारी कला विभाग ने 'सोच में गांधी' लघुनाटिका का मंचन किया। समारोह के बाद 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े का समापन कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र के संबोधन से किया गया।

सांस्कृतिक एवं राजनीतिक समझ का नाम है कस्तूरबा : कुलपति प्रो. मिश्र

05 अक्टूबर, 2017 : म.गां.अं.हि.वि., वर्धा के स्त्री अध्ययन विभाग और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'कस्तूरबा के नाम आज़ादी का आंदोलन एवं महिलाएं' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि कस्तूरबा गांधी ने महात्मा गांधी के साथ आज़ादी के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 'बा' के समग्र व्यक्तित्व पर विचार कर हमें आज़ादी के आंदोलन में शामिल रहीं महिलाओं के कार्यों को सामने लाना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध गांधीवादी लेखक प्रो. सुधीर चंद्रा, नई दिल्ली, बीज वक्ता के रूप में स्त्री अध्ययन केंद्र, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की प्रो. सविता सिंह, केरल विश्वविद्यालय की प्रो. तंकमणि अम्मा, संगोष्ठी समन्वयक एवं स्त्री अध्ययन विभाग की प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ. सुप्रिया पाठक मंचासीन थी। कार्यक्रम का संचालन संगोष्ठी संयोजक श्री शरद जायसवाल ने किया। संगोष्ठी के समापन समारोह में गढ़चिरौली में आदिवासी समुदाय के बीच पिछले 40 वर्षों से काम कर रही डॉ. रानी बंग एवं सेवाग्राम आश्रम में महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा से जुड़ी वरिष्ठ सेविका कुसुमताई पांडे को कुलसचिव श्री क़ादर नवाज़ खान द्वारा 'कस्तूरबा सम्मान' प्रदान किया गया। इस अवसर पर कस्तूरबा गांधी के जीवन एवं कार्यों का परिचय कराने वाले 'बा' नाटक की प्रस्तुति गालिब सभागार में की गई।

विदेशी विद्यार्थियों के सांस्कृतिक कार्यक्रम ने किया भावविभोर

09 अक्टूबर, 2017 : म.गां.अं.हि.वि., वर्धा के विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र द्वारा नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन ग़ालिब सभागार में किया गया। विदेशी विद्यार्थियों के सांस्कृतिक कार्यक्रम ने उपस्थितों को भावविभोर किया। विश्वविद्यालय में विदेशी भाषाओं– चीनी, जापानी, फ्रेंच एवं स्पेनिश में प्रवेशित विद्यार्थियों ने अपनी कलाओं का प्रदर्शन कर रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। फ्रेंच, स्पेनिश, जापानी एवं चीनी भाषाओं के अध्यापक डॉ. संदीप कुमार, डॉ. रवि कुमार, श्री सन्मति जैन, डॉ. अनिर्वाण घोष ने सभी विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया।

पेईचिंग संगोष्ठी में अनिर्बाण घोष की सहभागिता

28 अक्टूबर, 2017; चीन के पीकिङ विश्वविद्यालय में दक्षिण एशिया अध्ययन विभाग द्वारा 'एशिया में हिंदी : पूर्वी एशियाई देशों के परिप्रेक्ष्य में भारत का अध्ययन' विषय पर 27–28 अक्टूबर, 2017 को अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के चीनी भाषा के सहायक प्रोफेसर श्री अनिर्बाण घोष ने भाग लिया। संगोष्ठी में हिंदी भाषा के अलावा भारत के समाज, विभिन्न वर्गों में साहित्य चिंतन और महाकाव्यों के साथ–साथ भाषाविज्ञान और व्याकरण पर भी चर्चा की गई। श्री घोष ने 'चीन में हिंदी का अध्ययन : भारत–चीन द्विपक्षीय शैक्षणिक सहयोग का संभावित क्षेत्र' पर शोध पत्र पढ़ा।

राष्ट्रीय एकता में सरदार पटेल का अहम योगदान : प्रो. शर्मा

31 अक्टूबर, 2017 : सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय एकता में सरदार वल्लभभाई पटेल का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके विचार देश की एकता और अखंडता के लिए आज भी प्रासंगिक है। विश्वविद्यालय में सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। इस उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता की शपथ ग्रहण, एकता दौड़, भाषण प्रतियोगिता तथा राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति पर आधारित गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के निर्देशक तथा विद्यार्थी कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार राय, कार्यक्रम के संयोजक जनसंपर्क अधिकारी श्री बी.एस. मिरगे और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक श्री राजेश लेहकपुरे प्रमुखता से उपस्थित थे। प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, प्रो. अनिल कुमार राय की ओर से प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस दौरान फिल्म डिवीजन द्वारा सरदार पटेल पर निर्मित फिल्म भी दिखाई गई। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रोफेसर डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी ने किया तथा आभार सहायक प्रोफेसर राजेश लेहकपुरे ने माना।

जर्मनी में भारत सप्ताह में हिंदी विश्वविद्यालय की सहभागिता

06 नवंबर, 2017 : जर्मनी के हैम्बर्ग शहर में आयोजित 7वें भारत सप्ताह में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र एवं प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने सहभागिता की। भारत सप्ताह के अंतर्गत 80 कार्यक्रम आयोजित किए गए, जो संस्कृति, साहित्य, कला, संगीत आदि से संबंधित था। इसी कार्यक्रम के अंतर्गत जर्मनी के हैम्बर्ग विश्वविद्यालय में आदिवासियों के जीवन पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र एवं प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने भाग लिया। भारत से भाग लेने वाले अन्य प्रतिभागियों में श्रीमती डॉ. उषा शर्मा, श्री उदय प्रकाश, डॉ. अन्विता अब्बी, डॉ. राजाराम त्रिपाठी, सुश्री जसिंता केरकेट्टा आदि शामिल थे। इस अवसर पर कुलपति प्रो. मिश्र और प्रतिकुलपति प्रो. शर्मा ने हैम्बर्ग विश्वविद्यालय और म.गां.अं.हि.वि., वर्धा के मध्य अकादमिक आदान–प्रदान स्थापित करने हेतु संबंधित अधिकारियों से वार्ता की तथा उन्होंने हैम्बर्ग स्थित भारतीय कॉन्सुलेट के कौंसिल जनरल मैदान लाल रैगर को विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकें व पत्रिकाएं भी भेंट की।

विकल्प देने वाली शिक्षा की जरूरत : कुलपति प्रो. मिश्र

11 नवंबर, 2017; शिक्षा जीवन में बदलाव लाने का माध्यम है और वह एक नजरिया देती है। वैश्विक परिदृश्य को समग्रता से देखने का काम शिक्षा करती है। जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए हमें विकल्प देने वाली शिक्षा की अधिक जरूरत है, जिससे हम आत्मनिर्भर हो सकें। उक्त विचार कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने रखे। विश्वविद्यालय में भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के जन्म दिवस शिक्षा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षा दिवस कार्यक्रम के समन्वयक श्री ऋषभ कुमार मिश्र, सह समन्वयक डॉ. अप्रमेय मिश्र, डॉ. धर्मेंद्र शंभरकर, श्री समरजीत यादव, डॉ.रामार्चा पांडे, डॉ.अमित त्रिपाठी, डॉ. रामानंद यादव, श्री बी. एस. मिरगे आदि सहित विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम के बाद गांधी हिल्स से आर्वी नाका तक शिक्षा संदेश रैली निकाली गई। शिक्षा दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और विजेआतों को कुलपति प्रो. मिश्र के द्वारा गालिब सभागार में आयोजित समारोह में पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार वितरण के पूर्व विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसका संचालन बीएड की छात्रा सुश्री शालिनी झा और सचि मिश्रा ने किया।

पं. दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानव दर्शन : प्रासंगिकता एवं व्यवहार्यता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

16 नवंबर, 2017; पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानव दर्शन भारत की उन्नति का आधार है और वह विश्व को दिशा देने वाला भी है। उक्त विचार सामाजिक चिंतक, प्रज्ञा प्रवाह नई दिल्ली के राष्ट्रीय संयोजक जे. नंदकुमार ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानव दर्शन : प्रासंगिकता एवं व्यवहार्यता' विषय पर 16 नवंबर, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। विचार गोष्ठी के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। इस अवसर पर साहित्यकार डॉ. कुमार शास्त्री, नागपुर, जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार राय उपस्थित थे। यह संगोष्ठी पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचार दृष्टि संकल्प से सिद्धि पर केंद्रित थी। इस अवसर पर प्रो. श्रीकांत सिंह की दो पुस्तकों का लोकार्पण अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय की कार्य परिषद के सदस्य, वरिष्ठ पत्रकार श्री सुधीर पाठक, प्रो. अरुण कुमार भगत, प्रो. चंद्रकांत रागीट, श्रीकांत सिंह, प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, प्रो. के. के. सिंह, प्रो. अरबिंद कुमार झा, प्रो. वृषभ प्रसाद जैन, प्रो. प्रीति सागर, डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर, डॉ. शोभा पालीवाल, डॉ. मनोज कुमार राय, डॉ. धरवेश कठेरिया, डॉ. अख्तर आलम, डॉ. रेणु सिंह, संदीप कुमार वर्मा, श्रीमती विशाखा सहित विश्वविद्यालय के अध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

'त्रिलोचन का काव्य' पर व्याख्यान

22 नवंबर, 2017 : त्रिलोचन हिंदी के अद्भुत कवि हैं। उनके यहाँ मुक्तिबोध की तरह द्वंद्व नहीं है। प्रगतिशील परंपरा के बीच से उनकी भावना विकसित हुई है। सॉनेट लेखन की पश्चिमी परंपरा का इन्होंने देशीकरण किया है। ये विचार विख्यात कवि प्रो. श्रीप्रकाश शुक्ल ने 'त्रिलोचन का काव्य' विषयक व्याख्यान में व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्य विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. प्रीति सागर ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा मंचासीन थे। प्रो. शर्मा ने अपने व्याख्यान में त्रिलोचन के बहुत रोचक संस्मरण की चर्चा की।

अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो. प्रीति सागर ने त्रिलोचन का काव्य संग्रह 'ताप के ताए हुए दिन' की कविताओं की चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने किया।

मिशन समृद्धि में कारपोरेट जगत की हस्तियां हुईं शामिल

22 नवंबर, 2017 : मिशन समृद्धि का उद्देश्य शैक्षणिक, वैद्यकीय, रोजगार एवं सशक्तिकरण के प्रति दृष्टिकोण को जानना तथा वर्धा के निवासियों से जुड़कर स्थानीय स्तर पर उनके दृष्टिकोण को समझना है। ये विचार इन्टेशलेक्टग डिजाइन एरेना लिमिटेड के अध्यक्ष तथा प्रबंधकीय निदेशक अरुण जैन ने व्यक्त किए। वे म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र के तत्वावधान में आयोजित मिशन समृद्धि के छठवें परिषद् के उद्घाटन समारोह के दौरान बोल रहे थे। इस दौरान देशभर से कारपोरेट जगत की सौ से अधिक हस्तियां मौजूद थीं। शुरुआत में विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने देशभर से आए कारपोरेट जगत की हस्तियों का स्वागत करते हुए कहा कि नवाचार के लिए ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण हैं। कमल नयन बजाज फाउंडेशन के प्रमुख श्री अपूर्व बजाज ने कहा कि विकास कार्यों के लिए सकारात्मक सोच और लोगों की सहभागिता जरूरी है। इस अवसर पर श्री संतोष मैथ्यू, श्री पोपटराव पवार, सबाहत अजीम, शांतिलाल मुथा, डब्ल्यू.वी. आर. रेड्डी, डॉ. राकेश गुप्ता, प्रो. टी.करुणाकरण, डॉ. मंजू, डॉ. आमोद, डॉ. विभा गुप्ता, प्रो. असित सिन्हा, डॉ. श्याम भुतडा, प्रो. मनोज कुमार, प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी, प्रो. अनिल कुमार राय, श्री बसंत भाई, डॉ. गोपाल पालीवाल, डॉ. प्राण, डॉ. उपमा, डॉ. किशोर मोघे, डॉ. मिथिलेश, डॉ. शिवसिंह बघेल, श्री बी.एस. मिरगे, डॉ. अमित विश्वास, डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. आमोद गुर्जर सहित सौ से अधिक कारपोरेट जगत की हस्तियां मौजूद थे।

पर्यटन पर्व मनाया

25 नवंबर, 2017; पर्यटन मंत्रालय एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार तथा म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत 'पर्यटन पर्व' का आयोजन किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए महाराष्ट्र और ओडिशा (उड़ीसा) राज्य के पर्यटन पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पर्यटन पर्व का आयोजन 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के नोडल अधिकारी प्रो. अनिल कुमार राय के निर्देशन में तथा संयोजन श्री राजेश लेहकपुरे, डॉ. सुरजीत सिंह द्वारा किया गया। पर्यटन पर्व के अंतर्गत आयोजित की गई प्रतियोगिताओं में कुल 72 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

संविधान की संस्कृति को अपनाएं : डॉ. कासारे

27 नवंबर, 2017; भारतीय संविधान भाईचारा, समता, समानता, न्याय और सम्मान पर आधारित है। आर्थिक, सामाजिक समता और जनतंत्र की मजबूती के लिए संविधान में एक व्यक्ति, एक मत और एक मूल्य का सिद्धांत दिया हुआ है, जिसका पालन जरूरी है। उक्त विचार डॉ. एम. एल. कासारे ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में आयोजित संविधान दिवस समारोह में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में म.गां.फ्यू.गु.सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. मनोज कुमार मंचासीन थे। प्रो. शर्मा ने कहा कि संविधान के मौलिक कर्तव्य हमें सूत्र रूप में प्राप्त हुए हैं जिसमें सभी का हित है। प्रो. मनोज कुमार ने कहा कि लोकतंत्र में जनता को अपने अधिकार और कर्तव्यों को लेकर आवाज़ उठाने का हक है। कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क अधिकारी श्री बी. एस. मिरगे ने किया तथा दूर शिक्षा निदेशालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. शैलेश मरजी कदम ने आभार माना।

विमर्श द्वारा 'महाभारत संवाद' का आयोजन

13 दिसंबर, 2017 : विश्वविद्यालय के वैचारिक मंच 'विमर्श' द्वारा भारतीय समुदायों की जिजीविषा की महाकथा महाभारत पर त्रिदिवसीय (11–13 दिसंबर) 'महाभारत संवाद' का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रसिद्ध कवि, आलोचक प्रो. विजय बहादुर सिंह थे। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। प्रो. विजय बहादुर सिंह ने पहले दिन 'महाभारत में जाति' पर चर्चा की। विमर्श के संयोजक प्रो. शंभु गुप्त ने संवाद की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन सहायक प्रोफेसर डॉ. अमित राय ने किया। अध्यक्षीय वक्तव्य में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने महाभारत को भारतीय समुदायों की जिजीविषा की महाकथा बताया। दूसरे दिन के सत्र का संचालन डॉ. राकेश मिश्र ने किया। प्रो. विजय बहादुर सिंह ने भारतीय पृष्ठभूमि में वर्ग बोध की वर्तमान राजनीतिक–सामाजिक समझ तथा मार्क्स की आर्थिक आधार पर मानवीय चिंता को रेखांकित करते हुए अपनी बात कही। सत्र की अध्यक्षता हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने की। तीसरे दिन 'महाभारत में जेंडर व स्त्री–कथा' पर चर्चा हुई। संचालन स्त्री अध्ययन विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. अवंतिका शुक्ला ने किया।

चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला

18 दिसंबर, 2017 : म.गां.अं.हिं.वि. तथा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास' विषय पर 18 दिसंबर को राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय महासचिव श्री अतुल कोठारी ने कहा कि दुनिया का सबसे कठिन कार्य है मन को शांत रखना मगर जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए एकाग्रता ही आधार है। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि आज कुशल चरित्र की सबसे बड़ी कसौटी है कि हम अपने देश और समाज की चिंता करें साथ ही अपने अहंकार का परित्याग कर स्वयं के व्यक्तित्व का विकास करते हुए समग्र व्यक्तित्व का विकास करें। प्रो. के. के.

सिंह ने कहा कि पंचकोशी परिक्रमा यदि हम कर लें तो मनचाही मंजिल प्राप्त की जा सकती है। जिलाध्यक्ष, शिक्षा न्यास, अरविंद लोहड़े ने कहा कि हम सभी को जीवन में कम से कम एक बार श्रीमद्भगवत गीता का अध्ययन जरूर करना चाहिए। कार्यशाला के तीसरे सत्र में सह–संयोजक, चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास, मेडिकल कॉलेज, इंदौर, प्रो. मनोहर भंडारी ने उनका सह–नेतृत्व करते हुए मुख्य वक्ता के रूप में 'नैतिकता और व्यक्तित्व का समग्र विकास' विषय पर चर्चा की। कुलपति, संत गाडगेबाबा अमरावती विद्यापीठ, डॉ. मुरलीधर चांदेकर ने मुख्य अतिथि के रूप में व्यष्टि और समष्टि के रिश्ते पर प्रकाश डाला। कार्यशाला का संयोजन भाषा विद्यापीठ के प्रो. वृषभ जैन के नेतृत्व में किया गया।

'वर्तमान शिक्षा प्रणाली एवं उसका रूपांतरण' पर व्याख्यान

30 दिसंबर, 2017 : प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग एवं शिक्षा विद्यापीठ की ओर से 'वर्तमान शिक्षा प्रणाली एवं उसका रूपांतरण' विषय पर आयोजित व्याख्यानमाला की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि भारत में ज्ञान की प्राचीन और विकसित परंपरा थी। हमारे यहां अनेक मौलिक ग्रंथ लिखे गए जिसका पूरे विश्व पर प्रभाव रहा है परंतु आज हम इसे भूलते जा रहे हैं और हम पर यूरोपीय शिक्षा पद्धति हावी हो रही है। सुप्रसिद्ध इतिहासविद् आचार्य बाल मुकुंद ने विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षा की हमारी विचारधारा भटक गई है। शिक्षा का पश्चिमीकरण और यूरोपीयकरण हो रहा है। शिक्षा पद्धति एक प्रकार के द्वंद्व में फंस गई है। उन्होंने महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा और नई तालीम शिक्षा पद्धति का उदाहरण देकर इस शिक्षा को सभी के विकास से जोड़ा। इसी कड़ी में मॉरीशस से विश्वविद्यालय आए अतिथि प्रह्लाद रामशरण ने मॉरीशस में गांधी और उनके प्रभाव को लेकर अपने विचार रखे। करीब 51 पुस्तकों के लेखक रामशरण ने कहा कि महात्मा गांधी की विचारधारा से मॉरीशस की जनता में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिलता है। इस दौरान प्रह्लाद रामशरण रचित पुस्तक 'महात्मा गांधी और मॉरीशस पर उनका प्रभाव' का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में मंच पर शिक्षा विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. अरबिंद कुमार झा, डायस्पोरा विभाग के प्रभारी अध्यक्ष डॉ.राजीव रंजन राय मौजूद थे। संचालन डॉ. अप्रमेय मिश्र ने तथा मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. अमित त्रिपाठी ने आभार माना।

20 वें स्थापना दिवस पर कवि सम्मेलन

07 जनवरी, 2018: विश्वविद्यालय के 20वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 7 जनवरी को गालिब सभागार में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल श्री केशरी नाथ त्रिपाठी की प्रमुख उपस्थिति में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन का संचालन साहित्य विद्यापीठ के सहायक प्रोफेसर डॉ. रामानुज अस्थाना ने किया तथा आभार कुलसचिव श्री क़ादर नवाज़ ख़ान ज्ञापित किया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री त्रिपाठी ने राजनीति, ज्ञान और मनुष्यता से जुड़ी अपनी कविताओं को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। कवि सम्मेलन में विश्वविद्यालय के प्रो. प्रीति सागर, प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी, श्री शिव शंकर सिंह, डॉ. हरप्रीत कौर, श्री सराज अहमद, डॉ. अनवर सिद्दीकी, डॉ. अखिलेश दुबे, श्रीनारायण सिंह, डॉ. अमरेंद्र कुमार शर्मा, डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र तथा शोधार्थी श्री दिनेश पांडे, सुश्री श्वेता, श्री अनूप कुमार सिंह, श्री श्याम प्रकाश, श्री गौरव कुमार ने अपनी कविताएं प्रस्तुत की।

राष्ट्रीय, पहचान, स्वाभिमान और सम्मान की भाषा बने हिंदी: राज्यपाल श्री केशरी नाथ त्रिपाठी

20वां स्थापना दिवस समारोह, हिंदी सेवियों को 'हिंदी सेवी सम्मान'

8 जनवरी, 2018 : म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के 20 वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पश्चिम बंगाल के राज्यपाल श्री केशरी नाथ त्रिपाठी ने कहा कि हिंदी भाषा को देश और दुनिया में एक प्रमुख भाषा के रूप में स्थापित करने के लिए हमें हिंदी का एहसास और भारतीयता को प्रकट करने की भाषा के रूप में प्रयोग करना चाहिए। हिंदी हमारी राष्ट्रीय पहचान, स्वाभिमान और सम्मान की भाषा बने इसके लिए प्रयास होना चाहिए। हिंदी को तकनीकी के साथ जोड़कर बदलती आवश्यकताओं के अनुसार हिंदी भाषा के शब्द खोजने की आवश्यकता है। अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ भवन के प्रांगण में भारतेंदु सभा मंडप में आयोजित समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। इस दौरान वर्धा लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री रामदास तडस विशिष्ट अतिथि, भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ. के.जी. सुरेश मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। समारोह में विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, कुलसचिव श्री क़ादर नवाज़ ख़ान, प्रो. मनोज कुमार, प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, प्रो. देवराज, प्रो. एल. कारूण्यकरा मंचासीन थे। समारोह में देश एवं विदेश के विभिन्न भाषाओं के साहित्यकारों को विश्वविद्यालय की ओर से 'हिंदी सेवी सम्मान' से सम्मानित किया गया। इस वर्ष विश्ववद्यिालय की ओर से सुश्री मालती जोशी (मध्य प्रदेश), डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र (ओडिशा), श्री तेजेंद्र शर्मा (लंदन), डॉ. रणजीत साहा (दिल्ली), डॉ. तात्यांना ओरांस्कया (जर्मनी), प्रो. मिलेना ब्राटोइएवा (बल्गारिया), डॉ. पी.के. सुब्रमण्यम (तमिलनाडु), श्री सुरेश शर्मा (महाराष्ट्र) को 'हिंदी सेवी सम्मान' दिया गया। उन्हें राज्यपाल श्री केशरी नाथ त्रिपाठी की ओर से मानपत्र, सूत की माला प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन साहित्य विद्यापीठ की संकायाध्यक्ष प्रो. प्रीति सागर ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव श्री क़ादर नवाज़ ख़ान ने किया। कार्यक्रम का प्रारंभ एवं समापन राष्ट्रगान की धुन बजाकर किया गया। मुख्य समारोह प्रारंभ होने से पूर्व राज्यपाल श्री त्रिपाठी ने गांधी हिल्स पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अभिवादन किया।

20वें स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक संध्या

8 जनवरी 2018: विश्वविद्यालय के 20वें स्थापना दिवस के अवसर पर भारतेंदु सभा मंडप में नाटक, लोकनृत्य, लोकगीत का आयोजन किया गया। इस दौरान मालवी कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। उज्जैन से आई कलाकारों की टीम ने तेजाजी यात्रा, घूमर,

पनिहारी, मटकी, कान्हा भुआल की प्रस्तुति दी। इन लोकनृत्यों के माध्यम से उन्होंने दर्शकों को सम्मोहित तो किया ही साथ ही 'बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ' जैसे कई प्रासंगिक संदेश भी दिए। इस लोकनृत्य के बाद विश्वविद्यालय के प्रदर्शनकारी कला विभाग के विद्यार्थियों ने मैथिलीशरण गुप्त रचित काव्य 'यशोधरा' का मंचन नृत्य–नाटिका शैली में किया। नाट्य प्रयोक्ता आलोकचंद्र पांडेय, वाराणसी थे। नाटक का प्रस्तुति प्रबंधन एवं सहायक निर्देशन प्रदर्शनकारी कला विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अश्विनी कुमार सिंह ने किया। नाट्य प्रस्तुति के बाद आरा, बिहार से आए कलाकारों ने भोजपुरी लोकनृत्य 'छठिहारी से कटिहारी' द्वारा दर्शकों के सामने जीवनचक्र के सभी रंगों को प्रस्तुत किया। छठिहारी यानी जन्मकाल से लेकर कटिहारी यानी श्मशान घाट तक की इस यात्रा में सुख–दुख, मिलन–विरह, हास्य–रूदन जैसे सभी रंगों से सज्जित इस प्रस्तुति में भोजपुरी मिट्टी की सौंधी महक को दर्शकों ने महसूस किया।

स्थापना दिवस पर हिंदी सेवी सम्मान से अलंकृत अतिथियों के साथ संवाद

08 जनवरी, 2018 : विश्वविद्यालय के 20वें स्थापना दिवस के अवसर पर गालिब सभागार में हिंदी सेवी सम्मान से सम्मानित अतिथियों–सुश्री मालती जोशी (मध्य प्रदेश), डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र (ओडिशा), श्री तेजेंद्र शर्मा (लंदन), डॉ. रणजीत साहा (दिल्ली), डॉ. तात्यांना ओरांस्कया (जर्मनी), प्रो. मिलेना ब्राटोइएवा (बल्गारिया), डॉ.पी.के. सुब्रमण्यम (तमिलनाडु), श्री सुरेश शर्मा (महाराष्ट्र) का विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी तथा शोधार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। कार्यक्रम का संचालन गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. राकेश मिश्र ने किया।

बहुभाषाओं से प्रवाहित होगी हिंदी : कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र

10 जनवरी, 2018 : म.गां.अं.हिं.वि. में विश्व हिंदी दिवस का आयोजन 10 जनवरी को कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर मंच पर साहित्य विद्यापीठ की संकायाध्यक्ष प्रो. प्रीति सागर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. के.के. सिंह, भाषाविज्ञानी तथा भाषा विद्यापीठ के प्रो. वृषभ प्रसाद जैन, कार्यक्रम के संयोजक एवं डायस्पोरा विभाग के प्रभारी अध्यक्ष डॉ. राजीव रंजन राय मंचासीन थे। कुलपति प्रो. मिश्र ने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि अध्ययन और अध्यापन पद्धति को विकसित करने के लिए कार्य करते हुए हमें अन्य भाषाओं के शब्दों को हिंदी मे लाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर सहायक प्रोफेसर डॉ. मुन्नालाल गुप्ता ने भी विचार व्यक्त किए और थाईलैंड की विदेशी छात्रा एवं विद्यार्थी पलाश ने कविता प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा विदेशी विद्यार्थियों के लिए प्रकाशित पत्रिका (देशांतर) का वितरण विदेशी विद्यार्थियों में किया गया।

विश्व पुस्तक मेले में 'विनोबा संचयिता' का लोकार्पण

13 जनवरी, 2018 : म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा प्रकाशित 'विनोबा संचयिता' ग्रंथ का लोकार्पण 13 जनवरी को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित पुस्तक मेले के हॉल संख्या 12, स्टॉल संख्या 112–113 में किया गया। इस अवसर पर साहित्यकार प्रो. मैनेजर पांडेय, प्रो. गोपेश्वर सिंह, आकाशवाणी केंद्र, पटना के उपनिदेशक कवि राजेंद्र उपाध्याय, कथाकार संजीव, पत्रकार राहुल देव, लेखिका वर्तिका नंदा, विवि की बहुवचन पत्रिका के संपादक श्री अशोक मिश्र, प्रकाशन प्रभारी श्री राजेश कुमार यादव, सहायक प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार, जनसंपर्क अधिकारी श्री बी. एस. मिरगे, सहायक प्रोफेसर डॉ. मिथिलेश कुमार एवं प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय रंगमंच सम्मेलन

15 जनवरी, 2018 : वरिष्ठ रंगकर्मी, निर्देशक तथा अभिनेत्री सुश्री उषा गांगुली ने कहा कि रंगमंच एक बड़ी शक्ति है। रंगमंच में समाज को बदलने की शक्ति है। प्रत्येक नाटक के कण–कण में प्रतिवाद मौजूद है। आज के दौर में नुक्कड़ एवं नाटक थम से गए हैं और सन्नाटा सा छाया हुआ है। इस सन्नाटे को तोड़ने की जरूरत है। वह म.गां.अं.हिं.वि. में इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर थिएटर रिसर्च (आईएफटीआर) की भारतीय शाखा इंडियन सोसाइटी फॉर थिएटर रिसर्च (आईएसटीआर) एवं विश्वविद्यालय के प्रदर्शनकारी कला विभाग की ओर से आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय रंगमंच सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थीं। कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में सम्मेलन का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर श्री संभाजी भगत, कुलसचिव श्री क़ादर नवाज़ ख़ान, आईएसटीआर के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. रवि चतुर्वेदी, सम्मेलन संयोजक डॉ. सतीश पावड़े, आईएसटीआर की महासचिव डॉ. विभा शर्मा मंचासीन थे। 15 से 17 जनवरी के दौरान "प्रदर्शन के लिए प्रतिरोध या प्रतिरोध का प्रदर्शन" विषय पर आयोजित सम्मेलन में विभिन्न सत्रों में विचार–विमर्श किया गया। सम्मेलन में रूस की डॉ. श्वेतलाना, पौलेंड की रंगकर्मी जिस्तावना, पोर्टिलो मासिल, श्रीलंका की थिलिनी दर्शनी मुनासिंघे सहित भारत भर के विभिन्न राज्यों के रंगकर्मी, विद्यार्थी एवं शोधार्थियों ने सहभागिता की।

मानवाधिकार पर कार्यशाला

18 जनवरी, 2018 : म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के स्त्री अध्ययन विभाग एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'मानवाधिकार' पर एक दिवसीय आधारभूत कार्यशाला का आयोजन 18 जनवरी को गालिब सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। इस अवसर पर प्रो. मनोज कुमार ने स्वागत वक्तव्य दिया। मुख्य वक्ता नागपुर के सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश खैरनार ने 'मानवाधिकार, संवैधानिक प्रावधान एवं सार्वभौमिक उद्घोषणा, 1948' विषय पर वक्तव्य दिया। मुंबई की अधिवक्ता एड. लारा जेसनी ने 'भारत में मानवाधिकार संस्थाएं', 'मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 तथा राष्ट्रीय मानवाधिकार तथा राज्य मानवाधिकार की उत्पत्ति एवं

कार्य' विषय पर वक्तव्य दिए। 'महिलाओं एवं बच्चों के मानवाधिकार', 'महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव नष्ट करने पर संयुक्त राष्ट्र अधिवेशन 1979 एवं इसके वैकल्पिक मूल पत्र', 'बच्चों के अधिकार पर संयुक्त राष्ट्र अधिवेशन 1989 एवं इसके वैकल्पिक मूल पत्र', 'अन्य कमजोर वर्गों के मानवाधिकार', 'मानवाधिकार एवं बंधुआ मजदूरी तथा भारत में बाल मजदूरी' विषय विमर्श किया गया।

खेल–कूद प्रतियोगिता का उद्घाटन

26 जनवरी, 2018 : म.गां.अं.हिं.वि. के मेजर ध्यानचंद्र क्रीड़ा प्रांगण में आयोजित खेल–कूद प्रतियोगिता 2018 का भव्य उद्घाटन कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों का हौसला आफजाई करते हुए कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि खेल से हमारा सर्वांगीण विकास होता है। इस अवसर पर प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने खेल प्रोत्साहन वक्तव्य, खेल समिति के अध्यक्ष प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी ने स्वागत एवं खेल स्पर्धा का परिचय दिया। वार्षिक खेल प्रतियोगिता 2018 में टेबल टेनिस, बैडमिंटन, शतरंज, एथेलिटिक्स, वॉलीबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट तथा योग आदि खेलों का समावेश है।

विविध प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरित

26 जनवरी, 2018 : गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर म.गां.अं.हिं.वि. के मेजर ध्यानचंद्र कीड़ा प्रांगण में आयोजित खेल–कूद प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के दौरान कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र ने गांधी जयंती, सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती, राष्ट्रीय शिक्षा दिवस तथा विश्वविद्यालय के 20वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विविध स्पर्धा के विजेताओं को स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र तथा भेंट राशि प्रदान कर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर प्रतिकुलपति प्रो. आनंदवर्धन शर्मा, कुलसचिव श्री कादर नवाज खान, प्रो. मनोज कुमार, प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी, प्रो. अनिल कुमार राय, प्रो. के.के. सिंह, प्रो. संतोष भदौरिया, प्रो. प्रीति सागर, प्रो. अवधेश कुमार, प्रो. अखिलेश दुबे सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, अध्यापक, अधिकारी, कर्मी, शोधार्थी तथा विद्यार्थी प्रमुखता से उपस्थित थे।

राकेश मिश्र को रवींद्र कालिया स्मृति पुरस्कार

01 फरवरी, 2018 : वर्ष 2017 का रवींद्र कालिया स्मृति पुरस्कार म.गां.अं.हिं.वि के गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर, युवा कहानीकार राकेश मिश्र को प्रदान किया गया। निर्णायक समिति के सदस्यों – अखिलेश, विजय राय और जितेंद्र श्रीवास्तव ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी आदि ने राकेश मिश्र को बधाई दी है।

दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय संस्कृति एवं विरासत' विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

25 फरवरी 2018 : अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली एवं म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय संस्कृति एवं विरासत' विषय पर दो दिवसीय (24–25 फरवरी) अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में किया गया। संगोष्ठी में भारतीय लोक परंपरा, भारतीय कला (दृश्य एवं प्रदर्शनकारी कला), भारतीय स्थापत्य एवं विरासत, भारतीय दर्शन, भारतीय आर्थिक प्रभाव, व्यापार एवं वाणिज्य, भारतीय सामुद्रिक गतिविधियाँ, भारतीय प्रवासी समुदाय, भारतीय धर्म एवं अध्यात्म, भारतीय नीति एवं जीवन मूल्य, भारतीय प्रज्ञा, भारतीय साहित्य, राजस्व एवं प्रशासन की भारतीय संकल्पना आदि विषयों पर विमर्श किया गया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। इस अवसर पर भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के निदेशक डॉ. ओम जी उपाध्याय, भारतीय इतिहास संकलन योजना के अध्यक्ष डॉ. सतीश चंद्र मित्तल, भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संयोजक श्री बाल मुकुंद पांडे, संगोष्ठी के मुख्य संयोजक प्रो. एस.पी. बंसल, आयोजन सचिव प्रो. अनिल कुमार राय सहित संगोष्ठी में सर सुमना सिरी (थाईलैंड), श्री राम माधव जी, प्रो. रामदेव भार्गव, प्रो. रविंद्र कहिरे, प्रो. एस.पी. बंसल, प्रो. कपिल देव मिश्रा, प्रो. सुष्मिता पांडे, प्रो. बी.आर. मनी, प्रो. वसन शिंदे, प्रो. अरविंद जामडेकर, प्रो. एस. कल्यान रमन, प्रो. सुरजित घोष, प्रो. एस.सी. मित्तल, प्रो. आय. एस. विश्वकर्मा, प्रो. रजनीश के. शुक्ला, प्रो. गौरी माहूलकर, प्रो. ए. नारायण राय, प्रो. राजीव रंजन, प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी, प्रो. सुमन जैन, प्रो. अरूणा सिन्हा., प्रो. विगनेश त्यागी, प्रो. वैद्यनाथ लाभ, प्रो.रागेंद्र तंवर, प्रो. के.टी.एस. सानु, प्रो. संतोष शुक्ला, प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, प्रो. सुरजीत जॉली आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की भारतीय संस्कृति एवं विरासत को लेकर होने वाली इस संगोष्ठी से भारतीय इतिहास एवं संस्कृति की खोज करने में मदद मिलेगी। देश–विदेश से आए विद्वानों, शोधार्थियों ने विभिन्न सत्रों में विचार रखे तथा शोध पत्र प्रस्तुत किए।

रोठा में राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर

13 मार्च 2018 : राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) समाज से संवाद करने का तथा अपने व्यक्तित्व को निखारने का महत्वपूर्ण माध्यम है। अपने आसपास के परिसर को जानना, समझना तथा उसके विकास में भागीदार बनने का एक अवसर राष्ट्रीय सेवा योजना उपलब्ध कराती है। उक्त विचार म.गां.अं.हिं.वि. के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने रखे। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के विशेष शिविर का उद्घाटन 7 मार्च को रोठा गांव में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में मंच पर विद्यार्थी कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार राय, रासेयो के संयोजक राजेश लेहकपुरे, रोठा ग्राम पंचायत के सरपंच उमेश सराटे, उपसरपंच मनोज गावंडे, उच्च प्राथमिक शाला की मुख्याध्यापक मेघे, रोठा ग्राम पंचायत की सदस्या श्रीमती शोभा शंभरकर, आशीष कोल्हे, वनिताबाई इवनाते मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क

अधिकारी तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी बी. एस. मिरगे ने किया एवं आभार ज्ञापन सहायक प्रोफेसर राजेश लेहकपुरे ने प्रस्तुत किया। सात दिवसीय (7 से 13 मार्च, 2018) शिविर में विभिन्न सांस्कृतिक, शैक्षणिक कार्यक्रमों के साथ–साथ लोक जागरूकता के उपक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर आयोजित 'कृषि संवाद' कार्यक्रम के दौरान मिलिंद इंगले ने कहा कि किसान खेती से अधिक से अधिक फसल लेने के लिए तकनीक आधारित खेती करने की आवश्यकता है। पानी की कमी और मौसम में हो रहे बदलाव को देखते हुए जमीन की क्षमता के अनुसार तकनीक अपनाई जानी चाहिए। इस कार्यक्रम में जानकी देवी बजाज संस्थान, वर्धा के समन्वयक विनेश काकडे, विनेश इंगले, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक राजेश लेहकपुरे शामिल हुए। विशेष शिविर के दौरान क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि पर रोठा गांव में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' का संदेश देते हुए भव्य रैली का आयोजन किया गया। रैली में उच्च प्राथमिक शाला, रोठा के विद्यार्थी, शिक्षक, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक, ग्राम पंचायत के पदाधिकारी, रोठा गांव के महिला–पुरुष बड़ी संख्या में शामिल हुए। रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने महिला सक्षमीकरण, महिला शिक्षा का संदेश दिया तथा सावित्रीबाई फुले के जीवन एवं कार्यों पर भाषण दिए। समापन सत्र में प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने कहा कि ग्रामीण जीवन में आ रहे बदलाव को नजदीक से जानने और उन बदलाव को अपने अनुसंधान का विषय बनाने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर से काफी सहायता मिल सकती है। गांवों में शिक्षा, बचत समूह, स्वास्थ्य, कृषि और कृषि आधारित उद्योगों की वास्तोविक स्थिति को समझने के लिए शिविर अच्छा माध्यम साबित हो सकते हैं। ग्रामीण जीवन को उन्नत बनाने के लिए उन परिवेश पर अनुसंधान की आवश्यवकता है। समापन समारोह के अवसर पर मंच पर रोठा के सरपंच उमेश सराटे, उपसरपंच मनोज गावंडे, रासेयो के संयोजक राजेश लेहकपुरे, तेजस्विनी ग्राम सेवा संघ रोठा की उपाध्यक्ष करुणा शंभरकर, सदस्य आशीष कोल्हे तथा जनसंपर्क अधिकारी बी.एस. मिरगे उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राजेश लेहकपुरे ने किया तथा आभार बी. एस. मिरगे ने माना। इस अवसर पर शिविर के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कारों का वितरण प्रतिकुलपति प्रो. शर्मा के हाथों किया गया।

राष्ट्रव्यापी स्तर पर मनाई जाएगी 'बा–बापू' की 150वीं जयंती

14 मार्च 2018 : बा–बापू की 150 वीं जयंती को मनाए जाने पर विचार करने हेतु गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर 12 से 14 मार्च, 2018 को देश के 11 राज्यों से आए शिक्षाविदों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक दीपंकर श्रीज्ञान, पीसफुल सोसाइटी, गोवा के कुमार कलानंद मणि, म.गां.अं.हि.वि. के म.गां.फ्यू.गु. सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. मनोज कुमार, गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी, बसंत भाई, राजस्थान से आए पूर्व कुलपति प्रो. सोहन राज तातेड़, उत्तराखंड से आए प्रो. हिमांशु बौड़ाई, प्रो. बी. एल.साह, प्रो. आर. के गुप्ता, गुजरात से प्रो. पुष्पा मोतियानी, मध्यप्रदेश से प्रो. आर. एस. मेहरा, मुंबई से डॉ. श्यामसुंदर पांडेय, बिहार से डॉ. अमित रंजन सिंह एवं हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के प्राध्यापक तथा शोधार्थी डॉ. राकेश मिश्र, डॉ. सुप्रिया पाठक, डॉ. मिथिलेश कुमार, डॉ. मुकेश कुमार, निलामे गजानन, जोगदंड शिवाजी, कमल शर्मा, त्रिपुरा के विष्णु दास, दिल्ली से विश्वास गौतम, गांधी फ़ेलो कनक, डॉ. अकांक्षा, कुणाल दीप (कनाडा) आदि उपस्थित थे। बैठक में अप्रैल 2018 से 2 अक्तूबर 2019 तक दीर्घकालिक और अल्पकालिक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर बा–बापू के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से लोगों को जोड़ने हेतु ढेर सारे कार्यक्रम तय किए गए। अप्रैल 2018 से अक्तूबर 2019 तक की कार्यनीति तैयार की गई है, जिसे 26 से 28 अप्रैल 2018 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की बैठक में अंतिम रूप दिया जाएगा।

संकाय संवर्धन कार्यक्रम

19 मार्च, 2018 : म.गां.अं.हिं.वि. के म.गां.फ्यू.गु.सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र और राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में सात दिवसीय ग्रामीण सहभागिता में संकाय संवर्धन कार्यक्रम का उद्घाटन 19 मार्च को किया गया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने की। संचालन डॉ. मिथिलेश कुमार ने किया। स्वागत वक्तव्य देते हुए केंद्र के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने कहा कि अपेक्षा है कि इन सात दिनों में हम संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करेंगे। पाठ्यक्रम का सामाजिक सरोकार स्पष्ट होना चाहिए। पाठ्यक्रम को समाज की जरूरतों के अनुकूल और समाज को बेहतर दिशा में ले जाने वाला होना चाहिए। नेशनल काउंसिल ऑफ रूरल इंस्टीट्यूट के डी.एन. दास ने कहा कि 1995 से एनसीआरआई कार्यरत है। इसका उद्देश्य ग्रामीण भारत के विश्वविद्यालयों को ग्रामीण जरूरतों से जोड़ना है। इसके अनुरूप पाठ्यक्रम को विकसित करने और ग्रामीण समुदाय के साथ तादात्म्य स्थापित करना है। प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने कहा कि बड़ी उत्सुकता की बात है कि हिंदी विश्वविद्यालय और एनसीआरआई के संयुक्त तत्वावधान में महात्मा गांधी और विनोबा की कर्मभूमि में आयोजित हो रही इस कार्यशाला से ग्रामीण क्षेत्र और ग्रामीण विकास से संबंधित पाठ्यक्रम विकसित करने में मदद मिलेगी। उद्घाटन सत्र के अंत में आभार प्रकट करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव कादर नवाज खान ने कहा कि उम्मीद है कि देश के विभिन्न हिस्सों से आए समाज कार्य के प्राध्यापक इस कार्यशाला से नए अनुभव लेकर जाएंगे।

'शिक्षक शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन के विविध आयाम' पर राष्ट्रीय कार्यशाला

21 मार्च 2018 : म.गां.अं.हिं.वि. के दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा 'शिक्षक शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन के विविध आयाम' विषय पर आयोजित छह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. मनोज कुमार एवं निदेशक प्रो. कृष्ण कुमार सिंह मंचस्थ थे। प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने कहा कि शिक्षक अपने अध्यापन में सदैव नवाचार का प्रयोग करते हुए अपने विद्यार्थियों को तकनीकी व मानवीय संवेदना के समिश्रण के द्वारा एक उच्च आदर्श प्रतिमान को गढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। प्रो. मनोज कुमार ने शिक्षक शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन को शिक्षक गुणवत्ता एवं प्रशिक्षण के महत्वपूर्ण स्तंभ पर आधारित कर उनके गुणवत्ता उन्नयन

को समृद्ध करने का आह्वान किया। स्वागत वक्तव्य में निदेशक प्रो. के. के. सिंह ने शिक्षक शिक्षा में आ रहे विभिन्न नैतिक सामाजिक एवं शैक्षणिक समस्याओं की तरफ विद्यार्थियों का ध्यान आकृष्ट कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. समीर कुमार पांडेय एवं आभार प्रदर्शन डॉ. गुणवंत सोनोने ने किया।

'अनुसंधान' पर सात दिवसीय कार्यशाला

21 मार्च, 2018 : अनुसंधान में मात्रात्मक एवं गुणात्मक पद्धतियां एक दूसरे के पूरक हैं। अनुसंधान एक आनंद देने वाला विषय है। यह व्यक्ति के सोच और चिंतन को विस्तार देता है। उक्त विचार जाने–माने मनोविज्ञानी तथा अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवां के पूर्व कुलपति प्रो. उदय जैन ने व्यक्त किए। वे म.गां.अं.हिं.वि. के शिक्षा विभाग में पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षा मिशन के अंतर्गत एसपीएसएस के माध्यम से 'सामाजिक विज्ञान में अनुप्रयुक्त सांख्यिकीय विधियां' विषय पर 21 से 28 मार्च तक आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर ने की। उद्घाटन सत्र में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के प्रो. सुशील कुमार त्यागी, राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल के पूर्व प्रोफेसर अनिल कुमार, कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. शिरीष पाल सिंह, कार्यशाला समन्वयक डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन सारिका राय शर्मा तथा आभार डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी ने माना। स्वागत वक्तव्य डॉ. अप्रमेय मिश्र ने दिया। कार्यशाला में देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थाओं से 70 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए।

भारतीय विश्वविद्यालय संघ के अधिवेशन में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र का व्याख्यान

21 मार्च, 2018 : भारतीय विश्वविद्यालय संघ के दो दिवसीय अधिवेशन की शुरूआत केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ में 20 मार्च को हुई। इस अधिवेशन में म.गां.अं.हिं.वि. के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि हमारी चिंता का विषय यह है कि आज का छात्र समाज केंद्रित न होकर व्यक्ति केंद्रित हो गया है। इसके कारण उसके व्यक्तिगत जीवन में कई नवीन समस्या उत्पन्न हो रही हैं, साथ ही समाज को भी उसकी शिक्षा का कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। अधिवेशन का उद्घाटन तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा की प्रमुख उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर संबलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीपक बेहरा ने कहा कि एक सफल और उपयोगी जीवन के लिए हमें विषय ज्ञान की आवश्यकता सिर्फ 20 फीसदी ही होती है। शेष 80 प्रतिशत में जीवन जीने की कला की आवश्यकता होती है। आधुनिक ज्ञान–विज्ञान हमें सुविधा संपन्न बना रहा है, लेकिन प्राचीन ज्ञान–विज्ञान हमें आनंदपूर्वक जीवन व्यतीत करने का मार्ग दिखाता है। अधिवेशन में दलाई लामा एवं उपस्थित कुलपतियों के बीच संवाद हुआ। इस संवाद के दौरान क्वीसलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी की प्रो. नूना, बेलगाम के प्रो. विवेक सावजी, प्रो. सीताराम राय, जर्मनी विश्वविद्यालय की डॉ. अदिति गोस्वामी, जयप्रकाश नारायण विश्वविद्यालय, छपरा के कुलपति प्रो. हरिकेश सिंह, केरल के प्रो. आइजेक, प्रो. फुरकान कमर, शिलांग के प्रो. पी. श्रीवास्तव ने मानव मूल्य, उच्च शिक्षा तथा तकनीकी से संबंधित कई प्रश्न किए। इन प्रश्नों के उत्तर में दलाई लामा ने कहा कि करुणा है तो हम किसी का बुरा करने का विचार ही अपने मन में नहीं आने देंगे। व्यक्ति के मन को प्रशिक्षित करके करुणा का विकास संभव है। वैज्ञानिक प्रयोगों से इस बात को सिद्ध भी किया जा चुका है।

कनेडियन लेखिका बख्श संघा का व्याख्यान

22 मार्च 2018 : म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के अनुवाद अध्ययन विभाग में कनाडा की पंजाबी कवयित्री बख्श संघा और रंगकर्मी जसवीर संघा ने 'पुस्तक और मैं' कार्यक्रम के तहत अपनी कविताओं और गीतों का पाठ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुवाद विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. देवराज ने की। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने रचनाकर्म एवं पंजाबी डायस्पोरा संबंधी चर्चा की। बख्श संघा ने प्रवासी पंजाबियों के जीवन के सुखांत–दुखांत के बारे में बताते हुए अपने लेखन में सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक सरोकारों को लेकर चर्चा करते हुए प्रवासी स्त्री की समस्याओं और जीवन संघर्षों को प्रस्तुत करने वाले अपने गीतों को गाकर अपनी पुस्तक संबंधी चर्चा की। जसवीर संघा ने लोकगीतों के माध्यम से प्रवासी पंजाबी जीवन शैली संबंधी चर्चा की। इस दौरान स्त्री अध्ययन विभाग के प्रो. शंभु ने गुप्त ने बख्श संघा की कविताओं की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए उन्हें संवेदनशील रचनाकार बताया। आभार डॉ. राम प्रकाश यादव ने किया। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन डॉ. हरप्रीत कौर ने किया।

इलाहाबाद केंद्र

हिंदी रंगमंच दिवस

03 अप्रैल, 2017 : 'हिंदी रंगमंच दिवस' के उपलक्ष्य में परफार्मिंग आर्ट और हिंदी साहित्य के विद्यार्थियों ने काव्य नाटक 'अंधा युग', शिक्षिका सुश्री अनीता गुप्ता के मार्गदर्शन में मंचन किया। नाटक 'अंधा युग' के माध्यम से युद्ध की विभीषिका को विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता द्वारा बहुत ही कम संसाधनों जैसे– टार्च, बल्बों, रिकॉर्डेड संगीत, लालटेन, समाचार पत्रों द्वारा युद्ध के उपरांत की विभीषिका को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में दृश्यांकन किया। इसमें अभिषेक पांडेय, मधुकर मिश्रा, आदित्य प्रताप सिंह, सामनित मौर्य, राहुल कुमार सिंह, गौरव शर्मा, अनुपम प्रकाश यादव, दिलीप कुमार, निहारिका पटेल, मणि यादव, जितेंद्र मणि त्रिपाठी, कौशलेंद्र, हर्ष श्रीवास्तव इत्यादि ने सक्रिय सहभागिता की।

'समाज, साहित्य और आज का समय' पर व्याख्यान

30 अक्टूबर, 2017 : 'समाज, साहित्य और आज का समय' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान समारोह में आलोचक और कवि विजय बहादुर सिंह ने कहा कि लेखक शब्द को उसके समूचे अर्थ में प्रतिष्ठित करता है। जब शब्द सिर्फ सुनने को बचा है तब संकट बड़ा है। भाषा आदमी की

पहचान है साहित्य इसे प्रतिष्ठित करता है। साहित्य आपकी पहचान को पुनः प्रतिष्ठित करता है। संकट के समय मूल्य बदल देने वाले व्यक्तियों की आज भरमार है। इसे उन्होंने निराला की काव्य पंक्ति 'जैसे वे हों शब्द मात्र' के हवाले से व्याख्यायित किया। साहित्य का 'शब्द' आज सबसे ज्यादा खतरे में है। जब सारी प्रतिरोधी शक्तियों की आवाजें गुम हो जाती हैं तब लेखक और कवि की आवाज बुलंद होती है, यह बात उन्होंने भवानी प्रसाद मिश्र के लेखन पर बात करते हुए कही। साहित्य सुलतानी निगाहों में निगाहें डालता है, यह मुक्तिबोध कह गए हैं। लेखक अपनी रचना का उपयोग अपने व्यक्तित्व को प्रकाशित करने के लिए न करें। साहित्य आदमियत को रचना करने वाला होना चाहिए। आदमी को इंसान बनाना ही साहित्य का मूल उद्देश्य है। जब हमारी चेतना, समाज की चेतना बुझ जाती है तो उसे जगाने का काम साहित्य करता है। व्याख्यान के पूर्व स्वागत वक्तव्य और प्रस्तावना रखते हुए केंद्र के प्रभारी प्रो. संतोष भदौरिया ने कहा कि साहित्य अंतःकरण के आयतन का विस्तार करता है। प्रेमचंद ने कहा है कि 'साहित्य् जीवन की आलोचना है'। साहित्य हमें मूल्यों की पहचान कराना सिखाता है। सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. प्रकाश नारायण त्रिपाठी ने संचालन तथा डॉ. सालेहा जरीन ने आभार व्यक्त किया।

कोलकाता केंद्र

'संचार शोध प्रविधि' पर व्याख्यान

07 फरवरी, 2018 : महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार उपाध्याय ने 'संचार शोध प्रविधि' पर व्याख्यान देते हुए शोधार्थियों के शोध विषयों, शोध प्रणाली, शोध उपागम और शोध क्षेत्र पर हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने जनसंचार के विद्यार्थियों–शोधार्थियों से मीडिया की भाषा के संदर्भ में सक्रियता बरतने को कहा। उन्होंने व्याख्यान में भाषा के स्वरूप में आ रहे बदलावों को समझने और उसे बेहतर बनाने के लिए जनसंचार के विद्यार्थियों–शोधार्थियों को जिम्मेदारी से आगे आने का आह्वान किया। केंद्र प्रभारी प्रो. कृपाशंकर चौबे ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

साहित्य के बिना पत्रकारिता नहीं चल सकती : राम बहादुर राय

12 फरवरी, 2018 : साहित्य और पत्रकारिता के अंतर्संबंध पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सुप्रसिद्ध पत्रकार राम बहादुर राय ने कहा है कि साहित्य के बिना पत्रकारिता नहीं चल सकती। उन्होंने प्रभाष जोशी का उदाहरण देते हुए कहा कि विनोबा को रिपोर्ट करते– करते प्रभाष जी पत्रकारिता में आए। पत्रकारिता के आरंभिक दिनों में प्रभाष जी कविताएं लिखते थे। प्रभाष जी की किताबों से पता चलता है कि उनके भीतर एक साहित्यकार निरंतर सक्रिय रहता था। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार अच्युतानंद मिश्र ने कहा कि मौजूदा समय में पत्रकारिता में साहित्य के लिए जगह नहीं है। पत्रकारिता के सामने आज भाषा और मुद्दों को समझने की चुनौती है। डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि यह संक्रमण का दौर है जहां चीजें उद्देश्यहीन हो गई हैं। पत्रकारिता इतिहास के विशेषज्ञ विजय दत्त श्रीधर ने कहा कि पत्रकारिता साहित्य का वाहक है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के पिछले 190 वर्षों के इतिहास को देखें तो पत्रकारिता और साहित्य ने साथ–साथ विकास किया। साहित्य समालोचक अवधेश प्रधान ने कहा कि विजय दत्त श्रीधर जी ने पहली बार यह शोधपरक खुलासा किया कि 15 अगस्त 1867 को कविवचन सुधा का प्रकाशन हुआ था। इस तरह साहित्यिक पत्रकारिता के डेढ़ सौ वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस यात्रा में साहित्य और पत्रकारिता ने एक दूसरे को ताकत दी। कवि–कथाकार उदयन बाजपेयी ने कहा कि सत्य और न्याय की गुहार लगाना पत्रकारिता का काम है और समाज में जातीय स्मृति को जीवित रखना लेखक की बड़ी जिम्मेदारी है। संगोष्ठी को माधव राव सप्रे समाचार पत्र संग्रहालय की निदेशक डॉ. मंगला अनुजा और बीएचयू में जनसंचार के सहायक प्रोफेसर डॉ. धीरेंद्र राय ने भी संबोधित किया। डॉ. सुनील कुमार ने कार्यक्रम का संचालन, प्रो. कृपाशंकर चौबे ने स्वागत भाषण और प्रो. चंद्रकला पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

कोलकाता हिंदी संवाद की संगोष्ठी

17 फरवरी, 2018 : कोलकाता हिंदी संवाद के तहत सत्यजीत रे निर्देशित फिल्म 'सद्गति' का प्रदर्शन एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। इसमें केंद्र के विद्यार्थियों–शोधार्थियों–प्राध्यापकों एवं अतिथि वक्ताओं ने 'सद्गति' कहानी एवं उसके सिनेमाई रूपांतरण पर विस्तार से चर्चा की। आरंभ में डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि इसका मूल उद्देश्य छात्रों–शोधार्थियों को सम–सामयिक मुद्दों से अवगत कराना तथा उनके अभिव्यक्ति कौशल के विकास के लिए विविध अवसर प्रदान करना है। इस दौरान प्रो. चंद्रकला पांडेय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें फिल्म देखने का नज़रिया बदलना चाहिए। उन्होंने ऐसे आयोजनों को आज की सबसे बड़ी जरूरत बताया।

मातृभाषा दिवस पर बहुभाषी रचना पाठ

23 फरवरी, 2017: 'विश्व मातृभाषा दिवस' के अवसर पर 'बहुभाषी रचना पाठ' का आयोजन किया गया। इसमें हिंदी तथा पत्रकारिता के विद्यार्थियों–शोधार्थियों ने अपनी मातृभाषा तथा दूसरी अन्य भाषाओं में विविध रचनाओं का पाठ किया। इस अवसर पर भोजपुरी, मगही, बांग्ला, अवधी, मैथिली, अंग्रेज़ी, उर्दू, राजस्थानी, हरियाणवी, नेपाली तथा हिंदी में स्वरचित एवं दूसरे कवियों की गद्य–पद्य रचनाओं एवं परंपरागत लोकगीतों की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. चंद्रकला पांडेय, संचालन चाँदनी कुमारी तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विवेक सिंह ने किया। इस आयोजन के संयोजक थे, केंद्र के कार्यकारी प्रभारी व सहायक प्रोफ़ेसर डॉ. सुनील कुमार।

'कविता होने की शर्त' पर व्याख्यान

5 मार्च, 2018 : 'कविता होने की शर्त' विषय पर आयोजित व्याख्यान समारोह में सुप्रसिद्ध कवि और गीतकार डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र ने कहा कि छंद कविता का आकार या स्वरूप है। छंद के सांचे में ही कविता का सौंदर्य है। छंद कविता का कवच है। उन्होंने कहा कि हिंदी कविता की मुख्यधारा नवगीत है और वह इस सदी का सार्वभौम आंदोलन है। उन्होंने इस पर दुख जताया कि हिंदी के प्रतिभाशाली कवियों ने अपनी अक्षमता को ढंकने के लिए छंद को काव्य से बहिष्कृत किया और उसके लिए बहुत समय नष्ट किया। उतना श्रम यदि उन्होंने छंद को साधने के लिए किया होता तो वे हिंदी कविता को भूसे के बजाय अन्न से भरते। उन्होंने 'सरस्वती' शीर्षक कविता से काव्य पाठ प्रारंभ किया : अपनी चिट्ठी बूढ़ी मां मुझसे लिखवाती है। जो भी मैं लिखता हूं वह कविता हो जाती है। उसके बाद उन्होंने मैंने जीवनभर वैराग्य जिया है सच है, लेकिन तुमसे प्यार किया है ये भी सच है, सुनाया। उन्होंने कुछ मुक्तक भी सुनाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. कृपाशंकर चौबे ने कहा कि डॉ. मिश्र छठे दशक से ही काव्य मंच पर छाए हुए हैं और छंद के कारण और वस्तु के कारण।

'हिंदी भाषा की संरचना' पर व्याख्यान

07 मार्च, 2018 : 'हिंदी भाषा की संरचना' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान समारोह में मिजोरम विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. सुशील कुमार शर्मा ने कहा कि मैथिली, भोजपुरी, अवधी, हरियाणवी, मगही जैसी बोलियों के सौंदर्य से ठेठ हिंदी का ठाठ निर्मित होता है। इन्हीं बोलियों के सम्मिलित रूप को हिंदी कहा जाता है। इनसे प्राप्त जीवन शक्ति से हिंदी फलती–फूलती रही है। हिंदी अपनी बोलियों से ही नहीं, दूसरे भाषाओं से भी स्रोत ग्रहण करती रही है, कदाचित् इसीलिए वह नीरभरी नदी बन पाई है। प्रो. शर्मा ने कहा कि दूसरी भाषाओं के अनेक शब्द हिंदी में इस कदर घुल–मिल गए हैं कि लगता ही नहीं कि वे दूसरी भाषा के शब्द हैं। अंग्रेज शब्द फ्रेंच का है जिसे हम बेधड़क इस्तेमाल करते हैं। तुरुप डच का शब्द है जो हिंदी में खूब चलता है। उन्होंने कहा कि चिंता का विषय यह भी है कि हिंदी को उसकी सह भाषाओं–बोलियों से लड़ाने की कोशिश हो रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. कृपाशंकर चौबे ने कहा कि विचार का विषय यह भी है कि हिंदी की पहचान सिर्फ सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा या सबसे बड़े बाज़ार की ही न हो, बल्कि वह समर्थ बने तो अपने सरोकारों के कारण, अपनी अभिव्यक्ति की अपार संभावनाओं के कारण।

नाट्यशास्त्र और संचार पर व्याख्यान

12 मार्च, 2018 : 'नाट्यशास्त्र और संचार' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान समारोह में विश्वभारती, शांतिनिकेतन के जनसंचार के विभागाध्यक्ष प्रो. विप्लव लोहो चौधरी ने कहा कि नाटकों के संबंध में शास्त्रीय ज्ञान को नाट्य शास्त्र कहते हैं। यह रससिद्धांत की मौलिक संहिता है। इसकी मान्यता इतनी अधिक है कि इसके वाक्य 'भरत सूत्र' कहे जाते हैं। नाट्य शास्त्र नाटक के अलावा दूसरी विधाओं जैसे कविता, कहानी के लिए भी समान रूप से उपयोगी है। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई शास्त्र, कोई शिल्प, कोई विद्या और कोई कला ऐसी नहीं है जिसका प्रतिनिधित्व नाट्यशास्त्र में न हो। संचार की संपूर्ण अवधारणा भी भरतमुनि का नाट्यशास्त्र देता है। नाट्यशास्त्र में केवल रचना के नियमों का आकलन नहीं होता बल्कि संचारक और प्रेक्षक का विवेचन भी होता है। उन्होंने कहा कि रस निष्पत्ति से संबंधित सभी तथ्यों का विवेचन संचार के क्षेत्र में भी उतने ही उपयोगी हैं। भारत के पास पर्याप्त देशज विद्या है इसलिए उसे विदेश की नकल करने की कोई जरूरत नहीं। अच्छी चीजें हम विदेश से भी लेंगे किंतु अपने यहां की अच्छी चीजों की उपेक्षा सही नहीं है। कोलकाता केंद्र के प्रभारी प्रो. कृपाशंकर चौबे ने स्वागत भाषण और डॉ. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

छायाचित्र छलकियाँ

'पत्रकारिता और समाज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में वरिष्ठ पत्रकार श्री राहुल देव का स्वागत करते कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र। बाएं प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा व अन्य महानुभाव।
Vice Chancellor Prof. Girishwar Misra welcoming Dr. Rahul Dev, Senior Journalist in a national seminar on 'Journalism and Society'. On the left Prof. Anand Vardhan Sharma and other dignitaries.

अज्ञेय स्मरण कार्यक्रम में अध्यक्षीय वक्तव्य देते कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र। मंच पर बाएं से प्रो. प्रीति सागर, प्रो. के.के. सिंह, प्रो. देवराज और प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल।
Professor Girishwar Misra, Vice Chancellor, MGAHV, delivering the presidential speech at the Agyeya Smaran Programme. Prof. Preeti Sagar, Prof. K.K. Singh, Prof. Devraj and Prof. Hanumanprasad Shukla (from the left) on the dias.

उद्‌बोधन देते हुए डॉ. बालमुकुंद। बाएं प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, दाएं जनसंचार के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार राय।
Dr. Balmukund while addressing. On the left Pro VC Prof. Anand Vardhan Sharma, on the right Prof. Anil Kumar Rai, HoD, Mass Communication.

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विचार व्यक्त करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र एवं अन्य विशिष्ट वक्ता।
Vice Chancellor Prof. Girishwar Misra along with other eminent speakers while expressing his view in an International Conference.

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में योगासन करते कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र सहित विश्वविद्यालय के अध्यापक, कर्मी व विद्यार्थी।
Vice Chancellor Prof Girishwar Misra performing Yogasana with university teachers, staff and students in a program organized on International Yoga Day.

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में उद्‌बोधन देते कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र। मंच पर हैं छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार राय, कुलानुशासक डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर तथा योग अध्यापक।
Vice Chancellor Professor Girishwar Misra addressing at the International Yoga Day celebrations. On the stage, Dean of Students Welfare Prof. Anil Kumar Rai, Dr. Gopal Krishna Thakur and Yoga Teacher.

बालरंग कार्यक्रम में लोकनृत्य का प्रदर्शन करते प्रतिभागी बच्चे।
Children performing folk dance in the Balrang program.

कबीर हिल में वृक्षारोपण करते कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र। साथ में हैं विश्वविद्यालय के कर्मी, विद्यार्थी तथा वैद्यकीय जनजागृति मंच के सदस्यगण।
Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra planting trees at Kabir Hill together with the members of the Medical Awareness Forum, university staff and students.

ई–पीजी पाठशाला का प्रस्तुतीकरण करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र।
Vice Chancellor Prof. Girishwar Misra presenting the e-PG pathshala.

वृक्षारोपण करते हुए विश्वविद्यालय के आवासीय लेखक श्री मारुति चितमपल्ली।
The writer in residence of the University Shri Maruti Chitampalli planting trees

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झंडोत्तोलन के उपरांत विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र।
Vice Chancellor Prof. Girishwar Misra, on the occasion of Independence Day, addressing the university family after flag hoisting.

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में देशभक्ति गीत प्रस्तुत करते विद्यार्थीगण।
Students performing patriotic songs in a program organized on the occasion of Independence Day.

बहुभाषीय कवि सम्मेलन में कविता पाठ करते हुए कविगण। मंच पर हैं बाएं से श्री संजय इंगले तिगांवकर, कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र व प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा।
Poets reciting poetry in a multilingual poets' conference. On stage from the left Shri Sanjay Ingle Tigaonkar, Vice Chancellor Prof. Girishwar Misra and Pro Vice Chancellor Prof. Anand Vardhan Sharma

रासेयो शिविर के दौरान स्वच्छता जनजागृति कार्यक्रम में सहभागिता करते विद्यार्थी।
Students participating in cleanliness public awareness program during NSS camp.

भारत छोड़ो आंदोलन की 75 वीं वर्षगांठ तथा भारतीय स्वतंत्रता की 70 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्वतंत्रता सेनानी भास्करराव ठाकरे तथा कान्ताबाई को सम्मानित करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र। मंच पर बाएं हैं–प्रो. के.के. सिंह।
During the celebration of the 75th anniversary of the Quit India Movement and 70th Anniversary of Indian Independence, Vice Chancellor Prof. Girishwar Misra honoring the freedom fighter Bhaskarrao Thakre and Kantabai, on the left Prof. K.K. Singh.

मॉरीशस के लेखक डॉ. प्रह्लाद रामशरण की पुस्तक का विमोजन करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र तथा श्री बालमुकुंद। मंच पर बाएं से डॉ. राजीव रंजन राय, प्रो. अरबिंद झा, डॉ. प्रह्लाद रामशरण तथा दाएं हैं डॉ. अप्रमेय मिश्र व डॉ. मुन्नालाल गुप्ता।
While releasing the book of Dr. Pahlad Ramsarun, Mauritius, Vice Chancellor Prof. Girishwar Misra and Shri Balamukund. On the stage Dr. Rajeev Ranjan Rai, Prof. Arbind Jha, Dr. Pahlad Ramsarun from the left, and Dr Aprameya Mishra and Dr. Munnalal Gupta on the right.

छात्र युवा संसद का उद्घाटन करते पूर्व सांसद श्री सुरेश वाघमारे और साथ में हैं प्रो. महेंद्र गायकवाड़, प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, प्रो. अनिल कुमार राय।
Inaugurating the Students Youth Parliament, MP Shri Suresh Waghmare and Prof. Mahendra Gaikwad, Pro V.C. Prof. Anand Vardhan Sharma and Prof. Anil Kumar Rai.

हिंदी दिवस समारोह में वक्तव्य देते प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, मंच पर हैं बाएं से श्री राजेश कुमार यादव, मॉरीशस के विनोद कुमार मिश्र तथा कुलसचिव क़ादर नवाज़ खान।
Pro-Vice Chancellor Prof. Anand Vardhan Sharma delivering a speech on the occasion of Hindi Day celebrations. Onthe stage, from left Mr. Rajesh Kumar Yadav; Vinod Kumar Mishra, Mauritius; and Registrar Mr. Kadar Nawaz Khan.

भारत की ज्ञान परंपरा विषय पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंच पर बाएं से श्री संदीप मधुकर सपकाले, प्रो. अनिल कुमार राय, डॉ. ऋषभ कुमार मिश्र, श्री शरद जासवाल, डॉ. हरप्रीत कौर व डॉ. अवंतिका शुक्ला।
In a program organized on the topic 'The Knowledge Tradition of India', on the stage, from left Mr. Sandeep Madhukar Sapkale, Prof. Anil Kumar Rai, Dr. Rishabh Kumar Mishra, Mr. Sharad Jaswal, Dr. Harpreet Kaur and Dr. Avantika Shukla.

'ये इंडिया का टाइम है' कार्यक्रम में देशभक्ति गीत प्रस्तुत करते हुए कलाकार।
Artists performing patriotic songs in the 'Yeh India ka Time Hai' program.

हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन करते हुए राज्यसभा सांसद श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी। मंच पर हैं बाएं से प्रो. प्रीति सागर, सांसद अहलावत, प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा और कुलसचिव कादर नवाज़ खान।
Rajya Sabha MP Shri Satyavrat Chaturvedi inaugurating 'Hindi Pakhwada'. On the stage, from left Prof. Priti Sagar; Mr. Ahalawat, Member of Parliament; Prof. Anand Vardhan Sharma, Pro VC; and Mr. Kadar Nawaz Khan, Registrar.

गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उद्बोधन देते डॉ. अरविंद मालपे, उनके बाएं हैं कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा व कुलसचिव क़ादर नवाज़ ख़ान।
Dr. Arvind Malpe addressing the audience in a program organized on the occasion of Gandhi Jayanti. On the left is Vice chancellor Prof. Girishwar Misra, Pro VC Prof. Anand Vardhan Sharma and Registrar Mr. Kadar Nawaz Khan.

राष्ट्रीय एकता दौड़ में शिरकत करते हुए विश्वविद्यालय के अध्यापक, कर्मी तथा विद्यार्थी।
Teachers, staff members and students of the University attending the National Integration Run.

संविधान दिवस समारोह में विचार व्यक्त करते हुए डॉ. एम.एल. कासारे, मंच पर हैं प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा व प्रो. मनोज कुमार।
Dr. M.L. Kasare while expressing his views at the Constitution Day function. On the stage, Pro VC Prof. Anand Vardhan Sharma and Prof. Manoj Kumar.

'चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व–निर्माण' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में विचार व्यक्त करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र और मंच पर हैं विद्वत वक्ता।
Vice Chancellor Prof. Girishwar Misra expressing his views in a National Workshop on 'Character Building and Personality Development.' Also on stage are other dignitaries.

थाईलैंड से हिंदी पढ़ने आए विद्यार्थियों का स्वागत।
Welcoming the students from Thailand who had come to the University to study Hindi

फुटबॉल मैच खेलते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र।
Vice Chancellor Prof. Girishwar Misra playing football match.

राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम में उद्‌बोधन देते गौतमभाई बजाज। मंच पर हैं बाएं से डॉ. मिथिलेश कुमार, प्रो. चित्तरंजन मिश्र, कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र व अन्य महानुभाव।
Gautambhai Bajaj addressing the audience in the National Youth Day program. On the stage, from left Dr. Mithilesh Kumar, Prof. Chittaranjan Mishra, Vice Chancellor Prof. Girishwar Misra and other dignitaries.

20 वें स्थापना दिवस के अवसर पर विचार व्यक्त करते हुए पश्चिम बंगाल के राज्यपाल श्री केशरीनाथ त्रिपाठी। मंच पर हैं कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, सांसद श्री रामदास तड़स, प्रो. के.जी. सुरेश, कुलसचिव श्री क़ादार नवाज़ ख़ान व विभिन्न विद्यापीठों के संकायाध्यक्ष।

West Bengal Governor Mr. Kesharinath Tripathi delivering a speech on the occasion of the 20th Foundation Day of the University. On the stage Vice Chancellor Prof. Girishwar Misra, Pro VC Prof. Anand Vardhan Sharma, MP Ramdas Tadas, Prof. K.G. Suresh, Registrar Mr. Kader Nawaz Khan with deans of various schools.

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पुस्तक मेला का उद्घाटन करते हुए सांसद श्री रामदास तड़स। साथ में हैं प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, कुलसचिव श्री क़ादर नवाज़ ख़ान व अन्य महानुभाव।

Mr. Ramdas Tadas, Member of Parliament inaugurating the National Book Fair organized by the University. Also present are Pro VC Prof. Anand Vardhan Sharma, Registrar Mr. Kader Nawaz Khan and other dignitaries.

'उर्दू अदब में स्त्री विमर्श' विषय पर आयोजित व्याख्यान समारोह में अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, मंचासीन विद्वत वक्ता।

Vice Chancellor Prof. Girishwar Misra delivering the presidential speech in a lecture program on 'Urdu Adab mein Stree Vimarsh.' along with other distinguished speakers.

20 वें स्थापना दिवस के अवसर पर 'हिंदी सेवी सम्मान' से सम्मानित साहित्यकार विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए।

Literary personalities honoured with the 'Hindi Sevi Samman' addressing the university family on the occasion of 20th Establishment Day.

विश्वविद्यालय की अद्यतन प्रकाशित पुस्तकें